

विदेह VIDEHA

UGC NET/JRF मैथिली

UGC NET-JRF Maithili

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ८ / ९ · Volume 8 of 9

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. विदेह क्विज — विभिन्न कालक प्रमुख कवि आ लेखकक योगदान	१००० प्रश्न
२. विदेह क्विज — मैथिलीक अन्य भारतीय भाषा आ साहित्यसँ तुलनात्मक अध्ययन	१००० प्रश्न
३. मैथिलीमे साहित्यिक सिद्धांत आ आलोचना — विदेह क्विज	५०० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : विदेह क्विज — विभिन्न कालक प्रमुख कवि आ लेखकक योगदान

1

१. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?
 - (A) आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान
 - (B) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन
 - (C) समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान
 - (D) समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार
२. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?
 - (A) वर्णरत्नाकर
 - (B) मलंगियाक नाट्य-योगदान
 - (C) विद्यापति पदावली
 - (D) आधुनिक नाट्य-परम्परा
३. ज्योतिरीश्वर ठाकुर केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?
 - (A) गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली
 - (B) व्यंग्य
 - (C) समालोचना
 - (D) गद्य-वर्णन
४. कालक्रमक दृष्टिसँ ज्योतिरीश्वर ठाकुरक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?
 - (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
 - (B) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
 - (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
 - (D) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
५. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?
 - (A) प्रतीकात्मकता
 - (B) वस्तु-वर्णन, नगर-जीवन, रस-सामग्री आ शब्द-संपदाक समृद्धि
 - (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
 - (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
६. ज्योतिरीश्वर ठाकुर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?
 - (A) भाषा-संस्कार
 - (B) केवल तिथि-स्मरण
 - (C) केवल मूल्य-सूची
 - (D) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला
७. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?
 - (A) कारण हुनका माध्यममे गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला केँ बल भेटल
 - (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
 - (C) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
 - (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
८. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?
 - (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
 - (B) केवल शहरक नाम खोजब
 - (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
 - (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

९. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक लेखन गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली मार्फत गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला केँ उभारैत अछि

१०. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

११. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) गद्यक परिपक्वता
- (B) प्रतीकात्मकता
- (C) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला
- (D) ग्राम्य परिवेश

१२. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — मलंगियाक नाट्य-योगदान
- (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — मिथिला-भाषा रामायण
- (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — वर्णरत्नाकर
- (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — बेटीक अपमान आ छीनरदेवी

१३. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

१४. ज्योतिरीश्वर ठाकुर पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) पात्र-मनोविज्ञान
- (B) छन्द-सजगता
- (C) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (D) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन

१५. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

१६. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला
- (C) आलोचना
- (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या

१७. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली, गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला आ वस्तु-वर्णन, नगर-जीवन, रस-सामग्री आ शब्द-संपदाक समृद्धि

१८. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकें कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कलाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

१९. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

२०. ज्योतिरीश्वर ठाकुरक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुरक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्यमे गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली द्वारा मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन

२१. विद्यापतिक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार
- (B) मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार
- (C) मैथिली गीतिकाव्य केँ लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार
- (D) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार

२२. विद्यापतिक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) अंकिया नाट परम्परा
- (B) राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श
- (C) नचिकेताक साहित्यिक योगदान
- (D) विद्यापति पदावली

२३. विद्यापति केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) समालोचना
- (B) गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार
- (C) प्रबन्ध-काव्य
- (D) गीतिकाव्य

२४. कालक्रमक दृष्टिसँ विद्यापतिक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (C) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

२५. विद्यापतिक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) ग्राम्य परिवेश
- (B) लोकभाषाक सहजता
- (C) राधा-कृष्ण भाव, वयःसन्धि, पूर्वराग, मान, विरह आ अभिसारक सूक्ष्म चित्रण
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

२६. विद्यापति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) आलोचना
- (B) शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय
- (C) केवल तिथि-स्मरण
- (D) केवल मूल्य-सूची

२७. विद्यापतिक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (C) कारण हुनका माध्यम सँ शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय केँ बल भेटल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

२८. विद्यापतिक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

२९. विद्यापतिक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार मार्फत शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

३०. विद्यापतिक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (D) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल

३१. विद्यापतिक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) ऐतिहासिक दृष्टि
- (D) शृङ्गार आ भक्ति

३२. विद्यापतिक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) विद्यापति — विद्यापति पदावली
- (B) विद्यापति — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (C) विद्यापति — मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श
- (D) विद्यापति — नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा

३३. विद्यापतिक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

३४. विद्यापति पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) मैथिली गीतिकाव्य केँ लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार
- (D) लोकभाषाक सहजता

३५. विद्यापतिक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

३६. विद्यापतिक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) शृङ्गार आ भक्ति केर जीवन्त समन्वय

३७. विद्यापतिक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार, शृङ्गार आ भक्ति केर जीवन्त समन्वय आ राधा-कृष्ण भाव, वयःसन्धि, पूर्वराग, मान, विरह आ अभिसारक सूक्ष्म चित्रण
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

३८. विद्यापतिक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति केर जीवन्त समन्वयक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

३९. विद्यापतिक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

४०. विद्यापतिक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) विद्यापतिक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (B) विद्यापतिक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) विद्यापति मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार द्वारा मैथिली गीतिकाव्य केँ लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार
- (D) विद्यापतिक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल

४१. गोविन्ददासक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन
- (B) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार
- (C) विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य केँ आगू बढेनिहार
- (D) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका

४२. गोविन्ददासक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन
- (B) गोविन्ददास भजनावली
- (C) श्रीशक साहित्यिक योगदान
- (D) मोहनक मुक्तक-काव्य

४३. गोविन्ददास केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गद्य-वर्णन
- (B) गीतिकाव्य
- (C) नाटक
- (D) भजन-पद आ गीतिकाव्य

४४. कालक्रमक दृष्टिसँ गोविन्ददासक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (B) आधुनिक समालोचना
- (C) समकालीन मैथिली साहित्य
- (D) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा

४५. गोविन्ददासक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) मौखिक परम्परा
- (B) श्रवण-माधुर्य, राधा-कृष्ण भाव आ पद-लालित्य
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) सामाजिक चेतना

४६. गोविन्ददास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) भजनात्मक गीत-परम्परा
- (B) इतिहास-बोध
- (C) अनुसंधान
- (D) गद्यक परिपक्वता

४७. गोविन्ददासक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमँ भजनात्मक गीत-परम्परा केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

४८. गोविन्ददासक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

४९. गोविन्ददासक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन भजन-पद आ गीतिकाव्य मार्फत भजनात्मक गीत-परम्परा केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

५०. गोविन्ददासक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल

५१. गोविन्ददासक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) सामाजिक चेतना
- (B) भजनात्मक गीत-परम्परा
- (C) ग्राम्य परिवेश
- (D) जनपक्षधरता

५२. गोविन्ददासक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) गोविन्ददास — गोविन्ददास भजनावली
- (B) गोविन्ददास — दत्त-वती
- (C) गोविन्ददास — आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा
- (D) गोविन्ददास — मोहनक मुक्तक-काव्य

५३. गोविन्ददासक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

५४. गोविन्ददास पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (B) विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य केँ आगू बढ़ेनिहार
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) प्रतीकात्मकता

५५. गोविन्ददासक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

५६. गोविन्ददासक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) भजनात्मक गीत-परम्परा
- (B) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (C) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (D) गद्यक परिपक्वता

५७. गोविन्ददासक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) भजन-पद आ गीतिकाव्य, भजनात्मक गीत-परम्परा आ श्रवण-माधुर्य, राधा-कृष्ण भाव आ पद-लालित्य
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

५८. गोविन्ददासक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (C) भजनात्मक गीत-परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

५९. गोविन्ददासक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

६०. गोविन्ददासक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गोविन्ददास केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) गोविन्ददास उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परामे भजन-पद आ गीतिकाव्य द्वारा विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य केँ आगू बढेनिहार
- (C) गोविन्ददासक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (D) गोविन्ददासक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल

६१. उमापतिक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (B) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम
- (C) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनेहार
- (D) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनेहार

६२. उमापतिक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) पारिजात-हरण परम्परा
- (B) मोहनक मुक्तक-काव्य
- (C) अंकिया नाट परम्परा
- (D) केवल पञ्जी-सूची

६३. उमापति केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) मुक्तक-काव्य
- (B) लोकसाहित्य
- (C) व्यंग्य
- (D) कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा

६४. कालक्रमक दृष्टिसँ उमापतिक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक समालोचना
- (B) मध्यकालीन नाट्य-परम्परा
- (C) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (D) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा

६५. उमापतिक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) लयात्मकता
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) कीर्तन, पात्र-संवाद, नृत्य-संगीत आ भक्तिपरक नाट्य-रूप
- (D) केवल शिलालेखक तिथि-सूची

६६. उमापति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) सामाजिक यथार्थ
- (B) आलोचना
- (C) केवल मूल्य-सूची
- (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा

६७. उमापतिक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (B) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (C) कारण हुनका माध्यमँ मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा केँ बल भेटल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

६८. उमापतिक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

६९. उमापतिक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक लेखन कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा मार्फत मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

७०. उमापतिक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

७१. उमापतिक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भाषा-संस्कार
- (B) मौखिक परम्परा
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा

७२. उमापतिक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) उमापति — आरसीक काव्य-योगदान
- (B) उमापति — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन
- (C) उमापति — वर्णरत्नाकर
- (D) उमापति — पारिजात-हरण परम्परा

७३. उमापतिक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता

७४. उमापति पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) ऐतिहासिक दृष्टि
- (B) पात्र-मनोविज्ञान
- (C) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम
- (D) केवल शिलालेखक तिथि-सूची

७५. उमापतिक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

७६. उमापतिक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) लोकजीवन
- (B) आलोचना
- (C) अनुसंधान
- (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा

७७. उमापतिक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा, मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा आ कीर्तन, पात्र-संवाद, नृत्य-संगीत आ भक्तिपरक नाट्य-रूप
- (D) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर

७८. उमापतिक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

७९. उमापतिक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

८०. उमापतिक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) उमापतिक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) उमापति मध्यकालीन नाट्य-परम्परामे कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा द्वारा मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम
- (C) उमापतिक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) उमापति केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

८१. मनबोधक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार
- (B) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार
- (C) कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार
- (D) लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान

८२. मनबोधक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) कृति राजकमल
- (B) वर्णरत्नाकर
- (C) कृष्णजन्म
- (D) अमरक मुक्तक-काव्य

८३. मनबोध केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) प्रबन्ध-काव्य
- (B) व्यंग्य
- (C) निबन्ध
- (D) कथा-उपन्यास

८४. कालक्रमक दृष्टिसँ मनबोधक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (B) मध्यकालीन कथात्मक काव्यधारा
- (C) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (D) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा

८५. मनबोधक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) कथा-प्रवाह, भक्तिभाव, लोकधर्मी भाषा आ काव्यात्मक वर्णन
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) छन्द-सजगता
- (D) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह

८६. मनबोध पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) अनुसंधान
- (B) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान
- (C) लोकजीवन
- (D) सामाजिक यथार्थ

८७. मनबोधक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (B) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका माध्यम कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान केँ बल भेटल
- (D) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल

८८. मनबोधक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

८९. मनबोधक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक लेखन प्रबन्ध-काव्य मार्फत कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान केँ उभारैत अछि

९०. मनबोधक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल

९१. मनबोधक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) शृङ्गार आ भक्ति
- (D) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान

९२. मनबोधक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) मनबोध — खट्टर ककाक तरंग
- (B) मनबोध — कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान
- (C) मनबोध — चित्रा
- (D) मनबोध — कृष्णजन्म

९३. मनबोधक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

९४. मनबोध पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) लोकभाषाक सहजता
- (B) लयात्मकता
- (C) राधा-कृष्ण भाव
- (D) कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार

९५. मनबोधक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

९६. मनबोधक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) भाषा-संस्कार
- (B) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान
- (C) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (D) स्त्री-अनुभव

९७. मनबोधक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) प्रबन्ध-काव्य, कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान आ कथा-प्रवाह, भक्तिभाव, लोकधर्मी भाषा आ काव्यात्मक वर्णन
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

९८. मनबोधक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकें कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यानक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

९९. मनबोधक योगदान कें कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

१००. मनबोधक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मनबोध केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) मनबोधक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) मनबोध मध्यकालीन कथात्मक काव्यधारामे प्रबन्ध-काव्य द्वारा कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप कें प्रतिष्ठित करनिहार
- (D) मनबोधक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

2

१०१. चन्दा झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान कें स्वर देनिहार
- (B) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (C) मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन कें विकसित करनिहार
- (D) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक

१०२. चन्दा झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मिथिला-भाषा रामायण
- (B) मलंगियाक नाट्य-योगदान
- (C) कीचकवध
- (D) खट्टर ककाक तरंग

१०३. चन्दा झा कें कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) महाकाव्य
- (B) भाषा-अनुसंधान
- (C) व्यंग्य
- (D) रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद

१०४. कालक्रमक दृष्टिसँ चन्दा झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक समालोचना
- (B) समकालीन मैथिली साहित्य
- (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

१०५. चन्दा झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) ऐतिहासिक दृष्टि
- (B) लोकभाषाक सहजता
- (C) पात्र-मनोविज्ञान
- (D) रामकथा केँ मैथिली संस्कार, लोकोक्ति, छन्द आ सामाजिक चेतनासँ जोड़ब

१०६. चन्दा झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य
- (B) भाषा-संस्कार
- (C) जनपक्षधरता
- (D) केवल मूल्य-सूची

१०७. चन्दा झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (B) कारण हुनका माध्यममें मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

१०८. चन्दा झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

१०९. चन्दा झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक लेखन रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद मार्फत मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य केँ उभारैत अछि

११०. चन्दा झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल

१११. चन्दा झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) मंचीय संवाद
- (B) शृङ्गार आ भक्ति
- (C) रंगमंच
- (D) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य

११२. चन्दा झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) चन्दा झा — श्रीशक साहित्यिक योगदान
- (B) चन्दा झा — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श
- (C) चन्दा झा — मिथिला-भाषा रामायण
- (D) चन्दा झा — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग

११३. चन्दा झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

११४. चन्दा झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मौखिक परम्परा
- (B) लयात्मकता
- (C) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (D) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक

११५. चन्दा झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर

११६. चन्दा झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य
- (C) लोकजीवन
- (D) केवल शिलालेखक तिथि-सूची

११७. चन्दा झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद, मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य आ रामकथा केँ मैथिली संस्कार, लोकोक्ति, छन्द आ सामाजिक चेतनासँ जोड़ब
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

११८. चन्दा झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्यक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

११९. चन्दा झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

१२०. चन्दा झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) चन्दा झा आधुनिक मैथिली नवजागरणमे रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद द्वारा मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक
- (B) चन्दा झाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) चन्दा झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) चन्दा झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१२१. लालदासक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार
- (B) मैथिली गीतिकाव्य केँ लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार
- (C) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम
- (D) स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकेँ कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार

१२२. लालदासक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण
- (B) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
- (C) राजस्व-विवरण
- (D) राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श

१२३. लालदास केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) निबन्ध
- (B) समालोचना
- (C) व्यंग्य
- (D) महाकाव्यात्मक रामकाव्य

१२४. कालक्रमक दृष्टिसँ लालदासक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक महाकाव्य/रामकथा परम्परा
- (B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (C) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (D) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा

१२५. लालदासक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) बालकाण्ड, सीता-महिमा, मिथिला-संस्कार आ काव्यात्मक वर्णन
- (B) भाषिक अनुशासन
- (C) सामाजिक चेतना
- (D) प्रतीकात्मकता

१२६. लालदास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) आलोचना
- (B) केवल तिथि-स्मरण
- (C) मिथिला-रामायण परम्परा
- (D) स्त्री-अनुभव

१२७. लालदासक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (B) कारण हुनका माध्यमेँ मिथिला-रामायण परम्परा केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल

१२८. लालदासक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

१२९. लालदासक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन महाकाव्यात्मक रामकाव्य मार्फत मिथिला-रामायण परम्परा केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

१३०. लालदासक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

१३१. लालदासक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) मिथिला-रामायण परम्परा
- (B) भाषा-संस्कार
- (C) ऐतिहासिक दृष्टि
- (D) लोकजीवन

१३२. लालदासक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) लालदास — कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान
- (B) लालदास — रमेश्वरचरित मिथिला रामायण
- (C) लालदास — लोरिक-विजय
- (D) लालदास — मधुपक गीतिकाव्य

१३३. लालदासक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

१३४. लालदास पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) ऐतिहासिक दृष्टि
- (D) मंचीय संवाद

१३५. लालदासक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

१३६. लालदासक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) भाषा-संस्कार
- (B) मिथिला-रामायण परम्परा
- (C) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (D) केवल शिलालेखक तिथि-सूची

१३७. लालदासक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) महाकाव्यात्मक रामकाव्य, मिथिला-रामायण परम्परा आ बालकाण्ड, सीता-महिमा, मिथिला-संस्कार आ काव्यात्मक वर्णन

१३८. लालदासक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (B) मिथिला-रामायण परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

१३९. लालदासक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

१४०. लालदासक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लालदासक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) लालदासक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) लालदास आधुनिक महाकाव्य/रामकथा परम्परामे महाकाव्यात्मक रामकाव्य द्वारा मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार
- (D) लालदासक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल

१४१. सीताराम झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार
- (B) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार
- (C) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (D) विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य केँ आगू बढेनिहार

१४२. सीताराम झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण
- (B) रमणक आलोचनात्मक लेखन
- (C) मोहनक मुक्तक-काव्य
- (D) मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा

१४३. सीताराम झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) कविता, गीत आ मुक्तक
- (B) मुक्तक-काव्य
- (C) गीतिकाव्य
- (D) लोकसाहित्य

१४४. कालक्रमक दृष्टिसँ सीताराम झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (B) आधुनिक मुक्तक-काव्य परम्परा
- (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (D) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा

१४५. सीताराम झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) प्रतीकात्मकता
- (B) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (C) गीतात्मकता, भाव-संयम, संस्कार-बोध आ लोकानुभव
- (D) केवल शिलालेखक तिथि-सूची

१४६. सीताराम झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) केवल तिथि-स्मरण
- (B) भाषा-संस्कार
- (C) मुक्तक-काव्यक सुदृढ़ीकरण
- (D) इतिहास-बोध

१४७. सीताराम झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (B) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (C) कारण हुनका माध्यमँ मुक्तक-काव्यक सुदृढ़ीकरण केँ बल भेटल
- (D) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल

१४८. सीताराम झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (D) केवल शहरक नाम खोजब

१४९. सीताराम झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन कविता, गीत आ मुक्तक मार्फत मुक्तक-काव्यक सुदृढ़ीकरण केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि

१५०. सीताराम झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

१५१. सीताराम झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) पात्र-मनोविज्ञान
- (B) छन्द-सजगता
- (C) ऐतिहासिक दृष्टि
- (D) मुक्तक-काव्यक सुदृढ़ीकरण

१५२. सीताराम झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) सीताराम झा — मलंगियाक नाट्य-योगदान
- (B) सीताराम झा — मैथिली कथा-परम्परा
- (C) सीताराम झा — अंकिया नाट परम्परा
- (D) सीताराम झा — मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा

१५३. सीताराम झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

१५४. सीताराम झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) लोकभाषाक सहजता
- (B) छन्द-सजगता
- (C) मौखिक परम्परा
- (D) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान

१५५. सीताराम झाक अध्ययनकें कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) केवल नामक वर्णक्रमसँ

१५६. सीताराम झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव
- (B) मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) गद्यक परिपक्वता

१५७. सीताराम झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) कविता, गीत आ मुक्तक, मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण आ गीतात्मकता, भाव-संयम, संस्कार-बोध आ लोकानुभव
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

१५८. सीताराम झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकें कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरणक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ भेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

१५९. सीताराम झाक योगदान कें कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

१६०. सीताराम झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) सीताराम झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) सीताराम झा आधुनिक मुक्तक-काव्य परम्परामे कविता, गीत आ मुक्तक द्वारा आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (C) सीताराम झा केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (D) सीताराम झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१६१. रघुनन्दन लालदासक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?
- (A) मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार
(B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
(C) नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार
(D) विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य केँ आगू बढेनिहार
१६२. रघुनन्दन लालदासक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?
- (A) नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा
(B) राजस्व-विवरण
(C) विद्यापति पदावली
(D) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
१६३. रघुनन्दन लालदास केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?
- (A) लोकसाहित्य
(B) व्यंग्य
(C) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन
(D) समालोचना
१६४. कालक्रमक दृष्टिसँ रघुनन्दन लालदासक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?
- (A) आधुनिक आरम्भिक गद्य-काव्य परम्परा
(B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
(C) आधुनिक समालोचना
(D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
१६५. रघुनन्दन लालदासक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?
- (A) भाषा-प्रेम, सांस्कृतिक पुनर्स्मरण आ परम्परा-सजगता
(B) प्रतीकात्मकता
(C) भाषिक अनुशासन
(D) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
१६६. रघुनन्दन लालदास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?
- (A) शृङ्गार आ भक्ति
(B) भाषा-संस्कार
(C) अनुसंधान
(D) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना
१६७. रघुनन्दन लालदासक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?
- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
(B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
(C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
(D) कारण हुनका माध्यमसँ नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना केँ बल भेटल
१६८. रघुनन्दन लालदासक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?
- (A) केवल नाम रटि छोड़ि देब
(B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
(C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
(D) केवल शहरक नाम खोजब

१६९. रघुनन्दन लालदासक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक लेखन काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन मार्फत नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

१७०. रघुनन्दन लालदासक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल

१७१. रघुनन्दन लालदासक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) इतिहास-बोध
- (B) लयात्मकता
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना

१७२. रघुनन्दन लालदासक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) रघुनन्दन लालदास — आधुनिक मैथिली कथा-लेखन
- (B) रघुनन्दन लालदास — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
- (C) रघुनन्दन लालदास — वर्णरत्नाकर
- (D) रघुनन्दन लालदास — बेटीक अपमान आ छीनरदेवी

१७३. रघुनन्दन लालदासक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

१७४. रघुनन्दन लालदास पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

१७५. रघुनन्दन लालदासक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

१७६. रघुनन्दन लालदासक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थ
- (B) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना
- (C) केवल वैयक्तिक नुस्खाक संग्रह
- (D) भाषा-संस्कार

१७७. रघुनन्दन लालदासक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन, नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना आ भाषा-प्रेम, सांस्कृतिक पुनर्स्मरण आ परम्परा-सजगता

१७८. रघुनन्दन लालदासक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

१७९. रघुनन्दन लालदासक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

१८०. रघुनन्दन लालदासक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) रघुनन्दन लालदासक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) रघुनन्दन लालदासक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) रघुनन्दन लालदास आधुनिक आरम्भिक गद्य-काव्य परम्परामे काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन द्वारा नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार
- (D) रघुनन्दन लालदास केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

१८१. तन्त्रनाथ झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार
- (B) समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान
- (C) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार
- (D) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार

१८२. तन्त्रनाथ झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श
- (B) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श
- (C) मोहनक मुक्तक-काव्य
- (D) कीचकवध

१८३. तन्त्रनाथ झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) मुक्तक-काव्य
- (B) गद्य-वर्णन
- (C) महाकाव्य
- (D) महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य

१८४. कालक्रमक दृष्टिसँ तन्त्रनाथ झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) समकालीन मैथिली साहित्य
- (B) आधुनिक प्रबन्ध/महाकाव्य परम्परा
- (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (D) आधुनिक समालोचना

१८५. तंत्रनाथ झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) सामाजिक चेतना
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) पात्र-मनोविज्ञान
- (D) अज्ञातवास, कीचक-वध, भीम-द्रौपदी प्रसंग आ वीर-करुण भाव

१८६. तंत्रनाथ झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) रंगमंच
- (B) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा
- (C) लोकजीवन
- (D) आलोचना

१८७. तंत्रनाथ झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (C) कारण हुनका माध्यममें वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा केँ बल भेटल
- (D) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल

१८८. तंत्रनाथ झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

१८९. तंत्रनाथ झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक लेखन महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य मार्फत वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा केँ उभारैत अछि

१९०. तंत्रनाथ झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

१९१. तंत्रनाथ झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा
- (B) रंगमंच
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) पात्र-मनोविज्ञान

१९२. तंत्रनाथ झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) तंत्रनाथ झा — रमणक आलोचनात्मक लेखन
- (B) तंत्रनाथ झा — मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श
- (C) तंत्रनाथ झा — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
- (D) तंत्रनाथ झा — कीचकवध

१९३. तंत्रनाथ झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

१९४. तंत्रनाथ झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) राधा-कृष्ण भाव
- (D) छन्द-सजगता

१९५. तंत्रनाथ झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल नामक वर्णक्रमसँ

१९६. तंत्रनाथ झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) गद्यक परिपक्वता
- (B) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा
- (C) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (D) अनुसंधान

१९७. तंत्रनाथ झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य, वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा आ अज्ञातवास, कीचक-वध, भीम-द्रौपदी प्रसंग आ वीर-करुण भाव
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

१९८. तंत्रनाथ झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

१९९. तंत्रनाथ झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे

२००. तंत्रनाथ झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) तंत्रनाथ झाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (B) तंत्रनाथ झा केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) तंत्रनाथ झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) तंत्रनाथ झा आधुनिक प्रबन्ध/महाकाव्य परम्परामे महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य द्वारा महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार

२०१. हरिमोहन झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार
- (B) बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार
- (C) भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकेँ जोड़निहार बहुआयामी लेखक
- (D) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान

२०२. हरिमोहन झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) भफाड़त चाहक जिनगी
- (B) व्यापार-लेखा
- (C) कीचकवध
- (D) खट्टर ककाक तरंग

२०३. हरिमोहन झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) निबन्ध
- (B) प्रबन्ध-काव्य
- (C) भाषा-अनुसंधान
- (D) उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य

२०४. कालक्रमक दृष्टिसँ हरिमोहन झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली गद्यक उत्कर्ष
- (B) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

२०५. हरिमोहन झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (B) कर्मकाण्ड, पाखण्ड, समाज-रूढ़ि आ बुद्धिवादी प्रश्नक व्यंग्यात्मक परीक्षण
- (C) लयात्मकता
- (D) मौखिक परम्परा

२०६. हरिमोहन झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) जनपक्षधरता
- (B) आलोचना
- (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक
- (D) सामाजिक यथार्थ

२०७. हरिमोहन झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (C) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (D) कारण हुनका माध्यमसँ हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक केँ बल भेटल

२०८. हरिमोहन झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

२०९. हरिमोहन झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक लेखन उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य मार्फत हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक केँ उभारैत अछि

२१०. हरिमोहन झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

२११. हरिमोहन झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) पात्र-मनोविज्ञान
- (B) सामाजिक चेतना
- (C) ऐतिहासिक दृष्टि
- (D) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक

२१२. हरिमोहन झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) हरिमोहन झा — लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श
- (B) हरिमोहन झा — खट्टर ककाक तरंग
- (C) हरिमोहन झा — अमरक मुक्तक-काव्य
- (D) हरिमोहन झा — चित्रा

२१३. हरिमोहन झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

२१४. हरिमोहन झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार
- (B) मंचीय संवाद
- (C) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (D) ग्राम्य परिवेश

२१५. हरिमोहन झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

२१६. हरिमोहन झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक
- (B) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (C) जनपक्षधरता
- (D) गद्यक परिपक्वता

२१७. हरिमोहन झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य, हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक आ कर्मकाण्ड, पाखण्ड, समाज-रुढ़ि आ बुद्धिवादी प्रश्नक व्यंग्यात्मक परीक्षण

२१८. हरिमोहन झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

२१९. हरिमोहन झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनायवला प्रश्नमे
- (D) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे

२२०. हरिमोहन झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) हरिमोहन झा केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) हरिमोहन झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) हरिमोहन झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) हरिमोहन झा आधुनिक मैथिली गद्यक उत्कर्षमे उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य द्वारा मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार

२२१. यात्रीक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार
- (B) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम
- (C) लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार
- (D) आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान

२२२. यात्रीक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) चित्रा
- (B) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान
- (C) मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श
- (D) आरसीक काव्य-योगदान

२२३. यात्री केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) लोकसाहित्य
- (B) मुक्तक-काव्य
- (C) गीतिकाव्य
- (D) कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन

२२४. कालक्रमक दृष्टिसँ यात्रीक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक जनमुखी काव्य-कथा परम्परा
- (B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (C) आधुनिक समालोचना
- (D) मध्यकालीन मैथिली साहित्य

२२५. यात्रीक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) गाम-घरक भाषा, सामाजिक प्रतिरोध, जनपक्षधरता आ तीक्ष्ण व्यंग्य
- (C) राधा-कृष्ण भाव
- (D) लयात्मकता

२२६. यात्री पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति
- (B) लोकजीवन
- (C) जनपक्षधर आधुनिकता
- (D) केवल तिथि-स्मरण

२२७. यात्रीक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यममें जनपक्षधर आधुनिकता केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

२२८. यात्रीक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

२२९. यात्रीक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक लेखन कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन मार्फत जनपक्षधर आधुनिकता केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

२३०. यात्रीक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

२३१. यात्रीक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) ऐतिहासिक दृष्टि
- (B) शृङ्गार आ भक्ति
- (C) ग्राम्य परिवेश
- (D) जनपक्षधर आधुनिकता

२३२. यात्रीक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) यात्री — चित्रा
- (B) यात्री — भफाइत चाहक जिनगी
- (C) यात्री — बेटीक अपमान आ छीनरदेवी
- (D) यात्री — विदितक कथा-लेखन

२३३. यात्रीक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

२३४. यात्री पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) मंचीय संवाद
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

२३५. यात्रीक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

२३६. यात्रीक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) अनुसंधान
- (C) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (D) जनपक्षधर आधुनिकता

२३७. यात्रीक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन, जनपक्षधर आधुनिकता आ गाम-घरक भाषा, सामाजिक प्रतिरोध, जनपक्षधरता आ तीक्ष्ण व्यंग्य
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

२३८. यात्रीक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) जनपक्षधर आधुनिकताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

२३९. यात्रीक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनायवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

२४०. यात्रीक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) यात्रीक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) यात्री केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) यात्री आधुनिक जनमुखी काव्य-कथा परम्परामे कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन द्वारा लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार
- (D) यात्रीक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

२४१. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार
- (B) असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम
- (C) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार
- (D) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक

२४२. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) खट्टर ककाक तरंग
- (B) रमणक आलोचनात्मक लेखन
- (C) व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान
- (D) भफाड़त चाहक जिनगी

२४३. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) लोकसाहित्य
- (B) कथा-उपन्यास
- (C) गीतिकाव्य
- (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य

२४४. कालक्रमक दृष्टिसँ उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (B) आधुनिक समालोचना
- (C) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (D) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा

२४५. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) ग्राम्य समाज, परिवार, नैतिक द्वन्द्व आ कथानक-विन्यास
- (B) पात्र-मनोविज्ञान
- (C) भाषिक अनुशासन
- (D) सामाजिक चेतना

२४६. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) रंगमंच
- (B) आधुनिक कथा-संरचना
- (C) केवल तिथि-स्मरण
- (D) स्त्री-अनुभव

२४७. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका माध्यम आधुनिक कथा-संरचना केँ बल भेटल

२४८. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

२४९. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक लेखन कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य मार्फत आधुनिक कथा-संरचना केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

२५०. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

२५१. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) आधुनिक कथा-संरचना
- (B) अनुसंधान
- (C) शृङ्गार आ भक्ति
- (D) लोकजीवन

२५२. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' — व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान
- (B) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' — आधुनिक मैथिली कथा-लेखन
- (C) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' — मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श
- (D) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' — मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा

२५३. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

२५४. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) प्रतीकात्मकता
- (B) मंचीय संवाद
- (C) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार
- (D) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह

२५५. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

२५६. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) शृङ्गार आ भक्ति
- (D) आधुनिक कथा-संरचना

२५७. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य, आधुनिक कथा-संरचना आ ग्राम्य समाज, परिवार, नैतिक द्वन्द्व आ कथानक-विन्यास
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

२५८. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) आधुनिक कथा-संरचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

२५९. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

२६०. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परामे कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य द्वारा मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार
- (B) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

२६१. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार
- (B) मैथिली गीतिकाव्य केँ लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार
- (C) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार
- (D) लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष केँ उपन्यासमे रूपायित करनिहार

२६२. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कथा-लेखन
- (B) कृति राजकमल
- (C) लोरिक-विजय
- (D) आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा

२६३. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) लोकसाहित्य
- (B) उपन्यास आ कथा
- (C) समालोचना
- (D) निबन्ध

२६४. कालक्रमक दृष्टिसँ ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) समकालीन मैथिली साहित्य
- (B) आधुनिक ऐतिहासिक/लोकगाथात्मक उपन्यास धारा
- (C) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (D) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक

२६५. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) ग्राम्य परिवेश
- (B) लोकभाषाक सहजता
- (C) लोरिकक वीरता, लोक-स्मृति, सामन्ती अत्याचार आ संघर्षधर्मी कथानक
- (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या

२६६. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) केवल मूल्य-सूची
- (B) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप
- (C) शृङ्गार आ भक्ति
- (D) लोकजीवन

२६७. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (B) कारण हुनका माध्यम लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

२६८. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब

२६९. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन उपन्यास आ कथा मार्फत लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

२७०. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल

२७१. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) पात्र-मनोविज्ञान
- (B) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप
- (C) सामाजिक यथार्थ
- (D) आलोचना

२७२. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' — लोरिक-विजय
- (B) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' — आरसीक काव्य-योगदान
- (C) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' — खट्टर ककाक तरंग
- (D) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' — मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श

२७३. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

२७४. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) ऐतिहासिक दृष्टि
- (B) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष केँ उपन्यासमे रूपायित करनिहार

२७५. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

२७६. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप
- (D) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका

२७७. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) उपन्यास आ कथा, लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप आ लोरिकक वीरता, लोक-स्मृति, सामन्ती अत्याचार आ संघर्षधर्मी कथानक

२७८. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूपक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

२७९. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे

२८०. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' आधुनिक ऐतिहासिक/लोकगाथात्मक उपन्यास धारामे उपन्यास आ कथा द्वारा लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष केँ उपन्यासमे रूपायित करनिहार
- (D) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

२८१. राजकमल चौधरीक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकें तीव्र रूप देनिहार

२८२. राजकमल चौधरीक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा
- (B) विदितक कथा-लेखन
- (C) कृति राजकमल
- (D) मौसम-पत्रक

२८३. राजकमल चौधरी कें कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य
- (B) महाकाव्य
- (C) समालोचना
- (D) गद्य-वर्णन

२८४. कालक्रमक दृष्टिसँ राजकमल चौधरीक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (B) समकालीन मैथिली साहित्य
- (C) उत्तर-आधुनिक संवेदनाक आरम्भिक आधुनिक स्वर
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

२८५. राजकमल चौधरीक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) लोकभाषाक सहजता
- (B) मनोवैज्ञानिक बेचैनी, सामाजिक विखण्डन, निर्भीक भाषा आ नवीन शिल्प
- (C) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (D) केवल शिलालेखक तिथि-सूची

२८६. राजकमल चौधरी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) गद्यक परिपक्वता
- (B) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प
- (C) केवल मूल्य-सूची
- (D) छन्द-विधान

२८७. राजकमल चौधरीक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमसँ आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प कें बल भेटल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

२८८. राजकमल चौधरीक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

२८९. राजकमल चौधरीक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक लेखन कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य मार्फत आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

२९०. राजकमल चौधरीक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

२९१. राजकमल चौधरीक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) मंचीय संवाद
- (B) भाषिक अनुशासन
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प

२९२. राजकमल चौधरीक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) राजकमल चौधरी — कृति राजकमल
- (B) राजकमल चौधरी — नचिकेताक साहित्यिक योगदान
- (C) राजकमल चौधरी — मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा
- (D) राजकमल चौधरी — राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श

२९३. राजकमल चौधरीक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

२९४. राजकमल चौधरी पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (B) आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकेँ तीव्र रूप देनिहार
- (C) पात्र-मनोविज्ञान
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

२९५. राजकमल चौधरीक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर

२९६. राजकमल चौधरीक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प
- (D) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका

२९७. राजकमल चौधरीक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य, आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प आ मनोवैज्ञानिक बेचैनी, सामाजिक विखण्डन, निर्भीक भाषा आ नवीन शिल्प
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

२९८. राजकमल चौधरीक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्पक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

२९९. राजकमल चौधरीक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

३००. राजकमल चौधरीक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) राजकमल चौधरी उत्तर-आधुनिक संवेदनाक आरम्भिक आधुनिक स्वरमे कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य द्वारा आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकेँ तीव्र रूप देनिहार
- (B) राजकमल चौधरीक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) राजकमल चौधरीक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) राजकमल चौधरी केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

4

३०१. लिली रेक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकेँ कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार
- (B) लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान
- (C) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार
- (D) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार

३०२. लिली रेक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा
- (B) लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श
- (C) बेटीक अपमान आ छीनरदेवी
- (D) कृष्णजन्म

३०३. लिली रे केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन
- (C) भाषा-अनुसंधान
- (D) नाटक

३०४. कालक्रमक दृष्टिसँ लिली रेक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) समकालीन मैथिली साहित्य
- (B) आधुनिक समालोचना
- (C) आधुनिक मैथिली कथा-उपन्यास
- (D) आधुनिक मैथिली नवजागरण

३०५. लिली रेक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (B) नारी-मन, परिवार, सामाजिक दबाव आ आत्मसम्मानक प्रश्न
- (C) लयात्मकता
- (D) राधा-कृष्ण भाव

३०६. लिली रे पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) केवल मूल्य-सूची
- (B) केवल तिथि-स्मरण
- (C) छन्द-विधान
- (D) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा

३०७. लिली रेक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (B) कारण हुनका माध्यममें नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

३०८. लिली रेक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (D) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब

३०९. लिली रेक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक लेखन कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन मार्फत नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

३१०. लिली रेक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

३११. लिली रेक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा
- (B) प्रतीकात्मकता
- (C) सामाजिक चेतना
- (D) स्त्री-अनुभव

३१२. लिली रेक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) लिली रे — अक्कूक नाट्य-योगदान
- (B) लिली रे — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन
- (C) लिली रे — मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा
- (D) लिली रे — पारिजात-हरण परम्परा

३१३. लिली रेक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता

३१४. लिली रे पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (C) स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाक कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार
- (D) लयात्मकता

३१५. लिली रेक अध्ययनकें कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ

३१६. लिली रेक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) रंगमंच
- (C) स्त्री-अनुभव
- (D) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा

३१७. लिली रेक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन, नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा आ नारी-मन, परिवार, सामाजिक दबाव आ आत्मसम्मानक प्रश्न
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

३१८. लिली रेक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकें कोन लाभ भेटल?

- (A) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

३१९. लिली रेक योगदान कें कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

३२०. लिली रेक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-उपन्यासमे कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन द्वारा स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकें कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार
- (B) लिली रेक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) लिली रे केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (D) लिली रेक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

३२१. प्रभास कुमार चौधरीक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार
- (B) समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार
- (C) समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान
- (D) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार

३२२. प्रभास कुमार चौधरीक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली कथा-लेखन
- (B) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श
- (C) कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान
- (D) मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा

३२३. प्रभास कुमार चौधरी केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) कथा आ उपन्यास
- (B) भाषा-अनुसंधान
- (C) लोकसाहित्य
- (D) समालोचना

३२४. कालक्रमक दृष्टिसँ प्रभास कुमार चौधरीक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (B) आधुनिक कथा-गद्य परम्परा
- (C) आधुनिक समालोचना
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

३२५. प्रभास कुमार चौधरीक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) पात्र-मनोविज्ञान
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) पात्रक मनोभूमि, सामाजिक यथार्थ आ संवादात्मक गद्य
- (D) लोकभाषाक सहजता

३२६. प्रभास कुमार चौधरी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) सामाजिक यथार्थ
- (B) स्त्री-अनुभव
- (C) रंगमंच
- (D) समकालीन कथात्मक यथार्थ

३२७. प्रभास कुमार चौधरीक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यमेँ समकालीन कथात्मक यथार्थ केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

३२८. प्रभास कुमार चौधरीक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

३२९. प्रभास कुमार चौधरीक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक लेखन कथा आ उपन्यास मार्फत समकालीन कथात्मक यथार्थ केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

३३०. प्रभास कुमार चौधरीक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल

३३१. प्रभास कुमार चौधरीक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) समकालीन कथात्मक यथार्थ
- (C) भाषिक अनुशासन
- (D) मौखिक परम्परा

३३२. प्रभास कुमार चौधरीक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) प्रभास कुमार चौधरी — प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान
- (B) प्रभास कुमार चौधरी — आधुनिक मैथिली कथा-लेखन
- (C) प्रभास कुमार चौधरी — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (D) प्रभास कुमार चौधरी — लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श

३३३. प्रभास कुमार चौधरीक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता

३३४. प्रभास कुमार चौधरी पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार
- (B) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (C) ग्राम्य परिवेश
- (D) सामाजिक चेतना

३३५. प्रभास कुमार चौधरीक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

३३६. प्रभास कुमार चौधरीक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (B) सामाजिक यथार्थ
- (C) समकालीन कथात्मक यथार्थ
- (D) रंगमंच

३३७. प्रभास कुमार चौधरीक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (C) कथा आ उपन्यास, समकालीन कथात्मक यथार्थ आ पात्रक मनोभूमि, सामाजिक यथार्थ आ संवादात्मक गद्य
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

३३८. प्रभास कुमार चौधरीक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) समकालीन कथात्मक यथार्थक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

३३९. प्रभास कुमार चौधरीक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

३४०. प्रभास कुमार चौधरीक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) प्रभास कुमार चौधरी आधुनिक कथा-गद्य परम्परामे कथा आ उपन्यास द्वारा समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार
- (B) प्रभास कुमार चौधरीक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) प्रभास कुमार चौधरीक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) प्रभास कुमार चौधरी केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

३४१. मायानन्द मिश्रक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकेँ तीव्र रूप देनिहार
- (B) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार
- (C) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

३४२. मायानन्द मिश्रक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली कथा-परम्परा
- (B) केवल पञ्जी-सूची
- (C) आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा
- (D) मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा

३४३. मायानन्द मिश्र केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) नाटक
- (B) भाषा-अनुसंधान
- (C) उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य
- (D) प्रबन्ध-काव्य

३४४. कालक्रमक दृष्टिसँ मायानन्द मिश्रक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) समकालीन मैथिली साहित्य
- (B) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (C) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (D) आधुनिक कथा-उपन्यासक महत्त्वपूर्ण चरण

३४५. मायानन्द मिश्रक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) सामाजिक चेतना
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) वृहत्तर कथानक, ऐतिहासिक चेतना, सामाजिक विस्तार आ मनोवैज्ञानिक गहराई
- (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या

३४६. मायानन्द मिश्र पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) उपन्यासक व्यापकता
- (B) जनपक्षधरता
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) अनुसंधान

३४७. मायानन्द मिश्रक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका माध्यमें उपन्यासक व्यापकता केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

३४८. मायानन्द मिश्रक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

३४९. मायानन्द मिश्रक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य मार्फत उपन्यासक व्यापकता केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

३५०. मायानन्द मिश्रक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

३५१. मायानन्द मिश्रक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) रंगमंच
- (C) उपन्यासक व्यापकता
- (D) सामाजिक यथार्थ

३५२. मायानन्द मिश्रक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) मायानन्द मिश्र — आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा
- (B) मायानन्द मिश्र — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (C) मायानन्द मिश्र — आधुनिक नाट्य-परम्परा
- (D) मायानन्द मिश्र — मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा

३५३. मायानन्द मिश्रक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

३५४. मायानन्द मिश्र पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार
- (C) ग्राम्य परिवेश
- (D) सामाजिक चेतना

३५५. मायानन्द मिश्रक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

३५६. मायानन्द मिश्रक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) उपन्यासक व्यापकता
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

३५७. मायानन्द मिश्रक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य, उपन्यासक व्यापकता आ वृहत्तर कथानक, ऐतिहासिक चेतना, सामाजिक विस्तार आ मनोवैज्ञानिक गहराई

३५८. मायानन्द मिश्रक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) उपन्यासक व्यापकताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

३५९. मायानन्द मिश्रक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे

३६०. मायानन्द मिश्रक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मायानन्द मिश्र केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) मायानन्द मिश्र आधुनिक कथा-उपन्यासक महत्त्वपूर्ण चरणमे उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य द्वारा इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार
- (C) मायानन्द मिश्रक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) मायानन्द मिश्रक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

३६१. रमानन्द रेणुक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान
- (B) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार
- (C) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार
- (D) समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान

३६२. रमानन्द रेणुक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) आरसीक काव्य-योगदान
- (B) कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान
- (C) चित्रा
- (D) मैथिली कथा-परम्परा

३६३. रमानन्द रेणु केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गद्य-वर्णन
- (B) नाटक
- (C) कथा आ सामाजिक गद्य
- (D) मुक्तक-काव्य

३६४. कालक्रमक दृष्टिसँ रमानन्द रेणुक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (C) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (D) आधुनिक कथा-साहित्य

३६५. रमानन्द रेणुक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) लोकानुभव, संबंध, सामाजिक परिवर्तन आ कथाभाषाक सहजता
- (B) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (C) पात्र-मनोविज्ञान
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

३६६. रमानन्द रेणु पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) इतिहास-बोध
- (B) ग्राम्य कथात्मक चेतना
- (C) केवल तिथि-स्मरण
- (D) शृङ्गार आ भक्ति

३६७. रमानन्द रेणुक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमसँ ग्राम्य कथात्मक चेतना केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (C) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल

३६८. रमानन्द रेणुक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

३६९. रमानन्द रेणुक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन कथा आ सामाजिक गद्य मार्फत ग्राम्य कथात्मक चेतना केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

३७०. रमानन्द रेणुक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल

३७१. रमानन्द रेणुक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) छन्द-सजगता
- (B) रंगमंच
- (C) आलोचना
- (D) ग्राम्य कथात्मक चेतना

३७२. रमानन्द रेणुक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) रमानन्द रेणु — मैथिली कथा-परम्परा
- (B) रमानन्द रेणु — मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा
- (C) रमानन्द रेणु — कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान
- (D) रमानन्द रेणु — रमेश्वरचरित मिथिला रामायण

३७३. रमानन्द रेणुक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

३७४. रमानन्द रेणु पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार
- (D) प्रतीकात्मकता

३७५. रमानन्द रेणुक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

३७६. रमानन्द रेणुक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) ग्राम्य कथात्मक चेतना
- (B) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (C) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (D) शृङ्गार आ भक्ति

३७७. रमानन्द रेणुक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कथा आ सामाजिक गद्य, ग्राम्य कथात्मक चेतना आ लोकानुभव, संबंध, सामाजिक परिवर्तन आ कथाभाषाक सहजता
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

३७८. रमानन्द रेणुक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (B) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) ग्राम्य कथात्मक चेतनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

३७९. रमानन्द रेणुक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

३८०. रमानन्द रेणुक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) रमानन्द रेणुक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) रमानन्द रेणुक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) रमानन्द रेणुक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (D) रमानन्द रेणु आधुनिक कथा-साहित्यमे कथा आ सामाजिक गद्य द्वारा ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार

३८१. विद्यानाथ झा 'विदित'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (B) समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार
- (C) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान
- (D) मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार

३८२. विद्यानाथ झा 'विदित'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान
- (B) मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा
- (C) विदितक कथा-लेखन
- (D) कृति राजकमल

३८३. विद्यानाथ झा 'विदित' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) प्रबन्ध-काव्य
- (B) कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श
- (C) गीतिकाव्य
- (D) भाषा-अनुसंधान

३८४. कालक्रमक दृष्टिसँ विद्यानाथ झा 'विदित'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) आधुनिक कथा-समालोचना परिवेश
- (C) आधुनिक समालोचना
- (D) मध्यकालीन मैथिली साहित्य

३८५. विद्यानाथ झा 'विदित'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) छन्द-सजगता
- (B) पात्र-मनोविज्ञान
- (C) संतुलित कथन, सामाजिक प्रसंग, नैतिक विवेक आ भाषा-शुद्धता
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

३८६. विद्यानाथ झा 'विदित' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) सामाजिक यथार्थ
- (B) कथा आ विचारक समन्वय
- (C) इतिहास-बोध
- (D) जनपक्षधरता

३८७. विद्यानाथ झा 'विदित'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका माध्यम कथा आ विचारक समन्वय केँ बल भेटल

३८८. विद्यानाथ झा 'विदित'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

३८९. विद्यानाथ झा 'विदित'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक लेखन कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श मार्फत कथा आ विचारक समन्वय केँ उभारैत अछि

३९०. विद्यानाथ झा 'विदित'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

३९१. विद्यानाथ झा 'विदित'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) मौखिक परम्परा
- (C) कथा आ विचारक समन्वय
- (D) जनपक्षधरता

३९२. विद्यानाथ झा 'विदित'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) विद्यानाथ झा 'विदित' — रमेश्वरचरित मिथिला रामायण
- (B) विद्यानाथ झा 'विदित' — कृष्णजन्म
- (C) विद्यानाथ झा 'विदित' — आधुनिक मैथिली कथा-लेखन
- (D) विद्यानाथ झा 'विदित' — विदितक कथा-लेखन

३९३. विद्यानाथ झा 'विदित'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

३९४. विद्यानाथ झा 'विदित' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) पात्र-मनोविज्ञान
- (D) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका

३९५. विद्यानाथ झा 'विदित'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

३९६. विद्यानाथ झा 'विदित'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव
- (B) भाषा-संस्कार
- (C) कथा आ विचारक समन्वय
- (D) इतिहास-बोध

३९७. विद्यानाथ झा 'विदित'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श, कथा आ विचारक समन्वय आ संतुलित कथन, सामाजिक प्रसंग, नैतिक विवेक आ भाषा-शुद्धता
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

३९८. विद्यानाथ झा 'विदित'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (C) कथा आ विचारक समन्वयक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

३९९. विद्यानाथ झा 'विदित'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनायवला प्रश्नमे

४००. विद्यानाथ झा 'विदित'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) विद्यानाथ झा 'विदित'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (B) विद्यानाथ झा 'विदित' आधुनिक कथा-समालोचना परिवेशमे कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श द्वारा आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (C) विद्यानाथ झा 'विदित'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) विद्यानाथ झा 'विदित' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

४०१. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन
- (B) मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार
- (C) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम
- (D) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका

४०२. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मधुपक गीतिकाव्य
- (B) मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा
- (C) दत्त-वती
- (D) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण

४०३. काशीकान्त मिश्र 'मधुप' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गीत, मुक्तक आ भावकाव्य
- (B) मुक्तक-काव्य
- (C) भाषा-अनुसंधान
- (D) गद्य-वर्णन

४०४. कालक्रमक दृष्टिसँ काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (C) समकालीन मैथिली साहित्य
- (D) आधुनिक मुक्तक-काव्य

४०५. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) मंचीय संवाद
- (B) कोमल भाव, लयात्मकता, सौंदर्य-बोध आ छन्द-सजगता
- (C) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (D) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका

४०६. काशीकान्त मिश्र 'मधुप' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) केवल तिथि-स्मरण
- (B) गीतात्मक मधुरता
- (C) गद्यक परिपक्वता
- (D) अनुसंधान

४०७. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमेँ गीतात्मक मधुरता केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल

४०८. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

४०९. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (C) हुनक लेखन गीत, मुक्तक आ भावकाव्य मार्फत गीतात्मक मधुरता केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

४१०. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

४११. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) जनपक्षधरता
- (C) गीतात्मक मधुरता
- (D) ऐतिहासिक दृष्टि

४१२. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (B) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' — मिथिला-भाषा रामायण
- (C) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' — मधुपक गीतिकाव्य
- (D) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' — कृष्णजन्म

४१३. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

४१४. काशीकान्त मिश्र 'मधुप' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार
- (B) सामाजिक चेतना
- (C) राधा-कृष्ण भाव
- (D) लोकभाषाक सहजता

४१५. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

४१६. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) लोकजीवन
- (C) गीतात्मक मधुरता
- (D) छन्द-विधान

४१७. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) गीत, मुक्तक आ भावकाव्य, गीतात्मक मधुरता आ कोमल भाव, लयात्मकता, सौंदर्य-बोध आ छन्द-सजगता
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

४१८. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) गीतात्मक मधुरताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

४१९. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

४२०. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' आधुनिक मुक्तक-काव्यमे गीत, मुक्तक आ भावकाव्य द्वारा मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार

४२१. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक
- (B) प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार
- (C) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान
- (D) आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान

४२२. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मिथिला-भाषा रामायण
- (B) मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन
- (C) मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श
- (D) दत्त-वती

४२३. सुरेन्द्र झा 'सुमन' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) लोकसाहित्य
- (B) मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य
- (C) निबन्ध
- (D) मुक्तक-काव्य

४२४. कालक्रमक दृष्टिसँ सुरेन्द्र झा 'सुमन'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (B) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (C) आधुनिक काव्य आ प्रबन्ध-काव्य
- (D) समकालीन मैथिली साहित्य

४२५. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (B) मौखिक परम्परा
- (C) कथ्यक विस्तार, भाव-संयम, नारी-चरित्र आ काव्यात्मक भाषा
- (D) लोकभाषाक सहजता

४२६. सुरेन्द्र झा 'सुमन' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना
- (B) जनपक्षधरता
- (C) छन्द-विधान
- (D) केवल मूल्य-सूची

४२७. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यमँ प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (D) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल

४२८. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब

४२९. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक लेखन मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य मार्फत प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना केँ उभारैत अछि

४३०. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

४३१. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भाषा-संस्कार
- (B) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना
- (C) लोकजीवन
- (D) शृङ्गार आ भक्ति

४३२. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन' — लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श
- (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन' — नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा
- (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन' — दत्त-वती
- (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन' — अक्कूक नाट्य-योगदान

४३३. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

४३४. सुरेन्द्र झा 'सुमन' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार
- (B) मौखिक परम्परा
- (C) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (D) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह

४३५. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

४३६. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) भाषा-संस्कार
- (C) रंगमंच
- (D) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना

४३७. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य, प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना आ कथ्यक विस्तार, भाव-संयम, नारी-चरित्र आ काव्यात्मक भाषा
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

४३८. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

४३९. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

४४०. सुरेन्द्र झा 'सुमन'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) सुरेन्द्र झा 'सुमन' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन' आधुनिक काव्य आ प्रबन्ध-काव्यमे मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य द्वारा प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार
- (D) सुरेन्द्र झा 'सुमन'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

४४१. आरसी प्रसाद सिंहक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार
- (B) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार
- (C) राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकेँ मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार
- (D) साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार

४४२. आरसी प्रसाद सिंहक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) अंकिया नाट परम्परा
- (B) चित्रा
- (C) आरसीक काव्य-योगदान
- (D) गोविन्ददास भजनावली

४४३. आरसी प्रसाद सिंह केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) निबन्ध
- (B) भाषा-अनुसंधान
- (C) कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर
- (D) गद्य-वर्णन

४४४. कालक्रमक दृष्टिसँ आरसी प्रसाद सिंहक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (B) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (C) आधुनिक मैथिली कविता
- (D) मध्यकालीन मैथिली साहित्य

४४५. आरसी प्रसाद सिंहक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) सामाजिक चेतना
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) ओज, करुणा, प्रकृति-चित्रण आ काव्य-लय

४४६. आरसी प्रसाद सिंह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) लोकजीवन
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) भावमय आधुनिक कविता
- (D) केवल तिथि-स्मरण

४४७. आरसी प्रसाद सिंहक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (C) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (D) कारण हुनका माध्यमसँ भावमय आधुनिक कविता केँ बल भेटल

४४८. आरसी प्रसाद सिंहक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल शहरक नाम खोजब

४४९. आरसी प्रसाद सिंहक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर मार्फत भावमय आधुनिक कविता केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

४५०. आरसी प्रसाद सिंहक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

४५१. आरसी प्रसाद सिंहक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) जनपक्षधरता
- (B) भावमय आधुनिक कविता
- (C) रंगमंच
- (D) सामाजिक यथार्थ

४५२. आरसी प्रसाद सिंहक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) आरसी प्रसाद सिंह — गोविन्ददास भजनावली
- (B) आरसी प्रसाद सिंह — मैथिली साहित्यिक इतिहास-विमर्श
- (C) आरसी प्रसाद सिंह — आरसीक काव्य-योगदान
- (D) आरसी प्रसाद सिंह — मैथिली आलोचना-परम्परा

४५३. आरसी प्रसाद सिंहक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

४५४. आरसी प्रसाद सिंह पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मंचीय संवाद
- (B) राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकेँ मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार
- (C) प्रतीकात्मकता
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

४५५. आरसी प्रसाद सिंहक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

४५६. आरसी प्रसाद सिंहक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) भावमय आधुनिक कविता
- (B) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) स्त्री-अनुभव

४५७. आरसी प्रसाद सिंहक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर, भावमय आधुनिक कविता आ ओज, करुणा, प्रकृति-चित्रण आ काव्य-लय

४५८. आरसी प्रसाद सिंहक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) भावमय आधुनिक कविताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

४५९. आरसी प्रसाद सिंहक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

४६०. आरसी प्रसाद सिंहक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) आरसी प्रसाद सिंहक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) आरसी प्रसाद सिंह आधुनिक मैथिली कवितामे कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर द्वारा राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकेँ मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार
- (C) आरसी प्रसाद सिंहक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) आरसी प्रसाद सिंहक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

४६१. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार
- (B) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार
- (C) मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार
- (D) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम

४६२. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श
- (B) कृति राजकमल
- (C) अमरक मुक्तक-काव्य
- (D) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण

४६३. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) कथा-उपन्यास
- (B) व्यंग्य
- (C) समालोचना
- (D) कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन

४६४. कालक्रमक दृष्टिसँ चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मुक्तक-काव्य
- (B) समकालीन मैथिली साहित्य
- (C) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

४६५. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (B) छन्द-सजगता
- (C) प्रतीकात्मकता
- (D) संक्षिप्त कथ्य, भाव-गहनता, लय आ विचारशीलता

४६६. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) आलोचना
- (B) स्त्री-अनुभव
- (C) चिन्तनशील मुक्तक
- (D) सामाजिक यथार्थ

४६७. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका माध्यमँ चिन्तनशील मुक्तक केँ बल भेटल

४६८. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

४६९. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (B) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक लेखन कविता, गीत आ साहित्यिक चिन्तन मार्फत चिन्तनशील मुक्तक केँ उभारैत अछि

४७०. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

४७१. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) चिन्तनशील मुक्तक
- (B) अनुसंधान
- (C) लयात्मकता
- (D) प्रतीकात्मकता

४७२. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' — चित्रा
- (B) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' — अमरक मुक्तक-काव्य
- (C) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान
- (D) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' — खट्टर ककाक तरंग

४७३. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

४७४. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) सामाजिक चेतना
- (D) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार

४७५. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर

४७६. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (B) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (C) चिन्तनशील मुक्तक
- (D) गद्यक परिपक्वता

४७७. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन, चिन्तनशील मुक्तक आ संक्षिप्त कथ्य, भाव-गहनता, लय आ विचारशीलता
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

४७८. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) चिन्तनशील मुक्तकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

४७९. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

४८०. चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' आधुनिक मुक्तक-काव्यमे कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन द्वारा आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार
- (C) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

४८१. जीवकान्तक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक
- (B) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार
- (C) समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार
- (D) समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार

४८२. जीवकान्तक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा
- (B) आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा
- (C) जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (D) बेटीक अपमान आ छीनरदेवी

४८३. जीवकान्त केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) गीतिकाव्य
- (C) आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना
- (D) मुक्तक-काव्य

४८४. कालक्रमक दृष्टिसँ जीवकान्तक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक समालोचना
- (B) समकालीन मैथिली साहित्य
- (C) समकालीन मैथिली कविता
- (D) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक

४८५. जीवकान्तक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) विचार-गहनता, प्रतीक, आत्मसंवाद आ समय-बोध
- (B) प्रतीकात्मकता
- (C) लयात्मकता
- (D) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका

४८६. जीवकान्त पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) जनपक्षधरता
- (B) समकालीन काव्य-संवेदना
- (C) आलोचना
- (D) इतिहास-बोध

४८७. जीवकान्तक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यम सँ समकालीन काव्य-संवेदना केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

४८८. जीवकान्तक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब

४८९. जीवकान्तक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक लेखन आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना मार्फत समकालीन काव्य-संवेदना केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

४९०. जीवकान्तक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (C) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

४९१. जीवकान्तक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) ऐतिहासिक दृष्टि
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) मंचीय संवाद
- (D) समकालीन काव्य-संवेदना

४९२. जीवकान्तक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) जीवकान्त — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (B) जीवकान्त — प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान
- (C) जीवकान्त — मधुपक गीतिकाव्य
- (D) जीवकान्त — दत्त-वती

४९३. जीवकान्तक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

४९४. जीवकान्त पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (B) समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) लयात्मकता

४९५. जीवकान्तक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार देखि
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

४९६. जीवकान्तक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) छन्द-विधान
- (B) सामाजिक यथार्थ
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) समकालीन काव्य-संवेदना

४९७. जीवकान्तक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना, समकालीन काव्य-संवेदना आ विचार-गहनता, प्रतीक, आत्मसंवाद आ समय-बोध

४९८. जीवकान्तक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (B) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (C) समकालीन काव्य-संवेदनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

४९९. जीवकान्तक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

५००. जीवकान्तक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) जीवकान्तक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) जीवकान्तक समकालीन मैथिली कवितामे आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना द्वारा समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार
- (C) जीवकान्तक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (D) जीवकान्तक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल

6

५०१. भीमनाथ झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार
- (B) आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (C) स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकेँ कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार
- (D) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान

५०२. भीमनाथ झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) कीचकवध
- (B) मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा
- (C) नचिकेताक साहित्यिक योगदान
- (D) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान

५०३. भीमनाथ झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) महाकाव्य
- (B) भाषा-अनुसंधान
- (C) प्रबन्ध-काव्य
- (D) कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श

५०४. कालक्रमक दृष्टिसँ भीमनाथ झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (B) समकालीन मैथिली कविता
- (C) आधुनिक समालोचना
- (D) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक

५०५. भीमनाथ झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) प्रतीकात्मकता
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) समकालीनता, आलोचनात्मक दृष्टि, चयन-बोध आ काव्य-परिचय

५०६. भीमनाथ झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) छन्द-विधान
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) शृङ्गार आ भक्ति
- (D) समकालीन काव्य-विमर्श

५०७. भीमनाथ झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यमसँ समकालीन काव्य-विमर्श केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

५०८. भीमनाथ झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

५०९. भीमनाथ झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक लेखन कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श मार्फत समकालीन काव्य-विमर्श केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि

५१०. भीमनाथ झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

५११. भीमनाथ झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) गद्यक परिपक्वता
- (B) अनुसंधान
- (C) इतिहास-बोध
- (D) समकालीन काव्य-विमर्श

५१२. भीमनाथ झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) भीमनाथ झा — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान
- (B) भीमनाथ झा — मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा
- (C) भीमनाथ झा — मिथिला-भाषा रामायण
- (D) भीमनाथ झा — नचिकेताक साहित्यिक योगदान

५१३. भीमनाथ झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

५१४. भीमनाथ झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) प्रतीकात्मकता
- (B) लोकभाषाक सहजता
- (C) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान
- (D) छन्द-सजगता

५१५. भीमनाथ झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

५१६. भीमनाथ झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) समकालीन काव्य-विमर्श
- (D) रंगमंच

५१७. भीमनाथ झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श, समकालीन काव्य-विमर्श आ समकालीनता, आलोचनात्मक दृष्टि, चयन-बोध आ काव्य-परिचय
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

५१८. भीमनाथ झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) समकालीन काव्य-विमर्शक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

५१९. भीमनाथ झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

५२०. भीमनाथ झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भीमनाथ झाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (B) भीमनाथ झा समकालीन मैथिली कवितामे कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श द्वारा समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान
- (C) भीमनाथ झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) भीमनाथ झा केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

५२१. कीर्ति नारायण मिश्रक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार
- (B) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार
- (C) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार
- (D) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार

५२२. कीर्ति नारायण मिश्रक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान
- (B) आरसीक काव्य-योगदान
- (C) वर्णरत्नाकर
- (D) मोहनक मुक्तक-काव्य

५२३. कीर्ति नारायण मिश्र केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) कथा-उपन्यास
- (B) कविता, गीत आ साहित्यिक रचना
- (C) महाकाव्य
- (D) व्यंग्य

५२४. कालक्रमक दृष्टिसँ कीर्ति नारायण मिश्रक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मुक्तक-काव्य
- (B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (D) आधुनिक समालोचना

५२५. कीर्ति नारायण मिश्रक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) भाव, विचार, सामाजिकता आ लयक संतुलन
- (C) मौखिक परम्परा
- (D) भाषिक अनुशासन

५२६. कीर्ति नारायण मिश्र पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) रंगमंच
- (B) भाव-विचारक संतुलित कविता
- (C) आलोचना
- (D) भाषा-संस्कार

५२७. कीर्ति नारायण मिश्रक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका माध्यमेँ भाव-विचारक संतुलित कविता केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

५२८. कीर्ति नारायण मिश्रक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

५२९. कीर्ति नारायण मिश्रक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक लेखन कविता, गीत आ साहित्यिक रचना मार्फत भाव-विचारक संतुलित कविता केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

५३०. कीर्ति नारायण मिश्रक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

५३१. कीर्ति नारायण मिश्रक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भाव-विचारक संतुलित कविता
- (B) लयात्मकता
- (C) स्त्री-अनुभव
- (D) ग्राम्य परिवेश

५३२. कीर्ति नारायण मिश्रक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) कीर्ति नारायण मिश्र — आधुनिक नाट्य-परम्परा
- (B) कीर्ति नारायण मिश्र — भफाइत चाहक जिनगी
- (C) कीर्ति नारायण मिश्र — कृष्णजन्म
- (D) कीर्ति नारायण मिश्र — कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान

५३३. कीर्ति नारायण मिश्रक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

५३४. कीर्ति नारायण मिश्र पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार
- (B) लयात्मकता
- (C) मंचीय संवाद
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

५३५. कीर्ति नारायण मिश्रक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर

५३६. कीर्ति नारायण मिश्रक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) भाव-विचारक संतुलित कविता
- (D) केवल पञ्चाङ्गक गणना

५३७. कीर्ति नारायण मिश्रक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (B) कविता, गीत आ साहित्यिक रचना, भाव-विचारक संतुलित कविता आ भाव, विचार, सामाजिकता आ लयक संतुलन
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

५३८. कीर्ति नारायण मिश्रक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) भाव-विचारक संतुलित कविताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

५३९. कीर्ति नारायण मिश्रक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

५४०. कीर्ति नारायण मिश्रक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) कीर्ति नारायण मिश्र केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) कीर्ति नारायण मिश्रक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) कीर्ति नारायण मिश्रक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (D) कीर्ति नारायण मिश्र आधुनिक मुक्तक-काव्यमे कविता, गीत आ साहित्यिक रचना द्वारा मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार

५४१. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार
- (B) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार
- (C) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार
- (D) साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान

५४२. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) कृति राजकमल
- (B) मधुपक गीतिकाव्य
- (C) प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान
- (D) मोहनक मुक्तक-काव्य

५४३. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) समालोचना
- (C) गीत, कविता आ लोकानुभव
- (D) कथा-उपन्यास

५४४. कालक्रमक दृष्टिसँ उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (B) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (C) आधुनिक गीत-मुक्तक परम्परा
- (D) समकालीन मैथिली साहित्य

५४५. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) सामाजिक चेतना
- (B) पात्र-मनोविज्ञान
- (C) मौखिक परम्परा
- (D) सहज भाषा, लोकजीवन, भावप्रवणता आ गेयता

५४६. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) स्त्री-अनुभव
- (B) लोकानुभूतिक गीत-कविता
- (C) इतिहास-बोध
- (D) सामाजिक यथार्थ

५४७. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमँ लोकानुभूतिक गीत-कविता केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

५४८. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

५४९. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक लेखन गीत, कविता आ लोकानुभव मार्फत लोकानुभूतिक गीत-कविता केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि

५५०. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

५५१. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) ग्राम्य परिवेश
- (B) जनपक्षधरता
- (C) लोकानुभूतिक गीत-कविता
- (D) भाषिक अनुशासन

५५२. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
- (B) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' — आरसीक काव्य-योगदान
- (C) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' — मोहनक मुक्तक-काव्य
- (D) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' — प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान

५५३. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

५५४. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) ग्राम्य परिवेश
- (D) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार

५५५. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर

५५६. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) इतिहास-बोध
- (B) लोकानुभूतिक गीत-कविता
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) लोकजीवन

५५७. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) गीत, कविता आ लोकानुभव, लोकानुभूतिक गीत-कविता आ सहज भाषा, लोकजीवन, भावप्रवणता आ गेयता
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

५५८. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) लोकानुभूतिक गीत-कविताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

५५९. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे

५६०. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (D) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' आधुनिक गीत-मुक्तक परम्परामे गीत, कविता आ लोकानुभव द्वारा लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार

५६१. कुमार गंगानन्द सिंहक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार
- (B) मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान
- (C) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार
- (D) साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार

५६२. कुमार गंगानन्द सिंहक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) रमणक आलोचनात्मक लेखन
- (B) अक्कूक नाट्य-योगदान
- (C) विद्यापति पदावली
- (D) कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान

५६३. कुमार गंगानन्द सिंह केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गद्य-वर्णन
- (B) लोकसाहित्य
- (C) भाषा-अनुसंधान
- (D) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन

५६४. कालक्रमक दृष्टिसँ कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (C) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (D) आधुनिक मैथिली साहित्य

५६५. कुमार गंगानन्द सिंहक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) सांस्कृतिक गौरव, भाषिक सजगता आ साहित्यिक अनुशासन
- (C) मौखिक परम्परा
- (D) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका

५६६. कुमार गंगानन्द सिंह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) केवल तिथि-स्मरण
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) साहित्य-संस्कृति समन्वय
- (D) जनपक्षधरता

५६७. कुमार गंगानन्द सिंहक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (D) कारण हुनका माध्यम सँ साहित्य-संस्कृति समन्वय केँ बल भेटल

५६८. कुमार गंगानन्द सिंहक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

५६९. कुमार गंगानन्द सिंहक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक लेखन काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन मार्फत साहित्य-संस्कृति समन्वय केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

५७०. कुमार गंगानन्द सिंहक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

५७१. कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) साहित्य-संस्कृति समन्वय
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) आलोचना
- (D) जनपक्षधरता

५७२. कुमार गंगानन्द सिंहक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) कुमार गंगानन्द सिंह — नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा
- (B) कुमार गंगानन्द सिंह — अंकिया नाट परम्परा
- (C) कुमार गंगानन्द सिंह — कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान
- (D) कुमार गंगानन्द सिंह — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग

५७३. कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

५७४. कुमार गंगानन्द सिंह पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) प्रतीकात्मकता
- (D) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका

५७५. कुमार गंगानन्द सिंहक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

५७६. कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) साहित्य-संस्कृति समन्वय
- (B) आलोचना
- (C) छन्द-विधान
- (D) भाषा-संस्कार

५७७. कुमार गंगानन्द सिंहक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन, साहित्य-संस्कृति समन्वय आ सांस्कृतिक गौरव, भाषिक सजगता आ साहित्यिक अनुशासन

५७८. कुमार गंगानन्द सिंहक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकें कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्य-संस्कृति समन्वयक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

५७९. कुमार गंगानन्द सिंहक योगदान कें कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

५८०. कुमार गंगानन्द सिंहक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) कुमार गंगानन्द सिंहक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) कुमार गंगानन्द सिंहक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) कुमार गंगानन्द सिंहक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) कुमार गंगानन्द सिंह आधुनिक मैथिली साहित्यमे काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन द्वारा साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना कें आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार

५८१. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति कें जोड़निहार
- (B) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध कें स्पष्ट करनिहार
- (C) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार
- (D) आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान

५८२. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) श्रीशक साहित्यिक योगदान
- (B) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण
- (C) प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान
- (D) अक्कूक नाट्य-योगदान

५८३. दुर्गानाथ झा 'श्रीश' कें कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गीतिकाव्य
- (B) व्यंग्य
- (C) प्रबन्ध-काव्य
- (D) कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना

५८४. कालक्रमक दृष्टिसँ दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) समकालीन मैथिली साहित्य
- (B) आधुनिक समालोचना
- (C) आधुनिक मैथिली लेखन
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

५८५. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (B) समय-बोध, भाव-प्रवणता, सामाजिक दृष्टि आ भाषिक सजगता
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका

५८६. दुर्गानाथ झा 'श्रीश' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) रंगमंच
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) आधुनिक संवेदनाक रचना

५८७. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यम आधुनिक संवेदनाक रचना केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (C) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

५८८. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल शहरक नाम खोजब

५८९. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक लेखन कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना मार्फत आधुनिक संवेदनाक रचना केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

५९०. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

५९१. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) आलोचना
- (B) आधुनिक संवेदनाक रचना
- (C) शृङ्गार आ भक्ति
- (D) अनुसंधान

५९२. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (B) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' — कीचकवध
- (C) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' — श्रीशक साहित्यिक योगदान
- (D) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' — खट्टर ककाक तरंग

५९३. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

५९४. दुर्गानाथ झा 'श्रीश' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) लोकभाषाक सहजता
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

५९५. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

५९६. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) आधुनिक संवेदनाक रचना

५९७. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना, आधुनिक संवेदनाक रचना आ समय-बोध, भाव-प्रवणता, सामाजिक दृष्टि आ भाषिक सजगता

५९८. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (C) आधुनिक संवेदनाक रचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

५९९. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

६००. दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (B) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) दुर्गानाथ झा 'श्रीश'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) दुर्गानाथ झा 'श्रीश' आधुनिक मैथिली लेखनमे कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना द्वारा आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान

६०१. जगज्ज्योतिर्मल्लक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (B) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार
- (C) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार
- (D) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार

६०२. जगज्ज्योतिर्मल्लक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) नचिकेताक साहित्यिक योगदान
- (B) नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा
- (C) विद्यापति पदावली
- (D) श्रीशक साहित्यिक योगदान

६०३. जगज्ज्योतिर्मल्ल केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गीतिकाव्य
- (B) दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य
- (C) नाटक
- (D) मुक्तक-काव्य

६०४. कालक्रमक दृष्टिसँ जगज्ज्योतिर्मल्लक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (B) आधुनिक समालोचना
- (C) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (D) मध्यकालीन मैथिली साहित्य

६०५. जगज्ज्योतिर्मल्लक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) मंचीय संवाद
- (B) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) दरबारी मंच, गीत, संवाद, पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक आदान-प्रदान

६०६. जगज्ज्योतिर्मल्ल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति
- (B) केवल मूल्य-सूची
- (C) नेपालक मैथिली नाट्य-धारा
- (D) आलोचना

६०७. जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमेँ नेपालक मैथिली नाट्य-धारा केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

६०८. जगज्ज्योतिर्मल्लक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

६०९. जगज्ज्योतिर्मल्लक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य मार्फत नेपालक मैथिली नाट्य-धारा केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

६१०. जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

६११. जगज्ज्योतिर्मल्लक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) प्रतीकात्मकता
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) नेपालक मैथिली नाट्य-धारा

६१२. जगज्ज्योतिर्मल्लक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) जगज्ज्योतिर्मल्ल — अंकिया नाट परम्परा
- (B) जगज्ज्योतिर्मल्ल — दत्त-वती
- (C) जगज्ज्योतिर्मल्ल — नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा
- (D) जगज्ज्योतिर्मल्ल — मधुपक गीतिकाव्य

६१३. जगज्ज्योतिर्मल्लक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता

६१४. जगज्ज्योतिर्मल्ल पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (B) छन्द-सजगता
- (C) राधा-कृष्ण भाव
- (D) लोकभाषाक सहजता

६१५. जगज्ज्योतिर्मल्लक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) केवल नामक वर्णक्रमसँ

६१६. जगज्ज्योतिर्मल्लक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) नेपालक मैथिली नाट्य-धारा
- (B) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (C) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

६१७. जगज्ज्योतिर्मल्लक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (C) दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य, नेपालक मैथिली नाट्य-धारा आ दरबारी मंच, गीत, संवाद, पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक आदान-प्रदान
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

६१८. जगज्ज्योतिर्मल्लक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) नेपालक मैथिली नाट्य-धाराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (C) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

६१९. जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

६२०. जगज्ज्योतिर्मल्लक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) जगज्ज्योतिर्मल्ल नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटकमे दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य द्वारा नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम
- (B) जगज्ज्योतिर्मल्लक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) जगज्ज्योतिर्मल्लक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (D) जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल

६२१. शंकरदेवक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान
- (B) कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार
- (C) समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार
- (D) असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम

६२२. शंकरदेवक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) आरसीक काव्य-योगदान
- (B) अंकिया नाट परम्परा
- (C) मोहनक मुक्तक-काव्य
- (D) खट्टर ककाक तरंग

६२३. शंकरदेव केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) अंकिया नाट आ भाओना
- (B) मुक्तक-काव्य
- (C) गीतिकाव्य
- (D) नाटक

६२४. कालक्रमक दृष्टिसँ शंकरदेवक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) आधुनिक समालोचना
- (C) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (D) असमक मध्यकालीन नाट्य-भक्ति परम्परा

६२५. शंकरदेवक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (D) भक्ति, सामुदायिक प्रस्तुति, संगीत, मुखौटा आ रंग-व्यवस्था

६२६. शंकरदेव पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) छन्द-विधान
- (B) अंकिया नाट आ भक्ति-रंग
- (C) गद्यक परिपक्वता
- (D) केवल तिथि-स्मरण

६२७. शंकरदेवक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यमँ अंकिया नाट आ भक्ति-रंग केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

६२८. शंकरदेवक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

६२९. शंकरदेवक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन अंकिया नाट आ भाओना मार्फत अंकिया नाट आ भक्ति-रंग केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि

६३०. शंकरदेवक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

६३१. शंकरदेवक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) इतिहास-बोध
- (B) मंचीय संवाद
- (C) छन्द-विधान
- (D) अंकिया नाट आ भक्ति-रंग

६३२. शंकरदेवक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) शंकरदेव — मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा
- (B) शंकरदेव — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन
- (C) शंकरदेव — रमणक आलोचनात्मक लेखन
- (D) शंकरदेव — अंकिया नाट परम्परा

६३३. शंकरदेवक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

६३४. शंकरदेव पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम

६३५. शंकरदेवक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

६३६. शंकरदेवक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) सामाजिक यथार्थ
- (B) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) अंकिया नाट आ भक्ति-रंग

६३७. शंकरदेवक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) अंकिया नाट आ भाओना, अंकिया नाट आ भक्ति-रंग आ भक्ति, सामुदायिक प्रस्तुति, संगीत, मुखौटा आ रंग-व्यवस्था
- (B) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

६३८. शंकरदेवक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) अंकिया नाट आ भक्ति-रंगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

६३९. शंकरदेवक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

६४०. शंकरदेवक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) शंकरदेवक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) शंकरदेव असमक मध्यकालीन नाट्य-भक्ति परम्परामे अंकिया नाट आ भाओना द्वारा असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम
- (C) शंकरदेवक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (D) शंकरदेव केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

६४१. ईशनाथ झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान
- (B) मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार
- (C) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार
- (D) लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार

६४२. ईशनाथ झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन
- (B) आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा
- (C) आधुनिक नाट्य-परम्परा
- (D) मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श

६४३. ईशनाथ झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) नाटक आ रंगमंचीय लेखन
- (C) लोकसाहित्य
- (D) प्रबन्ध-काव्य

६४४. कालक्रमक दृष्टिसँ ईशनाथ झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) आधुनिक मैथिली नाटक
- (C) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (D) मध्यकालीन मैथिली साहित्य

६४५. ईशनाथ झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) मंचीय संवाद, सामाजिक कथ्य, पात्र-संघर्ष आ दृश्य-संरचना
- (D) भाषिक अनुशासन

६४६. ईशनाथ झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) रंगमंच
- (B) इतिहास-बोध
- (C) श्रृङ्गार आ भक्ति
- (D) आधुनिक मैथिली नाटक

६४७. ईशनाथ झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (B) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका माध्यमेँ आधुनिक मैथिली नाटक केँ बल भेटल
- (D) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल

६४८. ईशनाथ झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

६४९. ईशनाथ झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन नाटक आ रंगमंचीय लेखन मार्फत आधुनिक मैथिली नाटक केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

६५०. ईशनाथ झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

६५१. ईशनाथ झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नाटक
- (B) भाषिक अनुशासन
- (C) मंचीय संवाद
- (D) भाषा-संस्कार

६५२. ईशनाथ झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) ईशनाथ झा — आधुनिक नाट्य-परम्परा
- (B) ईशनाथ झा — मैथिली साहित्यिक इतिहास-विमर्श
- (C) ईशनाथ झा — लोरिक-विजय
- (D) ईशनाथ झा — मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा

६५३. ईशनाथ झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

६५४. ईशनाथ झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (B) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान
- (C) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (D) प्रतीकात्मकता

६५५. ईशनाथ झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर

६५६. ईशनाथ झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) रंगमंच
- (B) सामाजिक यथार्थ
- (C) आधुनिक मैथिली नाटक
- (D) अनुसंधान

६५७. ईशनाथ झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) नाटक आ रंगमंचीय लेखन, आधुनिक मैथिली नाटक आ मंचीय संवाद, सामाजिक कथ्य, पात्र-संघर्ष आ दृश्य-संरचना
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

६५८. ईशनाथ झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) आधुनिक मैथिली नाटकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (D) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल

६५९. ईशनाथ झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

६६०. ईशनाथ झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) ईशनाथ झा केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) ईशनाथ झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) ईशनाथ झा आधुनिक मैथिली नाटकमे नाटक आ रंगमंचीय लेखन द्वारा मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान
- (D) ईशनाथ झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

६६१. सुधांशु शेखर चौधरीक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार
- (B) बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार
- (C) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार
- (D) समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार

६६२. सुधांशु शेखर चौधरीक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा
- (B) मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श
- (C) भफाइत चाहक जिनगी
- (D) बेटीक अपमान आ छीनरदेवी

६६३. सुधांशु शेखर चौधरी केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) महाकाव्य
- (B) व्यंग्य
- (C) समालोचना
- (D) नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन

६६४. कालक्रमक दृष्टिसँ सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नाटक
- (B) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (C) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (D) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा

६६५. सुधांशु शेखर चौधरीक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) चाय-दोकानक परिवेश, महेशक संघर्ष, संवादक जीवन्तता आ सामाजिक व्यथा
- (B) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (C) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (D) ग्राम्य परिवेश

६६६. सुधांशु शेखर चौधरी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ
- (B) केवल तिथि-स्मरण
- (C) इतिहास-बोध
- (D) सामाजिक यथार्थ

६६७. सुधांशु शेखर चौधरीक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (B) कारण हुनका माध्यममें सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (D) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल

६६८. सुधांशु शेखर चौधरीक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल शहरक नाम खोजब

६६९. सुधांशु शेखर चौधरीक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक लेखन नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन मार्फत सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ केँ उभारैत अछि

६७०. सुधांशु शेखर चौधरीक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

६७१. सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) आलोचना

६७२. सुधांशु शेखर चौधरीक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) सुधांशु शेखर चौधरी — कीचकवध
- (B) सुधांशु शेखर चौधरी — मधुपक गीतिकाव्य
- (C) सुधांशु शेखर चौधरी — मलंगियाक नाट्य-योगदान
- (D) सुधांशु शेखर चौधरी — भफाइट चाहक जिनगी

६७३. सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

६७४. सुधांशु शेखर चौधरी पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) छन्द-सजगता
- (D) बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार

६७५. सुधांशु शेखर चौधरीक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

६७६. सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ
- (B) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (C) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (D) इतिहास-बोध

६७७. सुधांशु शेखर चौधरीक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन, सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ आ चाय-दोकानक परिवेश, महेशक संघर्ष, संवादक जीवन्तता आ सामाजिक व्यथा

६७८. सुधांशु शेखर चौधरीक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

६७९. सुधांशु शेखर चौधरीक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

६८०. सुधांशु शेखर चौधरीक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) सुधांशु शेखर चौधरीक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (B) सुधांशु शेखर चौधरी केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) सुधांशु शेखर चौधरीक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) सुधांशु शेखर चौधरी आधुनिक मैथिली नाटकमे नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन द्वारा बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार

६८१. महेन्द्र मलंगियाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य केँ आगू बढेनिहार
- (B) समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार
- (C) भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकेँ जोड़निहार बहुआयामी लेखक
- (D) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान

६८२. महेन्द्र मलंगियाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) अमरक मुक्तक-काव्य
- (B) मैथिली कथा-परम्परा
- (C) विद्यापति पदावली
- (D) मलंगियाक नाट्य-योगदान

६८३. महेन्द्र मलंगिया केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) निबन्ध
- (B) नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म
- (C) प्रबन्ध-काव्य
- (D) मुक्तक-काव्य

६८४. कालक्रमक दृष्टिसँ महेन्द्र मलंगियाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (B) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (C) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (D) समकालीन मैथिली रंगमंच

६८५. महेन्द्र मलंगियाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) मंचीय संवाद
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) लोक-भाषा, रंग-प्रयोग, सामाजिक विडम्बना आ जीवंत संवाद
- (D) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका

६८६. महेन्द्र मलंगिया पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) सामाजिक यथार्थ
- (B) समकालीन लोक-रंग
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) रंगमंच

६८७. महेन्द्र मलंगियाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (C) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका माध्यमसँ समकालीन लोक-रंग केँ बल भेटल

६८८. महेन्द्र मलंगियाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब

६८९. महेन्द्र मलंगियाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक लेखन नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म मार्फत समकालीन लोक-रंग केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

६९०. महेन्द्र मलंगियाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (C) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

६९१. महेन्द्र मलंगियाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) आलोचना
- (B) समकालीन लोक-रंग
- (C) छन्द-विधान
- (D) मंचीय संवाद

६९२. महेन्द्र मलंगियाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) महेन्द्र मलंगिया — अमरक मुक्तक-काव्य
- (B) महेन्द्र मलंगिया — अंकिया नाट परम्परा
- (C) महेन्द्र मलंगिया — नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा
- (D) महेन्द्र मलंगिया — मलंगियाक नाट्य-योगदान

६९३. महेन्द्र मलंगियाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

६९४. महेन्द्र मलंगिया पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) राधा-कृष्ण भाव
- (D) समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार

६९५. महेन्द्र मलंगियाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार देखि
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) केवल नामक वर्णक्रमसँ

६९६. महेन्द्र मलंगियाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) लोकजीवन
- (D) समकालीन लोक-रंग

६९७. महेन्द्र मलंगियाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (D) नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म, समकालीन लोक-रंग आ लोक-भाषा, रंग-प्रयोग, सामाजिक विडम्बना आ जीवंत संवाद

६९८. महेन्द्र मलंगियाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकें कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) समकालीन लोक-रंगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

६९९. महेन्द्र मलंगियाक योगदान कें कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

७००. महेन्द्र मलंगियाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) महेन्द्र मलंगियाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) महेन्द्र मलंगिया समकालीन मैथिली रंगमंचमे नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म द्वारा समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग कें समृद्ध करनिहार
- (C) महेन्द्र मलंगिया केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (D) महेन्द्र मलंगियाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

8

७०१. रामदेव झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति कें जोड़निहार
- (B) प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार
- (C) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार
- (D) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता कें उपन्यासमे विस्तृत करनिहार

७०२. रामदेव झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) बेटीक अपमान आ छीनरदेवी
- (B) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण
- (C) भफाड़त चाहक जिनगी
- (D) रामदेव झाक नाट्य योगदान

७०३. रामदेव झा कें कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) नाटक आ रंगमंचीय लेखन
- (B) निबन्ध
- (C) गद्य-वर्णन
- (D) गीतिकाव्य

७०४. कालक्रमक दृष्टिसँ रामदेव झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नाटक
- (B) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (C) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (D) आधुनिक मैथिली नवजागरण

७०५. रामदेव झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (B) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (C) विषयक सामाजिकता, पात्रक मनोभूमि आ मंचीय टकराव
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

७०६. रामदेव झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) इतिहास-बोध
- (B) छन्द-विधान
- (C) सामाजिक रंगमंच
- (D) भाषा-संस्कार

७०७. रामदेव झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका माध्यमसँ सामाजिक रंगमंच केँ बल भेटल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

७०८. रामदेव झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

७०९. रामदेव झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन नाटक आ रंगमंचीय लेखन मार्फत सामाजिक रंगमंच केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

७१०. रामदेव झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

७११. रामदेव झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) सामाजिक रंगमंच
- (B) आलोचना
- (C) छन्द-सजगता
- (D) जनपक्षधरता

७१२. रामदेव झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) रामदेव झा — दत्त-वती
- (B) रामदेव झा — अमरक मुक्तक-काव्य
- (C) रामदेव झा — कीचकवध
- (D) रामदेव झा — रामदेव झाक नाट्य योगदान

७१३. रामदेव झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

७१४. रामदेव झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) मंचीय संवाद
- (D) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार

७१५. रामदेव झाक अध्ययनकें कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

७१६. रामदेव झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) सामाजिक रंगमंच
- (C) रंगमंच
- (D) आलोचना

७१७. रामदेव झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) नाटक आ रंगमंचीय लेखन, सामाजिक रंगमंच आ विषयक सामाजिकता, पात्रक मनोभूमि आ मंचीय टकराव

७१८. रामदेव झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकें कोन लाभ भेटल?

- (A) सामाजिक रंगमंचक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

७१९. रामदेव झाक योगदान कें कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

७२०. रामदेव झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) रामदेव झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) रामदेव झा आधुनिक मैथिली नाटकमे नाटक आ रंगमंचीय लेखन द्वारा मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार
- (C) रामदेव झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) रामदेव झाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

७२१. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम
- (B) आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (C) प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार
- (D) भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकें जोड़निहार बहुआयामी लेखक

७२२. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) नचिकेताक साहित्यिक योगदान
- (B) खट्टर ककाक तरंग
- (C) मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श
- (D) आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा

७२३. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) निबन्ध
- (B) लोकसाहित्य
- (C) नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन
- (D) गद्य-वर्णन

७२४. कालक्रमक दृष्टिसँ उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) समकालीन साहित्य आ रंग-विमर्श
- (C) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (D) आधुनिक समालोचना

७२५. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) विचार, प्रयोग, भाषा-सजगता आ आधुनिकता
- (B) प्रतीकात्मकता
- (C) लयात्मकता
- (D) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह

७२६. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) इतिहास-बोध
- (B) केवल मूल्य-सूची
- (C) समकालीन साहित्यिक प्रयोग
- (D) गद्यक परिपक्वता

७२७. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यमसँ समकालीन साहित्यिक प्रयोग केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल

७२८. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (B) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (C) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

७२९. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक लेखन नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन मार्फत समकालीन साहित्यिक प्रयोग केँ उभारैत अछि

७३०. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

७३१. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) ऐतिहासिक दृष्टि
- (B) समकालीन साहित्यिक प्रयोग
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) लयात्मकता

७३२. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' — नचिकेताक साहित्यिक योगदान
- (B) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान
- (C) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
- (D) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' — विद्यापति पदावली

७३३. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

७३४. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकेँ जोड़निहार बहुआयामी लेखक
- (D) पात्र-मनोविज्ञान

७३५. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

७३६. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) स्त्री-अनुभव
- (C) छन्द-विधान
- (D) समकालीन साहित्यिक प्रयोग

७३७. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन, समकालीन साहित्यिक प्रयोग आ विचार, प्रयोग, भाषा-सजगता आ आधुनिकता
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर

७३८. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) समकालीन साहित्यिक प्रयोगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

७३९. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

७४०. उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' समकालीन साहित्य आ रंग-विमर्शमे नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन द्वारा भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकेँ जोड़निहार बहुआयामी लेखक
- (D) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

७४१. अरविन्द 'अक्कू'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (B) समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार

७४२. अरविन्द 'अक्कू'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मोहनक मुक्तक-काव्य
- (B) अक्कूक नाट्य-योगदान
- (C) गोविन्ददास भजनावली
- (D) नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा

७४३. अरविन्द 'अक्कू' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) कथा-उपन्यास
- (B) व्यंग्य
- (C) नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग
- (D) भाषा-अनुसंधान

७४४. कालक्रमक दृष्टिसँ अरविन्द 'अक्कू'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक समालोचना
- (B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (C) समकालीन मैथिली रंगकर्म
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

७४५. अरविन्द 'अक्कू'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (C) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (D) नवीन कथ्य, तेज संवाद, मंच-संवेदना आ समकालीन व्यंग्य

७४६. अरविन्द 'अक्कू' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) जनपक्षधरता
- (B) भाषा-संस्कार
- (C) छन्द-विधान
- (D) युवा रंग-प्रयोग

७४७. अरविन्द 'अक्कू'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यममें युवा रंग-प्रयोग केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल

७४८. अरविन्द 'अक्कू'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

७४९. अरविन्द 'अक्कू'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक लेखन नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग मार्फत युवा रंग-प्रयोग केँ उभारैत अछि

७५०. अरविन्द 'अक्कू'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

७५१. अरविन्द 'अक्कू'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) युवा रंग-प्रयोग
- (B) सामाजिक यथार्थ
- (C) गद्यक परिपक्वता
- (D) प्रतीकात्मकता

७५२. अरविन्द 'अक्कू'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) अरविन्द 'अक्कू' — कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान
- (B) अरविन्द 'अक्कू' — गोविन्ददास भजनावली
- (C) अरविन्द 'अक्कू' — कीचकवध
- (D) अरविन्द 'अक्कू' — अक्कूक नाट्य-योगदान

७५३. अरविन्द 'अक्कू'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

७५४. अरविन्द 'अक्कू' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) राधा-कृष्ण भाव
- (B) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (C) मंचीय संवाद
- (D) समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार

७५५. अरविन्द 'अक्कू'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार देखि
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर

७५६. अरविन्द 'अक्कू'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (B) युवा रंग-प्रयोग
- (C) जनपक्षधरता
- (D) रंगमंच

७५७. अरविन्द 'अक्कू'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग, युवा रंग-प्रयोग आ नवीन कथ्य, तेज संवाद, मंच-संवेदना आ समकालीन व्यंग्य
- (B) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

७५८. अरविन्द 'अक्कू'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) युवा रंग-प्रयोगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

७५९. अरविन्द 'अक्कू'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

७६०. अरविन्द 'अक्कू'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) अरविन्द 'अक्कू' समकालीन मैथिली रंगकर्ममे नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग द्वारा समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार
- (B) अरविन्द 'अक्कू'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) अरविन्द 'अक्कू' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (D) अरविन्द 'अक्कू'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल

७६१. बेचन ठाकुरक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक
- (B) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार
- (C) लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान
- (D) समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार

७६२. बेचन ठाकुरक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) विदितक कथा-लेखन
- (B) नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा
- (C) बेटीक अपमान आ छीनरदेवी
- (D) रमणक आलोचनात्मक लेखन

७६३. बेचन ठाकुर केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) प्रबन्ध-काव्य
- (B) गीतिकाव्य
- (C) कथा-उपन्यास
- (D) नाटक, मंचन आ निर्देशन

७६४. कालक्रमक दृष्टिसँ बेचन ठाकुरक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) लोक-रंग आ समकालीन नाट्य-प्रस्तुति
- (B) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (C) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (D) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा

७६५. बेचन ठाकुरक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) ग्रामीण रंगमंच, लोकभाषा, सामाजिक प्रश्न आ प्रस्तुति-कौशल
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) मौखिक परम्परा
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

७६६. बेचन ठाकुर पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) गद्यक परिपक्वता
- (B) लोक-रंग आ सामाजिक नाटक
- (C) जनपक्षधरता
- (D) छन्द-विधान

७६७. बेचन ठाकुरक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका माध्यमँ लोक-रंग आ सामाजिक नाटक केँ बल भेटल

७६८. बेचन ठाकुरक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

७६९. बेचन ठाकुरक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन नाटक, मंचन आ निर्देशन मार्फत लोक-रंग आ सामाजिक नाटक केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

७७०. बेचन ठाकुरक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

७७१. बेचन ठाकुरक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) पात्र-मनोविज्ञान
- (B) मंचीय संवाद
- (C) सामाजिक चेतना
- (D) लोक-रंग आ सामाजिक नाटक

७७२. बेचन ठाकुरक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) बेचन ठाकुर — कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान
- (B) बेचन ठाकुर — लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श
- (C) बेचन ठाकुर — बेटीक अपमान आ छीनरदेवी
- (D) बेचन ठाकुर — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान

७७३. बेचन ठाकुरक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

७७४. बेचन ठाकुर पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) लयात्मकता
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान
- (D) केवल पञ्चाङ्गक गणना

७७५. बेचन ठाकुरक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (D) केवल नामक वर्णक्रमसँ

७७६. बेचन ठाकुरक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) आलोचना
- (D) लोक-रंग आ सामाजिक नाटक

७७७. बेचन ठाकुरक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) नाटक, मंचन आ निर्देशन, लोक-रंग आ सामाजिक नाटक आ ग्रामीण रंगमंच, लोकभाषा, सामाजिक प्रश्न आ प्रस्तुति-कौशल
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

७७८. बेचन ठाकुरक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) लोक-रंग आ सामाजिक नाटकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

७७९. बेचन ठाकुरक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

७८०. बेचन ठाकुरक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) बेचन ठाकुरक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) बेचन ठाकुर लोक-रंग आ समकालीन नाट्य-प्रस्तुतिमे नाटक, मंचन आ निर्देशन द्वारा लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान
- (C) बेचन ठाकुर केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (D) बेचन ठाकुरक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल

७८१. हरिनारायण मण्डलक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान
- (B) विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य केँ आगू बढेनिहार
- (C) ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार
- (D) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार

७८२. हरिनारायण मण्डलक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा
- (B) नचिकेताक साहित्यिक योगदान
- (C) कीचकवध
- (D) केवल पञ्जी-सूची

७८३. हरिनारायण मण्डल केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) महाकाव्य
- (B) लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला
- (C) लोकसाहित्य
- (D) व्यंग्य

७८४. कालक्रमक दृष्टिसँ हरिनारायण मण्डलक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (B) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (C) लोकनाट्य आ नृत्य-परम्परा
- (D) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक

७८५. हरिनारायण मण्डलक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) सामाजिक चेतना
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) लोक-नृत्य, सामुदायिक प्रस्तुति, पात्र-अभिनय आ गामक रंग-संस्कार
- (D) लोकभाषाक सहजता

७८६. हरिनारायण मण्डल पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) जनपक्षधरता
- (B) केवल तिथि-स्मरण
- (C) केवल छपाई-संख्या
- (D) लोकनाट्यक जीवित परम्परा

७८७. हरिनारायण मण्डलक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका माध्यमँ लोकनाट्यक जीवित परम्परा केँ बल भेटल

७८८. हरिनारायण मण्डलक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

७८९. हरिनारायण मण्डलक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला मार्फत लोकनाट्यक जीवित परम्परा केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

७९०. हरिनारायण मण्डलक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल

७९१. हरिनारायण मण्डलक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) लोकनाट्यक जीवित परम्परा
- (B) मौखिक परम्परा
- (C) छन्द-विधान
- (D) गद्यक परिपक्वता

७९२. हरिनारायण मण्डलक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) हरिनारायण मण्डल — नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा
- (B) हरिनारायण मण्डल — अंकिया नाट परम्परा
- (C) हरिनारायण मण्डल — रमेश्वरचरित मिथिला रामायण
- (D) हरिनारायण मण्डल — राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श

७९३. हरिनारायण मण्डलक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

७९४. हरिनारायण मण्डल पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार
- (D) पात्र-मनोविज्ञान

७९५. हरिनारायण मण्डलक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

७९६. हरिनारायण मण्डलक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (B) लोकनाट्यक जीवित परम्परा
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) रंगमंच

७९७. हरिनारायण मण्डलक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला, लोकनाट्यक जीवित परम्परा आ लोक-नृत्य, सामुदायिक प्रस्तुति, पात्र-अभिनय आ गामक रंग-संस्कार
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

७९८. हरिनारायण मण्डलक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) लोकनाट्यक जीवित परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

७९९. हरिनारायण मण्डलक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

८००. हरिनारायण मण्डलक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) हरिनारायण मण्डलक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) हरिनारायण मण्डल लोकनाट्य आ नृत्य-परम्परामे लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला द्वारा ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार
- (C) हरिनारायण मण्डलक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) हरिनारायण मण्डल केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

८०१. रमानाथ झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार
- (B) आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान
- (C) मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान
- (D) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार

८०२. रमानाथ झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) कृष्णजन्म
- (B) चित्रा
- (C) मौसम-पत्रक
- (D) मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श

८०३. रमानाथ झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास
- (B) नाटक
- (C) समालोचना
- (D) भाषा-अनुसंधान

८०४. कालक्रमक दृष्टिसँ रमानाथ झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (B) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (C) आधुनिक निबन्ध आ समालोचना
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

८०५. रमानाथ झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) तथ्य, तर्क, इतिहास-बोध, संतुलित भाषा आ आलोचनात्मक दृष्टि
- (B) लोकभाषाक सहजता
- (C) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या

८०६. रमानाथ झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) केवल मूल्य-सूची
- (B) इतिहास-बोध
- (C) केवल छपाई-संख्या
- (D) साहित्येतिहास आ आलोचना

८०७. रमानाथ झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (C) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (D) कारण हुनका माध्यम सँ साहित्येतिहास आ आलोचना केँ बल भेटल

८०८. रमानाथ झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) केवल शहरक नाम खोजब

८०९. रमानाथ झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक लेखन निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास मार्फत साहित्येतिहास आ आलोचना केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

८१०. रमानाथ झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

८११. रमानाथ झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भाषा-संस्कार
- (B) लयात्मकता
- (C) साहित्येतिहास आ आलोचना
- (D) जनपक्षधरता

८१२. रमानाथ झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) रमानाथ झा — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान
- (B) रमानाथ झा — पारिजात-हरण परम्परा
- (C) रमानाथ झा — लोरिक-विजय
- (D) रमानाथ झा — मैथिली साहित्यिक इतिहास-विमर्श

८१३. रमानाथ झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार

८१४. रमानाथ झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान
- (B) सामाजिक चेतना
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

८१५. रमानाथ झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

८१६. रमानाथ झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) लोकजीवन
- (B) साहित्येतिहास आ आलोचना
- (C) छन्द-विधान
- (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या

८१७. रमानाथ झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (C) निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास, साहित्येतिहास आ आलोचना आ तथ्य, तर्क, इतिहास-बोध, संतुलित भाषा आ आलोचनात्मक दृष्टि
- (D) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर

८१८. रमानाथ झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्येतिहास आ आलोचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

८१९. रमानाथ झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (D) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे

८२०. रमानाथ झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) रमानाथ झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) रमानाथ झा आधुनिक निबन्ध आ समालोचनामे निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास द्वारा मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान
- (C) रमानाथ झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) रमानाथ झाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

८२१. जयकान्त मिश्रक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार
- (B) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार
- (C) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार
- (D) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान

८२२. जयकान्त मिश्रक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन
- (B) आरसीक काव्य-योगदान
- (C) मौसम-पत्रक
- (D) कृष्णजन्म

८२३. जयकान्त मिश्र केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) गद्य-वर्णन
- (C) साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन
- (D) निबन्ध

८२४. कालक्रमक दृष्टिसँ जयकान्त मिश्रक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (C) आधुनिक शोध आ साहित्येतिहास
- (D) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा

८२५. जयकान्त मिश्रक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) ग्राम्य परिवेश
- (B) स्रोत-संग्रह, इतिहास-दृष्टि, तुलनात्मकता आ विश्लेषण
- (C) प्रतीकात्मकता
- (D) पात्र-मनोविज्ञान

८२६. जयकान्त मिश्र पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) आलोचना
- (B) अनुसंधान
- (C) शोधपरक साहित्येतिहास
- (D) सामाजिक यथार्थ

८२७. जयकान्त मिश्रक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमँ शोधपरक साहित्येतिहास केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

८२८. जयकान्त मिश्रक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

८२९. जयकान्त मिश्रक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक लेखन साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन मार्फत शोधपरक साहित्येतिहास केँ उभारैत अछि

८३०. जयकान्त मिश्रक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल

८३१. जयकान्त मिश्रक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) राधा-कृष्ण भाव
- (B) शृङ्गार आ भक्ति
- (C) रंगमंच
- (D) शोधपरक साहित्येतिहास

८३२. जयकान्त मिश्रक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) जयकान्त मिश्र — खट्टर ककाक तरंग
- (B) जयकान्त मिश्र — मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन
- (C) जयकान्त मिश्र — विदितक कथा-लेखन
- (D) जयकान्त मिश्र — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श

८३३. जयकान्त मिश्रक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

८३४. जयकान्त मिश्र पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) लोकभाषाक सहजता
- (C) छन्द-सजगता
- (D) मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार

८३५. जयकान्त मिश्रक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

८३६. जयकान्त मिश्रक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) इतिहास-बोध
- (B) शोधपरक साहित्येतिहास
- (C) शृङ्गार आ भक्ति
- (D) छन्द-विधान

८३७. जयकान्त मिश्रक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन, शोधपरक साहित्येतिहास आ स्रोत-संग्रह, इतिहास-दृष्टि, तुलनात्मकता आ विश्लेषण
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

८३८. जयकान्त मिश्रक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) शोधपरक साहित्येतिहासक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

८३९. जयकान्त मिश्रक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

८४०. जयकान्त मिश्रक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) जयकान्त मिश्रक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) जयकान्त मिश्रक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) जयकान्त मिश्र केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (D) जयकान्त मिश्र आधुनिक शोध आ साहित्येतिहासमे साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन द्वारा मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार

८४१. गोविन्द झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान
- (B) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (C) साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार
- (D) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार

८४२. गोविन्द झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) राजस्व-विवरण
- (B) पारिजात-हरण परम्परा
- (C) वर्णरत्नाकर
- (D) मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श

८४३. गोविन्द झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गीतिकाव्य
- (B) मुक्तक-काव्य
- (C) व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन
- (D) कथा-उपन्यास

८४४. कालक्रमक दृष्टिसँ गोविन्द झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (B) आधुनिक भाषा-अध्ययन आ सम्पादन
- (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (D) आधुनिक समालोचना

८४५. गोविन्द झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) भाषिक अनुशासन
- (B) पात्र-मनोविज्ञान
- (C) भाषिक सूक्ष्मता, पाठ-शुद्धि, अनुशासन आ पाण्डित्य
- (D) लयात्मकता

८४६. गोविन्द झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) गद्यक परिपक्वता
- (B) केवल तिथि-स्मरण
- (C) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन
- (D) केवल छपाई-संख्या

८४७. गोविन्द झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यमेँ भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

८४८. गोविन्द झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

८४९. गोविन्द झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक लेखन व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन मार्फत भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि

८५०. गोविन्द झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल

८५१. गोविन्द झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) लोकजीवन
- (D) आलोचना

८५२. गोविन्द झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) गोविन्द झा — गोविन्ददास भजनावली
- (B) गोविन्द झा — मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श
- (C) गोविन्द झा — आधुनिक नाट्य-परम्परा
- (D) गोविन्द झा — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन

८५३. गोविन्द झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता

८५४. गोविन्द झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान
- (B) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (C) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (D) मौखिक परम्परा

८५५. गोविन्द झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

८५६. गोविन्द झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) रंगमंच
- (D) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन

८५७. गोविन्द झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन, भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन आ भाषिक सूक्ष्मता, पाठ-शुद्धि, अनुशासन आ पाण्डित्य

८५८. गोविन्द झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (B) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (C) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादनक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) रचना-परम्परा टूटि गेल

८५९. गोविन्द झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (D) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे

८६०. गोविन्द झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गोविन्द झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) गोविन्द झाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) गोविन्द झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) गोविन्द झा आधुनिक भाषा-अध्ययन आ सम्पादनमे व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन द्वारा मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान

८६१. राधाकृष्ण चौधरीक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार
- (B) राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकेँ मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार
- (C) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

८६२. राधाकृष्ण चौधरीक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) कृष्णजन्म
- (B) मैथिली आलोचना-परम्परा
- (C) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान
- (D) मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन

८६३. राधाकृष्ण चौधरी केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) निबन्ध
- (B) भाषा-अनुसंधान
- (C) इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध
- (D) लोकसाहित्य

८६४. कालक्रमक दृष्टिसँ राधाकृष्ण चौधरीक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) इतिहास, संस्कृति आ साहित्य-विमर्श
- (B) समकालीन मैथिली साहित्य
- (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

८६५. राधाकृष्ण चौधरीक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) राधा-कृष्ण भाव
- (B) सामाजिक चेतना
- (C) ग्राम्य परिवेश
- (D) ऐतिहासिक साक्ष्य, सांस्कृतिक विश्लेषण, सामाजिक दृष्टि आ स्रोत-चेतना

८६६. राधाकृष्ण चौधरी पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) इतिहास-संस्कृति आ साहित्य
- (B) शृङ्गार आ भक्ति
- (C) आलोचना
- (D) सामाजिक यथार्थ

८६७. राधाकृष्ण चौधरीक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका माध्यमँ इतिहास-संस्कृति आ साहित्य केँ बल भेटल

८६८. राधाकृष्ण चौधरीक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल शहरक नाम खोजब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

८६९. राधाकृष्ण चौधरीक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक लेखन इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध मार्फत इतिहास-संस्कृति आ साहित्य केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि

८७०. राधाकृष्ण चौधरीक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

८७१. राधाकृष्ण चौधरीक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) प्रतीकात्मकता
- (B) जनपक्षधरता
- (C) इतिहास-संस्कृति आ साहित्य
- (D) लोकभाषाक सहजता

८७२. राधाकृष्ण चौधरीक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) राधाकृष्ण चौधरी — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन
- (B) राधाकृष्ण चौधरी — आरसीक काव्य-योगदान
- (C) राधाकृष्ण चौधरी — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
- (D) राधाकृष्ण चौधरी — गोविन्ददास भजनावली

८७३. राधाकृष्ण चौधरीक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

८७४. राधाकृष्ण चौधरी पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) छन्द-सजगता
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) प्रतीकात्मकता
- (D) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार

८७५. राधाकृष्ण चौधरीक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (B) केवल छपाईक आकार देखि
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल नामक वर्णक्रमसँ

८७६. राधाकृष्ण चौधरीक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) इतिहास-संस्कृति आ साहित्य
- (B) शृङ्गार आ भक्ति
- (C) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (D) स्त्री-अनुभव

८७७. राधाकृष्ण चौधरीक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (B) इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध, इतिहास-संस्कृति आ साहित्य आ ऐतिहासिक साक्ष्य, सांस्कृतिक विश्लेषण, सामाजिक दृष्टि आ स्रोत-चेतना
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

८७८. राधाकृष्ण चौधरीक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) इतिहास-संस्कृति आ साहित्यक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

८७९. राधाकृष्ण चौधरीक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

८८०. राधाकृष्ण चौधरीक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) राधाकृष्ण चौधरी केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) राधाकृष्ण चौधरी इतिहास, संस्कृति आ साहित्य-विमर्शमे इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध द्वारा मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार
- (C) राधाकृष्ण चौधरीक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) राधाकृष्ण चौधरीक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

८८१. मोहन भारद्वाजक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान
- (D) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार

८८२. मोहन भारद्वाजक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श
- (B) पारिजात-हरण परम्परा
- (C) राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श
- (D) दत्त-वती

८८३. मोहन भारद्वाज केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) व्यंग्य
- (B) आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श
- (C) कथा-उपन्यास
- (D) प्रबन्ध-काव्य

८८४. कालक्रमक दृष्टिसँ मोहन भारद्वाजक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) आधुनिक समालोचना
- (C) समकालीन आलोचना आ संपादन
- (D) आधुनिक मैथिली नवजागरण

८८५. मोहन भारद्वाजक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) समकालीनता, आलोचनात्मक संतुलन, संपादकीय दृष्टि आ विधा-चेतना
- (B) ऐतिहासिक दृष्टि
- (C) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (D) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह

८८६. मोहन भारद्वाज पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) रंगमंच
- (B) शृङ्गार आ भक्ति
- (C) समकालीन साहित्य-विमर्श
- (D) छन्द-विधान

८८७. मोहन भारद्वाजक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका माध्यम सँ समकालीन साहित्य-विमर्श केँ बल भेटल

८८८. मोहन भारद्वाजक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल शहरक नाम खोजब

८८९. मोहन भारद्वाजक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (B) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक लेखन आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श मार्फत समकालीन साहित्य-विमर्श केँ उभारैत अछि

८९०. मोहन भारद्वाजक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

८९१. मोहन भारद्वाजक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) लयात्मकता
- (B) समकालीन साहित्य-विमर्श
- (C) मंचीय संवाद
- (D) स्त्री-अनुभव

८९२. मोहन भारद्वाजक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) मोहन भारद्वाज — कृति राजकमल
- (B) मोहन भारद्वाज — श्रीशक साहित्यिक योगदान
- (C) मोहन भारद्वाज — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श
- (D) मोहन भारद्वाज — मोहनक मुक्तक-काव्य

८९३. मोहन भारद्वाजक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

८९४. मोहन भारद्वाज पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान
- (B) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (C) ऐतिहासिक दृष्टि
- (D) लोकभाषाक सहजता

८९५. मोहन भारद्वाजक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल छपाईक आकार देखि

८९६. मोहन भारद्वाजक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) जनपक्षधरता
- (B) समकालीन साहित्य-विमर्श
- (C) केवल पञ्चाङ्गक गणना
- (D) सामाजिक यथार्थ

८९७. मोहन भारद्वाजक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (B) आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श, समकालीन साहित्य-विमर्श आ समकालीनता, आलोचनात्मक संतुलन, संपादकीय दृष्टि आ विधा-चेतना
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा

८९८. मोहन भारद्वाजक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (C) समकालीन साहित्य-विमर्शक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

८९९. मोहन भारद्वाजक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (C) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

९००. मोहन भारद्वाजक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मोहन भारद्वाज समकालीन आलोचना आ संपादनमे आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श द्वारा समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान
- (B) मोहन भारद्वाजक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (C) मोहन भारद्वाज केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (D) मोहन भारद्वाजक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

10

९०१. जयधारी सिंहक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन
- (B) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार
- (C) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार
- (D) असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्वपूर्ण नाम

९०२. जयधारी सिंहक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली आलोचना-परम्परा
- (B) लोरिक-विजय
- (C) कीचकवध
- (D) चित्रा

९०३. जयधारी सिंह केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) आलोचना आ साहित्यिक विवेचन
- (B) कथा-उपन्यास
- (C) व्यंग्य
- (D) महाकाव्य

९०४. कालक्रमक दृष्टिसँ जयधारी सिंहक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (B) मध्यकालीन मैथिली साहित्य
- (C) आधुनिक मैथिली समालोचना
- (D) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा

९०५. जयधारी सिंहक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) लयात्मकता
- (B) प्रतीकात्मकता
- (C) तर्क, प्रमाण, साहित्यिक मानदण्ड आ संतुलित निर्णय
- (D) छन्द-सजगता

९०६. जयधारी सिंह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) आलोचनात्मक पद्धति
- (B) छन्द-विधान
- (C) स्त्री-अनुभव
- (D) अनुसंधान

९०७. जयधारी सिंहक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल
- (B) कारण हुनका माध्यम आलोचनात्मक पद्धति केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल

९०८. जयधारी सिंहक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (D) केवल नाम रटि छोड़ि देब

९०९. जयधारी सिंहक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (B) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (C) हुनक लेखन आलोचना आ साहित्यिक विवेचन मार्फत आलोचनात्मक पद्धति केँ उभारैत अछि
- (D) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि

९१०. जयधारी सिंहक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (D) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल

९११. जयधारी सिंहक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) लोकभाषाक सहजता
- (B) सामाजिक यथार्थ
- (C) आलोचनात्मक पद्धति
- (D) छन्द-सजगता

९१२. जयधारी सिंहक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) जयधारी सिंह — मैथिली आलोचना-परम्परा
- (B) जयधारी सिंह — खट्टर ककाक तरंग
- (C) जयधारी सिंह — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान
- (D) जयधारी सिंह — मैथिली कथा-परम्परा

९१३. जयधारी सिंहक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

९१४. जयधारी सिंह पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार
- (B) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (C) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (D) पात्र-मनोविज्ञान

९१५. जयधारी सिंहक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार देखि
- (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (C) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

९१६. जयधारी सिंहक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) आलोचनात्मक पद्धति
- (B) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (C) लोकजीवन
- (D) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह

९१७. जयधारी सिंहक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) आलोचना आ साहित्यिक विवेचन, आलोचनात्मक पद्धति आ तर्क, प्रमाण, साहित्यिक मानदण्ड आ संतुलित निर्णय

९१८. जयधारी सिंहक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) आलोचनात्मक पद्धतिक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (D) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल

९१९. जयधारी सिंहक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे

९२०. जयधारी सिंहक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) जयधारी सिंहक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) जयधारी सिंह केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (C) जयधारी सिंहक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) जयधारी सिंह आधुनिक मैथिली समालोचनामे आलोचना आ साहित्यिक विवेचन द्वारा रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार

९२१. प्रेमशंकर सिंहक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार
- (D) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन

९२२. प्रेमशंकर सिंहक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) व्यापार-लेखा
- (B) प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान
- (C) राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श
- (D) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण

९२३. प्रेमशंकर सिंह केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) समालोचना
- (B) समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन
- (C) महाकाव्य
- (D) व्यंग्य

९२४. कालक्रमक दृष्टिसँ प्रेमशंकर सिंहक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक आलोचना-विमर्श
- (B) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (C) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (D) मध्यकालीन मैथिली साहित्य

९२५. प्रेमशंकर सिंहक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (B) मौखिक परम्परा
- (C) छन्द-सजगता
- (D) विचार-गहनता, पाठ-केन्द्रित दृष्टि, सामाजिकता आ विवेचन

९२६. प्रेमशंकर सिंह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) गद्यक परिपक्वता
- (B) आधुनिक आलोचना-दृष्टि
- (C) अनुसंधान
- (D) जनपक्षधरता

९२७. प्रेमशंकर सिंहक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमेँ आधुनिक आलोचना-दृष्टि केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (C) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (D) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल

९२८. प्रेमशंकर सिंहक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

९२९. प्रेमशंकर सिंहक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (B) हुनक लेखन समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन मार्फत आधुनिक आलोचना-दृष्टि केँ उभारैत अछि
- (C) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (D) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि

९३०. प्रेमशंकर सिंहक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

९३१. प्रेमशंकर सिंहक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) आधुनिक आलोचना-दृष्टि
- (B) इतिहास-बोध
- (C) भाषा-संस्कार
- (D) ग्राम्य परिवेश

९३२. प्रेमशंकर सिंहक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) प्रेमशंकर सिंह — मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन
- (B) प्रेमशंकर सिंह — खट्टर ककाक तरंग
- (C) प्रेमशंकर सिंह — प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान
- (D) प्रेमशंकर सिंह — राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श

९३३. प्रेमशंकर सिंहक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) केवल मौन अभिनय बिना भाषा

९३४. प्रेमशंकर सिंह पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) केवल खेतीक माप-जोखक तालिका
- (D) प्रतीकात्मकता

९३५. प्रेमशंकर सिंहक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार देखि
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

९३६. प्रेमशंकर सिंहक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) आधुनिक आलोचना-दृष्टि
- (B) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (C) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (D) जनपक्षधरता

९३७. प्रेमशंकर सिंहक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन, आधुनिक आलोचना-दृष्टि आ विचार-गहनता, पाठ-केन्द्रित दृष्टि, सामाजिकता आ विवेचन
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (D) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना

९३८. प्रेमशंकर सिंहक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (C) आधुनिक आलोचना-दृष्टिक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

९३९. प्रेमशंकर सिंहक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

९४०. प्रेमशंकर सिंहक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) प्रेमशंकर सिंह केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि
- (B) प्रेमशंकर सिंहक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) प्रेमशंकर सिंहक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (D) प्रेमशंकर सिंह आधुनिक आलोचना-विमर्शमे समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन द्वारा मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार

९४१. राजमोहन झाक मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान
- (B) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (C) मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार
- (D) असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्वपूर्ण नाम

९४२. राजमोहन झाक संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) पारिजात-हरण परम्परा
- (B) राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श
- (C) मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श
- (D) वर्णरत्नाकर

९४३. राजमोहन झा केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गीतिकाव्य
- (B) आलोचना, निबन्ध आ शोध
- (C) व्यंग्य
- (D) गद्य-वर्णन

९४४. कालक्रमक दृष्टिसँ राजमोहन झाक साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा
- (B) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (C) आधुनिक साहित्यिक आलोचना
- (D) आधुनिक मैथिली नवजागरण

९४५. राजमोहन झाक रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) समन्वित दृष्टि, पाठ-विवेचन, संस्कृति-बोध आ भाषा-संस्कार
- (B) लोकभाषाक सहजता
- (C) ग्राम्य परिवेश
- (D) मंचीय संवाद

९४६. राजमोहन झा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) समन्वित साहित्य-विवेचन
- (B) इतिहास-बोध
- (C) छन्द-विधान
- (D) रंगमंच

९४७. राजमोहन झाक योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल राजकीय कर-सूची लिखल
- (B) कारण हुनका माध्यममें समन्वित साहित्य-विवेचन केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल

९४८. राजमोहन झाक नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल नाम रटि छोड़ि देब
- (B) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (D) केवल शहरक नाम खोजब

९४९. राजमोहन झाक रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (B) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (C) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि
- (D) हुनक लेखन आलोचना, निबन्ध आ शोध मार्फत समन्वित साहित्य-विवेचन केँ उभारैत अछि

९५०. राजमोहन झाक योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल

९५१. राजमोहन झाक साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) पात्र-मनोविज्ञान
- (B) भाषा-संस्कार
- (C) समन्वित साहित्य-विवेचन
- (D) भाषिक अनुशासन

९५२. राजमोहन झाक सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) राजमोहन झा — राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श
- (B) राजमोहन झा — मोहनक मुक्तक-काव्य
- (C) राजमोहन झा — मधुपक गीतिकाव्य
- (D) राजमोहन झा — आधुनिक नाट्य-परम्परा

९५३. राजमोहन झाक साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (B) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

९५४. राजमोहन झा पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) साहित्यिक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान
- (B) केवल वैद्यकीय नुस्खाक संग्रह
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन

९५५. राजमोहन झाक अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (B) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि
- (C) केवल छपाईक आकार देखि
- (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ

९५६. राजमोहन झाक साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव
- (B) समन्वित साहित्य-विवेचन
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) सामाजिक यथार्थ

९५७. राजमोहन झाक प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) प्रशासन, सैनिक आदेश आ दफ्तर
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) आलोचना, निबन्ध आ शोध, समन्वित साहित्य-विवेचन आ समन्वित दृष्टि, पाठ-विवेचन, संस्कृति-बोध आ भाषा-संस्कार

९५८. राजमोहन झाक रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (C) समन्वित साहित्य-विवेचनक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल
- (D) भाषाक प्रयोग घटि गेल

९५९. राजमोहन झाक योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे

९६०. राजमोहन झाक सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) राजमोहन झाक योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) राजमोहन झाक अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि
- (C) राजमोहन झा आधुनिक साहित्यिक आलोचनामे आलोचना, निबन्ध आ शोध द्वारा साहित्यिक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान
- (D) राजमोहन झाक मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

९६१. रमानन्द झा 'रमण'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार
- (B) मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार
- (C) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार
- (D) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान

९६२. रमानन्द झा 'रमण'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान
- (B) रमणक आलोचनात्मक लेखन
- (C) आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा
- (D) मधुपक गीतिकाव्य

९६३. रमानन्द झा 'रमण' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध
- (B) भाषा-अनुसंधान
- (C) व्यंग्य
- (D) नाटक

९६४. कालक्रमक दृष्टिसँ रमानन्द झा 'रमण'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य
- (B) समालोचना आ लोकसाहित्य अध्ययन
- (C) उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा
- (D) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा

९६५. रमानन्द झा 'रमण'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) लोकभाषाक सहजता
- (B) केवल राजकीय प्रशासनिक आदेशक संकलन
- (C) सामाजिक चेतना
- (D) लोकधर्मी दृष्टि, पाठ-परख, सांस्कृतिक स्मृति आ आलोचनात्मक अनुशासन

९६६. रमानन्द झा 'रमण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) केवल तिथि-स्मरण
- (B) केवल मूल्य-सूची
- (C) इतिहास-बोध
- (D) लोकसाहित्य आ आलोचना

९६७. रमानन्द झा 'रमण'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (B) कारण हुनका माध्यमे लोकसाहित्य आ आलोचना केँ बल भेटल
- (C) कारण हुनका केवल शिलालेख पढ़ल
- (D) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल

९६८. रमानन्द झा 'रमण'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब
- (C) केवल शहरक नाम खोजब
- (D) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब

९६९. रमानन्द झा 'रमण'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध मार्फत लोकसाहित्य आ आलोचना केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक रचना केवल खगोल-गणना पर सीमित अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि

९७०. रमानन्द झा 'रमण'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (B) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि
- (D) केवल मुद्रकक नाम याद रखबाक लेल

९७१. रमानन्द झा 'रमण'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) छन्द-विधान
- (B) राधा-कृष्ण भाव
- (C) लोकसाहित्य आ आलोचना
- (D) छन्द-सजगता

९७२. रमानन्द झा 'रमण'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) रमानन्द झा 'रमण' — रमणक आलोचनात्मक लेखन
- (B) रमानन्द झा 'रमण' — प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान
- (C) रमानन्द झा 'रमण' — कृति राजकमल
- (D) रमानन्द झा 'रमण' — मलंगियाक नाट्य-योगदान

९७३. रमानन्द झा 'रमण'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव
- (B) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (D) केवल अंकीय संकेतक प्रयोग

९७४. रमानन्द झा 'रमण' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) लयात्मकता
- (B) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार
- (C) केवल व्यावसायिक हिसाब-किताबक पुस्तिका
- (D) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद

९७५. रमानन्द झा 'रमण'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार देखि
- (B) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल नामक वर्णक्रमसँ

९७६. रमानन्द झा 'रमण'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) अनुसंधान
- (B) सामाजिक यथार्थ
- (C) लोकसाहित्य आ आलोचना
- (D) जनपक्षधरता

९७७. रमानन्द झा 'रमण'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव
- (B) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (C) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (D) आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध, लोकसाहित्य आ आलोचना आ लोकधर्मी दृष्टि, पाठ-परख, सांस्कृतिक स्मृति आ आलोचनात्मक अनुशासन

९७८. रमानन्द झा 'रमण'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) साहित्यिक विधा समाप्त भऽ गेल
- (D) लोकसाहित्य आ आलोचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

९७९. रमानन्द झा 'रमण'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल रसायनिक सूत्रक प्रश्नमे
- (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे
- (D) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे

९८०. रमानन्द झा 'रमण'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) रमानन्द झा 'रमण'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) रमानन्द झा 'रमण' समालोचना आ लोकसाहित्य अध्ययनमे आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध द्वारा लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार
- (C) रमानन्द झा 'रमण'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) रमानन्द झा 'रमण' केवल पञ्जी-लेखक छलाह, साहित्यिक योगदान नहि

९८१. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क मैथिली साहित्यमे प्रमुख योगदान कोन रूपमे बुझल जाएत अछि?

- (A) लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान
- (B) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार
- (C) केवल विदेशी यात्रावृत्तक अनुवाद
- (D) मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार

९८२. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क संग देल गेल कृति/सन्दर्भमे सभसँ उपयुक्त विकल्प कोन अछि?

- (A) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग
- (B) मैथिली आलोचना-परम्परा
- (C) लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श
- (D) भफाइत चाहक जिनगी

९८३. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' केँ कोन साहित्यिक विधा/क्षेत्रसँ विशेष रूपेँ जोड़ल जा सकैत अछि?

- (A) गद्य-वर्णन
- (B) लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन
- (C) प्रबन्ध-काव्य
- (D) भाषा-अनुसंधान

९८४. कालक्रमक दृष्टिसँ फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क साहित्यिक स्थान मुख्यतः कोन धारा मे राखल जाएत अछि?

- (A) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक
- (B) लोकसाहित्य आ समालोचना
- (C) आधुनिक समालोचना
- (D) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य

९८५. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क रचना-कर्मक एक प्रमुख विशेषता की अछि?

- (A) लोक-संस्कृति, मौखिक साक्ष्य, परम्पराक संरक्षण आ विश्लेषण
- (B) ग्राम्य परिवेश
- (C) सामाजिक चेतना
- (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या

९८६. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखैत समय मुख्य केन्द्र-बिन्दु कोन होयबाक चाही?

- (A) अनुसंधान
- (B) गद्यक परिपक्वता
- (C) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन
- (D) इतिहास-बोध

९८७. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदान मैथिली साहित्यक विकासमे किएक महत्त्वपूर्ण मानल जाएत अछि?

- (A) कारण हुनका माध्यमँ लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन केँ बल भेटल
- (B) कारण हुनका केवल गणना-पद्धति बनौल
- (C) कारण हुनका मंच, भाषा वा रचना-संवेदना सँ कोनो सम्बन्ध नहि छल
- (D) कारण हुनका साहित्यसँ सम्बन्ध नहि छल

९८८. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क नाम सुनिते कोन अध्ययन-दृष्टि अपनाबी?

- (A) केवल जन्म-वर्षक अनुमान करब
- (B) केवल शहरक नाम खोजब
- (C) साहित्यिक विधा छोड़ि केवल वंशावली पढ़ब
- (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब

९८९. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क रचनात्मक पहिचानक तुलना करैत कोन कथन ठीक अछि?

- (A) हुनक लेखन लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन मार्फत लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन केँ उभारैत अछि
- (B) हुनक योगदान साहित्यिक इतिहाससँ असम्बद्ध अछि
- (C) हुनक काजमे भाषा वा समाजक प्रश्न नै अछि
- (D) हुनक लेखन केवल प्रशासनिक परिपत्र अछि

९९०. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदानक पाठ्यक्रमीय महत्त्व की अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या गिनबाक लेल
- (B) केवल बाहरी भाषा सीखबाक लेल
- (C) केवल मनोरंजनक नाम-सूची बनबाक लेल
- (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि

९९१. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क साहित्यिक योगदानक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) प्रतीकात्मकता
- (B) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन
- (C) मंचीय संवाद
- (D) गद्यक परिपक्वता

९९२. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क सम्बन्धमे कोन जोड़ी ठीक अछि?

- (A) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन
- (B) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' — राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श
- (C) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' — लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श
- (D) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' — विद्यापति पदावली

१९३. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क साहित्यिक योगदानमे भाषा सम्बन्धी कोन पक्ष देखल जा सकैत अछि?

- (A) भाषा-संवेदना सँ असम्बद्धता
- (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार
- (C) केवल मौन अभिनय बिना भाषा
- (D) मैथिलीक प्रयोगक पूर्ण अभाव

१९४. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' पर प्रश्न बनल हो तऽ उत्तरमे कोन बात छोड़ल नै जाय?

- (A) राधा-कृष्ण भाव
- (B) लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान
- (C) लोकभाषाक सहजता
- (D) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या

१९५. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क अध्ययनकेँ कोन पद्धति सँ अधिक नीक बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्याक आधार पर
- (B) केवल नामक वर्णक्रमसँ
- (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ
- (D) केवल पुरस्कार-सूची पढ़ि

१९६. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क साहित्यिक छवि मुख्यतः ककरा बल दैत अछि?

- (A) केवल शिलालेखक तिथि-सूची
- (B) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन
- (C) केवल गणितीय सूत्रक व्याख्या
- (D) आलोचना

१९७. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क प्रमुख योगदान बुझबाक लेल कोन शब्द-समूह सर्वाधिक उपयुक्त अछि?

- (A) लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन, लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन आ लोक-संस्कृति, मौखिक साक्ष्य, परम्पराक संरक्षण आ विश्लेषण
- (B) खगोल-गणना, मौसम-तालिका आ नुस्खा
- (C) केवल अनुवाद, बिना मौलिकता आ बिना भाषा-चेतना
- (D) कर-सूची, नाप-जोख आ बाजार-भाव

१९८. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क रचना/योगदानसँ मैथिली साहित्यकेँ कोन लाभ भेटल?

- (A) रचना-परम्परा टूटि गेल
- (B) भाषाक प्रयोग घटि गेल
- (C) लोक-संवेदना पूर्णतः हटि गेल
- (D) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचनक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल

१९९. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदान केँ कोन प्रकारक प्रश्नमे उपयोगी मानल जाएत?

- (A) केवल गणितक प्रमेय सिद्ध करयवला प्रश्नमे
- (B) केवल भूगोलक नक्शा बनाबयवला प्रश्नमे
- (C) केवल खेलक नियम याद करयवला प्रश्नमे
- (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे

१०००. फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क सम्बन्धमे सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदान केवल व्यापारिक लेखामे सीमित रहल
- (B) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' लोकसाहित्य आ समालोचनामे लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन द्वारा लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान
- (C) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क मैथिली साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क अध्ययनमे काल, विधा आ कृति अप्रासंगिक अछि

१. (B) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन अछि; एहि कारण हुनका गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला सँ जोड़ल जाएत अछि।
२. (A) वर्णरत्नाकर — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक सन्दर्भमे वर्णरत्नाकर महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला स्पष्ट होइत अछि।
३. (A) गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली — गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली ज्योतिरीश्वर ठाकुरक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
४. (B) आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदान आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
५. (B) वस्तु-वर्णन, नगर-जीवन, रस-सामग्री आ शब्द-संपदाक समृद्धि — वस्तु-वर्णन, नगर-जीवन, रस-सामग्री आ शब्द-संपदाक समृद्धि ज्योतिरीश्वर ठाकुरक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
६. (D) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदानक सार गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
७. (A) कारण हुनका माध्यमँ गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला कें बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदान गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — ज्योतिरीश्वर ठाकुर कें बुझबाक लेल वर्णरत्नाकर, गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली आ मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
९. (D) हुनक लेखन गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली मार्फत गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला कें उभारैत अछि — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक विधागत पहिचान गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली अछि, आ ओहिसँ गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कलाक बोध प्रबल होइत अछि।
१०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक भूमिका आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य आ गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कलाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
११. (C) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कलासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
१२. (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर — वर्णरत्नाकर — ठीक जोड़ी ज्योतिरीश्वर ठाकुर — वर्णरत्नाकर अछि।
१३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैलीक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
१४. (D) मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन — मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन कें छोड़ला सँ ज्योतिरीश्वर ठाकुरक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
१५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
१६. (B) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक छवि गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
१७. (D) गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली, गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कला आ वस्तु-वर्णन, नगर-जीवन, रस-सामग्री आ शब्द-संपदाक समृद्धि — एहि शब्द-समूहमे ज्योतिरीश्वर ठाकुरक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
१८. (D) गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कलाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक काजसँ गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कलामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
१९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — ज्योतिरीश्वर ठाकुरक योगदान आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्य आ गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैलीक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
२०. (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर आदिकाल/पूर्व-विद्यापति साहित्यमे गद्य-वर्णन आ विश्वकोशीय शैली द्वारा मैथिली गद्यक प्राचीन आधार आ समाज-संस्कृतिक विस्तृत वर्णन — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
२१. (C) मैथिली गीतिकाव्य कें लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार — विद्यापतिक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली गीतिकाव्य कें लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार अछि; एहि कारण हुनका शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय सँ जोड़ल जाएत अछि।

२२. (D) **विद्यापति पदावली** — विद्यापतिक सन्दर्भमे विद्यापति पदावली महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय स्पष्ट होइत अछि।
२३. (B) **गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार** — गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार विद्यापतिक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
२४. (B) **मध्यकालीन मैथिली साहित्य** — विद्यापतिक योगदान मध्यकालीन मैथिली साहित्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाइत अछि।
२५. (C) **राधा-कृष्ण भाव, वयःसन्धि, पूर्वराग, मान, विरह आ अभिसारक सूक्ष्म चित्रण** — राधा-कृष्ण भाव, वयःसन्धि, पूर्वराग, मान, विरह आ अभिसारक सूक्ष्म चित्रण विद्यापतिक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
२६. (B) **शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय** — विद्यापतिक योगदानक सार शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
२७. (C) **कारण हुनका माध्यमँ शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय कें बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे विद्यापतिक योगदान शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
२८. (D) **हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — विद्यापति कें बुझबाक लेल विद्यापति पदावली, गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार आ मैथिली गीतिकाव्य कें लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
२९. (A) **हुनक लेखन गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार मार्फत शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय कें उभारैत अछि** — विद्यापतिक विधागत पहिचान गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार अछि, आ ओहिसँ शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वयक बोध प्रबल होइत अछि।
३०. (B) **विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — विद्यापतिक भूमिका मध्यकालीन मैथिली साहित्य आ शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वयक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
३१. (A) **शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वयसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
३२. (A) **विद्यापति — विद्यापति पदावली** — ठीक जोड़ी विद्यापति — विद्यापति पदावली अछि।
३३. (D) **मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — विद्यापतिक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गारक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
३४. (C) **मैथिली गीतिकाव्य कें लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार** — मैथिली गीतिकाव्य कें लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार कें छोड़ला सँ विद्यापतिक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
३५. (D) **काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ** — विद्यापतिक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
३६. (D) **शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय** — विद्यापतिक छवि शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
३७. (B) **गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार, शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वय आ राधा-कृष्ण भाव, वयःसन्धि, पूर्वराग, मान, विरह आ अभिसारक सूक्ष्म चित्रण** — एहि शब्द-समूहमे विद्यापतिक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
३८. (A) **शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वयक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — विद्यापतिक काजसँ शृङ्गार आ भक्ति केर जीवंत समन्वयमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
३९. (D) **लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — विद्यापतिक योगदान मध्यकालीन मैथिली साहित्य आ गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गारक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
४०. (C) **विद्यापति मध्यकालीन मैथिली साहित्यमे गीतिकाव्य, पदावली, भक्तिआश्रित शृङ्गार द्वारा मैथिली गीतिकाव्य कें लोकभाषा, प्रेम, भक्ति आ संगीतक ऊँचाई देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
४१. (C) **विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य कें आगू बढ़ेनिहार** — गोविन्ददासक अध्ययनमे मुख्य बात विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य कें आगू बढ़ेनिहार अछि; एहि कारण हुनका भजनात्मक गीत-परम्परा सँ जोड़ल जाएत अछि।
४२. (B) **गोविन्ददास भजनावली** — गोविन्ददासक सन्दर्भमे गोविन्ददास भजनावली महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ भजनात्मक गीत-परम्परा स्पष्ट होइत अछि।

४३. (D) **भजन-पद आ गीतिकाव्य** — भजन-पद आ गीतिकाव्य गोविन्ददासक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
४४. (D) **उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा** — गोविन्ददासक योगदान उत्तर-विद्यापति पदावली परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
४५. (B) **श्रवण-माधुर्य, राधा-कृष्ण भाव आ पद-लालित्य** — श्रवण-माधुर्य, राधा-कृष्ण भाव आ पद-लालित्य गोविन्ददासक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
४६. (A) **भजनात्मक गीत-परम्परा** — गोविन्ददासक योगदानक सार भजनात्मक गीत-परम्परा मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
४७. (A) **कारण हुनका माध्यमँ भजनात्मक गीत-परम्परा कें बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे गोविन्ददासक योगदान भजनात्मक गीत-परम्परा कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४८. (B) **हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — गोविन्ददास कें बुझबाक लेल गोविन्ददास भजनावली, भजन-पद आ गीतिकाव्य आ विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य कें आगू बढेनिहार कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
४९. (A) **हुनक लेखन भजन-पद आ गीतिकाव्य मार्फत भजनात्मक गीत-परम्परा कें उभारैत अछि** — गोविन्ददासक विधागत पहिचान भजन-पद आ गीतिकाव्य अछि, आ ओहिसँ भजनात्मक गीत-परम्पराक बोध प्रबल होइत अछि।
५०. (C) **विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — गोविन्ददासक भूमिका उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा आ भजनात्मक गीत-परम्पराक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
५१. (B) **भजनात्मक गीत-परम्परा** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर भजनात्मक गीत-परम्परासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
५२. (A) **गोविन्ददास — गोविन्ददास भजनावली** — ठीक जोड़ी गोविन्ददास — गोविन्ददास भजनावली अछि।
५३. (C) **मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — गोविन्ददासक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें भजन-पद आ गीतिकाव्यक माध्यमँ बढबैत अछि।
५४. (B) **विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य कें आगू बढेनिहार** — विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य कें आगू बढेनिहार कें छोड़ला सँ गोविन्ददासक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
५५. (C) **काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ** — गोविन्ददासक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
५६. (A) **भजनात्मक गीत-परम्परा** — गोविन्ददासक छवि भजनात्मक गीत-परम्परा कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
५७. (A) **भजन-पद आ गीतिकाव्य, भजनात्मक गीत-परम्परा आ श्रवण-माधुर्य, राधा-कृष्ण भाव आ पद-लालित्य** — एहि शब्द-समूहमे गोविन्ददासक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
५८. (C) **भजनात्मक गीत-परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — गोविन्ददासक काजसँ भजनात्मक गीत-परम्परामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
५९. (D) **लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — गोविन्ददासक योगदान उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परा आ भजन-पद आ गीतिकाव्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
६०. (B) **गोविन्ददास उत्तर-विद्यापति पदावली परम्परामे भजन-पद आ गीतिकाव्य द्वारा विद्यापति-परम्पराक भक्ति-रस आ पद-माधुर्य कें आगू बढेनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
६१. (B) **मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम** — उमापतिक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम अछि; एहि कारण हुनका मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा सँ जोड़ल जाएत अछि।
६२. (A) **पारिजात-हरण परम्परा** — उमापतिक सन्दर्भमे पारिजात-हरण परम्परा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा स्पष्ट होइत अछि।
६३. (D) **कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा** — कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा उमापतिक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
६४. (B) **मध्यकालीन नाट्य-परम्परा** — उमापतिक योगदान मध्यकालीन नाट्य-परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
६५. (C) **कीर्तन, पात्र-संवाद, नृत्य-संगीत आ भक्तिपरक नाट्य-रूप** — कीर्तन, पात्र-संवाद, नृत्य-संगीत आ भक्तिपरक नाट्य-रूप उमापतिक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।

६६. (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा — उमापतिक योगदानक सार मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
६७. (C) कारण हुनका माध्यमँ मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे उमापतिक योगदान मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
६८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — उमापति केँ बुझबाक लेल पारिजात-हरण परम्परा, कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा आ मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
६९. (C) हुनक लेखन कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा मार्फत मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा केँ उभारैत अछि — उमापतिक विधागत पहचान कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा अछि, आ ओहिसँ मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्पराक बोध प्रबल होइत अछि।
७०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — उमापतिक भूमिका मध्यकालीन नाट्य-परम्परा आ मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्पराक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
७१. (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
७२. (D) उमापति — पारिजात-हरण परम्परा — ठीक जोड़ी उमापति — पारिजात-हरण परम्परा अछि।
७३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — उमापतिक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्पराक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
७४. (C) मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम — मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम केँ छोड़ला सँ उमापतिक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
७५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — उमापतिक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
७६. (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा — उमापतिक छवि मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
७७. (C) कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा, मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परा आ कीर्तन, पात्र-संवाद, नृत्य-संगीत आ भक्तिपरक नाट्य-रूप — एहि शब्द-समूहमे उमापतिक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
७८. (D) मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — उमापतिक काजसँ मध्यकालीन मैथिली रंग-परम्परामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
७९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — उमापतिक योगदान मध्यकालीन नाट्य-परम्परा आ कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्पराक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
८०. (B) उमापति मध्यकालीन नाट्य-परम्परामे कीर्तनिया/गीतिनाट्य परम्परा द्वारा मैथिली नाटकमे गीत, संवाद, भक्ति आ मंचीय परम्पराक विकाससँ जुड़ल नाम — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
८१. (C) कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार — मनबोधक अध्ययनमे मुख्य बात कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार अछि; एहि कारण हुनका कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान सँ जोड़ल जाएत अछि।
८२. (C) कृष्णजन्म — मनबोधक सन्दर्भमे कृष्णजन्म महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान स्पष्ट होइत अछि।
८३. (A) प्रबन्ध-काव्य — प्रबन्ध-काव्य मनबोधक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
८४. (B) मध्यकालीन कथात्मक काव्यधारा — मनबोधक योगदान मध्यकालीन कथात्मक काव्यधाराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
८५. (A) कथा-प्रवाह, भक्तिभाव, लोकधर्मी भाषा आ काव्यात्मक वर्णन — कथा-प्रवाह, भक्तिभाव, लोकधर्मी भाषा आ काव्यात्मक वर्णन मनबोधक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
८६. (B) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान — मनबोधक योगदानक सार कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
८७. (C) कारण हुनका माध्यमँ कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे मनबोधक योगदान कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।

१८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — मनबोध केँ बुझबाक लेल कृष्णजन्म, प्रबन्ध-काव्य आ कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
१९. (D) हुनक लेखन प्रबन्ध-काव्य मार्फत कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान केँ उभारैत अछि — मनबोधक विधागत पहचान प्रबन्ध-काव्य अछि, आ ओहिसँ कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यानक बोध प्रबल होइत अछि।
१०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — मनबोधक भूमिका मध्यकालीन कथात्मक काव्यधारा आ कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यानक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
११. (D) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यानसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
१२. (D) मनबोध — कृष्णजन्म — ठीक जोड़ी मनबोध — कृष्णजन्म अछि।
१३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — मनबोधक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ प्रबन्ध-काव्यक माध्यममे बढ़बैत अछि।
१४. (D) कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार — कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार केँ छोड़ला सँ मनबोधक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
१५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — मनबोधक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
१६. (B) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान — मनबोधक छवि कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
१७. (B) प्रबन्ध-काव्य, कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यान आ कथा-प्रवाह, भक्तिभाव, लोकधर्मी भाषा आ काव्यात्मक वर्णन — एहि शब्द-समूहमे मनबोधक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
१८. (B) कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यानक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — मनबोधक काजसँ कृष्णकथा आ भक्तिपरक आख्यानमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
१९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — मनबोधक योगदान मध्यकालीन कथात्मक काव्यधारा आ प्रबन्ध-काव्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
१००. (C) मनबोध मध्यकालीन कथात्मक काव्यधारामे प्रबन्ध-काव्य द्वारा कृष्णकथाक मैथिली प्रबन्ध-काव्य रूप केँ प्रतिष्ठित करनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
१०१. (D) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक — चन्दा झाक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक अछि; एहि कारण हुनका मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य सँ जोड़ल जाएत अछि।
१०२. (A) मिथिला-भाषा रामायण — चन्दा झाक सन्दर्भमे मिथिला-भाषा रामायण महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य स्पष्ट होइत अछि।
१०३. (D) रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद — रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद चन्दा झाक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
१०४. (C) आधुनिक मैथिली नवजागरण — चन्दा झाक योगदान आधुनिक मैथिली नवजागरणक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
१०५. (D) रामकथा केँ मैथिली संस्कार, लोकोक्ति, छन्द आ सामाजिक चेतनासँ जोड़ब — रामकथा केँ मैथिली संस्कार, लोकोक्ति, छन्द आ सामाजिक चेतनासँ जोड़ब चन्दा झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
१०६. (A) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य — चन्दा झाक योगदानक सार मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
१०७. (B) कारण हुनका माध्यमसँ मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे चन्दा झाक योगदान मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
१०८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — चन्दा झा केँ बुझबाक लेल मिथिला-भाषा रामायण, रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद आ मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।

१०९. (D) हुनक लेखन रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद मार्फत मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य केँ उभारैत अछि — चन्दा झाक विधागत पहचान रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद अछि, आ ओहिसँ मैथिली नवजागरण आ रामकाव्यक बोध प्रबल होइत अछि।
११०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — चन्दा झाक भूमिका आधुनिक मैथिली नवजागरण आ मैथिली नवजागरण आ रामकाव्यक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
१११. (D) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर मैथिली नवजागरण आ रामकाव्यसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
११२. (C) चन्दा झा — मिथिला-भाषा रामायण — ठीक जोड़ी चन्दा झा — मिथिला-भाषा रामायण अछि।
११३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — चन्दा झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवादक माध्यम बढबैत अछि।
११४. (D) मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक — मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक केँ छोड़ला सँ चन्दा झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
११५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — चन्दा झाक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
११६. (B) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य — चन्दा झाक छवि मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
११७. (A) रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद, मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य आ रामकथा केँ मैथिली संस्कार, लोकोक्ति, छन्द आ सामाजिक चेतनासँ जोड़ब — एहि शब्द-समूहमे चन्दा झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
११८. (D) मैथिली नवजागरण आ रामकाव्यक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — चन्दा झाक काजसँ मैथिली नवजागरण आ रामकाव्यमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
११९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — चन्दा झाक योगदान आधुनिक मैथिली नवजागरण आ रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवादक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
१२०. (A) चन्दा झा आधुनिक मैथिली नवजागरणमे रामकाव्य, गीत, नचारी-महेसबानी आ गद्य-अनुवाद द्वारा मैथिली भाषा-सम्मान, रामकाव्य, छन्द-विधान आ लोक-भाषिक गौरवक युगप्रवर्तक — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
१२१. (A) मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार — लालदासक अध्ययनमे मुख्य बात मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार अछि; एहि कारण हुनका मिथिला-रामायण परम्परा सँ जोड़ल जाएत अछि।
१२२. (A) रमेश्वरचरित मिथिला रामायण — लालदासक सन्दर्भमे रमेश्वरचरित मिथिला रामायण महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ मिथिला-रामायण परम्परा स्पष्ट होइत अछि।
१२३. (D) महाकाव्यात्मक रामकाव्य — महाकाव्यात्मक रामकाव्य लालदासक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
१२४. (A) आधुनिक महाकाव्य/रामकथा परम्परा — लालदासक योगदान आधुनिक महाकाव्य/रामकथा परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
१२५. (A) बालकाण्ड, सीता-महिमा, मिथिला-संस्कार आ काव्यात्मक वर्णन — बालकाण्ड, सीता-महिमा, मिथिला-संस्कार आ काव्यात्मक वर्णन लालदासक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
१२६. (C) मिथिला-रामायण परम्परा — लालदासक योगदानक सार मिथिला-रामायण परम्परा मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
१२७. (B) कारण हुनका माध्यमँ मिथिला-रामायण परम्परा केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे लालदासक योगदान मिथिला-रामायण परम्परा केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
१२८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — लालदास केँ बुझबाक लेल रमेश्वरचरित मिथिला रामायण, महाकाव्यात्मक रामकाव्य आ मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
१२९. (A) हुनक लेखन महाकाव्यात्मक रामकाव्य मार्फत मिथिला-रामायण परम्परा केँ उभारैत अछि — लालदासक विधागत पहचान महाकाव्यात्मक रामकाव्य अछि, आ ओहिसँ मिथिला-रामायण परम्पराक बोध प्रबल होइत अछि।
१३०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — लालदासक भूमिका आधुनिक महाकाव्य/रामकथा परम्परा आ मिथिला-रामायण परम्पराक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
१३१. (A) मिथिला-रामायण परम्परा — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर मिथिला-रामायण परम्परासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।

- १३२. (B) लालदास — रमेश्वरचरित मिथिला रामायण — ठीक जोड़ी लालदास — रमेश्वरचरित मिथिला रामायण अछि।**
- १३३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — लालदासक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ महाकाव्यात्मक रामकाव्यक माध्यममें बढ़बैत अछि।**
- १३४. (A) मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार — मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार केँ छोड़ला सँ लालदासक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।**
- १३५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — लालदासक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।**
- १३६. (B) मिथिला-रामायण परम्परा — लालदासक छवि मिथिला-रामायण परम्परा केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।**
- १३७. (D) महाकाव्यात्मक रामकाव्य, मिथिला-रामायण परम्परा आ बालकाण्ड, सीता-महिमा, मिथिला-संस्कार आ काव्यात्मक वर्णन — एहि शब्द-समूहमे लालदासक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।**
- १३८. (B) मिथिला-रामायण परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — लालदासक काजसँ मिथिला-रामायण परम्परामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।**
- १३९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — लालदासक योगदान आधुनिक महाकाव्य/रामकथा परम्परा आ महाकाव्यात्मक रामकाव्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।**
- १४०. (C) लालदास आधुनिक महाकाव्य/रामकथा परम्परामे महाकाव्यात्मक रामकाव्य द्वारा मिथिला-दृष्टिसँ रामकथा, सीता-शक्ति आ भक्तिपरक आख्यान केँ विस्तार देनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।**
- १४१. (C) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान — सीताराम झाक अध्ययनमे मुख्य बात आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान अछि; एहि कारण हुनका मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण सँ जोड़ल जाएत अछि।**
- १४२. (D) मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा — सीताराम झाक सन्दर्भमे मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यममें मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण स्पष्ट होइत अछि।**
- १४३. (A) कविता, गीत आ मुक्तक — कविता, गीत आ मुक्तक सीताराम झाक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।**
- १४४. (B) आधुनिक मुक्तक-काव्य परम्परा — सीताराम झाक योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्य परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।**
- १४५. (C) गीतात्मकता, भाव-संयम, संस्कार-बोध आ लोकानुभव — गीतात्मकता, भाव-संयम, संस्कार-बोध आ लोकानुभव सीताराम झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।**
- १४६. (C) मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण — सीताराम झाक योगदानक सार मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।**
- १४७. (C) कारण हुनका माध्यममें मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यिक इतिहासमे सीताराम झाक योगदान मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।**
- १४८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — सीताराम झा केँ बुझबाक लेल मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा, कविता, गीत आ मुक्तक आ आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।**
- १४९. (A) हुनक लेखन कविता, गीत आ मुक्तक मार्फत मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण केँ उभारैत अछि — सीताराम झाक विधागत पहिचान कविता, गीत आ मुक्तक अछि, आ ओहिसँ मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरणक बोध प्रबल होइत अछि।**
- १५०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — सीताराम झाक भूमिका आधुनिक मुक्तक-काव्य परम्परा आ मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरणक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।**
- १५१. (D) मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरणसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।**
- १५२. (D) सीताराम झा — मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा — ठीक जोड़ी सीताराम झा — मैथिली मुक्तक-काव्य परम्परा अछि।**
- १५३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — सीताराम झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कविता, गीत आ मुक्तकक माध्यममें बढ़बैत अछि।**

- १५४. (D) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान** — आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान केँ छोड़ला सँ सीताराम झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- १५५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — सीताराम झाक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- १५६. (B) मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण** — सीताराम झाक छवि मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- १५७. (B) कविता, गीत आ मुक्तक, मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरण आ गीतात्मकता, भाव-संयम, संस्कार-बोध आ लोकानुभव** — एहि शब्द-समूहमे सीताराम झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- १५८. (C) मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरणक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ भेल** — सीताराम झाक काजसँ मुक्तक-काव्यक सुदृढीकरणमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- १५९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — सीताराम झाक योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्य परम्परा आ कविता, गीत आ मुक्तकक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- १६०. (B) सीताराम झा आधुनिक मुक्तक-काव्य परम्परामे कविता, गीत आ मुक्तक द्वारा आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, छन्द, लोकधर्मिता आ भाषा-संस्कारक योगदान** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- १६१. (C) नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार** — रघुनन्दन लालदासक अध्ययनमे मुख्य बात नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार अछि; एहि कारण हुनका नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना सँ जोड़ल जाएत अछि।
- १६२. (D) मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग** — रघुनन्दन लालदासक सन्दर्भमे मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना स्पष्ट होइत अछि।
- १६३. (C) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन** — काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन रघुनन्दन लालदासक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
- १६४. (A) आधुनिक आरम्भिक गद्य-काव्य परम्परा** — रघुनन्दन लालदासक योगदान आधुनिक आरम्भिक गद्य-काव्य परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- १६५. (A) भाषा-प्रेम, सांस्कृतिक पुनर्स्मरण आ परम्परा-सजगता** — भाषा-प्रेम, सांस्कृतिक पुनर्स्मरण आ परम्परा-सजगता रघुनन्दन लालदासक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- १६६. (D) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना** — रघुनन्दन लालदासक योगदानक सार नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- १६७. (D) कारण हुनका माध्यमँ नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे रघुनन्दन लालदासक योगदान नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना केँ सुदृढ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- १६८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — रघुनन्दन लालदास केँ बुझबाक लेल मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग, काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन आ नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- १६९. (B) हुनक लेखन काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन मार्फत नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना केँ उभारैत अछि** — रघुनन्दन लालदासक विधागत पहचान काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन अछि, आ ओहिसँ नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतनाक बोध प्रबल होइत अछि।
- १७०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — रघुनन्दन लालदासक भूमिका आधुनिक आरम्भिक गद्य-काव्य परम्परा आ नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- १७१. (D) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- १७२. (B) रघुनन्दन लालदास** — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग — ठीक जोड़ी रघुनन्दन लालदास — मैथिली नवजागरणक साहित्यिक प्रसंग अछि।
- १७३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — रघुनन्दन लालदासक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखनक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- १७४. (A) नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार** — नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार केँ छोड़ला सँ रघुनन्दन लालदासक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।

१७५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — रघुनन्दन लालदासक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
१७६. (B) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना — रघुनन्दन लालदासक छवि नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
१७७. (D) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन, नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतना आ भाषा-प्रेम, सांस्कृतिक पुनर्स्मरण आ परम्परा-सजगता — एहि शब्द-समूहमे रघुनन्दन लालदासक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
१७८. (B) नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — रघुनन्दन लालदासक काजसँ नवजागरणक भाषिक-सांस्कृतिक चेतनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
१७९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — रघुनन्दन लालदासक योगदान आधुनिक आरम्भिक गद्य-काव्य परम्परा आ काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
१८०. (C) रघुनन्दन लालदास आधुनिक आरम्भिक गद्य-काव्य परम्परामे काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन द्वारा नवजागरणकालीन भाषा-चेतना, साहित्यिक संगठन आ सांस्कृतिक स्मृति केँ बल देनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
१८१. (A) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार — तंत्रनाथ झाक अध्ययनमे मुख्य बात महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार अछि; एहि कारण हुनका वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा सँ जोड़ल जाएत अछि।
१८२. (D) कीचकवध — तंत्रनाथ झाक सन्दर्भमे कीचकवध महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा स्पष्ट होइत अछि।
१८३. (D) महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य — महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य तंत्रनाथ झाक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
१८४. (B) आधुनिक प्रबन्ध/महाकाव्य परम्परा — तंत्रनाथ झाक योगदान आधुनिक प्रबन्ध/महाकाव्य परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
१८५. (D) अज्ञातवास, कीचक-वध, भीम-द्रौपदी प्रसंग आ वीर-करुण भाव — अज्ञातवास, कीचक-वध, भीम-द्रौपदी प्रसंग आ वीर-करुण भाव तंत्रनाथ झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
१८६. (B) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा — तंत्रनाथ झाक योगदानक सार वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
१८७. (C) कारण हुनका माध्यमँ वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे तंत्रनाथ झाक योगदान वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
१८८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — तंत्रनाथ झा केँ बुझबाक लेल कीचकवध, महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य आ महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
१८९. (D) हुनक लेखन महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य मार्फत वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा केँ उभारैत अछि — तंत्रनाथ झाक विधागत पहिचान महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य अछि, आ ओहिसँ वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षाक बोध प्रबल होइत अछि।
१९०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — तंत्रनाथ झाक भूमिका आधुनिक प्रबन्ध/महाकाव्य परम्परा आ वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
१९१. (A) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षाले चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
१९२. (D) तंत्रनाथ झा — कीचकवध — ठीक जोड़ी तंत्रनाथ झा — कीचकवध अछि।
१९३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — तंत्रनाथ झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्यक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
१९४. (A) महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार — महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार केँ छोड़ला सँ तंत्रनाथ झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
१९५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — तंत्रनाथ झाक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
१९६. (B) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा — तंत्रनाथ झाक छवि वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।

- १९७. (C) महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य, वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षा आ अज्ञातवास, कीचक-वध, भीम-द्रौपदी प्रसंग आ वीर-करुण भाव —** एहि शब्द-समूहमे तंत्रनाथ झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- १९८. (D) वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल —** तंत्रनाथ झाक काजसँ वीरकाव्य आ नारी-गरिमाक रक्षामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- १९९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे —** तंत्रनाथ झाक योगदान आधुनिक प्रबन्ध/महाकाव्य परम्परा आ महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- २००. (D) तंत्रनाथ झा आधुनिक प्रबन्ध/महाकाव्य परम्परामे महाकाव्य आ अमित्राक्षर काव्य द्वारा महाभारत-प्रसंग केँ मैथिली महाकाव्यात्मक रूपमे प्रतिष्ठित करनिहार —** एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- २०१. (A) मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार —** हरिमोहन झाक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार अछि; एहि कारण हुनका हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक सँ जोड़ल जाएत अछि।
- २०२. (D) खट्टर ककाक तरंग —** हरिमोहन झाक सन्दर्भमे खट्टर ककाक तरंग महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक स्पष्ट होइत अछि।
- २०३. (D) उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य —** उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य हरिमोहन झाक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
- २०४. (A) आधुनिक मैथिली गद्यक उत्कर्ष —** हरिमोहन झाक योगदान आधुनिक मैथिली गद्यक उत्कर्षक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- २०५. (B) कर्मकाण्ड, पाखण्ड, समाज-रूढ़ि आ बुद्धिवादी प्रश्नक व्यंग्यात्मक परीक्षण —** कर्मकाण्ड, पाखण्ड, समाज-रूढ़ि आ बुद्धिवादी प्रश्नक व्यंग्यात्मक परीक्षण हरिमोहन झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- २०६. (C) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक —** हरिमोहन झाक योगदानक सार हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- २०७. (D) कारण हुनका माध्यमँ हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक केँ बल भेटल —** मैथिली साहित्यक इतिहासमे हरिमोहन झाक योगदान हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- २०८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब —** हरिमोहन झा केँ बुझबाक लेल खट्टर ककाक तरंग, उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य आ मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- २०९. (D) हुनक लेखन उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य मार्फत हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक केँ उभारैत अछि —** हरिमोहन झाक विधागत पहिचान उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य अछि, आ ओहिसँ हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक बोध प्रबल होइत अछि।
- २१०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि —** हरिमोहन झाक भूमिका आधुनिक मैथिली गद्यक उत्कर्ष आ हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- २११. (D) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक —** एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- २१२. (B) हरिमोहन झा — खट्टर ककाक तरंग —** ठीक जोड़ी हरिमोहन झा — खट्टर ककाक तरंग अछि।
- २१३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार —** हरिमोहन झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्यक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- २१४. (A) मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार —** मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार केँ छोड़ला सँ हरिमोहन झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- २१५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ —** हरिमोहन झाक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- २१६. (A) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक —** हरिमोहन झाक छवि हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
- २१७. (D) उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य, हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेक आ कर्मकाण्ड, पाखण्ड, समाज-रूढ़ि आ बुद्धिवादी प्रश्नक व्यंग्यात्मक परीक्षण —** एहि शब्द-समूहमे हरिमोहन झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।

- २१८. (D) हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — हरिमोहन झाक काजसँ हास्य-व्यंग्य आ सामाजिक विवेकमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- २१९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — हरिमोहन झाक योगदान आधुनिक मैथिली गद्यक उत्कर्ष आ उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- २२०. (D) हरिमोहन झा आधुनिक मैथिली गद्यक उत्कर्षमे उपन्यास, व्यंग्य, निबन्ध आ संवादप्रधान गद्य द्वारा मैथिली गद्य, हास्य-व्यंग्य, सामाजिक आलोचना आ बोलचालक सहजता केँ लोकप्रिय बनौनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- २२१. (C) लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार** — यात्रीक अध्ययनमे मुख्य बात लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार अछि; एहि कारण हुनका जनपक्षधर आधुनिकता सँ जोड़ल जाएत अछि।
- २२२. (A) चित्रा** — यात्रीक सन्दर्भमे चित्रा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ जनपक्षधर आधुनिकता स्पष्ट होइत अछि।
- २२३. (D) कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन** — कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन यात्रीक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- २२४. (A) आधुनिक जनमुखी काव्य-कथा परम्परा** — यात्रीक योगदान आधुनिक जनमुखी काव्य-कथा परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- २२५. (B) गाम-घरक भाषा, सामाजिक प्रतिरोध, जनपक्षधरता आ तीक्ष्ण व्यंग्य** — गाम-घरक भाषा, सामाजिक प्रतिरोध, जनपक्षधरता आ तीक्ष्ण व्यंग्य यात्रीक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- २२६. (C) जनपक्षधर आधुनिकता** — यात्रीक योगदानक सार जनपक्षधर आधुनिकता मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- २२७. (B) कारण हुनका माध्यमँ जनपक्षधर आधुनिकता केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे यात्रीक योगदान जनपक्षधर आधुनिकता केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- २२८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — यात्री केँ बुझबाक लेल चित्रा, कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन आ लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- २२९. (C) हुनक लेखन कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन मार्फत जनपक्षधर आधुनिकता केँ उभारैत अछि** — यात्रीक विधागत पहचान कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन अछि, आ ओहिसँ जनपक्षधर आधुनिकताक बोध प्रबल होइत अछि।
- २३०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — यात्रीक भूमिका आधुनिक जनमुखी काव्य-कथा परम्परा आ जनपक्षधर आधुनिकताक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- २३१. (D) जनपक्षधर आधुनिकता** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर जनपक्षधर आधुनिकतासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- २३२. (A) यात्री — चित्रा** — ठीक जोड़ी यात्री — चित्रा अछि।
- २३३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — यात्रीक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखनक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- २३४. (A) लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार** — लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार केँ छोड़ला सँ यात्रीक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- २३५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — यात्रीक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- २३६. (D) जनपक्षधर आधुनिकता** — यात्रीक छवि जनपक्षधर आधुनिकता केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- २३७. (A) कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन, जनपक्षधर आधुनिकता आ गाम-घरक भाषा, सामाजिक प्रतिरोध, जनपक्षधरता आ तीक्ष्ण व्यंग्य** — एहि शब्द-समूहमे यात्रीक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- २३८. (C) जनपक्षधर आधुनिकताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — यात्रीक काजसँ जनपक्षधर आधुनिकतामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- २३९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — यात्रीक योगदान आधुनिक जनमुखी काव्य-कथा परम्परा आ कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- २४०. (C) यात्री आधुनिक जनमुखी काव्य-कथा परम्परामे कविता, कथा, उपन्यास आ जनधर्मी लेखन द्वारा लोकजीवन, जन-संघर्ष, प्रकृति, व्यंग्य आ प्रगतिशील चेतनाकेँ मैथिलीमे प्रखर करनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।

- २४१. (A) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार अछि; एहि कारण हुनका आधुनिक कथा-संरचना सँ जोड़ल जाएत अछि।
- २४२. (C) व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क सन्दर्भमे व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम आधुनिक कथा-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
- २४३. (D) कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य** — कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- २४४. (A) आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क योगदान आधुनिक कथा-उपन्यास परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- २४५. (A) ग्राम्य समाज, परिवार, नैतिक द्वन्द्व आ कथानक-विन्यास** — ग्राम्य समाज, परिवार, नैतिक द्वन्द्व आ कथानक-विन्यास उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- २४६. (B) आधुनिक कथा-संरचना** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क योगदानक सार आधुनिक कथा-संरचना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- २४७. (D) कारण हुनका माध्यम आधुनिक कथा-संरचना केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क योगदान आधुनिक कथा-संरचना केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- २४८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’ केँ बुझबाक लेल व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान, कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य आ मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- २४९. (B) हुनक लेखन कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य मार्फत आधुनिक कथा-संरचना केँ उभारैत अछि** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क विधागत पहचान कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य अछि, आ ओहिसँ आधुनिक कथा-संरचनाक बोध प्रबल होइत अछि।
- २५०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क भूमिका आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा आ आधुनिक कथा-संरचनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- २५१. (A) आधुनिक कथा-संरचना** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर आधुनिक कथा-संरचनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- २५२. (A) उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’** — व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान — ठीक जोड़ी उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’ — व्यासक कथा-साहित्यिक योगदान अछि।
- २५३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्यक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
- २५४. (C) मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार** — मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार केँ छोड़ला सँ उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- २५५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- २५६. (D) आधुनिक कथा-संरचना** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क छवि आधुनिक कथा-संरचना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- २५७. (A) कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य, आधुनिक कथा-संरचना आ ग्राम्य समाज, परिवार, नैतिक द्वन्द्व आ कथानक-विन्यास** — एहि शब्द-समूहमे उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- २५८. (D) आधुनिक कथा-संरचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क काजसँ आधुनिक कथा-संरचनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- २५९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’क योगदान आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परा आ कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- २६०. (A) उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’ आधुनिक कथा-उपन्यास परम्परामे कथा, उपन्यास आ सामाजिक गद्य द्वारा मैथिली कथा-गद्यक सामाजिक धरातल, पात्र-विकास आ कथात्मक भाषा केँ बल देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- २६१. (D) लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष केँ उपन्यासमे रूपायित करनिहार** — ब्रजकिशोर वर्मा ‘मणिपद्म’क अध्ययनमे मुख्य बात लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष केँ उपन्यासमे रूपायित करनिहार अछि; एहि कारण हुनका लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप सँ जोड़ल जाएत अछि।

- २६२. (C) लोरिक-विजय** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क सन्दर्भमे लोरिक-विजय महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप स्पष्ट होइत अछि।
- २६३. (B) उपन्यास आ कथा** — उपन्यास आ कथा ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- २६४. (B) आधुनिक ऐतिहासिक/लोकगाथात्मक उपन्यास धारा** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान आधुनिक ऐतिहासिक/लोकगाथात्मक उपन्यास धाराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- २६५. (C) लोरिकक वीरता, लोक-स्मृति, सामन्ती अत्याचार आ संघर्षधर्मी कथानक** — लोरिकक वीरता, लोक-स्मृति, सामन्ती अत्याचार आ संघर्षधर्मी कथानक ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
- २६६. (B) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदानक सार लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- २६७. (B) कारण हुनका माध्यमँ लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप कें बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- २६८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' कें बुझबाक लेल लोरिक-विजय, उपन्यास आ कथा आ लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष कें उपन्यासमे रूपायित करनिहार कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- २६९. (B) हुनक लेखन उपन्यास आ कथा मार्फत लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप कें उभारैत अछि** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क विधागत पहचान उपन्यास आ कथा अछि, आ ओहिसँ लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूपक बोध प्रबल होइत अछि।
- २७०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क भूमिका आधुनिक ऐतिहासिक/लोकगाथात्मक उपन्यास धारा आ लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूपक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- २७१. (B) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूपसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- २७२. (A) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'** — लोरिक-विजय — ठीक जोड़ी ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' — लोरिक-विजय अछि।
- २७३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें उपन्यास आ कथाक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- २७४. (D) लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष कें उपन्यासमे रूपायित करनिहार** — लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष कें उपन्यासमे रूपायित करनिहार कें छोड़ला सँ ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- २७५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- २७६. (C) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क छवि लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- २७७. (D) उपन्यास आ कथा, लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूप आ लोरिकक वीरता, लोक-स्मृति, सामन्ती अत्याचार आ संघर्षधर्मी कथानक** — एहि शब्द-समूहमे ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- २७८. (A) लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूपक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क काजसँ लोकगाथाक आधुनिक उपन्यास रूपमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- २७९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान आधुनिक ऐतिहासिक/लोकगाथात्मक उपन्यास धारा आ उपन्यास आ कथाक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- २८०. (C) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' आधुनिक ऐतिहासिक/लोकगाथात्मक उपन्यास धारामे उपन्यास आ कथा द्वारा लोकगाथा, इतिहास-बोध, शोषण-विरोध आ समाज-संघर्ष कें उपन्यासमे रूपायित करनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- २८१. (D) आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकें तीव्र रूप देनिहार** — राजकमल चौधरीक अध्ययनमे मुख्य बात आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकें तीव्र रूप देनिहार अछि; एहि कारण हुनका आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प सँ जोड़ल जाएत अछि।
- २८२. (C) कृति राजकमल** — राजकमल चौधरीक सन्दर्भमे कृति राजकमल महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प स्पष्ट होइत अछि।

- २८३. (A) कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य** — कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य राजकमल चौधरीक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- २८४. (C) उत्तर-आधुनिक संवेदनाक आरम्भिक आधुनिक स्वर** — राजकमल चौधरीक योगदान उत्तर-आधुनिक संवेदनाक आरम्भिक आधुनिक स्वरक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- २८५. (B) मनोवैज्ञानिक बेचैनी, सामाजिक विखण्डन, निर्भीक भाषा आ नवीन शिल्प** — मनोवैज्ञानिक बेचैनी, सामाजिक विखण्डन, निर्भीक भाषा आ नवीन शिल्प राजकमल चौधरीक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
- २८६. (B) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प** — राजकमल चौधरीक योगदानक सार आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- २८७. (A) कारण हुनका माध्यमसँ आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे राजकमल चौधरीक योगदान आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- २८८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — राजकमल चौधरी केँ बुझबाक लेल कृति राजकमल, कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य आ आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकेँ तीव्र रूप देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- २८९. (B) हुनक लेखन कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य मार्फत आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प केँ उभारैत अछि** — राजकमल चौधरीक विधागत पहचान कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य अछि, आ ओहिसँ आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्पक बोध प्रबल होइत अछि।
- २९०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — राजकमल चौधरीक भूमिका उत्तर-आधुनिक संवेदनाक आरम्भिक आधुनिक स्वर आ आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्पक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- २९१. (D) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्पसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- २९२. (A) राजकमल चौधरी — कृति राजकमल** — ठीक जोड़ी राजकमल चौधरी — कृति राजकमल अछि।
- २९३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — राजकमल चौधरीक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्यक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
- २९४. (B) आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकेँ तीव्र रूप देनिहार** — आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकेँ तीव्र रूप देनिहार केँ छोड़ला सँ राजकमल चौधरीक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- २९५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — राजकमल चौधरीक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- २९६. (C) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प** — राजकमल चौधरीक छवि आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- २९७. (A) कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य, आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्प आ मनोवैज्ञानिक बेचैनी, सामाजिक विखण्डन, निर्भीक भाषा आ नवीन शिल्प** — एहि शब्द-समूहमे राजकमल चौधरीक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- २९८. (D) आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्पक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — राजकमल चौधरीक काजसँ आधुनिक संवेदना आ कथाशिल्पमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- २९९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — राजकमल चौधरीक योगदान उत्तर-आधुनिक संवेदनाक आरम्भिक आधुनिक स्वर आ कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ३००. (A) राजकमल चौधरी उत्तर-आधुनिक संवेदनाक आरम्भिक आधुनिक स्वरमे कथा, कविता, उपन्यास आ विद्रोही गद्य द्वारा आधुनिक मनुष्यक अकेलापन, देह-संवेदना, शहर-समाज आ विद्रोही चेतनाकेँ तीव्र रूप देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ३०१. (A) स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकेँ कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार** — लिली रेक अध्ययनमे मुख्य बात स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकेँ कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार अछि; एहि कारण हुनका नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ३०२. (A) मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा** — लिली रेक सन्दर्भमे मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा स्पष्ट होइत अछि।
- ३०३. (B) कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन** — कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन लिली रेक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- ३०४. (C) आधुनिक मैथिली कथा-उपन्यास** — लिली रेक योगदान आधुनिक मैथिली कथा-उपन्यासक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।

३०५. (B) नारी-मन, परिवार, सामाजिक दबाव आ आत्मसम्मानक प्रश्न — नारी-मन, परिवार, सामाजिक दबाव आ आत्मसम्मानक प्रश्न लिली रेक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
३०६. (D) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा — लिली रेक योगदानक सार नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
३०७. (B) कारण हुनका माध्यमँ नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा कें बल भेटल — मैथिली साहित्यिक इतिहासमे लिली रेक योगदान नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
३०८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — लिली रे कें बुझबाक लेल मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा, कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन आ स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकें कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
३०९. (C) हुनक लेखन कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन मार्फत नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा कें उभारैत अछि — लिली रेक विधागत पहचान कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन अछि, आ ओहिसँ नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथाक बोध प्रबल होइत अछि।
३१०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — लिली रेक भूमिका आधुनिक मैथिली कथा-उपन्यास आ नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
३११. (A) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
३१२. (C) लिली रे — मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा — ठीक जोड़ी लिली रे — मैथिली नारी-चेतनाक कथा-परम्परा अछि।
३१३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — लिली रेक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखनक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
३१४. (C) स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकें कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार — स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकें कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार कें छोड़ला सँ लिली रेक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
३१५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — लिली रेक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
३१६. (D) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा — लिली रेक छवि नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
३१७. (B) कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन, नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथा आ नारी-मन, परिवार, सामाजिक दबाव आ आत्मसम्मानक प्रश्न — एहि शब्द-समूहमे लिली रेक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
३१८. (A) नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — लिली रेक काजसँ नारी-दृष्टि आ आधुनिक कथामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
३१९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — लिली रेक योगदान आधुनिक मैथिली कथा-उपन्यास आ कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
३२०. (A) लिली रे आधुनिक मैथिली कथा-उपन्यासमे कथा, उपन्यास आ स्त्री-अनुभव लेखन द्वारा स्त्री-अनुभव, घरेलू-सामाजिक द्वन्द्व आ आधुनिक संवेदनाकें कथा-साहित्यमे स्वर देनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
३२१. (B) समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार — प्रभास कुमार चौधरीक अध्ययनमे मुख्य बात समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार अछि; एहि कारण हुनका समकालीन कथात्मक यथार्थ सँ जोड़ल जाएत अछि।
३२२. (A) आधुनिक मैथिली कथा-लेखन — प्रभास कुमार चौधरीक सन्दर्भमे आधुनिक मैथिली कथा-लेखन महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ समकालीन कथात्मक यथार्थ स्पष्ट होइत अछि।
३२३. (A) कथा आ उपन्यास — कथा आ उपन्यास प्रभास कुमार चौधरीक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
३२४. (B) आधुनिक कथा-गद्य परम्परा — प्रभास कुमार चौधरीक योगदान आधुनिक कथा-गद्य परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
३२५. (C) पात्रक मनोभूमि, सामाजिक यथार्थ आ संवादात्मक गद्य — पात्रक मनोभूमि, सामाजिक यथार्थ आ संवादात्मक गद्य प्रभास कुमार चौधरीक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
३२६. (D) समकालीन कथात्मक यथार्थ — प्रभास कुमार चौधरीक योगदानक सार समकालीन कथात्मक यथार्थ मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।

- ३२७. (B) कारण हुनका माध्यम समकालीन कथात्मक यथार्थ के बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे प्रभास कुमार चौधरीक योगदान समकालीन कथात्मक यथार्थ के सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- ३२८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — प्रभास कुमार चौधरी केँ बुझबाक लेल आधुनिक मैथिली कथा-लेखन, कथा आ उपन्यास आ समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ३२९. (B) हुनक लेखन कथा आ उपन्यास मार्फत समकालीन कथात्मक यथार्थ केँ उभारैत अछि** — प्रभास कुमार चौधरीक विधागत पहचान कथा आ उपन्यास अछि, आ ओहिसँ समकालीन कथात्मक यथार्थक बोध प्रबल होइत अछि।
- ३३०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — प्रभास कुमार चौधरीक भूमिका आधुनिक कथा-गद्य परम्परा आ समकालीन कथात्मक यथार्थक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ३३१. (B) समकालीन कथात्मक यथार्थ** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर समकालीन कथात्मक यथार्थसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ३३२. (B) प्रभास कुमार चौधरी — आधुनिक मैथिली कथा-लेखन** — ठीक जोड़ी प्रभास कुमार चौधरी — आधुनिक मैथिली कथा-लेखन अछि।
- ३३३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — प्रभास कुमार चौधरीक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कथा आ उपन्यासक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
- ३३४. (A) समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार** — समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार केँ छोड़ला सँ प्रभास कुमार चौधरीक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ३३५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — प्रभास कुमार चौधरीक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ३३६. (C) समकालीन कथात्मक यथार्थ** — प्रभास कुमार चौधरीक छवि समकालीन कथात्मक यथार्थ केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ३३७. (C) कथा आ उपन्यास, समकालीन कथात्मक यथार्थ आ पात्रक मनोभूमि, सामाजिक यथार्थ आ संवादात्मक गद्य** — एहि शब्द-समूहमे प्रभास कुमार चौधरीक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ३३८. (C) समकालीन कथात्मक यथार्थक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — प्रभास कुमार चौधरीक काजसँ समकालीन कथात्मक यथार्थमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ३३९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — प्रभास कुमार चौधरीक योगदान आधुनिक कथा-गद्य परम्परा आ कथा आ उपन्यासक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ३४०. (A) प्रभास कुमार चौधरी आधुनिक कथा-गद्य परम्परामे कथा आ उपन्यास द्वारा समकालीन जीवन, सामाजिक परिवेश आ कथा-भाषाक विकासमे योगदान देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ३४१. (B) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार** — मायानन्द मिश्रक अध्ययनमे मुख्य बात इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार अछि; एहि कारण हुनका उपन्यासक व्यापकता सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ३४२. (C) आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा** — मायानन्द मिश्रक सन्दर्भमे आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ उपन्यासक व्यापकता स्पष्ट होइत अछि।
- ३४३. (C) उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य** — उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य मायानन्द मिश्रक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
- ३४४. (D) आधुनिक कथा-उपन्यासक महत्वपूर्ण चरण** — मायानन्द मिश्रक योगदान आधुनिक कथा-उपन्यासक महत्वपूर्ण चरणक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ३४५. (C) वृहत्तर कथानक, ऐतिहासिक चेतना, सामाजिक विस्तार आ मनोवैज्ञानिक गहराई** — वृहत्तर कथानक, ऐतिहासिक चेतना, सामाजिक विस्तार आ मनोवैज्ञानिक गहराई मायानन्द मिश्रक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ३४६. (A) उपन्यासक व्यापकता** — मायानन्द मिश्रक योगदानक सार उपन्यासक व्यापकता मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ३४७. (B) कारण हुनका माध्यमसँ उपन्यासक व्यापकता केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे मायानन्द मिश्रक योगदान उपन्यासक व्यापकता केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- ३४८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — मायानन्द मिश्र केँ बुझबाक लेल आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा, उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य आ इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।

- ३४९. (A) हुनक लेखन उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य मार्फत उपन्यासक व्यापकता केँ उभारैत अछि** — मायानन्द मिश्रक विधागत पहचान उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य अछि, आ ओहिसँ उपन्यासक व्यापकताक बोध प्रबल होइत अछि।
- ३५०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — मायानन्द मिश्रक भूमिका आधुनिक कथा-उपन्यासक महत्वपूर्ण चरण आ उपन्यासक व्यापकताक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ३५१. (C) उपन्यासक व्यापकता** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर उपन्यासक व्यापकतासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ३५२. (A) मायानन्द मिश्र — आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा** — ठीक जोड़ी मायानन्द मिश्र — आधुनिक मैथिली उपन्यास-परम्परा अछि।
- ३५३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — मायानन्द मिश्रक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्यक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- ३५४. (B) इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार** — इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार केँ छोड़ला सँ मायानन्द मिश्रक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ३५५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — मायानन्द मिश्रक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ३५६. (C) उपन्यासक व्यापकता** — मायानन्द मिश्रक छवि उपन्यासक व्यापकता केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ३५७. (D) उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य, उपन्यासक व्यापकता आ वृहत्तर कथानक, ऐतिहासिक चेतना, सामाजिक विस्तार आ मनोवैज्ञानिक गहराई** — एहि शब्द-समूहमे मायानन्द मिश्रक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ३५८. (B) उपन्यासक व्यापकताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — मायानन्द मिश्रक काजसँ उपन्यासक व्यापकतामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ३५९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — मायानन्द मिश्रक योगदान आधुनिक कथा-उपन्यासक महत्वपूर्ण चरण आ उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ३६०. (B) मायानन्द मिश्र आधुनिक कथा-उपन्यासक महत्वपूर्ण चरणमे उपन्यास, कथा आ ऐतिहासिक-सामाजिक गद्य द्वारा इतिहास, समाज, संस्कृति आ पात्रक जटिलता केँ उपन्यासमे विस्तृत करनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ३६१. (B) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार** — रमानन्द रेणुक अध्ययनमे मुख्य बात ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार अछि; एहि कारण हुनका ग्राम्य कथात्मक चेतना सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ३६२. (D) मैथिली कथा-परम्परा** — रमानन्द रेणुक सन्दर्भमे मैथिली कथा-परम्परा महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ ग्राम्य कथात्मक चेतना स्पष्ट होइत अछि।
- ३६३. (C) कथा आ सामाजिक गद्य** — कथा आ सामाजिक गद्य रमानन्द रेणुक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
- ३६४. (D) आधुनिक कथा-साहित्य** — रमानन्द रेणुक योगदान आधुनिक कथा-साहित्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ३६५. (A) लोकानुभव, संबंध, सामाजिक परिवर्तन आ कथाभाषाक सहजता** — लोकानुभव, संबंध, सामाजिक परिवर्तन आ कथाभाषाक सहजता रमानन्द रेणुक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ३६६. (B) ग्राम्य कथात्मक चेतना** — रमानन्द रेणुक योगदानक सार ग्राम्य कथात्मक चेतना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ३६७. (A) कारण हुनका माध्यमँ ग्राम्य कथात्मक चेतना केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे रमानन्द रेणुक योगदान ग्राम्य कथात्मक चेतना केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- ३६८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — रमानन्द रेणु केँ बुझबाक लेल मैथिली कथा-परम्परा, कथा आ सामाजिक गद्य आ ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ३६९. (A) हुनक लेखन कथा आ सामाजिक गद्य मार्फत ग्राम्य कथात्मक चेतना केँ उभारैत अछि** — रमानन्द रेणुक विधागत पहचान कथा आ सामाजिक गद्य अछि, आ ओहिसँ ग्राम्य कथात्मक चेतनाक बोध प्रबल होइत अछि।
- ३७०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — रमानन्द रेणुक भूमिका आधुनिक कथा-साहित्य आ ग्राम्य कथात्मक चेतनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ३७१. (D) ग्राम्य कथात्मक चेतना** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर ग्राम्य कथात्मक चेतनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ३७२. (A) रमानन्द रेणु — मैथिली कथा-परम्परा** — ठीक जोड़ी रमानन्द रेणु — मैथिली कथा-परम्परा अछि।

- ३७३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — रमानन्द रेणुक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कथा आ सामाजिक गद्यक माध्यममें बढ़बैत अछि।
- ३७४. (C) ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार** — ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार केँ छोड़ला सँ रमानन्द रेणुक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ३७५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — रमानन्द रेणुक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ३७६. (A) ग्राम्य कथात्मक चेतना** — रमानन्द रेणुक छवि ग्राम्य कथात्मक चेतना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ३७७. (A) कथा आ सामाजिक गद्य, ग्राम्य कथात्मक चेतना आ लोकानुभव, संबंध, सामाजिक परिवर्तन आ कथाभाषाक सहजता** — एहि शब्द-समूहमे रमानन्द रेणुक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ३७८. (D) ग्राम्य कथात्मक चेतनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — रमानन्द रेणुक काजसँ ग्राम्य कथात्मक चेतनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ३७९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — रमानन्द रेणुक योगदान आधुनिक कथा-साहित्य आ कथा आ सामाजिक गद्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ३८०. (D) रमानन्द रेणु आधुनिक कथा-साहित्यमे कथा आ सामाजिक गद्य द्वारा ग्राम्य-संस्कृति, लोक-संसार आ सामाजिक परिवर्तनक कथा-स्वर केँ बल देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ३८१. (A) आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान** — विद्यानाथ झा ‘विदित’क अध्ययनमे मुख्य बात आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान अछि; एहि कारण हुनका कथा आ विचारक समन्वय सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ३८२. (C) विदितक कथा-लेखन** — विद्यानाथ झा ‘विदित’क सन्दर्भमे विदितक कथा-लेखन महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यममें कथा आ विचारक समन्वय स्पष्ट होइत अछि।
- ३८३. (B) कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श** — कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श विद्यानाथ झा ‘विदित’क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- ३८४. (B) आधुनिक कथा-समालोचना परिवेश** — विद्यानाथ झा ‘विदित’क योगदान आधुनिक कथा-समालोचना परिवेशक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ३८५. (C) संतुलित कथन, सामाजिक प्रसंग, नैतिक विवेक आ भाषा-शुद्धता** — संतुलित कथन, सामाजिक प्रसंग, नैतिक विवेक आ भाषा-शुद्धता विद्यानाथ झा ‘विदित’क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ३८६. (B) कथा आ विचारक समन्वय** — विद्यानाथ झा ‘विदित’क योगदानक सार कथा आ विचारक समन्वय मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ३८७. (D) कारण हुनका माध्यममें कथा आ विचारक समन्वय केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे विद्यानाथ झा ‘विदित’क योगदान कथा आ विचारक समन्वय केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- ३८८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — विद्यानाथ झा ‘विदित’ केँ बुझबाक लेल विदितक कथा-लेखन, कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श आ आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ३८९. (D) हुनक लेखन कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श मार्फत कथा आ विचारक समन्वय केँ उभारैत अछि** — विद्यानाथ झा ‘विदित’क विधागत पहिचान कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श अछि, आ ओहिसँ कथा आ विचारक समन्वयक बोध प्रबल होइत अछि।
- ३९०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — विद्यानाथ झा ‘विदित’क भूमिका आधुनिक कथा-समालोचना परिवेश आ कथा आ विचारक समन्वयक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ३९१. (C) कथा आ विचारक समन्वय** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर कथा आ विचारक समन्वयसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ३९२. (D) विद्यानाथ झा ‘विदित’ — विदितक कथा-लेखन** — ठीक जोड़ी विद्यानाथ झा ‘विदित’ — विदितक कथा-लेखन अछि।
- ३९३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — विद्यानाथ झा ‘विदित’क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्शक माध्यममें बढ़बैत अछि।

३९४. (A) आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान — आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान केँ छोड़ला सँ विद्यानाथ झा 'विदित'क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
३९५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — विद्यानाथ झा 'विदित'क योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
३९६. (C) कथा आ विचारक समन्वय — विद्यानाथ झा 'विदित'क छवि कथा आ विचारक समन्वय केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
३९७. (C) कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श, कथा आ विचारक समन्वय आ संतुलित कथन, सामाजिक प्रसंग, नैतिक विवेक आ भाषा-शुद्धता — एहि शब्द-समूहमे विद्यानाथ झा 'विदित'क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
३९८. (C) कथा आ विचारक समन्वयक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — विद्यानाथ झा 'विदित'क काजसँ कथा आ विचारक समन्वयमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
३९९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — विद्यानाथ झा 'विदित'क योगदान आधुनिक कथा-समालोचना परिवेश आ कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्शक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
४००. (B) विद्यानाथ झा 'विदित' आधुनिक कथा-समालोचना परिवेशमे कथा, लेखन आ साहित्यिक विमर्श द्वारा आधुनिक मैथिली साहित्यमे सामाजिक दृष्टि, कथात्मक अनुशासन आ भाषा-संस्कारक योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
४०१. (B) मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार अछि; एहि कारण हुनका गीतात्मक मधुरता सँ जोड़ल जाएत अछि।
४०२. (A) मधुपक गीतिकाव्य — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क सन्दर्भमे मधुपक गीतिकाव्य महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम गीतात्मक मधुरता स्पष्ट होइत अछि।
४०३. (A) गीत, मुक्तक आ भावकाव्य — गीत, मुक्तक आ भावकाव्य काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
४०४. (D) आधुनिक मुक्तक-काव्य — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
४०५. (B) कोमल भाव, लयात्मकता, सौंदर्य-बोध आ छन्द-सजगता — कोमल भाव, लयात्मकता, सौंदर्य-बोध आ छन्द-सजगता काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
४०६. (B) गीतात्मक मधुरता — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदानक सार गीतात्मक मधुरता मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
४०७. (A) कारण हुनका माध्यम गीतात्मक मधुरता केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदान गीतात्मक मधुरता केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४०८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — काशीकान्त मिश्र 'मधुप' केँ बुझबाक लेल मधुपक गीतिकाव्य, गीत, मुक्तक आ भावकाव्य आ मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
४०९. (C) हुनक लेखन गीत, मुक्तक आ भावकाव्य मार्फत गीतात्मक मधुरता केँ उभारैत अछि — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क विधागत पहिचान गीत, मुक्तक आ भावकाव्य अछि, आ ओहिसँ गीतात्मक मधुरताक बोध प्रबल होइत अछि।
४१०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क भूमिका आधुनिक मुक्तक-काव्य आ गीतात्मक मधुरताक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
४११. (C) गीतात्मक मधुरता — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर गीतात्मक मधुरतासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
४१२. (C) काशीकान्त मिश्र 'मधुप' — मधुपक गीतिकाव्य — ठीक जोड़ी काशीकान्त मिश्र 'मधुप' — मधुपक गीतिकाव्य अछि।
४१३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ गीत, मुक्तक आ भावकाव्यक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
४१४. (A) मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार — मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार केँ छोड़ला सँ काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
४१५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
४१६. (C) गीतात्मक मधुरता — काशीकान्त मिश्र 'मधुप'क छवि गीतात्मक मधुरता केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।

४१७. (C) गीत, मुक्तक आ भावकाव्य, गीतात्मक मधुरता आ कोमल भाव, लयात्मकता, सौंदर्य-बोध आ छन्द-सजगता — एहि शब्द-समूहमे काशीकान्त मिश्र ‘मधुप’क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
४१८. (C) गीतात्मक मधुरताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — काशीकान्त मिश्र ‘मधुप’क काजसँ गीतात्मक मधुरतामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
४१९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — काशीकान्त मिश्र ‘मधुप’क योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्य आ गीत, मुक्तक आ भावकाव्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
४२०. (D) काशीकान्त मिश्र ‘मधुप’ आधुनिक मुक्तक-काव्यमे गीत, मुक्तक आ भावकाव्य द्वारा मैथिली गीतक मधुरता, भाव-लालित्य आ भाषा-संस्कार केँ सुदृढ़ करनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
४२१. (B) प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क अध्ययनमे मुख्य बात प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार अछि; एहि कारण हुनका प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना सँ जोड़ल जाएत अछि।
४२२. (D) दत्त-वती — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क सन्दर्भमे दत्त-वती महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४२३. (B) मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य — मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
४२४. (C) आधुनिक काव्य आ प्रबन्ध-काव्य — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क योगदान आधुनिक काव्य आ प्रबन्ध-काव्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
४२५. (C) कथ्यक विस्तार, भाव-संयम, नारी-चरित्र आ काव्यात्मक भाषा — कथ्यक विस्तार, भाव-संयम, नारी-चरित्र आ काव्यात्मक भाषा सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
४२६. (A) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क योगदानक सार प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
४२७. (B) कारण हुनका माध्यमँ प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क योगदान प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४२८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’ केँ बुझबाक लेल दत्त-वती, मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य आ प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
४२९. (D) हुनक लेखन मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य मार्फत प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना केँ उभारैत अछि — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क विधागत पहिचान मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य अछि, आ ओहिसँ प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचनाक बोध प्रबल होइत अछि।
४३०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क भूमिका आधुनिक काव्य आ प्रबन्ध-काव्य आ प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
४३१. (B) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
४३२. (C) सुरेन्द्र झा ‘सुमन’ — दत्त-वती — ठीक जोड़ी सुरेन्द्र झा ‘सुमन’ — दत्त-वती अछि।
४३३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्यक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
४३४. (A) प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार — प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार केँ छोड़ला सँ सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
४३५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
४३६. (D) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क छवि प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
४३७. (C) मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य, प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचना आ कथ्यक विस्तार, भाव-संयम, नारी-चरित्र आ काव्यात्मक भाषा — एहि शब्द-समूहमे सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
४३८. (B) प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — सुरेन्द्र झा ‘सुमन’क काजसँ प्रबन्ध-काव्य आ भाव-संरचनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।

- ४३९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — सुरेन्द्र झा 'सुमन'क योगदान आधुनिक काव्य आ प्रबन्ध-काव्य आ मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ४४०. (C) सुरेन्द्र झा 'सुमन' आधुनिक काव्य आ प्रबन्ध-काव्यमे मुक्तक, प्रबन्ध आ सांस्कृतिक काव्य द्वारा प्रबन्धात्मक काव्य, भावुकता, सांस्कृतिक चेतना आ छन्द-विधानक योगदान देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ४४१. (C) राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकें मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार** — आरसी प्रसाद सिंहक अध्ययनमे मुख्य बात राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकें मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार अछि; एहि कारण हुनका भावमय आधुनिक कविता सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ४४२. (C) आरसीक काव्य-योगदान** — आरसी प्रसाद सिंहक सन्दर्भमे आरसीक काव्य-योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ भावमय आधुनिक कविता स्पष्ट होइत अछि।
- ४४३. (C) कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर** — कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर आरसी प्रसाद सिंहक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- ४४४. (C) आधुनिक मैथिली कविता** — आरसी प्रसाद सिंहक योगदान आधुनिक मैथिली कविताक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ४४५. (D) ओज, करुणा, प्रकृति-चित्रण आ काव्य-लय** — ओज, करुणा, प्रकृति-चित्रण आ काव्य-लय आरसी प्रसाद सिंहक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
- ४४६. (C) भावमय आधुनिक कविता** — आरसी प्रसाद सिंहक योगदानक सार भावमय आधुनिक कविता मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ४४७. (D) कारण हुनका माध्यमँ भावमय आधुनिक कविता कें बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे आरसी प्रसाद सिंहक योगदान भावमय आधुनिक कविता कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- ४४८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — आरसी प्रसाद सिंह कें बुझबाक लेल आरसीक काव्य-योगदान, कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर आ राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकें मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ४४९. (B) हुनक लेखन कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर मार्फत भावमय आधुनिक कविता कें उभारैत अछि** — आरसी प्रसाद सिंहक विधागत पहचान कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर अछि, आ ओहिसँ भावमय आधुनिक कविताक बोध प्रबल होइत अछि।
- ४५०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — आरसी प्रसाद सिंहक भूमिका आधुनिक मैथिली कविता आ भावमय आधुनिक कविताक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ४५१. (B) भावमय आधुनिक कविता** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर भावमय आधुनिक कवितासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ४५२. (C) आरसी प्रसाद सिंह** — आरसीक काव्य-योगदान — ठीक जोड़ी आरसी प्रसाद सिंह — आरसीक काव्य-योगदान अछि।
- ४५३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — आरसी प्रसाद सिंहक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वरक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- ४५४. (B) राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकें मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार** — राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकें मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार कें छोड़ला सँ आरसी प्रसाद सिंहक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ४५५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ** — आरसी प्रसाद सिंहक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ४५६. (A) भावमय आधुनिक कविता** — आरसी प्रसाद सिंहक छवि भावमय आधुनिक कविता कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ४५७. (D) कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर, भावमय आधुनिक कविता आ ओज, करुणा, प्रकृति-चित्रण आ काव्य-लय** — एहि शब्द-समूहमे आरसी प्रसाद सिंहक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ४५८. (B) भावमय आधुनिक कविताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — आरसी प्रसाद सिंहक काजसँ भावमय आधुनिक कवितामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ४५९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — आरसी प्रसाद सिंहक योगदान आधुनिक मैथिली कविता आ कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वरक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।

४६०. (B) आरसी प्रसाद सिंह आधुनिक मैथिली कवितामे कविता, गीत आ राष्ट्र-सांस्कृतिक स्वर द्वारा राष्ट्र, प्रकृति, लोक-संस्कार आ भावसंपन्न कविताकेँ मैथिलीमे प्रतिष्ठा देनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
४६१. (B) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क अध्ययनमे मुख्य बात आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार अछि; एहि कारण हुनका चिन्तनशील मुक्तक सँ जोड़ल जाएत अछि।
४६२. (C) अमरक मुक्तक-काव्य — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क सन्दर्भमे अमरक मुक्तक-काव्य महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम चिन्तनशील मुक्तक स्पष्ट होइत अछि।
४६३. (D) कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन — कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
४६४. (A) आधुनिक मुक्तक-काव्य — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
४६५. (D) संक्षिप्त कथ्य, भाव-गहनता, लय आ विचारशीलता — संक्षिप्त कथ्य, भाव-गहनता, लय आ विचारशीलता चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
४६६. (C) चिन्तनशील मुक्तक — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क योगदानक सार चिन्तनशील मुक्तक मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
४६७. (D) कारण हुनका माध्यम चिन्तनशील मुक्तक केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क योगदान चिन्तनशील मुक्तक केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४६८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’ केँ बुझबाक लेल अमरक मुक्तक-काव्य, कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन आ आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
४६९. (D) हुनक लेखन कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन मार्फत चिन्तनशील मुक्तक केँ उभारैत अछि — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क विधागत पहचान कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन अछि, आ ओहिसँ चिन्तनशील मुक्तकक बोध प्रबल होइत अछि।
४७०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क भूमिका आधुनिक मुक्तक-काव्य आ चिन्तनशील मुक्तकक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
४७१. (A) चिन्तनशील मुक्तक — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर चिन्तनशील मुक्तकसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
४७२. (B) चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’ — अमरक मुक्तक-काव्य — ठीक जोड़ी चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’ — अमरक मुक्तक-काव्य अछि।
४७३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतनक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
४७४. (D) आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार — आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार केँ छोड़ला सँ चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
४७५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाक — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
४७६. (C) चिन्तनशील मुक्तक — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क छवि चिन्तनशील मुक्तक केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
४७७. (C) कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन, चिन्तनशील मुक्तक आ संक्षिप्त कथ्य, भाव-गहनता, लय आ विचारशीलता — एहि शब्द-समूहमे चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
४७८. (D) चिन्तनशील मुक्तकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क काजसँ चिन्तनशील मुक्तकमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
४७९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’क योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्य आ कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
४८०. (B) चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’ आधुनिक मुक्तक-काव्यमे कविता, गीत आ साहित्यिक चिंतन द्वारा आधुनिक मैथिली कवितामे भाव, चिंतन, भाषा-संयम आ कलात्मकता जोड़निहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
४८१. (C) समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार — जीवकान्तक अध्ययनमे मुख्य बात समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार अछि; एहि कारण हुनका समकालीन काव्य-संवेदना सँ जोड़ल जाएत अछि।

४८२. (C) जीवकान्तक कवितात्मक योगदान — जीवकान्तक सन्दर्भमे जीवकान्तक कवितात्मक योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम समकालीन काव्य-संवेदना स्पष्ट होइत अछि।
४८३. (C) आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना — आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना जीवकान्तक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
४८४. (C) समकालीन मैथिली कविता — जीवकान्तक योगदान समकालीन मैथिली कविताक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
४८५. (A) विचार-गहनता, प्रतीक, आत्मसंवाद आ समय-बोध — विचार-गहनता, प्रतीक, आत्मसंवाद आ समय-बोध जीवकान्तक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
४८६. (B) समकालीन काव्य-संवेदना — जीवकान्तक योगदानक सार समकालीन काव्य-संवेदना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
४८७. (A) कारण हुनका माध्यम समकालीन काव्य-संवेदना केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यिक इतिहासमे जीवकान्तक योगदान समकालीन काव्य-संवेदना केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
४८८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — जीवकान्त केँ बुझबाक लेल जीवकान्तक कवितात्मक योगदान, आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना आ समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
४८९. (C) हुनक लेखन आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना मार्फत समकालीन काव्य-संवेदना केँ उभारैत अछि — जीवकान्तक विधागत पहिचान आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना अछि, आ ओहिसँ समकालीन काव्य-संवेदनाक बोध प्रबल होइत अछि।
४९०. (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — जीवकान्तक भूमिका समकालीन मैथिली कविता आ समकालीन काव्य-संवेदनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
४९१. (D) समकालीन काव्य-संवेदना — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर समकालीन काव्य-संवेदनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
४९२. (A) जीवकान्त — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान — ठीक जोड़ी जीवकान्त — जीवकान्तक कवितात्मक योगदान अछि।
४९३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — जीवकान्तक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदनाक माध्यम बढबैत अछि।
४९४. (B) समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार — समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार केँ छोड़ला सँ जीवकान्तक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
४९५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — जीवकान्तक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
४९६. (D) समकालीन काव्य-संवेदना — जीवकान्तक छवि समकालीन काव्य-संवेदना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
४९७. (D) आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना, समकालीन काव्य-संवेदना आ विचार-गहनता, प्रतीक, आत्मसंवाद आ समय-बोध — एहि शब्द-समूहमे जीवकान्तक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
४९८. (C) समकालीन काव्य-संवेदनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — जीवकान्तक काजसँ समकालीन काव्य-संवेदनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
४९९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — जीवकान्तक योगदान समकालीन मैथिली कविता आ आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदनाक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
५००. (B) जीवकान्त समकालीन मैथिली कवितामे आधुनिक कविता आ आलोचनात्मक संवेदना द्वारा समकालीन यथार्थ, शहरी-बोध, आत्मसंघर्ष आ आधुनिक प्रतीक-विधान केँ स्वर देनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
५०१. (D) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान — भीमनाथ झाक अध्ययनमे मुख्य बात समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका समकालीन काव्य-विमर्श सँ जोड़ल जाएत अछि।
५०२. (D) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान — भीमनाथ झाक सन्दर्भमे समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम समकालीन काव्य-विमर्श स्पष्ट होइत अछि।
५०३. (D) कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श — कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श भीमनाथ झाक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

५०४. (B) समकालीन मैथिली कविता — भीमनाथ झाक योगदान समकालीन मैथिली कविताक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
५०५. (D) समकालीनता, आलोचनात्मक दृष्टि, चयन-बोध आ काव्य-परिचय — समकालीनता, आलोचनात्मक दृष्टि, चयन-बोध आ काव्य-परिचय भीमनाथ झाक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
५०६. (D) समकालीन काव्य-विमर्श — भीमनाथ झाक योगदानक सार समकालीन काव्य-विमर्श मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
५०७. (B) कारण हुनका माध्यमँ समकालीन काव्य-विमर्श केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यिक इतिहासमे भीमनाथ झाक योगदान समकालीन काव्य-विमर्श केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
५०८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — भीमनाथ झा केँ बुझबाक लेल समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान, कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श आ समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
५०९. (C) हुनक लेखन कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श मार्फत समकालीन काव्य-विमर्श केँ उभारैत अछि — भीमनाथ झाक विधागत पहचान कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श अछि, आ ओहिसँ समकालीन काव्य-विमर्शक बोध प्रबल होइत अछि।
५१०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — भीमनाथ झाक भूमिका समकालीन मैथिली कविता आ समकालीन काव्य-विमर्शक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
५११. (D) समकालीन काव्य-विमर्श — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर समकालीन काव्य-विमर्शसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
५१२. (A) भीमनाथ झा — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान — ठीक जोड़ी भीमनाथ झा — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी योगदान अछि।
५१३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — भीमनाथ झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कविता आ काव्य-संपादन/विमर्शक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
५१४. (C) समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान — समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान केँ छोड़ला सँ भीमनाथ झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
५१५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — भीमनाथ झाक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
५१६. (C) समकालीन काव्य-विमर्श — भीमनाथ झाक छवि समकालीन काव्य-विमर्श केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
५१७. (A) कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श, समकालीन काव्य-विमर्श आ समकालीनता, आलोचनात्मक दृष्टि, चयन-बोध आ काव्य-परिचय — एहि शब्द-समूहमे भीमनाथ झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
५१८. (A) समकालीन काव्य-विमर्शक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — भीमनाथ झाक काजसँ समकालीन काव्य-विमर्शमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
५१९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — भीमनाथ झाक योगदान समकालीन मैथिली कविता आ कविता आ काव्य-संपादन/विमर्शक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
५२०. (B) भीमनाथ झा समकालीन मैथिली कवितामे कविता आ काव्य-संपादन/विमर्श द्वारा समकालीन काव्य-चर्चा, कविता-संवेदना आ साहित्यिक संपादनक क्षेत्रमे योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
५२१. (A) मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार — कीर्ति नारायण मिश्रक अध्ययनमे मुख्य बात मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार अछि; एहि कारण हुनका भाव-विचारक संतुलित कविता सँ जोड़ल जाएत अछि।
५२२. (A) कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान — कीर्ति नारायण मिश्रक सन्दर्भमे कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ भाव-विचारक संतुलित कविता स्पष्ट होइत अछि।
५२३. (B) कविता, गीत आ साहित्यिक रचना — कविता, गीत आ साहित्यिक रचना कीर्ति नारायण मिश्रक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
५२४. (A) आधुनिक मुक्तक-काव्य — कीर्ति नारायण मिश्रक योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
५२५. (B) भाव, विचार, सामाजिकता आ लयक संतुलन — भाव, विचार, सामाजिकता आ लयक संतुलन कीर्ति नारायण मिश्रक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।

५२६. (B) भाव-विचारक संतुलित कविता — कीर्ति नारायण मिश्रक योगदानक सार भाव-विचारक संतुलित कविता मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
५२७. (B) कारण हुनका माध्यमँ भाव-विचारक संतुलित कविता केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे कीर्ति नारायण मिश्रक योगदान भाव-विचारक संतुलित कविता केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
५२८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — कीर्ति नारायण मिश्र केँ बुझबाक लेल कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान, कविता, गीत आ साहित्यिक रचना आ मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
५२९. (B) हुनक लेखन कविता, गीत आ साहित्यिक रचना मार्फत भाव-विचारक संतुलित कविता केँ उभारैत अछि — कीर्ति नारायण मिश्रक विधागत पहचान कविता, गीत आ साहित्यिक रचना अछि, आ ओहिसँ भाव-विचारक संतुलित कविताक बोध प्रबल होइत अछि।
५३०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — कीर्ति नारायण मिश्रक भूमिका आधुनिक मुक्तक-काव्य आ भाव-विचारक संतुलित कविताक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
५३१. (A) भाव-विचारक संतुलित कविता — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर भाव-विचारक संतुलित कवितासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
५३२. (D) कीर्ति नारायण मिश्र — कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान — ठीक जोड़ी कीर्ति नारायण मिश्र — कीर्ति नारायण मिश्रक काव्य-योगदान अछि।
५३३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — कीर्ति नारायण मिश्रक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कविता, गीत आ साहित्यिक रचनाक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
५३४. (A) मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार — मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार केँ छोड़ला सँ कीर्ति नारायण मिश्रक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
५३५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — कीर्ति नारायण मिश्रक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
५३६. (C) भाव-विचारक संतुलित कविता — कीर्ति नारायण मिश्रक छवि भाव-विचारक संतुलित कविता केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
५३७. (B) कविता, गीत आ साहित्यिक रचना, भाव-विचारक संतुलित कविता आ भाव, विचार, सामाजिकता आ लयक संतुलन — एहि शब्द-समूहमे कीर्ति नारायण मिश्रक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
५३८. (C) भाव-विचारक संतुलित कविताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — कीर्ति नारायण मिश्रक काजसँ भाव-विचारक संतुलित कवितामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
५३९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — कीर्ति नारायण मिश्रक योगदान आधुनिक मुक्तक-काव्य आ कविता, गीत आ साहित्यिक रचनाक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
५४०. (D) कीर्ति नारायण मिश्र आधुनिक मुक्तक-काव्यमे कविता, गीत आ साहित्यिक रचना द्वारा मुक्तक-काव्यक भाव-वैविध्य, भाषा-संयम आ आधुनिक चिंतन केँ विकसित करनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
५४१. (B) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार — उपेन्द्र ठाकुर ‘मोहन’क अध्ययनमे मुख्य बात लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार अछि; एहि कारण हुनका लोकानुभूतिक गीत-कविता सँ जोड़ल जाएत अछि।
५४२. (D) मोहनक मुक्तक-काव्य — उपेन्द्र ठाकुर ‘मोहन’क सन्दर्भमे मोहनक मुक्तक-काव्य महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ लोकानुभूतिक गीत-कविता स्पष्ट होइत अछि।
५४३. (C) गीत, कविता आ लोकानुभव — गीत, कविता आ लोकानुभव उपेन्द्र ठाकुर ‘मोहन’क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
५४४. (C) आधुनिक गीत-मुक्तक परम्परा — उपेन्द्र ठाकुर ‘मोहन’क योगदान आधुनिक गीत-मुक्तक परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
५४५. (D) सहज भाषा, लोकजीवन, भावप्रवणता आ गेयता — सहज भाषा, लोकजीवन, भावप्रवणता आ गेयता उपेन्द्र ठाकुर ‘मोहन’क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
५४६. (B) लोकानुभूतिक गीत-कविता — उपेन्द्र ठाकुर ‘मोहन’क योगदानक सार लोकानुभूतिक गीत-कविता मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।

- ५४७. (A) कारण हुनका माध्यमँ लोकानुभूतिक गीत-कविता केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क योगदान लोकानुभूतिक गीत-कविता केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- ५४८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' केँ बुझबाक लेल मोहनक मुक्तक-काव्य, गीत, कविता आ लोकानुभव आ लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ५४९. (B) हुनक लेखन गीत, कविता आ लोकानुभव मार्फत लोकानुभूतिक गीत-कविता केँ उभारैत अछि** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क विधागत पहचान गीत, कविता आ लोकानुभव अछि, आ ओहिसँ लोकानुभूतिक गीत-कविताक बोध प्रबल होइत अछि।
- ५५०. (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क भूमिका आधुनिक गीत-मुक्तक परम्परा आ लोकानुभूतिक गीत-कविताक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ५५१. (C) लोकानुभूतिक गीत-कविता** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर लोकानुभूतिक गीत-कवितासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ५५२. (C) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'** — मोहनक मुक्तक-काव्य — ठीक जोड़ी उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' — मोहनक मुक्तक-काव्य अछि।
- ५५३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ गीत, कविता आ लोकानुभवक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- ५५४. (D) लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार** — लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार केँ छोड़ला सँ उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ५५५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ५५६. (B) लोकानुभूतिक गीत-कविता** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क छवि लोकानुभूतिक गीत-कविता केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ५५७. (A) गीत, कविता आ लोकानुभव, लोकानुभूतिक गीत-कविता आ सहज भाषा, लोकजीवन, भावप्रवणता आ गेयता** — एहि शब्द-समूहमे उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ५५८. (D) लोकानुभूतिक गीत-कविताक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क काजसँ लोकानुभूतिक गीत-कवितामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ५५९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'क योगदान आधुनिक गीत-मुक्तक परम्परा आ गीत, कविता आ लोकानुभवक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ५६०. (D) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' आधुनिक गीत-मुक्तक परम्परामे गीत, कविता आ लोकानुभव द्वारा लोक-संवेदना, गीतात्मकता आ सरल मैथिली भाषाक काव्य-प्रवाह केँ बल देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ५६१. (D) साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार** — कुमार गंगानन्द सिंहक अध्ययनमे मुख्य बात साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार अछि; एहि कारण हुनका साहित्य-संस्कृति समन्वय सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ५६२. (D) कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान** — कुमार गंगानन्द सिंहक सन्दर्भमे कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ साहित्य-संस्कृति समन्वय स्पष्ट होइत अछि।
- ५६३. (D) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन** — काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन कुमार गंगानन्द सिंहक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- ५६४. (D) आधुनिक मैथिली साहित्य** — कुमार गंगानन्द सिंहक योगदान आधुनिक मैथिली साहित्यक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ५६५. (B) सांस्कृतिक गौरव, भाषिक सजगता आ साहित्यिक अनुशासन** — सांस्कृतिक गौरव, भाषिक सजगता आ साहित्यिक अनुशासन कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ५६६. (C) साहित्य-संस्कृति समन्वय** — कुमार गंगानन्द सिंहक योगदानक सार साहित्य-संस्कृति समन्वय मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ५६७. (D) कारण हुनका माध्यमँ साहित्य-संस्कृति समन्वय केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे कुमार गंगानन्द सिंहक योगदान साहित्य-संस्कृति समन्वय केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- ५६८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — कुमार गंगानन्द सिंह केँ बुझबाक लेल कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान, काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन आ साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।

५६१. (C) हुनक लेखन काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन मार्फत साहित्य-संस्कृति समन्वय केँ उभारैत अछि — कुमार गंगानन्द सिंहक विधागत पहचान काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन अछि, आ ओहिसँ साहित्य-संस्कृति समन्वयक बोध प्रबल होइत अछि।
५७०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — कुमार गंगानन्द सिंहक भूमिका आधुनिक मैथिली साहित्य आ साहित्य-संस्कृति समन्वयक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
५७१. (A) साहित्य-संस्कृति समन्वय — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर साहित्य-संस्कृति समन्वयसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
५७२. (C) कुमार गंगानन्द सिंह — कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान — ठीक जोड़ी कुमार गंगानन्द सिंह — कुमार गंगानन्द सिंहक साहित्यिक योगदान अछि।
५७३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — कुमार गंगानन्द सिंहक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखनक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
५७४. (A) साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार — साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार केँ छोड़ला सँ कुमार गंगानन्द सिंहक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
५७५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — कुमार गंगानन्द सिंहक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
५७६. (A) साहित्य-संस्कृति समन्वय — कुमार गंगानन्द सिंहक छवि साहित्य-संस्कृति समन्वय केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
५७७. (D) काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन, साहित्य-संस्कृति समन्वय आ सांस्कृतिक गौरव, भाषिक सजगता आ साहित्यिक अनुशासन — एहि शब्द-समूहमे कुमार गंगानन्द सिंहक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
५७८. (A) साहित्य-संस्कृति समन्वयक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — कुमार गंगानन्द सिंहक काजसँ साहित्य-संस्कृति समन्वयमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
५७९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — कुमार गंगानन्द सिंहक योगदान आधुनिक मैथिली साहित्य आ काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
५८०. (D) कुमार गंगानन्द सिंह आधुनिक मैथिली साहित्यमे काव्य, गद्य आ सांस्कृतिक लेखन द्वारा साहित्य, संस्कृति आ भाषा-चेतना केँ आधुनिक मैथिली लेखनमे जोड़निहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
५८१. (D) आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क अध्ययनमे मुख्य बात आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका आधुनिक संवेदनाक रचना सँ जोड़ल जाएत अछि।
५८२. (A) श्रीशक साहित्यिक योगदान — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क सन्दर्भमे श्रीशक साहित्यिक योगदान महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ आधुनिक संवेदनाक रचना स्पष्ट होइत अछि।
५८३. (D) कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना — कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
५८४. (C) आधुनिक मैथिली लेखन — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क योगदान आधुनिक मैथिली लेखनक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
५८५. (B) समय-बोध, भाव-प्रवणता, सामाजिक दृष्टि आ भाषिक सजगता — समय-बोध, भाव-प्रवणता, सामाजिक दृष्टि आ भाषिक सजगता दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
५८६. (D) आधुनिक संवेदनाक रचना — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क योगदानक सार आधुनिक संवेदनाक रचना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
५८७. (A) कारण हुनका माध्यमसँ आधुनिक संवेदनाक रचना केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क योगदान आधुनिक संवेदनाक रचना केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
५८८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’ केँ बुझबाक लेल श्रीशक साहित्यिक योगदान, कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना आ आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
५८९. (B) हुनक लेखन कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना मार्फत आधुनिक संवेदनाक रचना केँ उभारैत अछि — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क विधागत पहचान कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना अछि, आ ओहिसँ आधुनिक संवेदनाक रचनाक बोध प्रबल होइत अछि।

५९०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क भूमिका आधुनिक मैथिली लेखन आ आधुनिक संवेदनाक रचनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
५९१. (B) आधुनिक संवेदनाक रचना — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर आधुनिक संवेदनाक रचनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
५९२. (C) दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’ — श्रीशक साहित्यिक योगदान — ठीक जोड़ी दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’ — श्रीशक साहित्यिक योगदान अछि।
५९३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ कविता, गद्य आ साहित्यिक रचनाक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
५९४. (C) आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान — आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान केँ छोड़ला सँ दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
५९५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
५९६. (D) आधुनिक संवेदनाक रचना — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क छवि आधुनिक संवेदनाक रचना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
५९७. (D) कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना, आधुनिक संवेदनाक रचना आ समय-बोध, भाव-प्रवणता, सामाजिक दृष्टि आ भाषिक सजगता — एहि शब्द-समूहमे दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
५९८. (C) आधुनिक संवेदनाक रचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क काजसँ आधुनिक संवेदनाक रचनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
५९९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’क योगदान आधुनिक मैथिली लेखन आ कविता, गद्य आ साहित्यिक रचनाक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
६००. (D) दुर्गानाथ झा ‘श्रीश’ आधुनिक मैथिली लेखनमे कविता, गद्य आ साहित्यिक रचना द्वारा आधुनिक मैथिली अभिव्यक्ति, काव्य-स्वर आ सामाजिक संवेदनाक विकासमे योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
६०१. (A) नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम — जगज्ज्योतिर्मल्लक अध्ययनमे मुख्य बात नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम अछि; एहि कारण हुनका नेपालक मैथिली नाट्य-धारा सँ जोड़ल जाएत अछि।
६०२. (B) नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा — जगज्ज्योतिर्मल्लक सन्दर्भमे नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ नेपालक मैथिली नाट्य-धारा स्पष्ट होइत अछि।
६०३. (B) दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य — दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य जगज्ज्योतिर्मल्लक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
६०४. (C) नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक — जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदान नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटकक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
६०५. (D) दरबारी मंच, गीत, संवाद, पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक आदान-प्रदान — दरबारी मंच, गीत, संवाद, पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक आदान-प्रदान जगज्ज्योतिर्मल्लक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
६०६. (C) नेपालक मैथिली नाट्य-धारा — जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदानक सार नेपालक मैथिली नाट्य-धारा मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
६०७. (A) कारण हुनका माध्यमँ नेपालक मैथिली नाट्य-धारा केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदान नेपालक मैथिली नाट्य-धारा केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
६०८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — जगज्ज्योतिर्मल्ल केँ बुझबाक लेल नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा, दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य आ नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
६०९. (A) हुनक लेखन दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य मार्फत नेपालक मैथिली नाट्य-धारा केँ उभारैत अछि — जगज्ज्योतिर्मल्लक विधागत पहिचान दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य अछि, आ ओहिसँ नेपालक मैथिली नाट्य-धाराक बोध प्रबल होइत अछि।
६१०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — जगज्ज्योतिर्मल्लक भूमिका नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक आ नेपालक मैथिली नाट्य-धाराक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
६११. (D) नेपालक मैथिली नाट्य-धारा — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर नेपालक मैथिली नाट्य-धारासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
६१२. (C) जगज्ज्योतिर्मल्ल — नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा — ठीक जोड़ी जगज्ज्योतिर्मल्ल — नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा अछि।

- ६१३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — जगज्ज्योतिर्मल्लक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ दरबारी नाटक आ गीतिनाट्यक माध्यम केँ बढ़बैत अछि।
- ६१४. (A) नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम** — नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम केँ छोड़ला सँ जगज्ज्योतिर्मल्लक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ६१५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारू केँ मिलाकऽ** — जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ६१६. (A) नेपालक मैथिली नाट्य-धारा** — जगज्ज्योतिर्मल्लक छवि नेपालक मैथिली नाट्य-धारा केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ६१७. (C) दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य, नेपालक मैथिली नाट्य-धारा आ दरबारी मंच, गीत, संवाद, पाण्डुलिपि आ सांस्कृतिक आदान-प्रदान** — एहि शब्द-समूहमे जगज्ज्योतिर्मल्लक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ६१८. (A) नेपालक मैथिली नाट्य-धाराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — जगज्ज्योतिर्मल्लक काजसँ नेपालक मैथिली नाट्य-धारामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ६१९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — जगज्ज्योतिर्मल्लक योगदान नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटक आ दरबारी नाटक आ गीतिनाट्यक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ६२०. (A) जगज्ज्योतिर्मल्ल नेपालक मध्यकालीन मैथिली नाटकमे दरबारी नाटक आ गीतिनाट्य द्वारा नेपाल दरबारमे मैथिली नाटकक संरक्षण, भाषा-प्रसार आ रंग-परम्परासँ जुड़ल प्रमुख नाम** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ६२१. (D) असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम** — शंकरदेवक अध्ययनमे मुख्य बात असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम अछि; एहि कारण हुनका अंकिया नाट आ भक्ति-रंग सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ६२२. (B) अंकिया नाट परम्परा** — शंकरदेवक सन्दर्भमे अंकिया नाट परम्परा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ अंकिया नाट आ भक्ति-रंग स्पष्ट होइत अछि।
- ६२३. (A) अंकिया नाट आ भाओना** — अंकिया नाट आ भाओना शंकरदेवक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- ६२४. (D) असमक मध्यकालीन नाट्य-भक्ति परम्परा** — शंकरदेवक योगदान असमक मध्यकालीन नाट्य-भक्ति परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ६२५. (D) भक्ति, सामुदायिक प्रस्तुति, संगीत, मुखौटा आ रंग-व्यवस्था** — भक्ति, सामुदायिक प्रस्तुति, संगीत, मुखौटा आ रंग-व्यवस्था शंकरदेवक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ६२६. (B) अंकिया नाट आ भक्ति-रंग** — शंकरदेवक योगदानक सार अंकिया नाट आ भक्ति-रंग मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ६२७. (B) कारण हुनका माध्यमसँ अंकिया नाट आ भक्ति-रंग केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे शंकरदेवक योगदान अंकिया नाट आ भक्ति-रंग केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- ६२८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — शंकरदेव केँ बुझबाक लेल अंकिया नाट परम्परा, अंकिया नाट आ भाओना आ असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ६२९. (A) हुनक लेखन अंकिया नाट आ भाओना मार्फत अंकिया नाट आ भक्ति-रंग केँ उभारैत अछि** — शंकरदेवक विधागत पहिचान अंकिया नाट आ भाओना अछि, आ ओहिसँ अंकिया नाट आ भक्ति-रंगक बोध प्रबल होइत अछि।
- ६३०. (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — शंकरदेवक भूमिका असमक मध्यकालीन नाट्य-भक्ति परम्परा आ अंकिया नाट आ भक्ति-रंगक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ६३१. (D) अंकिया नाट आ भक्ति-रंग** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर अंकिया नाट आ भक्ति-रंगसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ६३२. (D) शंकरदेव** — अंकिया नाट परम्परा — ठीक जोड़ी शंकरदेव — अंकिया नाट परम्परा अछि।
- ६३३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — शंकरदेवक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ अंकिया नाट आ भाओनाक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
- ६३४. (D) असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम** — असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम केँ छोड़ला सँ शंकरदेवक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।

६३५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — शंकरदेवक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
६३६. (D) अंकिया नाट आ भक्ति-रंग — शंकरदेवक छवि अंकिया नाट आ भक्ति-रंग केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
६३७. (A) अंकिया नाट आ भाओना, अंकिया नाट आ भक्ति-रंग आ भक्ति, सामुदायिक प्रस्तुति, संगीत, मुखौटा आ रंग-व्यवस्था — एहि शब्द-समूहमे शंकरदेवक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
६३८. (C) अंकिया नाट आ भक्ति-रंगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — शंकरदेवक काजसँ अंकिया नाट आ भक्ति-रंगमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
६३९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — शंकरदेवक योगदान असमक मध्यकालीन नाट्य-भक्ति परम्परा आ अंकिया नाट आ भाओनाक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
६४०. (B) शंकरदेव असमक मध्यकालीन नाट्य-भक्ति परम्परामे अंकिया नाट आ भाओना द्वारा असमक भक्ति-नाट्य परम्परा, संगीत, अभिनय आ धर्म-प्रसारक नाट्यरूपसँ जुड़ल महत्त्वपूर्ण नाम — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
६४१. (A) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान — ईशनाथ झाक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका आधुनिक मैथिली नाटक सँ जोड़ल जाएत अछि।
६४२. (C) आधुनिक नाट्य-परम्परा — ईशनाथ झाक सन्दर्भमे आधुनिक नाट्य-परम्परा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम आधुनिक मैथिली नाटक स्पष्ट होइत अछि।
६४३. (B) नाटक आ रंगमंचीय लेखन — नाटक आ रंगमंचीय लेखन ईशनाथ झाक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
६४४. (B) आधुनिक मैथिली नाटक — ईशनाथ झाक योगदान आधुनिक मैथिली नाटकक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
६४५. (C) मंचीय संवाद, सामाजिक कथ्य, पात्र-संघर्ष आ दृश्य-संरचना — मंचीय संवाद, सामाजिक कथ्य, पात्र-संघर्ष आ दृश्य-संरचना ईशनाथ झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
६४६. (D) आधुनिक मैथिली नाटक — ईशनाथ झाक योगदानक सार आधुनिक मैथिली नाटक मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
६४७. (C) कारण हुनका माध्यम आधुनिक मैथिली नाटक केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे ईशनाथ झाक योगदान आधुनिक मैथिली नाटक केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
६४८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — ईशनाथ झा केँ बुझबाक लेल आधुनिक नाट्य-परम्परा, नाटक आ रंगमंचीय लेखन आ मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
६४९. (B) हुनक लेखन नाटक आ रंगमंचीय लेखन मार्फत आधुनिक मैथिली नाटक केँ उभारैत अछि — ईशनाथ झाक विधागत पहिचान नाटक आ रंगमंचीय लेखन अछि, आ ओहिसँ आधुनिक मैथिली नाटकक बोध प्रबल होइत अछि।
६५०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — ईशनाथ झाक भूमिका आधुनिक मैथिली नाटक आ आधुनिक मैथिली नाटकक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
६५१. (A) आधुनिक मैथिली नाटक — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर आधुनिक मैथिली नाटकसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
६५२. (A) ईशनाथ झा — आधुनिक नाट्य-परम्परा — ठीक जोड़ी ईशनाथ झा — आधुनिक नाट्य-परम्परा अछि।
६५३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — ईशनाथ झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ नाटक आ रंगमंचीय लेखनक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
६५४. (B) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान — मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान केँ छोड़ला सँ ईशनाथ झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
६५५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — ईशनाथ झाक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
६५६. (C) आधुनिक मैथिली नाटक — ईशनाथ झाक छवि आधुनिक मैथिली नाटक केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
६५७. (C) नाटक आ रंगमंचीय लेखन, आधुनिक मैथिली नाटक आ मंचीय संवाद, सामाजिक कथ्य, पात्र-संघर्ष आ दृश्य-संरचना — एहि शब्द-समूहमे ईशनाथ झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।

६५८. (B) आधुनिक मैथिली नाटकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — ईशनाथ झाक काजसँ आधुनिक मैथिली नाटकमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
६५९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — ईशनाथ झाक योगदान आधुनिक मैथिली नाटक आ नाटक आ रंगमंचीय लेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
६६०. (C) ईशनाथ झा आधुनिक मैथिली नाटकमे नाटक आ रंगमंचीय लेखन द्वारा मैथिली रंगमंचमे सामाजिक विषय, पात्र-संरचना आ नाटकीय संवादक विकासमे योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
६६१. (B) बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार — सुधांशु शेखर चौधरीक अध्ययनमे मुख्य बात बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार अछि; एहि कारण हुनका सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ सँ जोड़ल जाएत अछि।
६६२. (C) भफाइत चाहक जिनगी — सुधांशु शेखर चौधरीक सन्दर्भमे भफाइत चाहक जिनगी महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम सँ सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ स्पष्ट होइत अछि।
६६३. (D) नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन — नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन सुधांशु शेखर चौधरीक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
६६४. (A) आधुनिक मैथिली नाटक — सुधांशु शेखर चौधरीक योगदान आधुनिक मैथिली नाटकक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
६६५. (A) चाय-दोकानक परिवेश, महेशक संघर्ष, संवादक जीवन्तता आ सामाजिक व्यथा — चाय-दोकानक परिवेश, महेशक संघर्ष, संवादक जीवन्तता आ सामाजिक व्यथा सुधांशु शेखर चौधरीक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
६६६. (A) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ — सुधांशु शेखर चौधरीक योगदानक सार सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
६६७. (B) कारण हुनका माध्यम सँ सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ कें बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे सुधांशु शेखर चौधरीक योगदान सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
६६८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — सुधांशु शेखर चौधरी कें बुझबाक लेल भफाइत चाहक जिनगी, नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन आ बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
६६९. (D) हुनक लेखन नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन मार्फत सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ कें उभारैत अछि — सुधांशु शेखर चौधरीक विधागत पहचान नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन अछि, आ ओहिसँ सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थक बोध प्रबल होइत अछि।
६७०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — सुधांशु शेखर चौधरीक भूमिका आधुनिक मैथिली नाटक आ सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
६७१. (A) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
६७२. (D) सुधांशु शेखर चौधरी — भफाइत चाहक जिनगी — ठीक जोड़ी सुधांशु शेखर चौधरी — भफाइत चाहक जिनगी अछि।
६७३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — सुधांशु शेखर चौधरीक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखनक माध्यम सँ बढबैत अछि।
६७४. (D) बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार — बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार कें छोड़ला सँ सुधांशु शेखर चौधरीक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
६७५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — सुधांशु शेखर चौधरीक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
६७६. (A) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ — सुधांशु शेखर चौधरीक छवि सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
६७७. (D) नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन, सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थ आ चाय-दोकानक परिवेश, महेशक संघर्ष, संवादक जीवन्तता आ सामाजिक व्यथा — एहि शब्द-समूहमे सुधांशु शेखर चौधरीक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
६७८. (D) सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — सुधांशु शेखर चौधरीक काजसँ सामाजिक नाटक आ मंचीय यथार्थमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।

- ६७९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — सुधांशु शेखर चौधरीक योगदान आधुनिक मैथिली नाटक आ नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ६८०. (D) सुधांशु शेखर चौधरी आधुनिक मैथिली नाटकमे नाटक, एकांकी आ सामाजिक रंगलेखन द्वारा बेरोजगारी, सामाजिक संघर्ष, हास्य-मर्म आ मंचीय जीवनक मार्मिक प्रस्तुति देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ६८१. (B) समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार** — महेन्द्र मलंगियाक अध्ययनमे मुख्य बात समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार अछि; एहि कारण हुनका समकालीन लोक-रंग सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ६८२. (D) मलंगियाक नाट्य-योगदान** — महेन्द्र मलंगियाक सन्दर्भमे मलंगियाक नाट्य-योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम सँ समकालीन लोक-रंग स्पष्ट होइत अछि।
- ६८३. (B) नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म** — नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म महेन्द्र मलंगियाक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- ६८४. (D) समकालीन मैथिली रंगमंच** — महेन्द्र मलंगियाक योगदान समकालीन मैथिली रंगमंचक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ६८५. (C) लोक-भाषा, रंग-प्रयोग, सामाजिक विडम्बना आ जीवंत संवाद** — लोक-भाषा, रंग-प्रयोग, सामाजिक विडम्बना आ जीवंत संवाद महेन्द्र मलंगियाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ६८६. (B) समकालीन लोक-रंग** — महेन्द्र मलंगियाक योगदानक सार समकालीन लोक-रंग मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ६८७. (D) कारण हुनका माध्यम सँ समकालीन लोक-रंग केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे महेन्द्र मलंगियाक योगदान समकालीन लोक-रंग केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- ६८८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — महेन्द्र मलंगिया केँ बुझबाक लेल मलंगियाक नाट्य-योगदान, नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म आ समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ६८९. (C) हुनक लेखन नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म मार्फत समकालीन लोक-रंग केँ उभारैत अछि** — महेन्द्र मलंगियाक विधागत पहिचान नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म अछि, आ ओहिसँ समकालीन लोक-रंगक बोध प्रबल होइत अछि।
- ६९०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — महेन्द्र मलंगियाक भूमिका समकालीन मैथिली रंगमंच आ समकालीन लोक-रंगक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ६९१. (B) समकालीन लोक-रंग** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर समकालीन लोक-रंगसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ६९२. (D) महेन्द्र मलंगिया — मलंगियाक नाट्य-योगदान** — ठीक जोड़ी महेन्द्र मलंगिया — मलंगियाक नाट्य-योगदान अछि।
- ६९३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — महेन्द्र मलंगियाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्मक माध्यम सँ बढ़बैत अछि।
- ६९४. (D) समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार** — समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार केँ छोड़ला सँ महेन्द्र मलंगियाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ६९५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — महेन्द्र मलंगियाक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ६९६. (D) समकालीन लोक-रंग** — महेन्द्र मलंगियाक छवि समकालीन लोक-रंग केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ६९७. (D) नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म, समकालीन लोक-रंग आ लोक-भाषा, रंग-प्रयोग, सामाजिक विडम्बना आ जीवंत संवाद** — एहि शब्द-समूहमे महेन्द्र मलंगियाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ६९८. (D) समकालीन लोक-रंगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — महेन्द्र मलंगियाक काजसँ समकालीन लोक-रंगमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ६९९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — महेन्द्र मलंगियाक योगदान समकालीन मैथिली रंगमंच आ नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्मक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ७००. (B) महेन्द्र मलंगिया समकालीन मैथिली रंगमंचमे नाटक, लोक-रंग आ सामाजिक रंगधर्म द्वारा समकालीन मैथिली रंगमंचमे लोकशैली, सामाजिक प्रश्न आ मंचीय प्रयोग केँ समृद्ध करनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।

७०१. (C) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार — रामदेव झाक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार अछि; एहि कारण हुनका सामाजिक रंगमंच सँ जोड़ल जाएत अछि।
७०२. (D) रामदेव झाक नाट्य योगदान — रामदेव झाक सन्दर्भमे रामदेव झाक नाट्य योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम सँ सामाजिक रंगमंच स्पष्ट होइत अछि।
७०३. (A) नाटक आ रंगमंचीय लेखन — नाटक आ रंगमंचीय लेखन रामदेव झाक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
७०४. (A) आधुनिक मैथिली नाटक — रामदेव झाक योगदान आधुनिक मैथिली नाटकक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
७०५. (C) विषयक सामाजिकता, पात्रक मनोभूमि आ मंचीय टकराव — विषयक सामाजिकता, पात्रक मनोभूमि आ मंचीय टकराव रामदेव झाक साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
७०६. (C) सामाजिक रंगमंच — रामदेव झाक योगदानक सार सामाजिक रंगमंच मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
७०७. (C) कारण हुनका माध्यम सँ सामाजिक रंगमंच कें बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे रामदेव झाक योगदान सामाजिक रंगमंच कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
७०८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — रामदेव झा कें बुझबाक लेल रामदेव झाक नाट्य योगदान, नाटक आ रंगमंचीय लेखन आ मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
७०९. (B) हुनक लेखन नाटक आ रंगमंचीय लेखन मार्फत सामाजिक रंगमंच कें उभारैत अछि — रामदेव झाक विधागत पहिचान नाटक आ रंगमंचीय लेखन अछि, आ ओहिसँ सामाजिक रंगमंचक बोध प्रबल होइत अछि।
७१०. (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — रामदेव झाक भूमिका आधुनिक मैथिली नाटक आ सामाजिक रंगमंचक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
७११. (A) सामाजिक रंगमंच — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर सामाजिक रंगमंचसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
७१२. (D) रामदेव झा — रामदेव झाक नाट्य योगदान — ठीक जोड़ी रामदेव झा — रामदेव झाक नाट्य योगदान अछि।
७१३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — रामदेव झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें नाटक आ रंगमंचीय लेखनक माध्यम सँ बढ़बैत अछि।
७१४. (D) मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार — मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार कें छोड़ला सँ रामदेव झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
७१५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ — रामदेव झाक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
७१६. (B) सामाजिक रंगमंच — रामदेव झाक छवि सामाजिक रंगमंच कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
७१७. (D) नाटक आ रंगमंचीय लेखन, सामाजिक रंगमंच आ विषयक सामाजिकता, पात्रक मनोभूमि आ मंचीय टकराव — एहि शब्द-समूहमे रामदेव झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
७१८. (A) सामाजिक रंगमंचक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — रामदेव झाक काजसँ सामाजिक रंगमंचमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
७१९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — रामदेव झाक योगदान आधुनिक मैथिली नाटक आ नाटक आ रंगमंचीय लेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
७२०. (B) रामदेव झा आधुनिक मैथिली नाटकमे नाटक आ रंगमंचीय लेखन द्वारा मैथिली रंगमंचमे सामाजिक कथ्य, संवाद-शक्ति आ नाटकीय संरचनाक विस्तार देनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
७२१. (D) भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकें जोड़निहार बहुआयामी लेखक — उदय नारायण सिंह ‘नचिकेता’क अध्ययनमे मुख्य बात भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकें जोड़निहार बहुआयामी लेखक अछि; एहि कारण हुनका समकालीन साहित्यिक प्रयोग सँ जोड़ल जाएत अछि।
७२२. (A) नचिकेताक साहित्यिक योगदान — उदय नारायण सिंह ‘नचिकेता’क सन्दर्भमे नचिकेताक साहित्यिक योगदान महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम सँ समकालीन साहित्यिक प्रयोग स्पष्ट होइत अछि।
७२३. (C) नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन — नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन उदय नारायण सिंह ‘नचिकेता’क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।

- ७२४. (B) समकालीन साहित्य आ रंग-विमर्श** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदान समकालीन साहित्य आ रंग-विमर्शक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ७२५. (A) विचार, प्रयोग, भाषा-सजगता आ आधुनिकता** — विचार, प्रयोग, भाषा-सजगता आ आधुनिकता उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
- ७२६. (C) समकालीन साहित्यिक प्रयोग** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदानक सार समकालीन साहित्यिक प्रयोग मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ७२७. (B) कारण हुनका माध्यमँ समकालीन साहित्यिक प्रयोग कें बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदान समकालीन साहित्यिक प्रयोग कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- ७२८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' कें बुझबाक लेल नचिकेताक साहित्यिक योगदान, नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन आ भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकें जोड़निहार बहुआयामी लेखक कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ७२९. (D) हुनक लेखन नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन मार्फत समकालीन साहित्यिक प्रयोग कें उभारैत अछि** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क विधागत पहिचान नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन अछि, आ ओहिसँ समकालीन साहित्यिक प्रयोगक बोध प्रबल होइत अछि।
- ७३०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क भूमिका समकालीन साहित्य आ रंग-विमर्श आ समकालीन साहित्यिक प्रयोगक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ७३१. (B) समकालीन साहित्यिक प्रयोग** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर समकालीन साहित्यिक प्रयोगसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ७३२. (A) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'** — नचिकेताक साहित्यिक योगदान — ठीक जोड़ी उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' — नचिकेताक साहित्यिक योगदान अछि।
- ७३३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखनक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- ७३४. (C) भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकें जोड़निहार बहुआयामी लेखक** — भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकें जोड़निहार बहुआयामी लेखक कें छोड़ला सँ उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ७३५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ७३६. (D) समकालीन साहित्यिक प्रयोग** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क छवि समकालीन साहित्यिक प्रयोग कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
- ७३७. (B) नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन, समकालीन साहित्यिक प्रयोग आ विचार, प्रयोग, भाषा-सजगता आ आधुनिकता** — एहि शब्द-समूहमे उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ७३८. (D) समकालीन साहित्यिक प्रयोगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क काजसँ समकालीन साहित्यिक प्रयोगमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ७३९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — उदय नारायण सिंह 'नचिकेता'क योगदान समकालीन साहित्य आ रंग-विमर्श आ नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ७४०. (C) उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' समकालीन साहित्य आ रंग-विमर्शमे नाटक, भाषा-विमर्श आ साहित्यिक लेखन द्वारा भाषा, रंग, साहित्य-विमर्श आ समकालीन संवेदनाकें जोड़निहार बहुआयामी लेखक** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ७४१. (B) समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता कें बल देनिहार** — अरविन्द 'अक्कू'क अध्ययनमे मुख्य बात समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता कें बल देनिहार अछि; एहि कारण हुनका युवा रंग-प्रयोग सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ७४२. (B) अक्कूक नाट्य-योगदान** — अरविन्द 'अक्कू'क सन्दर्भमे अक्कूक नाट्य-योगदान महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ युवा रंग-प्रयोग स्पष्ट होइत अछि।
- ७४३. (C) नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग** — नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग अरविन्द 'अक्कू'क रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
- ७४४. (C) समकालीन मैथिली रंगकर्म** — अरविन्द 'अक्कू'क योगदान समकालीन मैथिली रंगकर्मक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।

- ७४५. (D) नवीन कथ्य, तेज संवाद, मंच-संवेदना आ समकालीन व्यंग्य** — नवीन कथ्य, तेज संवाद, मंच-संवेदना आ समकालीन व्यंग्य अरविन्द 'अक्कू'क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ७४६. (D) युवा रंग-प्रयोग** — अरविन्द 'अक्कू'क योगदानक सार युवा रंग-प्रयोग मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ७४७. (A) कारण हुनका माध्यममें युवा रंग-प्रयोग केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे अरविन्द 'अक्कू'क योगदान युवा रंग-प्रयोग केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- ७४८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — अरविन्द 'अक्कू' केँ बुझबाक लेल अक्कूक नाट्य-योगदान, नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग आ समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ७४९. (D) हुनक लेखन नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग मार्फत युवा रंग-प्रयोग केँ उभारैत अछि** — अरविन्द 'अक्कू'क विधागत पहचान नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग अछि, आ ओहिसँ युवा रंग-प्रयोगक बोध प्रबल होइत अछि।
- ७५०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — अरविन्द 'अक्कू'क भूमिका समकालीन मैथिली रंगकर्म आ युवा रंग-प्रयोगक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ७५१. (A) युवा रंग-प्रयोग** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर युवा रंग-प्रयोगसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ७५२. (D) अरविन्द 'अक्कू' — अक्कूक नाट्य-योगदान** — ठीक जोड़ी अरविन्द 'अक्कू' — अक्कूक नाट्य-योगदान अछि।
- ७५३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — अरविन्द 'अक्कू'क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोगक माध्यममें बढ़बैत अछि।
- ७५४. (D) समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार** — समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार केँ छोड़ला सँ अरविन्द 'अक्कू'क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ७५५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — अरविन्द 'अक्कू'क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ७५६. (B) युवा रंग-प्रयोग** — अरविन्द 'अक्कू'क छवि युवा रंग-प्रयोग केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ७५७. (A) नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग, युवा रंग-प्रयोग आ नवीन कथ्य, तेज संवाद, मंच-संवेदना आ समकालीन व्यंग्य** — एहि शब्द-समूहमे अरविन्द 'अक्कू'क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ७५८. (B) युवा रंग-प्रयोगक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — अरविन्द 'अक्कू'क काजसँ युवा रंग-प्रयोगमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ७५९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — अरविन्द 'अक्कू'क योगदान समकालीन मैथिली रंगकर्म आ नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोगक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ७६०. (A) अरविन्द 'अक्कू' समकालीन मैथिली रंगकर्ममे नाटक, एकांकी आ रंग-प्रयोग द्वारा समकालीन रंगमंचमे नवीन विषय, युवा-चेतना, अभिनययोग्य संवाद आ प्रयोगशीलता केँ बल देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ७६१. (C) लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान** — बेचन ठाकुरक अध्ययनमे मुख्य बात लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका लोक-रंग आ सामाजिक नाटक सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ७६२. (C) बेटीक अपमान आ छीनरदेवी** — बेचन ठाकुरक सन्दर्भमे बेटीक अपमान आ छीनरदेवी महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यममें लोक-रंग आ सामाजिक नाटक स्पष्ट होइत अछि।
- ७६३. (D) नाटक, मंचन आ निर्देशन** — नाटक, मंचन आ निर्देशन बेचन ठाकुरक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
- ७६४. (A) लोक-रंग आ समकालीन नाट्य-प्रस्तुति** — बेचन ठाकुरक योगदान लोक-रंग आ समकालीन नाट्य-प्रस्तुतिक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ७६५. (A) ग्रामीण रंगमंच, लोकभाषा, सामाजिक प्रश्न आ प्रस्तुति-कौशल** — ग्रामीण रंगमंच, लोकभाषा, सामाजिक प्रश्न आ प्रस्तुति-कौशल बेचन ठाकुरक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ७६६. (B) लोक-रंग आ सामाजिक नाटक** — बेचन ठाकुरक योगदानक सार लोक-रंग आ सामाजिक नाटक मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ७६७. (D) कारण हुनका माध्यममें लोक-रंग आ सामाजिक नाटक केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे बेचन ठाकुरक योगदान लोक-रंग आ सामाजिक नाटक केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।

- ७६८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — बेचन ठाकुर केँ बुझबाक लेल बेटीक अपमान आ छीनरदेवी, नाटक, मंचन आ निर्देशन आ लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- ७६९. (B) हुनक लेखन नाटक, मंचन आ निर्देशन मार्फत लोक-रंग आ सामाजिक नाटक केँ उभारैत अछि** — बेचन ठाकुरक विधागत पहचान नाटक, मंचन आ निर्देशन अछि, आ ओहिसँ लोक-रंग आ सामाजिक नाटकक बोध प्रबल होइत अछि।
- ७७०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — बेचन ठाकुरक भूमिका लोक-रंग आ समकालीन नाट्य-प्रस्तुति आ लोक-रंग आ सामाजिक नाटकक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- ७७१. (D) लोक-रंग आ सामाजिक नाटक** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर लोक-रंग आ सामाजिक नाटकसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- ७७२. (C) बेचन ठाकुर — बेटीक अपमान आ छीनरदेवी** — ठीक जोड़ी बेचन ठाकुर — बेटीक अपमान आ छीनरदेवी अछि।
- ७७३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — बेचन ठाकुरक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ नाटक, मंचन आ निर्देशनक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
- ७७४. (C) लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान** — लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान केँ छोड़ला सँ बेचन ठाकुरक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- ७७५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — बेचन ठाकुरक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- ७७६. (D) लोक-रंग आ सामाजिक नाटक** — बेचन ठाकुरक छवि लोक-रंग आ सामाजिक नाटक केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- ७७७. (C) नाटक, मंचन आ निर्देशन, लोक-रंग आ सामाजिक नाटक आ ग्रामीण रंगमंच, लोकभाषा, सामाजिक प्रश्न आ प्रस्तुति-कौशल** — एहि शब्द-समूहमे बेचन ठाकुरक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ७७८. (B) लोक-रंग आ सामाजिक नाटकक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — बेचन ठाकुरक काजसँ लोक-रंग आ सामाजिक नाटकमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ७७९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — बेचन ठाकुरक योगदान लोक-रंग आ समकालीन नाट्य-प्रस्तुति आ नाटक, मंचन आ निर्देशनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- ७८०. (B) बेचन ठाकुर लोक-रंग आ समकालीन नाट्य-प्रस्तुतिमे नाटक, मंचन आ निर्देशन द्वारा लोक-रंग, मंच-अनुभव, सामाजिक कथ्य आ अभिनय-परम्पराक संरक्षणमे योगदान** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- ७८१. (C) ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार** — हरिनारायण मण्डलक अध्ययनमे मुख्य बात ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार अछि; एहि कारण हुनका लोकनाट्यक जीवित परम्परा सँ जोड़ल जाएत अछि।
- ७८२. (A) नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा** — हरिनारायण मण्डलक सन्दर्भमे नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ लोकनाट्यक जीवित परम्परा स्पष्ट होइत अछि।
- ७८३. (B) लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला** — लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला हरिनारायण मण्डलक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- ७८४. (C) लोकनाट्य आ नृत्य-परम्परा** — हरिनारायण मण्डलक योगदान लोकनाट्य आ नृत्य-परम्पराक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- ७८५. (C) लोक-नृत्य, सामुदायिक प्रस्तुति, पात्र-अभिनय आ गामक रंग-संस्कार** — लोक-नृत्य, सामुदायिक प्रस्तुति, पात्र-अभिनय आ गामक रंग-संस्कार हरिनारायण मण्डलक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- ७८६. (D) लोकनाट्यक जीवित परम्परा** — हरिनारायण मण्डलक योगदानक सार लोकनाट्यक जीवित परम्परा मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- ७८७. (D) कारण हुनका माध्यमँ लोकनाट्यक जीवित परम्परा केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे हरिनारायण मण्डलक योगदान लोकनाट्यक जीवित परम्परा केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- ७८८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — हरिनारायण मण्डल केँ बुझबाक लेल नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा, लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला आ ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।

७८९. (A) हुनक लेखन लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला मार्फत लोकनाट्यक जीवित परम्परा केँ उभारैत अछि — हरिनारायण मण्डलक विधागत पहचान लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला अछि, आ ओहिसँ लोकनाट्यक जीवित परम्पराक बोध प्रबल होइत अछि।
७९०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — हरिनारायण मण्डलक भूमिका लोकनाट्य आ नृत्य-परम्परा आ लोकनाट्यक जीवित परम्पराक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
७९१. (A) लोकनाट्यक जीवित परम्परा — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर लोकनाट्यक जीवित परम्परासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
७९२. (A) हरिनारायण मण्डल — नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा — ठीक जोड़ी हरिनारायण मण्डल — नाच-पाटी आ लोक-रंग परम्परा अछि।
७९३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — हरिनारायण मण्डलक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककलाक माध्यममें बढ़बैत अछि।
७९४. (C) ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार — ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार केँ छोड़ला सँ हरिनारायण मण्डलक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
७९५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — हरिनारायण मण्डलक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
७९६. (B) लोकनाट्यक जीवित परम्परा — हरिनारायण मण्डलक छवि लोकनाट्यक जीवित परम्परा केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
७९७. (C) लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला, लोकनाट्यक जीवित परम्परा आ लोक-नृत्य, सामुदायिक प्रस्तुति, पात्र-अभिनय आ गामक रंग-संस्कार — एहि शब्द-समूहमे हरिनारायण मण्डलक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
७९८. (C) लोकनाट्यक जीवित परम्पराक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — हरिनारायण मण्डलक काजसँ लोकनाट्यक जीवित परम्परामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
७९९. (A) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — हरिनारायण मण्डलक योगदान लोकनाट्य आ नृत्य-परम्परा आ लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककलाक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
८००. (B) हरिनारायण मण्डल लोकनाट्य आ नृत्य-परम्परामे लोक-अभिनय, नाच आ मंचीय लोककला द्वारा ग्राम्य रंगमंच, नाच-पाटी, अभिनय आ नृत्यक मौखिक/मंचीय परम्परा केँ जीवित रखनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
८०१. (C) मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान — रमानाथ झाक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका साहित्येतिहास आ आलोचना सँ जोड़ल जाएत अछि।
८०२. (D) मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श — रमानाथ झाक सन्दर्भमे मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ साहित्येतिहास आ आलोचना स्पष्ट होइत अछि।
८०३. (A) निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास — निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास रमानाथ झाक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
८०४. (C) आधुनिक निबन्ध आ समालोचना — रमानाथ झाक योगदान आधुनिक निबन्ध आ समालोचनाक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
८०५. (A) तथ्य, तर्क, इतिहास-बोध, संतुलित भाषा आ आलोचनात्मक दृष्टि — तथ्य, तर्क, इतिहास-बोध, संतुलित भाषा आ आलोचनात्मक दृष्टि रमानाथ झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
८०६. (D) साहित्येतिहास आ आलोचना — रमानाथ झाक योगदानक सार साहित्येतिहास आ आलोचना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
८०७. (D) कारण हुनका माध्यमसँ साहित्येतिहास आ आलोचना केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे रमानाथ झाक योगदान साहित्येतिहास आ आलोचना केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
८०८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — रमानाथ झा केँ बुझबाक लेल मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श, निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास आ मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
८०९. (C) हुनक लेखन निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास मार्फत साहित्येतिहास आ आलोचना केँ उभारैत अछि — रमानाथ झाक विधागत पहचान निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास अछि, आ ओहिसँ साहित्येतिहास आ आलोचनाक बोध प्रबल होइत अछि।

८१०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — रमानाथ झाक भूमिका आधुनिक निबन्ध आ समालोचना आ साहित्येतिहास आ आलोचनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
८११. (C) साहित्येतिहास आ आलोचना — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर साहित्येतिहास आ आलोचनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
८१२. (D) रमानाथ झा — मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श — ठीक जोड़ी रमानाथ झा — मैथिली साहित्यक इतिहास-विमर्श अछि।
८१३. (D) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — रमानाथ झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहासक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
८१४. (A) मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान — मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान केँ छोड़ला सँ रमानाथ झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
८१५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — रमानाथ झाक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
८१६. (B) साहित्येतिहास आ आलोचना — रमानाथ झाक छवि साहित्येतिहास आ आलोचना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
८१७. (C) निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास, साहित्येतिहास आ आलोचना आ तथ्य, तर्क, इतिहास-बोध, संतुलित भाषा आ आलोचनात्मक दृष्टि — एहि शब्द-समूहमे रमानाथ झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
८१८. (A) साहित्येतिहास आ आलोचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — रमानाथ झाक काजसँ साहित्येतिहास आ आलोचनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
८१९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — रमानाथ झाक योगदान आधुनिक निबन्ध आ समालोचना आ निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहासक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
८२०. (B) रमानाथ झा आधुनिक निबन्ध आ समालोचनामे निबन्ध, आलोचना आ साहित्येतिहास द्वारा मैथिली साहित्येतिहास, आलोचना-शैली, निबन्ध-विन्यास आ विद्वत्तापूर्ण मूल्यांकनक विकासमे योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
८२१. (A) मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार — जयकान्त मिश्रक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार अछि; एहि कारण हुनका शोधपरक साहित्येतिहास सँ जोड़ल जाएत अछि।
८२२. (A) मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन — जयकान्त मिश्रक सन्दर्भमे मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ शोधपरक साहित्येतिहास स्पष्ट होइत अछि।
८२३. (C) साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन — साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन जयकान्त मिश्रक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
८२४. (C) आधुनिक शोध आ साहित्येतिहास — जयकान्त मिश्रक योगदान आधुनिक शोध आ साहित्येतिहासक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
८२५. (B) स्रोत-संग्रह, इतिहास-दृष्टि, तुलनात्मकता आ विश्लेषण — स्रोत-संग्रह, इतिहास-दृष्टि, तुलनात्मकता आ विश्लेषण जयकान्त मिश्रक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
८२६. (C) शोधपरक साहित्येतिहास — जयकान्त मिश्रक योगदानक सार शोधपरक साहित्येतिहास मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
८२७. (A) कारण हुनका माध्यमँ शोधपरक साहित्येतिहास केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे जयकान्त मिश्रक योगदान शोधपरक साहित्येतिहास केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
८२८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — जयकान्त मिश्र केँ बुझबाक लेल मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन, साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन आ मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
८२९. (D) हुनक लेखन साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन मार्फत शोधपरक साहित्येतिहास केँ उभारैत अछि — जयकान्त मिश्रक विधागत पहचान साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन अछि, आ ओहिसँ शोधपरक साहित्येतिहासक बोध प्रबल होइत अछि।
८३०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — जयकान्त मिश्रक भूमिका आधुनिक शोध आ साहित्येतिहास आ शोधपरक साहित्येतिहासक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।

८३१. (D) शोधपरक साहित्येतिहास — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर शोधपरक साहित्येतिहाससँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
८३२. (B) जयकान्त मिश्र — मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन — ठीक जोड़ी जयकान्त मिश्र — मैथिली साहित्यक इतिहास लेखन अछि।
८३३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — जयकान्त मिश्रक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययनक माध्यममें बढ़बैत अछि।
८३४. (D) मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार — मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार केँ छोड़ला सँ जयकान्त मिश्रक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
८३५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — जयकान्त मिश्रक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
८३६. (B) शोधपरक साहित्येतिहास — जयकान्त मिश्रक छवि शोधपरक साहित्येतिहास केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
८३७. (C) साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन, शोधपरक साहित्येतिहास आ स्रोत-संग्रह, इतिहास-दृष्टि, तुलनात्मकता आ विश्लेषण — एहि शब्द-समूहमे जयकान्त मिश्रक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
८३८. (C) शोधपरक साहित्येतिहासक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — जयकान्त मिश्रक काजसँ शोधपरक साहित्येतिहासमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
८३९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — जयकान्त मिश्रक योगदान आधुनिक शोध आ साहित्येतिहास आ साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
८४०. (D) जयकान्त मिश्र आधुनिक शोध आ साहित्येतिहासमे साहित्येतिहास, आलोचना आ भाषा-अध्ययन द्वारा मैथिली साहित्यक काल-विभाजन, लेखक-परम्परा आ आलोचनात्मक अध्ययन केँ व्यवस्थित करनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
८४१. (A) मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान — गोविन्द झाक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान अछि; एहि कारण हुनका भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन सँ जोड़ल जाएत अछि।
८४२. (D) मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श — गोविन्द झाक सन्दर्भमे मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यममें भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन स्पष्ट होइत अछि।
८४३. (C) व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन — व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन गोविन्द झाक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
८४४. (B) आधुनिक भाषा-अध्ययन आ सम्पादन — गोविन्द झाक योगदान आधुनिक भाषा-अध्ययन आ सम्पादनक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
८४५. (C) भाषिक सूक्ष्मता, पाठ-शुद्धि, अनुशासन आ पाण्डित्य — भाषिक सूक्ष्मता, पाठ-शुद्धि, अनुशासन आ पाण्डित्य गोविन्द झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
८४६. (C) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन — गोविन्द झाक योगदानक सार भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
८४७. (B) कारण हुनका माध्यममें भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे गोविन्द झाक योगदान भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
८४८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — गोविन्द झा केँ बुझबाक लेल मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श, व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन आ मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
८४९. (C) हुनक लेखन व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन मार्फत भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन केँ उभारैत अछि — गोविन्द झाक विधागत पहचान व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन अछि, आ ओहिसँ भाषा-अनुसंधान आ सम्पादनक बोध प्रबल होइत अछि।
८५०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — गोविन्द झाक भूमिका आधुनिक भाषा-अध्ययन आ सम्पादन आ भाषा-अनुसंधान आ सम्पादनक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
८५१. (A) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर भाषा-अनुसंधान आ सम्पादनसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।

८५२. (B) गोविन्द झा — मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श — ठीक जोड़ी गोविन्द झा — मैथिली भाषा-साहित्य विमर्श अछि।
८५३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — गोविन्द झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादनक माध्यममें बढ़बैत अछि।
८५४. (A) मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान — मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान केँ छोड़ला सँ गोविन्द झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
८५५. (A) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — गोविन्द झाक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
८५६. (D) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन — गोविन्द झाक छवि भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
८५७. (D) व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन, भाषा-अनुसंधान आ सम्पादन आ भाषिक सूक्ष्मता, पाठ-शुद्धि, अनुशासन आ पाण्डित्य — एहि शब्द-समूहमे गोविन्द झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
८५८. (C) भाषा-अनुसंधान आ सम्पादनक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — गोविन्द झाक काजसँ भाषा-अनुसंधान आ सम्पादनमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
८५९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — गोविन्द झाक योगदान आधुनिक भाषा-अध्ययन आ सम्पादन आ व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
८६०. (D) गोविन्द झा आधुनिक भाषा-अध्ययन आ सम्पादनमे व्याकरण, भाषा-विचार, निबन्ध आ सम्पादन द्वारा मैथिली भाषा, व्याकरण, पाठ-संपादन, साहित्यिक समीक्षा आ सांस्कृतिक शोधमे व्यापक योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
८६१. (A) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार — राधाकृष्ण चौधरीक अध्ययनमे मुख्य बात मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार अछि; एहि कारण हुनका इतिहास-संस्कृति आ साहित्य सँ जोड़ल जाएत अछि।
८६२. (D) मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन — राधाकृष्ण चौधरीक सन्दर्भमे मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यममें इतिहास-संस्कृति आ साहित्य स्पष्ट होइत अछि।
८६३. (C) इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध — इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध राधाकृष्ण चौधरीक रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
८६४. (A) इतिहास, संस्कृति आ साहित्य-विमर्श — राधाकृष्ण चौधरीक योगदान इतिहास, संस्कृति आ साहित्य-विमर्शक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
८६५. (D) ऐतिहासिक साक्ष्य, सांस्कृतिक विश्लेषण, सामाजिक दृष्टि आ स्रोत-चेतना — ऐतिहासिक साक्ष्य, सांस्कृतिक विश्लेषण, सामाजिक दृष्टि आ स्रोत-चेतना राधाकृष्ण चौधरीक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
८६६. (A) इतिहास-संस्कृति आ साहित्य — राधाकृष्ण चौधरीक योगदानक सार इतिहास-संस्कृति आ साहित्य मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
८६७. (D) कारण हुनका माध्यममें इतिहास-संस्कृति आ साहित्य केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे राधाकृष्ण चौधरीक योगदान इतिहास-संस्कृति आ साहित्य केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
८६८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — राधाकृष्ण चौधरी केँ बुझबाक लेल मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन, इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध आ मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
८६९. (C) हुनक लेखन इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध मार्फत इतिहास-संस्कृति आ साहित्य केँ उभारैत अछि — राधाकृष्ण चौधरीक विधागत पहिचान इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध अछि, आ ओहिसँ इतिहास-संस्कृति आ साहित्यक बोध प्रबल होइत अछि।
८७०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — राधाकृष्ण चौधरीक भूमिका इतिहास, संस्कृति आ साहित्य-विमर्श आ इतिहास-संस्कृति आ साहित्यक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
८७१. (C) इतिहास-संस्कृति आ साहित्य — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर इतिहास-संस्कृति आ साहित्यसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
८७२. (A) राधाकृष्ण चौधरी — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन — ठीक जोड़ी राधाकृष्ण चौधरी — मिथिला इतिहास-संस्कृति अध्ययन अछि।
८७३. (A) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — राधाकृष्ण चौधरीक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोधक माध्यममें बढ़बैत अछि।

८७४. (D) मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार — मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार केँ छोड़ला सँ राधाकृष्ण चौधरीक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
८७५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — राधाकृष्ण चौधरीक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
८७६. (A) इतिहास-संस्कृति आ साहित्य — राधाकृष्ण चौधरीक छवि इतिहास-संस्कृति आ साहित्य केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
८७७. (B) इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध, इतिहास-संस्कृति आ साहित्य आ ऐतिहासिक साक्ष्य, सांस्कृतिक विश्लेषण, सामाजिक दृष्टि आ स्रोत-चेतना — एहि शब्द-समूहमे राधाकृष्ण चौधरीक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
८७८. (A) इतिहास-संस्कृति आ साहित्यक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — राधाकृष्ण चौधरीक काजसँ इतिहास-संस्कृति आ साहित्यमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
८७९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — राधाकृष्ण चौधरीक योगदान इतिहास, संस्कृति आ साहित्य-विमर्श आ इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोधक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
८८०. (B) राधाकृष्ण चौधरी इतिहास, संस्कृति आ साहित्य-विमर्शमे इतिहास, निबन्ध, आलोचना आ शोध द्वारा मिथिलाक इतिहास, समाज, संस्कृति आ साहित्यक अन्तरसम्बन्ध केँ स्पष्ट करनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
८८१. (C) समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान — मोहन भारद्वाजक अध्ययनमे मुख्य बात समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका समकालीन साहित्य-विमर्श सँ जोड़ल जाएत अछि।
८८२. (A) समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श — मोहन भारद्वाजक सन्दर्भमे समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ समकालीन साहित्य-विमर्श स्पष्ट होइत अछि।
८८३. (B) आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श — आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श मोहन भारद्वाजक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
८८४. (C) समकालीन आलोचना आ संपादन — मोहन भारद्वाजक योगदान समकालीन आलोचना आ संपादनक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
८८५. (A) समकालीनता, आलोचनात्मक संतुलन, संपादकीय दृष्टि आ विधा-चेतना — समकालीनता, आलोचनात्मक संतुलन, संपादकीय दृष्टि आ विधा-चेतना मोहन भारद्वाजक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
८८६. (C) समकालीन साहित्य-विमर्श — मोहन भारद्वाजक योगदानक सार समकालीन साहित्य-विमर्श मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
८८७. (D) कारण हुनका माध्यमसँ समकालीन साहित्य-विमर्श केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे मोहन भारद्वाजक योगदान समकालीन साहित्य-विमर्श केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
८८८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — मोहन भारद्वाज केँ बुझबाक लेल समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श, आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श आ समकालीन साहित्यक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
८८९. (D) हुनक लेखन आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श मार्फत समकालीन साहित्य-विमर्श केँ उभारैत अछि — मोहन भारद्वाजक विधागत पहिचान आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श अछि, आ ओहिसँ समकालीन साहित्य-विमर्शक बोध प्रबल होइत अछि।
८९०. (A) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — मोहन भारद्वाजक भूमिका समकालीन आलोचना आ संपादन आ समकालीन साहित्य-विमर्शक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
८९१. (B) समकालीन साहित्य-विमर्श — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर समकालीन साहित्य-विमर्शसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
८९२. (C) मोहन भारद्वाज — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श — ठीक जोड़ी मोहन भारद्वाज — समकालीन मैथिली कविता सम्बन्धी संपादन/विमर्श अछि।
८९३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — मोहन भारद्वाजक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्शक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।

८९४. (A) समकालीन साहित्यिक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान — समकालीन साहित्यिक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान केँ छोड़ला सँ मोहन भारद्वाजक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
८९५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — मोहन भारद्वाजक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
८९६. (B) समकालीन साहित्य-विमर्श — मोहन भारद्वाजक छवि समकालीन साहित्य-विमर्श केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
८९७. (B) आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श, समकालीन साहित्य-विमर्श आ समकालीनता, आलोचनात्मक संतुलन, संपादकीय दृष्टि आ विधा-चेतना — एहि शब्द-समूहमे मोहन भारद्वाजक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
८९८. (C) समकालीन साहित्य-विमर्शक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — मोहन भारद्वाजक काजसँ समकालीन साहित्य-विमर्शमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
८९९. (B) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — मोहन भारद्वाजक योगदान समकालीन आलोचना आ संपादन आ आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्शक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
९००. (A) मोहन भारद्वाज समकालीन आलोचना आ संपादनमे आलोचना, संपादन आ साहित्यिक विमर्श द्वारा समकालीन साहित्यिक चयन, आलोचना, पाठकीय दिशा आ विधागत मूल्यांकनमे योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
९०१. (B) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार — जयधारी सिंहक अध्ययनमे मुख्य बात रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार अछि; एहि कारण हुनका आलोचनात्मक पद्धति सँ जोड़ल जाएत अछि।
९०२. (A) मैथिली आलोचना-परम्परा — जयधारी सिंहक सन्दर्भमे मैथिली आलोचना-परम्परा महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमँ आलोचनात्मक पद्धति स्पष्ट होइत अछि।
९०३. (A) आलोचना आ साहित्यिक विवेचन — आलोचना आ साहित्यिक विवेचन जयधारी सिंहक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
९०४. (C) आधुनिक मैथिली समालोचना — जयधारी सिंहक योगदान आधुनिक मैथिली समालोचनाक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
९०५. (C) तर्क, प्रमाण, साहित्यिक मानदण्ड आ संतुलित निर्णय — तर्क, प्रमाण, साहित्यिक मानदण्ड आ संतुलित निर्णय जयधारी सिंहक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
९०६. (A) आलोचनात्मक पद्धति — जयधारी सिंहक योगदानक सार आलोचनात्मक पद्धति मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
९०७. (B) कारण हुनका माध्यमँ आलोचनात्मक पद्धति केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे जयधारी सिंहक योगदान आलोचनात्मक पद्धति केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
९०८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — जयधारी सिंह केँ बुझबाक लेल मैथिली आलोचना-परम्परा, आलोचना आ साहित्यिक विवेचन आ रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
९०९. (C) हुनक लेखन आलोचना आ साहित्यिक विवेचन मार्फत आलोचनात्मक पद्धति केँ उभारैत अछि — जयधारी सिंहक विधागत पहचान आलोचना आ साहित्यिक विवेचन अछि, आ ओहिसँ आलोचनात्मक पद्धतिक बोध प्रबल होइत अछि।
९१०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — जयधारी सिंहक भूमिका आधुनिक मैथिली समालोचना आ आलोचनात्मक पद्धतिक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
९११. (C) आलोचनात्मक पद्धति — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर आलोचनात्मक पद्धतिसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
९१२. (A) जयधारी सिंह — मैथिली आलोचना-परम्परा — ठीक जोड़ी जयधारी सिंह — मैथिली आलोचना-परम्परा अछि।
९१३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — जयधारी सिंहक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ आलोचना आ साहित्यिक विवेचनक माध्यमँ बढ़बैत अछि।
९१४. (A) रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार — रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार केँ छोड़ला सँ जयधारी सिंहक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
९१५. (B) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — जयधारी सिंहक योगदान बहुआयामी अछि; तें काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
९१६. (A) आलोचनात्मक पद्धति — जयधारी सिंहक छवि आलोचनात्मक पद्धति केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।

- ११७. (D) आलोचना आ साहित्यिक विवेचन, आलोचनात्मक पद्धति आ तर्क, प्रमाण, साहित्यिक मानदण्ड आ संतुलित निर्णय** — एहि शब्द-समूहमे जयधारी सिंहक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- ११८. (A) आलोचनात्मक पद्धतिक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — जयधारी सिंहक काजसँ आलोचनात्मक पद्धतिमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- ११९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — जयधारी सिंहक योगदान आधुनिक मैथिली समालोचना आ आलोचना आ साहित्यिक विवेचनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- १२०. (D) जयधारी सिंह आधुनिक मैथिली समालोचनामे आलोचना आ साहित्यिक विवेचन द्वारा रचनाक मूल्यांकन, मानदण्ड, साहित्यिक अनुशासन आ विवेचन-पद्धति केँ बल देनिहार** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
- १२१. (C) मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार** — प्रेमशंकर सिंहक अध्ययनमे मुख्य बात मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार अछि; एहि कारण हुनका आधुनिक आलोचना-दृष्टि सँ जोड़ल जाएत अछि।
- १२२. (B) प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान** — प्रेमशंकर सिंहक सन्दर्भमे प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम आधुनिक आलोचना-दृष्टि स्पष्ट होइत अछि।
- १२३. (B) समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन** — समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन प्रेमशंकर सिंहक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
- १२४. (A) आधुनिक आलोचना-विमर्श** — प्रेमशंकर सिंहक योगदान आधुनिक आलोचना-विमर्शक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- १२५. (D) विचार-गहनता, पाठ-केन्द्रित दृष्टि, सामाजिकता आ विवेचन** — विचार-गहनता, पाठ-केन्द्रित दृष्टि, सामाजिकता आ विवेचन प्रेमशंकर सिंहक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
- १२६. (B) आधुनिक आलोचना-दृष्टि** — प्रेमशंकर सिंहक योगदानक सार आधुनिक आलोचना-दृष्टि मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- १२७. (A) कारण हुनका माध्यम आधुनिक आलोचना-दृष्टि केँ बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे प्रेमशंकर सिंहक योगदान आधुनिक आलोचना-दृष्टि केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
- १२८. (A) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — प्रेमशंकर सिंह केँ बुझबाक लेल प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान, समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन आ मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- १२९. (B) हुनक लेखन समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन मार्फत आधुनिक आलोचना-दृष्टि केँ उभारैत अछि** — प्रेमशंकर सिंहक विधागत पहिचान समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन अछि, आ ओहिसँ आधुनिक आलोचना-दृष्टिक बोध प्रबल होइत अछि।
- १३०. (B) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — प्रेमशंकर सिंहक भूमिका आधुनिक आलोचना-विमर्श आ आधुनिक आलोचना-दृष्टिक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- १३१. (A) आधुनिक आलोचना-दृष्टि** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर आधुनिक आलोचना-दृष्टिसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- १३२. (C) प्रेमशंकर सिंह** — प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान — ठीक जोड़ी प्रेमशंकर सिंह — प्रेमशंकर सिंहक आलोचनात्मक योगदान अछि।
- १३३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — प्रेमशंकर सिंहक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तनक माध्यम बढबैत अछि।
- १३४. (A) मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार** — मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार केँ छोड़ला सँ प्रेमशंकर सिंहक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- १३५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ** — प्रेमशंकर सिंहक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- १३६. (A) आधुनिक आलोचना-दृष्टि** — प्रेमशंकर सिंहक छवि आधुनिक आलोचना-दृष्टि केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
- १३७. (A) समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन, आधुनिक आलोचना-दृष्टि आ विचार-गहनता, पाठ-केन्द्रित दृष्टि, सामाजिकता आ विवेचन** — एहि शब्द-समूहमे प्रेमशंकर सिंहक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।

१३८. (C) आधुनिक आलोचना-दृष्टिक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — प्रेमशंकर सिंहक काजसँ आधुनिक आलोचना-दृष्टिमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
१३९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — प्रेमशंकर सिंहक योगदान आधुनिक आलोचना-विमर्श आ समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
१४०. (D) प्रेमशंकर सिंह आधुनिक आलोचना-विमर्शमे समालोचना, निबन्ध आ साहित्य-चिन्तन द्वारा मैथिली साहित्यक आधुनिक मूल्यांकन, विचार-पक्ष आ आलोचना-भाषा केँ सुदृढ़ करनिहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
१४१. (A) साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान — राजमोहन झाक अध्ययनमे मुख्य बात साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका समन्वित साहित्य-विवेचन सँ जोड़ल जाएत अछि।
१४२. (B) राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श — राजमोहन झाक सन्दर्भमे राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यमसँ समन्वित साहित्य-विवेचन स्पष्ट होइत अछि।
१४३. (B) आलोचना, निबन्ध आ शोध — आलोचना, निबन्ध आ शोध राजमोहन झाक रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
१४४. (C) आधुनिक साहित्यिक आलोचना — राजमोहन झाक योगदान आधुनिक साहित्यिक आलोचनाक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
१४५. (A) समन्वित दृष्टि, पाठ-विवेचन, संस्कृति-बोध आ भाषा-संस्कार — समन्वित दृष्टि, पाठ-विवेचन, संस्कृति-बोध आ भाषा-संस्कार राजमोहन झाक साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
१४६. (A) समन्वित साहित्य-विवेचन — राजमोहन झाक योगदानक सार समन्वित साहित्य-विवेचन मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
१४७. (B) कारण हुनका माध्यमसँ समन्वित साहित्य-विवेचन केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे राजमोहन झाक योगदान समन्वित साहित्य-विवेचन केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
१४८. (C) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — राजमोहन झा केँ बुझबाक लेल राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श, आलोचना, निबन्ध आ शोध आ साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
१४९. (D) हुनक लेखन आलोचना, निबन्ध आ शोध मार्फत समन्वित साहित्य-विवेचन केँ उभारैत अछि — राजमोहन झाक विधागत पहिचान आलोचना, निबन्ध आ शोध अछि, आ ओहिसँ समन्वित साहित्य-विवेचनक बोध प्रबल होइत अछि।
१५०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — राजमोहन झाक भूमिका आधुनिक साहित्यिक आलोचना आ समन्वित साहित्य-विवेचनक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
१५१. (C) समन्वित साहित्य-विवेचन — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर समन्वित साहित्य-विवेचनसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
१५२. (A) राजमोहन झा — राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श — ठीक जोड़ी राजमोहन झा — राजमोहन झाक साहित्य-विमर्श अछि।
१५३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — राजमोहन झाक रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ आलोचना, निबन्ध आ शोधक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
१५४. (A) साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान — साहित्यक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान केँ छोड़ला सँ राजमोहन झाक मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
१५५. (D) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — राजमोहन झाक योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
१५६. (B) समन्वित साहित्य-विवेचन — राजमोहन झाक छवि समन्वित साहित्य-विवेचन केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाइत अछि।
१५७. (D) आलोचना, निबन्ध आ शोध, समन्वित साहित्य-विवेचन आ समन्वित दृष्टि, पाठ-विवेचन, संस्कृति-बोध आ भाषा-संस्कार — एहि शब्द-समूहमे राजमोहन झाक विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
१५८. (C) समन्वित साहित्य-विवेचनक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — राजमोहन झाक काजसँ समन्वित साहित्य-विवेचनमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
१५९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — राजमोहन झाक योगदान आधुनिक साहित्यिक आलोचना आ आलोचना, निबन्ध आ शोधक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।

१६०. (C) राजमोहन झा आधुनिक साहित्यिक आलोचनामे आलोचना, निबन्ध आ शोध द्वारा साहित्यिक पाठ, इतिहास, समाज आ शैलीक समन्वित मूल्यांकनमे योगदान — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।
१६१. (C) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार — रमानन्द झा ‘रमण’क अध्ययनमे मुख्य बात लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार अछि; एहि कारण हुनका लोकसाहित्य आ आलोचना सँ जोड़ल जाएत अछि।
१६२. (B) रमणक आलोचनात्मक लेखन — रमानन्द झा ‘रमण’क सन्दर्भमे रमणक आलोचनात्मक लेखन महत्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम लोकसाहित्य आ आलोचना स्पष्ट होइत अछि।
१६३. (A) आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध — आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध रमानन्द झा ‘रमण’क रचनात्मक पहिचानक महत्वपूर्ण आधार अछि।
१६४. (B) समालोचना आ लोकसाहित्य अध्ययन — रमानन्द झा ‘रमण’क योगदान समालोचना आ लोकसाहित्य अध्ययनक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
१६५. (D) लोकधर्मी दृष्टि, पाठ-परख, सांस्कृतिक स्मृति आ आलोचनात्मक अनुशासन — लोकधर्मी दृष्टि, पाठ-परख, सांस्कृतिक स्मृति आ आलोचनात्मक अनुशासन रमानन्द झा ‘रमण’क साहित्यिक योगदानकेँ अलग पहिचान दैत अछि।
१६६. (D) लोकसाहित्य आ आलोचना — रमानन्द झा ‘रमण’क योगदानक सार लोकसाहित्य आ आलोचना मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
१६७. (B) कारण हुनका माध्यम लोकसाहित्य आ आलोचना केँ बल भेटल — मैथिली साहित्यक इतिहासमे रमानन्द झा ‘रमण’क योगदान लोकसाहित्य आ आलोचना केँ सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्वपूर्ण अछि।
१६८. (B) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब — रमानन्द झा ‘रमण’ केँ बुझबाक लेल रमणक आलोचनात्मक लेखन, आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध आ लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार केँ एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
१६९. (A) हुनक लेखन आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध मार्फत लोकसाहित्य आ आलोचना केँ उभारैत अछि — रमानन्द झा ‘रमण’क विधागत पहचान आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध अछि, आ ओहिसँ लोकसाहित्य आ आलोचनाक बोध प्रबल होइत अछि।
१७०. (C) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि — रमानन्द झा ‘रमण’क भूमिका समालोचना आ लोकसाहित्य अध्ययन आ लोकसाहित्य आ आलोचनाक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
१७१. (C) लोकसाहित्य आ आलोचना — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर लोकसाहित्य आ आलोचनासँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
१७२. (A) रमानन्द झा ‘रमण’ — रमणक आलोचनात्मक लेखन — ठीक जोड़ी रमानन्द झा ‘रमण’ — रमणक आलोचनात्मक लेखन अछि।
१७३. (C) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार — रमानन्द झा ‘रमण’क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता केँ आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्धक माध्यमसँ बढ़बैत अछि।
१७४. (B) लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार — लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार केँ छोड़ला सँ रमानन्द झा ‘रमण’क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
१७५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकेँ मिलाकऽ — रमानन्द झा ‘रमण’क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान केँ जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
१७६. (C) लोकसाहित्य आ आलोचना — रमानन्द झा ‘रमण’क छवि लोकसाहित्य आ आलोचना केँ बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
१७७. (D) आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध, लोकसाहित्य आ आलोचना आ लोकधर्मी दृष्टि, पाठ-परख, सांस्कृतिक स्मृति आ आलोचनात्मक अनुशासन — एहि शब्द-समूहमे रमानन्द झा ‘रमण’क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
१७८. (D) लोकसाहित्य आ आलोचनाक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल — रमानन्द झा ‘रमण’क काजसँ लोकसाहित्य आ आलोचनामे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
१७९. (C) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे — रमानन्द झा ‘रमण’क योगदान समालोचना आ लोकसाहित्य अध्ययन आ आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्धक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
१८०. (B) रमानन्द झा ‘रमण’ समालोचना आ लोकसाहित्य अध्ययनमे आलोचना, लोकसाहित्य-विमर्श आ निबन्ध द्वारा लोकसाहित्य, साहित्यिक परम्परा, आलोचना आ शोध-पद्धति केँ जोड़निहार — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।

- १८१. (A) लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क अध्ययनमे मुख्य बात लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान अछि; एहि कारण हुनका लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन सँ जोड़ल जाएत अछि।
- १८२. (C) लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क सन्दर्भमे लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श महत्त्वपूर्ण अछि, कारण एकर माध्यम लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन स्पष्ट होइत अछि।
- १८३. (B) लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन** — लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क रचनात्मक पहिचानक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
- १८४. (B) लोकसाहित्य आ समालोचना** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदान लोकसाहित्य आ समालोचनाक प्रसंगमे देखला पर हुनक साहित्यिक भूमिका नीकसँ बुझाईत अछि।
- १८५. (A) लोक-संस्कृति, मौखिक साक्ष्य, परम्पराक संरक्षण आ विश्लेषण** — लोक-संस्कृति, मौखिक साक्ष्य, परम्पराक संरक्षण आ विश्लेषण फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क साहित्यिक योगदानकें अलग पहिचान दैत अछि।
- १८६. (C) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदानक सार लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन मे भेटैत अछि; एहि बिन्दुसँ उत्तर अधिक केन्द्रित बनैत अछि।
- १८७. (A) कारण हुनका माध्यम लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन कें बल भेटल** — मैथिली साहित्यक इतिहासमे फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदान लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन कें सुदृढ़ करबाक कारणसँ महत्त्वपूर्ण अछि।
- १८८. (D) हुनक कृति, विधा, काल आ योगदानक आपसी सम्बन्ध देखब** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' कें बुझबाक लेल लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श, लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन आ लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान कें एकसाथ देखब आवश्यक अछि।
- १८९. (A) हुनक लेखन लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन मार्फत लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन कें उभारैत अछि** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क विधागत पहिचान लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन अछि, आ ओहिसँ लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचनक बोध प्रबल होइत अछि।
- १९०. (D) विभिन्न कालक साहित्यिक विकास बुझबाक लेल हुनक भूमिका उपयोगी अछि** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क भूमिका लोकसाहित्य आ समालोचना आ लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचनक कारण पाठ्यक्रममे उपयोगी बनैत अछि।
- १९१. (B) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन** — एहि लेखक/कविक साहित्यिक स्वर लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचनसँ चिन्हित कएल जा सकैत अछि।
- १९२. (C) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' — लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श** — ठीक जोड़ी फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' — लोकसाहित्य-सम्बन्धी विमर्श अछि।
- १९३. (B) मैथिली अभिव्यक्तिक क्षमता आ विधागत प्रयोगक विस्तार** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क रचनात्मकता मैथिली भाषाक प्रयोग-क्षमता कें लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययनक माध्यम बढबैत अछि।
- १९४. (B) लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान** — लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान कें छोड़ला सँ फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क मूल साहित्यिक भूमिका स्पष्ट नहि होयत।
- १९५. (C) काल, विधा, प्रमुख कृति आ योगदान—चारूकें मिलाकऽ** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदान बहुआयामी अछि; तँ काल, विधा, कृति आ योगदान कें जोड़ि देखब आवश्यक अछि।
- १९६. (B) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क छवि लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन कें बल देबाक कारण अलग चिन्हाईत अछि।
- १९७. (A) लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन, लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचन आ लोक-संस्कृति, मौखिक साक्ष्य, परम्पराक संरक्षण आ विश्लेषण** — एहि शब्द-समूहमे फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क विधा, केन्द्र आ शैली तीनू समाहित अछि।
- १९८. (D) लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचनक क्षेत्रमे अभिव्यक्ति अधिक सुदृढ़ भेल** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क काजसँ लोकसाहित्यक संरक्षण आ विवेचनमे मैथिली अभिव्यक्ति विस्तार पबैत अछि।
- १९९. (D) लेखकक योगदान, काल-प्रवृत्ति आ विधा-विकास सम्बन्धी प्रश्नमे** — फूलचन्द्र मिश्र 'रमण'क योगदान लोकसाहित्य आ समालोचना आ लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययनक कारण साहित्येतिहासक प्रश्नमे उपयोगी अछि।
- २०००. (B) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' लोकसाहित्य आ समालोचनामे लोकसाहित्य, आलोचना आ सांस्कृतिक अध्ययन द्वारा लोकगीत, लोककथा, मौखिक परम्परा आ मैथिली संस्कृतिक अध्ययनमे योगदान** — एहि सार-वाक्यमे काल, विधा आ योगदान—तीनू एकसाथ अछि।

अध्याय २ : विदेह क्विज — मैथिलीक अन्य भारतीय भाषा आ साहित्यसँ तुलनात्मक अध्ययन

1

१. तुलनात्मक साहित्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची
- (C) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन
- (D) केवल छन्दक मात्रा-गणना

२. तुलनात्मक साहित्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची
- (B) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (C) केवल छन्दक मात्रा-गणना
- (D) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन

३. तुलनात्मक साहित्य पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची
- (C) केवल छन्दक मात्रा-गणना
- (D) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन

४. तुलनात्मक साहित्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची
- (B) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन
- (C) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (D) केवल छन्दक मात्रा-गणना

५. तुलनात्मक साहित्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन
- (B) केवल छन्दक मात्रा-गणना
- (C) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची

६. तुलनात्मक साहित्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची
- (B) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (C) केवल छन्दक मात्रा-गणना
- (D) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन

७. तुलनात्मक साहित्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल छन्दक मात्रा-गणना
- (B) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (C) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची

८. तुलनात्मक साहित्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची
- (B) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (C) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन
- (D) केवल छन्दक मात्रा-गणना

९. तुलनात्मक साहित्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनवैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन
- (B) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह
- (C) केवल छन्दक मात्रा-गणना
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची

१०. तुलनात्मक साहित्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल छन्दक मात्रा-गणना
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य-सूची
- (C) दू वा अधिक भाषा-साहित्यक साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ संवादक अध्ययन
- (D) केवल एकटा कविक जन्म-वर्षक संग्रह

११. तुलनात्मक भाषाविज्ञान सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल कथा-पात्रक सूची
- (B) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (C) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (D) केवल पुस्तकालयक नाम

१२. तुलनात्मक भाषाविज्ञान केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (B) केवल कथा-पात्रक सूची
- (C) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (D) केवल पुस्तकालयक नाम

१३. तुलनात्मक भाषाविज्ञान पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (B) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (C) केवल पुस्तकालयक नाम
- (D) केवल कथा-पात्रक सूची

१४. तुलनात्मक भाषाविज्ञानक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (B) केवल पुस्तकालयक नाम
- (C) केवल कथा-पात्रक सूची
- (D) केवल नाटकक मंच-सज्जा

१५. तुलनात्मक भाषाविज्ञानक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल कथा-पात्रक सूची
- (B) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (C) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (D) केवल पुस्तकालयक नाम

१६. तुलनात्मक भाषाविज्ञान सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल पुस्तकालयक नाम
- (B) केवल कथा-पात्रक सूची
- (C) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (D) केवल नाटकक मंच-सज्जा

१७. तुलनात्मक भाषाविज्ञानक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (B) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (C) केवल कथा-पात्रक सूची
- (D) केवल पुस्तकालयक नाम

१८. तुलनात्मक भाषाविज्ञानक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल पुस्तकालयक नाम
- (B) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (C) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (D) केवल कथा-पात्रक सूची

१९. तुलनात्मक भाषाविज्ञान पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (B) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (C) केवल पुस्तकालयक नाम
- (D) केवल कथा-पात्रक सूची

२०. तुलनात्मक भाषाविज्ञान विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल नाटकक मंच-सज्जा
- (B) भाषासभक ध्वनि, शब्द, रूप आ वाक्य-रचनाक संगठित तुलना
- (C) केवल पुस्तकालयक नाम
- (D) केवल कथा-पात्रक सूची

२१. प्रभाव अध्ययन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (B) केवल पाठकक संख्या
- (C) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार
- (D) केवल छपाईक आकार

२२. प्रभाव अध्ययन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (B) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार
- (C) केवल पाठकक संख्या
- (D) केवल छपाईक आकार

२३. प्रभाव अध्ययन पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (B) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार
- (C) केवल पाठकक संख्या
- (D) केवल छपाईक आकार

२४. प्रभाव अध्ययनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार
- (B) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार
- (C) केवल पाठकक संख्या
- (D) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन

२५. प्रभाव अध्ययनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार
- (B) केवल छपाईक आकार
- (C) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (D) केवल पाठकक संख्या

२६. प्रभाव अध्ययन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल पाठकक संख्या
- (B) केवल छपाईक आकार
- (C) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (D) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार

२७. प्रभाव अध्ययनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल पाठकक संख्या
- (B) केवल छपाईक आकार
- (C) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (D) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार

२८. प्रभाव अध्ययनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल पाठकक संख्या
- (B) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार
- (C) केवल छपाईक आकार
- (D) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन

२९. प्रभाव अध्ययन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल छपाईक आकार
- (B) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (C) केवल पाठकक संख्या
- (D) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार

३०. प्रभाव अध्ययन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) विषयसँ असम्बद्ध कथा-सार
- (B) एक साहित्य वा भाषा द्वारा दोसर साहित्य/भाषा पर पड़ल प्रभावक विवेचन
- (C) केवल छपाईक आकार
- (D) केवल पाठकक संख्या

३१. साम्य अध्ययन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल असमानता गिनब
- (B) केवल रंगीन आवरणक तुलना
- (C) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान
- (D) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब

३२. साम्य अध्ययन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) केवल रंगीन आवरणक तुलना
- (B) केवल असमानता गिनब
- (C) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (D) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान

३३. साम्य अध्ययन पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन रखब?

- (A) केवल असमानता गिनब
- (B) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (C) केवल रंगीन आवरणक तुलना
- (D) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान

३४. साम्य अध्ययनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (B) केवल रंगीन आवरणक तुलना
- (C) केवल असमानता गिनब
- (D) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान

३५. साम्य अध्ययनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल असमानता गिनब
- (B) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (C) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान
- (D) केवल रंगीन आवरणक तुलना

३६. साम्य अध्ययन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल असमानता गिनब
- (B) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान
- (C) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (D) केवल रंगीन आवरणक तुलना

३७. साम्य अध्ययनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल असमानता गिनब
- (B) केवल रंगीन आवरणक तुलना
- (C) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (D) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान

३८. साम्य अध्ययनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल असमानता गिनब
- (B) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (C) केवल रंगीन आवरणक तुलना
- (D) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान

३९. साम्य अध्ययन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल रंगीन आवरणक तुलना
- (B) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान
- (C) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (D) केवल असमानता गिनब

४०. साम्य अध्ययन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल लेखकक हस्ताक्षर देखब
- (B) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान
- (C) केवल असमानता गिनब
- (D) केवल रंगीन आवरणक तुलना

४१. भिन्नता अध्ययन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (B) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (C) केवल पृष्ठ गिनब
- (D) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब

४२. भिन्नता अध्ययन कें मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (B) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (C) केवल पृष्ठ गिनब
- (D) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब

४३. भिन्नता अध्ययन पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब
- (B) केवल पृष्ठ गिनब
- (C) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (D) केवल अक्षरक आकृति देखब

४४. भिन्नता अध्ययनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (B) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (C) केवल पृष्ठ गिनब
- (D) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब

४५. भिन्नता अध्ययनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (B) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब
- (C) केवल पृष्ठ गिनब
- (D) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन

४६. भिन्नता अध्ययन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब
- (B) केवल पृष्ठ गिनब
- (C) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (D) केवल अक्षरक आकृति देखब

४७. भिन्नता अध्ययनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ गिनब
- (B) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (C) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (D) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब

४८. भिन्नता अध्ययनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (B) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब
- (C) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (D) केवल पृष्ठ गिनब

४९. भिन्नता अध्ययन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब
- (B) केवल पृष्ठ गिनब
- (C) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (D) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन

५०. भिन्नता अध्ययन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन
- (B) केवल अक्षरक आकृति देखब
- (C) अंतरकें गलती मानि छोड़ि देब
- (D) केवल पृष्ठ गिनब

५१. स्रोत-समीक्षा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (B) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (C) केवल शीर्षक देखब
- (D) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच

५२. स्रोत-समीक्षा कें मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (B) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (D) केवल शीर्षक देखब

५३. स्रोत-समीक्षा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (B) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (D) केवल शीर्षक देखब

५४. स्रोत-समीक्षाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल शीर्षक देखब
- (B) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (D) अफवाहकें प्रमाण मानब

५५. स्रोत-समीक्षाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (B) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (C) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (D) केवल शीर्षक देखब

५६. स्रोत-समीक्षा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (B) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (C) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (D) केवल शीर्षक देखब

५७. स्रोत-समीक्षाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (B) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (D) केवल शीर्षक देखब

५८. स्रोत-समीक्षाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल शीर्षक देखब
- (B) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (D) अफवाहकें प्रमाण मानब

५९. स्रोत-समीक्षा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (B) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच
- (C) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (D) केवल शीर्षक देखब

६०. स्रोत-समीक्षा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल शीर्षक देखब
- (B) अफवाहकें प्रमाण मानब
- (C) बिना पढ़ने निष्कर्ष देब
- (D) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच

६१. अनुवादक भूमिका सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (B) साहित्यक विकास रोकयवला साधन
- (C) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (D) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया

६२. अनुवादक भूमिका केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (B) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (C) साहित्यक विकास रोकयवला साधन
- (D) काव्य सँ असम्बद्ध काम

६३. अनुवादक भूमिका पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (B) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (C) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (D) साहित्यक विकास रोकयवला साधन

६४. अनुवादक भूमिकाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (B) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (C) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (D) साहित्यक विकास रोकयवला साधन

६५. अनुवादक भूमिकाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (B) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (C) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (D) साहित्यिक विकास रोकयवला साधन

६६. अनुवादक भूमिका सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (B) साहित्यिक विकास रोकयवला साधन
- (C) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (D) काव्य सँ असम्बद्ध काम

६७. अनुवादक भूमिकाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (B) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (C) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (D) साहित्यिक विकास रोकयवला साधन

६८. अनुवादक भूमिकाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (B) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (C) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (D) साहित्यिक विकास रोकयवला साधन

६९. अनुवादक भूमिका पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (B) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु
- (C) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (D) साहित्यिक विकास रोकयवला साधन

७०. अनुवादक भूमिका विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) काव्य सँ असम्बद्ध काम
- (B) केवल शब्द मिटाबयवला प्रक्रिया
- (C) साहित्यिक विकास रोकयवला साधन
- (D) एक भाषाक कृति दोसर भाषिक पाठक धरि पहुँचाबयवला सेतु

७१. सांस्कृतिक सन्दर्भ सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल लेखकक घरक नाप
- (B) भाषा-साहित्यिक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान
- (C) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (D) केवल छपाईक रंग देखब

७२. सांस्कृतिक सन्दर्भ केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (B) केवल छपाईक रंग देखब
- (C) भाषा-साहित्यिक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान
- (D) केवल लेखकक घरक नाप

७३. सांस्कृतिक सन्दर्भ पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान
- (B) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (C) केवल छपाईक रंग देखब
- (D) केवल लेखकक घरक नाप

७४. सांस्कृतिक सन्दर्भक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (B) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान
- (C) केवल छपाईक रंग देखब
- (D) केवल लेखकक घरक नाप

७५. सांस्कृतिक सन्दर्भक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (B) केवल लेखकक घरक नाप
- (C) केवल छपाईक रंग देखब
- (D) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान

७६. सांस्कृतिक सन्दर्भ सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (B) केवल लेखकक घरक नाप
- (C) केवल छपाईक रंग देखब
- (D) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान

७७. सांस्कृतिक सन्दर्भक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान
- (B) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (C) केवल लेखकक घरक नाप
- (D) केवल छपाईक रंग देखब

७८. सांस्कृतिक सन्दर्भक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (B) केवल छपाईक रंग देखब
- (C) केवल लेखकक घरक नाप
- (D) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान

७९. सांस्कृतिक सन्दर्भ पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान
- (B) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब
- (C) केवल छपाईक रंग देखब
- (D) केवल लेखकक घरक नाप

८०. सांस्कृतिक सन्दर्भ विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भाषा-साहित्यक तुलना मे समाज, धर्म, लोकाचार आ इतिहासक ध्यान
- (B) केवल लेखकक घरक नाप
- (C) केवल छपाईक रंग देखब
- (D) साहित्य केँ समाजसँ काटि देब

८१. काल-सापेक्षता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब
- (B) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (C) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (D) काल भेदकेँ अनदेखा करब

८२. काल-सापेक्षता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (B) काल भेदकेँ अनदेखा करब
- (C) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (D) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब

८३. काल-सापेक्षता पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (B) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (C) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब
- (D) काल भेदकेँ अनदेखा करब

८४. काल-सापेक्षताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) काल भेदकेँ अनदेखा करब
- (B) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (C) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब
- (D) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब

८५. काल-सापेक्षताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब
- (B) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (C) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (D) काल भेदकेँ अनदेखा करब

८६. काल-सापेक्षता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) काल भेदकेँ अनदेखा करब
- (B) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (C) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब
- (D) केवल नाम-समानता पर निर्णय

८७. काल-सापेक्षताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (B) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब
- (C) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (D) काल भेदकेँ अनदेखा करब

८८. काल-सापेक्षताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (B) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (C) काल भेदकेँ अनदेखा करब
- (D) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब

८९. काल-सापेक्षता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (B) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब
- (C) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (D) काल भेदकेँ अनदेखा करब

९०. काल-सापेक्षता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) काल भेदकेँ अनदेखा करब
- (B) सभ कृतिकेँ एके घटना मानब
- (C) केवल नाम-समानता पर निर्णय
- (D) एके युग वा भिन्न युगक साहित्य तुलना करैत समय ऐतिहासिक संदर्भ राखब

९१. तुलनात्मक निष्कर्ष सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) विरोधी प्रमाण छिपा देब
- (B) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (C) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब
- (D) बिना तर्क निर्णय देब

९२. तुलनात्मक निष्कर्ष केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) बिना तर्क निर्णय देब
- (B) विरोधी प्रमाण छिपा देब
- (C) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब
- (D) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब

९३. तुलनात्मक निष्कर्ष पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (B) विरोधी प्रमाण छिपा देब
- (C) बिना तर्क निर्णय देब
- (D) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब

९४. तुलनात्मक निष्कर्षक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विरोधी प्रमाण छिपा देब
- (B) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (C) बिना तर्क निर्णय देब
- (D) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब

९५. तुलनात्मक निष्कर्षक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) बिना तर्क निर्णय देब
- (B) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (C) विरोधी प्रमाण छिपा देब
- (D) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब

९६. तुलनात्मक निष्कर्ष सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (B) बिना तर्क निर्णय देब
- (C) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब
- (D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

९७. तुलनात्मक निष्कर्षक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (B) बिना तर्क निर्णय देब
- (C) विरोधी प्रमाण छिपा देब
- (D) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब

९८. तुलनात्मक निष्कर्षक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (B) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब
- (C) विरोधी प्रमाण छिपा देब
- (D) बिना तर्क निर्णय देब

९९. तुलनात्मक निष्कर्ष पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब
- (B) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (C) बिना तर्क निर्णय देब
- (D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

१००. तुलनात्मक निष्कर्ष विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) बिना तर्क निर्णय देब
- (B) साम्य, भिन्नता, प्रभाव आ मौलिकता केँ संतुलित रूपेँ रखब
- (C) केवल एक भाषा केँ श्रेष्ठ साबित करब
- (D) विरोधी प्रमाण छिपा देब

2

१०१. संस्कृत आ मैथिली सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (D) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि

१०२. संस्कृत आ मैथिली केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (B) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (C) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि
- (D) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१०३. संस्कृत आ मैथिली पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (D) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१०४. संस्कृत आ मैथिलीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि

१०५. संस्कृत आ मैथिलीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि

१०६. संस्कृत आ मैथिली सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि

१०७. संस्कृत आ मैथिलीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि
- (D) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१०८. संस्कृत आ मैथिलीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (D) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१०९. संस्कृत आ मैथिली पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (B) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि
- (D) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव

११०. संस्कृत आ मैथिली विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मैथिलीक संस्कृतसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) मैथिली केवल विदेशी भाषा अछि
- (C) संस्कृतसँ मैथिलीमे शब्द, शास्त्रीय परम्परा आ काव्य-रूपक गहिर प्रभाव
- (D) संस्कृत केवल आधुनिक बोली अछि

१११. प्राकृत परम्परा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (C) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमँ लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (D) प्राकृत आधुनिक छापखाना अछि

११२. प्राकृत परम्परा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) प्राकृत आधुनिक छापखाना अछि
- (B) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (C) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमँ लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (D) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि

११३. प्राकृत परम्परा पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि
- (B) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (C) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार

११४. प्राकृत परम्पराक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (C) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (D) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि

११५. प्राकृत परम्पराक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (B) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि
- (C) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (D) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि

११६. प्राकृत परम्परा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (B) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (D) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि

११७. प्राकृत परम्पराक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (C) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि
- (D) प्राकृत केवल चित्रकला अछि

११८. प्राकृत परम्पराक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (B) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि
- (C) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (D) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि

११९. प्राकृत परम्परा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि
- (B) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार
- (D) प्राकृत केवल चित्रकला अछि

१२०. प्राकृत परम्परा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) प्राकृत केवल चित्रकला अछि
- (B) प्राकृत आधुनिक छापाखाना अछि
- (C) प्राकृतक भाषासँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) मध्य-भारतीय भाषिक चरणक माध्यमें लोकाभिव्यक्ति आ ध्वनि-परिवर्तनक आधार

१२१. अपभ्रंश-अवहट्ट सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल लिपिक नाम
- (B) केवल नाटकक पात्र
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण

१२२. अपभ्रंश-अवहट्ट केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) केवल नदीक नाम
- (B) केवल लिपिक नाम
- (C) केवल नाटकक पात्र
- (D) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण

१२३. अपभ्रंश-अवहट्ट पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) केवल लिपिक नाम
- (B) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल नाटकक पात्र

१२४. अपभ्रंश-अवहट्टक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल लिपिक नाम
- (B) केवल नाटकक पात्र
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण

१२५. अपभ्रंश-अवहट्टक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण
- (B) केवल नदीक नाम
- (C) केवल नाटकक पात्र
- (D) केवल लिपिक नाम

१२६. अपभ्रंश-अवहट्ट सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल नदीक नाम
- (B) केवल नाटकक पात्र
- (C) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण
- (D) केवल लिपिक नाम

१२७. अपभ्रंश-अवहट्टक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण
- (B) केवल नाटकक पात्र
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल लिपिक नाम

१२८. अपभ्रंश-अवहट्टक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण
- (B) केवल नदीक नाम
- (C) केवल लिपिक नाम
- (D) केवल नाटकक पात्र

१२९. अपभ्रंश-अवहट्ट पर तुलनात्मक दृष्टि अपनवैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल नाटकक पात्र
- (B) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) केवल लिपिक नाम

१३०. अपभ्रंश-अवहट्ट विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल नाटकक पात्र
- (B) केवल लिपिक नाम
- (C) केवल नदीक नाम
- (D) संस्कृत-प्राकृतसँ नव्य भाषासभ धरि पहुँचबाक संक्रमण-चरण

१३१. ज्योतिरीश्वरक गद्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण
- (B) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (C) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (D) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण

१३२. ज्योतिरीश्वरक गद्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (B) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (C) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (D) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण

१३३. ज्योतिरीश्वरक गद्य पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (B) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (C) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (D) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण

१३४. ज्योतिरीश्वरक गद्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण
- (B) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (C) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (D) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम

१३५. ज्योतिरीश्वरक गद्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (B) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (C) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण
- (D) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण

१३६. ज्योतिरीश्वरक गद्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (B) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (C) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण
- (D) केवल विदेशी उपन्यासक रूप

१३७. ज्योतिरीश्वरक गद्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (B) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण
- (C) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (D) केवल विदेशी उपन्यासक रूप

१३८. ज्योतिरीश्वरक गद्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (B) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण
- (C) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (D) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम

१३९. ज्योतिरीश्वरक गद्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (B) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (C) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (D) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण

१४०. ज्योतिरीश्वरक गद्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल द्रविड़ व्याकरणक नियम
- (B) केवल विदेशी उपन्यासक रूप
- (C) केवल आधुनिक नाटकक उदाहरण
- (D) प्राचीन मैथिली गद्यक परिपक्वता आ वर्णन-कौशलक प्रमाण

१४१. विद्यापति पदावली सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल खगोल-सूची
- (B) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण
- (C) केवल कानून-पत्र
- (D) केवल व्यापारिक तालिका

१४२. विद्यापति पदावली केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण
- (B) केवल खगोल-सूची
- (C) केवल व्यापारिक तालिका
- (D) केवल कानून-पत्र

१४३. विद्यापति पदावली पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) केवल कानून-पत्र
- (B) केवल व्यापारिक तालिका
- (C) केवल खगोल-सूची
- (D) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण

१४४. विद्यापति पदावलीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल खगोल-सूची
- (B) केवल व्यापारिक तालिका
- (C) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण
- (D) केवल कानून-पत्र

१४५. विद्यापति पदावलीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल खगोल-सूची
- (B) केवल कानून-पत्र
- (C) केवल व्यापारिक तालिका
- (D) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण

१४६. विद्यापति पदावली सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल कानून-पत्र
- (B) केवल व्यापारिक तालिका
- (C) केवल खगोल-सूची
- (D) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण

१४७. विद्यापति पदावलीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल खगोल-सूची
- (B) केवल कानून-पत्र
- (C) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण
- (D) केवल व्यापारिक तालिका

१४८. विद्यापति पदावलीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल कानून-पत्र
- (B) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण
- (C) केवल खगोल-सूची
- (D) केवल व्यापारिक तालिका

१४९. विद्यापति पदावली पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल कानून-पत्र
- (B) केवल व्यापारिक तालिका
- (C) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण
- (D) केवल खगोल-सूची

१५०. विद्यापति पदावली विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल खगोल-सूची
- (B) केवल कानून-पत्र
- (C) केवल व्यापारिक तालिका
- (D) मैथिली काव्यभाषाक माधुर्य, रागात्मकता आ लोक-स्वीकारक श्रेष्ठ उदाहरण

१५१. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वर सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (B) केवल दरबारक कर-सूची
- (C) केवल गणना-पद्धति
- (D) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय

१५२. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वर केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय
- (B) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (C) केवल दरबारक कर-सूची
- (D) केवल गणना-पद्धति

१५३. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वर पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (B) केवल गणना-पद्धति
- (C) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय
- (D) केवल दरबारक कर-सूची

१५४. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (B) केवल गणना-पद्धति
- (C) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय
- (D) केवल दरबारक कर-सूची

१५५. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वरक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल गणना-पद्धति
- (B) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय
- (C) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (D) केवल दरबारक कर-सूची

१५६. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वर सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (B) केवल दरबारक कर-सूची
- (C) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय
- (D) केवल गणना-पद्धति

१५७. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वरक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय
- (B) केवल दरबारक कर-सूची
- (C) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (D) केवल गणना-पद्धति

१५८. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वरक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल दरबारक कर-सूची
- (B) केवल गणना-पद्धति
- (C) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (D) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय

१५९. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वर पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल दरबारक कर-सूची
- (B) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध
- (C) केवल गणना-पद्धति
- (D) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय

१६०. शास्त्रीयता आ लोकधर्मी स्वर विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल दरबारक कर-सूची
- (B) संस्कृत पाण्डित्य आ लोकभाषाक संवेदना दुनूक समन्वय
- (C) केवल गणना-पद्धति
- (D) लोक भाषा आ शास्त्रक पूर्ण विरोध

१६१. छन्द परम्परा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (B) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (C) केवल गद्य-पत्राचार
- (D) केवल चित्र-वर्णन

१६२. छन्द परम्परा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (B) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (C) केवल गद्य-पत्राचार
- (D) केवल चित्र-वर्णन

१६३. छन्द परम्परा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (B) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (C) केवल गद्य-पत्राचार
- (D) केवल चित्र-वर्णन

१६४. छन्द परम्पराक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) केवल गद्य-पत्राचार
- (B) केवल चित्र-वर्णन
- (C) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (D) छन्दक कोनो भूमिका नहि

१६५. छन्द परम्पराक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल चित्र-वर्णन
- (B) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (C) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (D) केवल गद्य-पत्राचार

१६६. छन्द परम्परा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (B) केवल चित्र-वर्णन
- (C) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (D) केवल गद्य-पत्राचार

१६७. छन्द परम्पराक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल गद्य-पत्राचार
- (B) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (C) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (D) केवल चित्र-वर्णन

१६८. छन्द परम्पराक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल
- (B) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (C) केवल चित्र-वर्णन
- (D) केवल गद्य-पत्राचार

१६९. छन्द परम्परा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल चित्र-वर्णन
- (B) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (C) केवल गद्य-पत्राचार
- (D) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल

१७०. छन्द परम्परा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) छन्दक कोनो भूमिका नहि
- (B) केवल चित्र-वर्णन
- (C) केवल गद्य-पत्राचार
- (D) संस्कृत आ लोकछन्दक सह-अस्तित्वसँ मैथिली काव्य-विन्यास समृद्ध भेल

१७१. शब्द-संपदा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल एके प्रकारक शब्द
- (B) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (C) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि
- (D) शब्दक विकास असम्भव

१७२. शब्द-संपदा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि
- (B) शब्दक विकास असम्भव
- (C) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (D) केवल एके प्रकारक शब्द

१७३. शब्द-संपदा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (B) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि
- (C) केवल एके प्रकारक शब्द
- (D) शब्दक विकास असम्भव

१७४. शब्द-संपदाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (B) केवल एके प्रकारक शब्द
- (C) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि
- (D) शब्दक विकास असम्भव

१७५. शब्द-संपदाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल एके प्रकारक शब्द
- (B) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (C) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि
- (D) शब्दक विकास असम्भव

१७६. शब्द-संपदा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (B) शब्दक विकास असम्भव
- (C) केवल एके प्रकारक शब्द
- (D) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि

१७७. शब्द-संपदाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल एके प्रकारक शब्द
- (B) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (C) शब्दक विकास असम्भव
- (D) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि

१७८. शब्द-संपदाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) शब्दक विकास असम्भव
- (B) केवल एके प्रकारक शब्द
- (C) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (D) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि

१७९. शब्द-संपदा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) केवल एके प्रकारक शब्द
- (B) शब्दक विकास असम्भव
- (C) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि
- (D) भाषामे अर्थक भूमिका नहि

१८०. शब्द-संपदा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भाषामे अर्थक भूमिका नहि
- (B) तत्सम, तद्भव, देशज आ आगत शब्दक मिश्रण मैथिलीकेँ समृद्ध करैत अछि
- (C) शब्दक विकास असम्भव
- (D) केवल एके प्रकारक शब्द

१८१. पाण्डुलिपि परम्परा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) केवल आधुनिक छवि
- (C) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (D) केवल मौखिक खेल

१८२. पाण्डुलिपि परम्परा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (B) केवल आधुनिक छवि
- (C) केवल मौखिक खेल
- (D) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१८३. पाण्डुलिपि परम्परा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) केवल आधुनिक छवि
- (B) केवल मौखिक खेल
- (C) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (D) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१८४. पाण्डुलिपि परम्पराक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (B) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) केवल मौखिक खेल
- (D) केवल आधुनिक छवि

१८५. पाण्डुलिपि परम्पराक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) केवल मौखिक खेल
- (B) केवल आधुनिक छवि
- (C) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल

१८६. पाण्डुलिपि परम्परा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) केवल मौखिक खेल
- (C) केवल आधुनिक छवि
- (D) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल

१८७. पाण्डुलिपि परम्पराक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल आधुनिक छवि
- (B) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (D) केवल मौखिक खेल

१८८. पाण्डुलिपि परम्पराक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) केवल आधुनिक छवि
- (B) केवल मौखिक खेल
- (C) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (D) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि

१८९. पाण्डुलिपि परम्परा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (B) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) केवल आधुनिक छवि
- (D) केवल मौखिक खेल

१९०. पाण्डुलिपि परम्परा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) तिरहुता, देवनागरी आ अन्य लेखन-संदर्भसँ ग्रन्थ-संरक्षणक इतिहास जुड़ल
- (B) पाण्डुलिपिक साहित्यसँ कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) केवल आधुनिक छवि
- (D) केवल मौखिक खेल

१९१. मौलिकता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिली केवल नकल अछि
- (B) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (C) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (D) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि

१९२. मौलिकता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (B) मैथिली केवल नकल अछि
- (C) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि
- (D) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव

१९३. मौलिकता पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मैथिली केवल नकल अछि
- (B) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (C) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (D) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि

१९४. मौलिकताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (B) मैथिली केवल नकल अछि
- (C) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (D) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि

१९५. मौलिकताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली केवल नकल अछि
- (B) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (C) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (D) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि

१९६. मौलिकता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (B) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि
- (C) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (D) मैथिली केवल नकल अछि

१९७. मौलिकताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) मैथिली केवल नकल अछि
- (B) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि
- (C) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (D) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव

१९८. मौलिकताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (B) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (C) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि
- (D) मैथिली केवल नकल अछि

१९९. मौलिकता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि
- (B) मैथिली केवल नकल अछि
- (C) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (D) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि

२००. मौलिकता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) साहित्यिक विकास बिना समाज होइत अछि
- (B) प्रभाव हो तऽ मौलिकता असम्भव
- (C) पूर्व-परम्परासँ पोषण लैत मैथिली अपन स्वतंत्र साहित्यिक स्वर बनबैत अछि
- (D) मैथिली केवल नकल अछि

२०१. मैथिली आ हिन्दी सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (C) दुनू एकदम समान भाषा
- (D) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न

२०२. मैथिली आ हिन्दी केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) दुनू एकदम समान भाषा
- (B) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न
- (C) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि

२०३. मैथिली आ हिन्दी पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) दुनू एकदम समान भाषा
- (B) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (D) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न

२०४. मैथिली आ हिन्दीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) दुनू एकदम समान भाषा
- (C) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न
- (D) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि

२०५. मैथिली आ हिन्दीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (C) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न
- (D) दुनू एकदम समान भाषा

२०६. मैथिली आ हिन्दी सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (B) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न
- (C) दुनू एकदम समान भाषा
- (D) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि

२०७. मैथिली आ हिन्दीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) दुनू एकदम समान भाषा
- (B) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (C) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न
- (D) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि

२०८. मैथिली आ हिन्दीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (B) दुनू एकदम समान भाषा
- (C) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (D) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न

२०९. मैथिली आ हिन्दी पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (B) दुनू एकदम समान भाषा
- (C) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (D) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न

२१०. मैथिली आ हिन्दी विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) हिन्दी द्रविड़ भाषा अछि
- (B) दुनूक कोनो सम्बन्ध नहि
- (C) दुनू एकदम समान भाषा
- (D) दुनू हिन्द-आर्य परिवारक भाषा होइतो क्षेत्र, ध्वनि, शब्द आ साहित्यिक इतिहासमे भिन्न

२११. मैथिली आ भोजपुरी सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र
- (B) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (C) दुनूमे लोकगीत नहि
- (D) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा

२१२. मैथिली आ भोजपुरी केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (B) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा
- (C) दुनूमे लोकगीत नहि
- (D) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र

२१३. मैथिली आ भोजपुरी पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा
- (B) दुनूमे लोकगीत नहि
- (C) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र
- (D) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य

२१४. मैथिली आ भोजपुरीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र
- (B) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (C) दुनूमे लोकगीत नहि
- (D) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा

२१५. मैथिली आ भोजपुरीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (B) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा
- (C) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र
- (D) दुनूमे लोकगीत नहि

२१६. मैथिली आ भोजपुरी सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) दुनूमे लोकगीत नहि
- (B) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा
- (C) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (D) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र

२१७. मैथिली आ भोजपुरीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (B) दुनूमे लोकगीत नहि
- (C) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र
- (D) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा

२१८. मैथिली आ भोजपुरीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) दुनूमे लोकगीत नहि
- (B) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा
- (C) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (D) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र

२१९. मैथिली आ भोजपुरी पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (B) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र
- (C) दुनूमे लोकगीत नहि
- (D) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा

२२०. मैथिली आ भोजपुरी विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मैथिली भोजपुरीक लिपि मात्र
- (B) सीमावर्ती क्षेत्रक कारण लोकगीत, प्रवास-वेदना आ बोलचालमे किछु साम्य
- (C) भोजपुरी पूर्णतः असंबद्ध विदेशी भाषा
- (D) दुनूमे लोकगीत नहि

२२१. मैथिली आ मगही सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (B) मगही केवल संगीत-वाद्य
- (C) मगही द्रविड़ भाषा अछि
- (D) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य

२२२. मैथिली आ मगही केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मगही द्रविड़ भाषा अछि
- (B) मगही केवल संगीत-वाद्य
- (C) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (D) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि

२२३. मैथिली आ मगही पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (B) मगही केवल संगीत-वाद्य
- (C) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (D) मगही द्रविड़ भाषा अछि

२२४. मैथिली आ मगहीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (B) मगही द्रविड़ भाषा अछि
- (C) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (D) मगही केवल संगीत-वाद्य

२२५. मैथिली आ मगहीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (B) मगही केवल संगीत-वाद्य
- (C) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (D) मगही द्रविड़ भाषा अछि

२२६. मैथिली आ मगही सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (B) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (C) मगही द्रविड़ भाषा अछि
- (D) मगही केवल संगीत-वाद्य

२२७. मैथिली आ मगहीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (B) मगही केवल संगीत-वाद्य
- (C) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (D) मगही द्रविड़ भाषा अछि

२२८. मैथिली आ मगहीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (B) मगही द्रविड़ भाषा अछि
- (C) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (D) मगही केवल संगीत-वाद्य

२२९. मैथिली आ मगही पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (B) मगही द्रविड़ भाषा अछि
- (C) मगही केवल संगीत-वाद्य
- (D) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि

२३०. मैथिली आ मगही विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) पूर्वी हिन्द-आर्य परम्पराक निकटता आ क्षेत्रीय संपर्कक कारण तुलनायोग्य
- (B) मगही केवल संगीत-वाद्य
- (C) मैथिली-मगहीमे भाषा-संपर्क नहि
- (D) मगही द्रविड़ भाषा अछि

२३१. मैथिली आ अंगिका सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) अंगिका केवल चित्रकला
- (B) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (C) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (D) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र

२३२. मैथिली आ अंगिका केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र
- (B) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (C) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (D) अंगिका केवल चित्रकला

२३३. मैथिली आ अंगिका पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र
- (B) अंगिका केवल चित्रकला
- (C) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (D) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद

२३४. मैथिली आ अंगिकाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (B) अंगिका केवल चित्रकला
- (C) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र
- (D) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद

२३५. मैथिली आ अंगिकाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (B) अंगिका केवल चित्रकला
- (C) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (D) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र

२३६. मैथिली आ अंगिका सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र
- (B) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (C) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (D) अंगिका केवल चित्रकला

२३७. मैथिली आ अंगिकाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (B) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (C) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र
- (D) अंगिका केवल चित्रकला

२३८. मैथिली आ अंगिकाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (B) अंगिका केवल चित्रकला
- (C) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (D) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र

२३९. मैथिली आ अंगिका पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र
- (B) अंगिका केवल चित्रकला
- (C) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (D) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव

२४०. मैथिली आ अंगिका विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) अंगिका केवल आधुनिक यंत्र
- (B) अंग क्षेत्रक भाषा-संस्कृति आ मैथिलीक सीमावर्ती संवाद
- (C) मैथिली आ अंगिकामे शब्द-संपर्क असम्भव
- (D) अंगिका केवल चित्रकला

२४१. अवधी-ब्रज आ मैथिली सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) दुनू केवल गणितक भाषा
- (B) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (C) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि
- (D) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि

२४२. अवधी-ब्रज आ मैथिली केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि
- (B) दुनू केवल गणितक भाषा
- (C) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि

२४३. अवधी-ब्रज आ मैथिली पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि
- (B) दुनू केवल गणितक भाषा
- (C) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि

२४४. अवधी-ब्रज आ मैथिलीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (B) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि
- (C) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि
- (D) दुनू केवल गणितक भाषा

२४५. अवधी-ब्रज आ मैथिलीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि
- (B) दुनू केवल गणितक भाषा
- (C) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि
- (D) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल

२४६. अवधी-ब्रज आ मैथिली सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि
- (B) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (C) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि
- (D) दुनू केवल गणितक भाषा

२४७. अवधी-ब्रज आ मैथिलीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) दुनू केवल गणितक भाषा
- (B) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि
- (C) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि

२४८. अवधी-ब्रज आ मैथिलीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (B) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि
- (C) दुनू केवल गणितक भाषा
- (D) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि

२४९. अवधी-ब्रज आ मैथिली पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि
- (B) दुनू केवल गणितक भाषा
- (C) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि

२५०. अवधी-ब्रज आ मैथिली विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भक्ति-साहित्य, राम-कृष्ण विषय आ पद-परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (B) अवधी-ब्रजमे भक्ति साहित्य नहि
- (C) दुनू केवल गणितक भाषा
- (D) मैथिलीक पदावली परम्परा नहि

२५१. मानक भाषा आ बोली सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (B) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि
- (C) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि
- (D) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि

२५२. मानक भाषा आ बोली केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (B) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (C) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि
- (D) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि

२५३. मानक भाषा आ बोली पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि
- (B) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि
- (C) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (D) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि

२५४. मानक भाषा आ बोलीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि
- (B) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (C) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि
- (D) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि

२५५. मानक भाषा आ बोलीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (B) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि
- (C) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (D) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि

२५६. मानक भाषा आ बोली सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (B) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (C) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि
- (D) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि

२५७. मानक भाषा आ बोलीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (B) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (C) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि
- (D) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि

२५८. मानक भाषा आ बोलीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (B) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि
- (C) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (D) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि

२५९. मानक भाषा आ बोली पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि
- (B) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (C) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि
- (D) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि

२६०. मानक भाषा आ बोली विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) बोलीक साहित्यिक मूल्य नहि
- (B) बोली हमेशा त्रुटि होइत अछि
- (C) मानक भाषा बिना समाज बनैत अछि
- (D) मानकीकरण, शिक्षा, छपाई आ साहित्यिक प्रतिष्ठासँ भिन्न स्तर बनैत अछि

२६१. लोकगीत तुलना सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम
- (D) लोकगीत केवल राजकीय आदेश

२६२. लोकगीत तुलना केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (B) लोकगीत केवल राजकीय आदेश
- (C) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम
- (D) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि

२६३. लोकगीत तुलना पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (C) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम
- (D) लोकगीत केवल राजकीय आदेश

२६४. लोकगीत तुलनाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकगीत केवल राजकीय आदेश
- (C) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (D) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम

२६५. लोकगीत तुलनाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकगीत केवल राजकीय आदेश
- (C) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (D) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम

२६६. लोकगीत तुलना सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लोकगीत केवल राजकीय आदेश
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (D) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम

२६७. लोकगीत तुलनाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (D) लोकगीत केवल राजकीय आदेश

२६८. लोकगीत तुलनाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकगीत केवल राजकीय आदेश
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (D) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम

२६९. लोकगीत तुलना पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकगीत केवल राजकीय आदेश
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (D) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम

२७०. लोकगीत तुलना विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लोकगीत केवल पुस्तकालय नियम
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विवाह, सोहर, कृषिगीत, प्रवासगीत सभ निकट भाषासभमे तुलनात्मक सामग्री दैत अछि
- (D) लोकगीत केवल राजकीय आदेश

२७१. गद्य-विकास सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (B) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (C) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (D) छपाईसँ भाषा पर असर नहि

२७२. गद्य-विकास केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (B) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (C) छपाईसँ भाषा पर असर नहि
- (D) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल

२७३. गद्य-विकास पर परीक्षा-उत्तर लिखित समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (B) छपाईसँ भाषा पर असर नहि
- (C) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (D) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल

२७४. गद्य-विकासक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (B) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (C) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (D) छपाईसँ भाषा पर असर नहि

२७५. गद्य-विकासक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (B) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (C) छपाईसँ भाषा पर असर नहि
- (D) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि

२७६. गद्य-विकास सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (B) छपाईसँ भाषा पर असर नहि
- (C) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (D) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल

२७७. गद्य-विकासक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (B) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (C) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (D) छपाईसँ भाषा पर असर नहि

२७८. गद्य-विकासक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) छपाईसँ भाषा पर असर नहि
- (B) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (C) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (D) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि

२७९. गद्य-विकास पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (B) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (C) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (D) छपाईसँ भाषा पर असर नहि

२८०. गद्य-विकास विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) गद्य केवल प्राचीन शिलालेख रहि गेल
- (B) पत्र-पत्रिकाक भूमिका नहि
- (C) आधुनिक शिक्षा, पत्रकारिता आ छपाईसँ मैथिली-हिन्दी सहित भाषासभमे गद्य-विस्तार भेल
- (D) छपाईसँ भाषा पर असर नहि

२८१. नाट्य परम्परा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव
- (B) नाटक केवल गीतक नाम
- (C) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि

२८२. नाट्य परम्परा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव
- (C) नाटक केवल गीतक नाम
- (D) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि

२८३. नाट्य परम्परा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) नाटक केवल गीतक नाम
- (C) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि
- (D) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव

२८४. नाट्य परम्पराक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) नाटक केवल गीतक नाम
- (B) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि
- (C) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव

२८५. नाट्य परम्पराक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि
- (B) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव
- (C) नाटक केवल गीतक नाम
- (D) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

२८६. नाट्य परम्परा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) नाटक केवल गीतक नाम
- (B) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि
- (C) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव
- (D) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

२८७. नाट्य परम्पराक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) नाटक केवल गीतक नाम
- (B) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि
- (D) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव

२८८. नाट्य परम्पराक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव
- (B) नाटक केवल गीतक नाम
- (C) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि

२८९. नाट्य परम्परा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि
- (B) नाटक केवल गीतक नाम
- (C) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव
- (D) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

२९०. नाट्य परम्परा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) नाटक केवल गीतक नाम
- (B) लोकनाट्य, भक्ति-नाटक आ आधुनिक रंगमंचक धरातल पर तुलना सम्भव
- (C) मंचीयता तुलनामे उपयोगी नहि
- (D) लोकनाट्यक भाषा-साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

२९१. भाषिक पहिचान सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार
- (B) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब
- (C) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (D) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत

२९२. भाषिक पहिचान केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (B) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (C) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब
- (D) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार

२९३. भाषिक पहिचान पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब
- (B) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (C) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार
- (D) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत

२९४. भाषिक पहिचानक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (B) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब
- (C) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (D) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार

२९५. भाषिक पहिचानक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (B) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (C) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार
- (D) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब

२९६. भाषिक पहिचान सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (B) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (C) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब
- (D) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार

२९७. भाषिक पहिचानक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार
- (B) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (C) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (D) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब

२९८. भाषिक पहिचानक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार
- (B) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत
- (C) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (D) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब

२९९. भाषिक पहिचान पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार
- (B) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (C) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब
- (D) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत

३००. भाषिक पहिचान विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) निकट भाषासँ सम्बन्ध मानि मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक अस्मिता स्वीकारब
- (B) भिन्नता मानब तऽ सम्बन्ध टूटि जाएत
- (C) भाषिक पहिचानक अध्ययन बेकार
- (D) निकटता मानब तऽ स्वतंत्रता मिटि जाएत

4

३०१. मैथिली आ बांग्ला सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (B) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (C) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि
- (D) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत

३०२. मैथिली आ बांग्ला केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (B) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि
- (C) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (D) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि

३०३. मैथिली आ बांग्ला पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (B) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (C) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (D) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि

३०४. मैथिली आ बांग्लाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (B) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (C) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि
- (D) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद

३०५. मैथिली आ बांग्लाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (B) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (C) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (D) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि

३०६. मैथिली आ बांग्ला सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (B) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (C) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (D) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि

३०७. मैथिली आ बांग्लाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (B) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (C) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (D) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि

३०८. मैथिली आ बांग्लाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (B) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (C) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि
- (D) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत

३०९. मैथिली आ बांग्ला पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (B) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि
- (C) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (D) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद

३१०. मैथिली आ बांग्ला विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) बांग्ला केवल प्रशासनिक संकेत
- (B) मैथिली-बांग्लामे कोनो साहित्यिक साम्य नहि
- (C) पूर्वी भारतीय भाषिक-सांस्कृतिक क्षेत्रमे भक्ति, पदावली आ लोकधुनक संवाद
- (D) बांग्ला द्रविड़ परिवारक भाषा अछि

३११. मैथिली आ असमिया सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (B) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव
- (C) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (D) असमिया केवल गणना भाषा

३१२. मैथिली आ असमिया केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (B) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (C) असमिया केवल गणना भाषा
- (D) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव

३१३. मैथिली आ असमिया पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (B) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (C) असमिया केवल गणना भाषा
- (D) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव

३१४. मैथिली आ असमियाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) असमिया केवल गणना भाषा
- (B) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (C) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव
- (D) असमियामे नाट्य परम्परा नहि

३१५. मैथिली आ असमियाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) असमिया केवल गणना भाषा
- (B) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (C) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (D) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव

३१६. मैथिली आ असमिया सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (B) असमिया केवल गणना भाषा
- (C) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (D) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव

३१७. मैथिली आ असमियाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (B) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (C) असमिया केवल गणना भाषा
- (D) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव

३१८. मैथिली आ असमियाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव
- (B) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (C) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (D) असमिया केवल गणना भाषा

३१९. मैथिली आ असमिया पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) असमिया केवल गणना भाषा
- (B) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव
- (C) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (D) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध

३२०. मैथिली आ असमिया विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मैथिली-असमिया तुलना असम्भव
- (B) असमियामे नाट्य परम्परा नहि
- (C) पूर्वोत्तरक वैष्णव, नाट्य आ गीत-धारासँ तुलनात्मक सम्बन्ध
- (D) असमिया केवल गणना भाषा

३२१. मैथिली आ ओड़िया सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (B) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि
- (C) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (D) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल

३२२. मैथिली आ ओड़िया केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (B) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (C) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि
- (D) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल

३२३. मैथिली आ ओड़िया पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (B) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (C) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि
- (D) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल

३२४. मैथिली आ ओड़ियाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (B) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (C) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि
- (D) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल

३२५. मैथिली आ ओड़ियाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल
- (B) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (C) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि
- (D) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली

३२६. मैथिली आ ओड़िया सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल
- (B) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि
- (C) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (D) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि

३२७. मैथिली आ ओड़ियाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (B) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल
- (C) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (D) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि

३२८. मैथिली आ ओड़ियाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि
- (B) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल
- (C) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (D) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि

३२९. मैथिली आ ओड़िया पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (B) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल
- (C) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (D) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि

३३०. मैथिली आ ओड़िया विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) पूर्वी क्षेत्रक भक्तिकाव्य, लोकधर्म आ काव्य-भाषाक तुलनात्मक धरातल
- (B) ओड़िया केवल पश्चिमी बोली
- (C) मैथिलीक पूर्वी भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (D) ओड़ियामे लोकसाहित्य नहि

३३१. पदावली परम्परा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल
- (B) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि
- (C) पदावली केवल कानून-पत्र
- (D) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि

३३२. पदावली परम्परा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (B) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल
- (C) पदावली केवल कानून-पत्र
- (D) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि

३३३. पदावली परम्परा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पदावली केवल कानून-पत्र
- (B) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल
- (C) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (D) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि

३३४. पदावली परम्पराक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि
- (B) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (C) पदावली केवल कानून-पत्र
- (D) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल

३३५. पदावली परम्पराक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (B) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि
- (C) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल
- (D) पदावली केवल कानून-पत्र

३३६. पदावली परम्परा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (B) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल
- (C) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि
- (D) पदावली केवल कानून-पत्र

३३७. पदावली परम्पराक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पदावली केवल कानून-पत्र
- (B) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (C) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि
- (D) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल

३३८. पदावली परम्पराक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) पदावली केवल कानून-पत्र
- (B) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (C) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि
- (D) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल

३३९. पदावली परम्परा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि
- (B) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (C) पदावली केवल कानून-पत्र
- (D) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल

३४०. पदावली परम्परा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) पदावली केवल कानून-पत्र
- (B) राधा-कृष्ण प्रेम, भक्ति आ गीत-लालित्यक पूर्वी भारतीय साझा धरातल
- (C) गीत परम्पराक भाषासँ सम्बन्ध नहि
- (D) भक्ति साहित्यमे संगीत नहि

३४१. लिपि-विकास सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लिपि केवल रंगक नाम
- (B) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल
- (C) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (D) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना

३४२. लिपि-विकास केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (B) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल
- (C) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (D) लिपि केवल रंगक नाम

३४३. लिपि-विकास पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लिपि केवल रंगक नाम
- (B) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (C) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (D) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल

३४४. लिपि-विकासक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (B) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (C) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल
- (D) लिपि केवल रंगक नाम

३४५. लिपि-विकासक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लिपि केवल रंगक नाम
- (B) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (C) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (D) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल

३४६. लिपि-विकास सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (B) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल
- (C) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (D) लिपि केवल रंगक नाम

३४७. लिपि-विकासक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (B) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (C) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल
- (D) लिपि केवल रंगक नाम

३४८. लिपि-विकासक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (B) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (C) लिपि केवल रंगक नाम
- (D) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल

३४९. लिपि-विकास पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल
- (B) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना
- (C) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (D) लिपि केवल रंगक नाम

३५०. लिपि-विकास विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लिपि केवल रंगक नाम
- (B) लिपिक साहित्य-संरक्षणमे भूमिका नहि
- (C) सभ भाषा एके लिपिमे सदा लिखल गेल
- (D) पूर्वी लिपि-परम्परासभमे आकार, लेखन-रीति आ पाण्डुलिपि-संरक्षणक तुलना

३५१. ध्वनि-साम्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि
- (B) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि
- (C) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (D) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना

३५२. ध्वनि-साम्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि
- (B) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि
- (C) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (D) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना

३५३. ध्वनि-साम्य पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (B) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना
- (C) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि
- (D) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि

३५४. ध्वनि-साम्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (B) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि
- (C) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि
- (D) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना

३५५. ध्वनि-साम्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (B) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि
- (C) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि
- (D) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना

३५६. ध्वनि-साम्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (B) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि
- (C) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना
- (D) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि

३५७. ध्वनि-साम्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना
- (B) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि
- (C) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (D) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि

३५८. ध्वनि-साम्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (B) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना
- (C) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि
- (D) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि

३५९. ध्वनि-साम्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना
- (B) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (C) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि
- (D) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि

३६०. ध्वनि-साम्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) ध्वनि केवल संगीत-वाद्य
- (B) पूर्वी भाषासभमे उच्चारण-प्रवृत्ति, स्वर-विकास आ ध्वनि-परिवर्तनक तुलना
- (C) ध्वनि-विज्ञानक भाषा अध्ययनमे भूमिका नहि
- (D) उच्चारण सदा अपरिवर्तित रहैत अछि

३६१. काव्य-संवेदना सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) काव्य-संवेदना केवल व्यापार
- (B) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (C) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (D) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप

३६२. काव्य-संवेदना केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (B) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप
- (C) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (D) काव्य-संवेदना केवल व्यापार

३६३. काव्य-संवेदना पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (B) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (C) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप
- (D) काव्य-संवेदना केवल व्यापार

३६४. काव्य-संवेदनाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (B) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (C) काव्य-संवेदना केवल व्यापार
- (D) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप

३६५. काव्य-संवेदनाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (B) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (C) काव्य-संवेदना केवल व्यापार
- (D) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप

३६६. काव्य-संवेदना सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) काव्य-संवेदना केवल व्यापार
- (B) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप
- (C) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (D) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि

३६७. काव्य-संवेदनाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (B) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (C) काव्य-संवेदना केवल व्यापार
- (D) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप

३६८. काव्य-संवेदनाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (B) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप
- (C) काव्य-संवेदना केवल व्यापार
- (D) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि

३६९. काव्य-संवेदना पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (B) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (C) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप
- (D) काव्य-संवेदना केवल व्यापार

३७०. काव्य-संवेदना विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भाषासभमे प्रकृति-वर्णन नहि
- (B) लोकजीवन साहित्यक बाहर अछि
- (C) काव्य-संवेदना केवल व्यापार
- (D) प्रकृति, ऋतु, प्रेम, भक्ति आ लोकजीवनक पूर्वी भारतीय रूप

३७१. गद्य आ पत्रकारिता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि
- (B) पत्र-पत्रिका केवल खेल
- (C) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (D) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि

३७२. गद्य आ पत्रकारिता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (B) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि
- (C) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (D) पत्र-पत्रिका केवल खेल

३७३. गद्य आ पत्रकारिता पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (B) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (C) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि
- (D) पत्र-पत्रिका केवल खेल

३७४. गद्य आ पत्रकारिताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (B) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (C) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि
- (D) पत्र-पत्रिका केवल खेल

३७५. गद्य आ पत्रकारिताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (B) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (C) पत्र-पत्रिका केवल खेल
- (D) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि

३७६. गद्य आ पत्रकारिता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (B) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि
- (C) पत्र-पत्रिका केवल खेल
- (D) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल

३७७. गद्य आ पत्रकारिताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (B) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि
- (C) पत्र-पत्रिका केवल खेल
- (D) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल

३७८. गद्य आ पत्रकारिताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) पत्र-पत्रिका केवल खेल
- (B) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (C) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (D) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि

३७९. गद्य आ पत्रकारिता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (B) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (C) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि
- (D) पत्र-पत्रिका केवल खेल

३८०. गद्य आ पत्रकारिता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) पत्र-पत्रिका केवल खेल
- (B) आधुनिक छपाई आ पत्र-पत्रिकाक माध्यमँ भाषा-चेतना विकसित भेल
- (C) गद्य विकासमे छपाईक भूमिका नहि
- (D) पत्रकारिता भाषाक शत्रु अछि

३८१. अनुवाद-संवाद सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (B) अनुवाद केवल गणित
- (C) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि
- (D) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि

३८२. अनुवाद-संवाद केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (B) अनुवाद केवल गणित
- (C) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि
- (D) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि

३८३. अनुवाद-संवाद पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (B) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि
- (C) अनुवाद केवल गणित
- (D) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि

३८४. अनुवाद-संवादक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि
- (B) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि
- (C) अनुवाद केवल गणित
- (D) अनुवादक कोई भूमिका नहि

३८५. अनुवाद-संवादक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (B) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि
- (C) अनुवाद केवल गणित
- (D) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि

३८६. अनुवाद-संवाद सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि
- (B) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (C) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि
- (D) अनुवाद केवल गणित

३८७. अनुवाद-संवादक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (B) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि
- (C) अनुवाद केवल गणित
- (D) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि

३८८. अनुवाद-संवादक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) अनुवाद केवल गणित
- (B) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि
- (C) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि
- (D) अनुवादक कोई भूमिका नहि

३८९. अनुवाद-संवाद पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि
- (B) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि
- (C) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (D) अनुवाद केवल गणित

३९०. अनुवाद-संवाद विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) अनुवाद केवल गणित
- (B) अनुवादक कोई भूमिका नहि
- (C) अनुवाद साहित्यिक संवाद रोकेत अछि
- (D) पूर्वी भाषासभक कृतिसभक अनुवादसँ साहित्यिक परिचय आ प्रभाव बढ़ैत अछि

३९१. स्वतंत्र अस्मिता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भाषिक पहिचान असंगत
- (B) मैथिली केवल बांग्लाक छाया
- (C) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (D) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि

३९२. स्वतंत्र अस्मिता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भाषिक पहिचान असंगत
- (B) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि
- (C) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (D) मैथिली केवल बांग्लाक छाया

३९३. स्वतंत्र अस्मिता पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भाषिक पहिचान असंगत
- (B) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि
- (C) मैथिली केवल बांग्लाक छाया
- (D) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान

३९४. स्वतंत्र अस्मिताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (B) भाषिक पहिचान असंगत
- (C) मैथिली केवल बांग्लाक छाया
- (D) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि

३९५. स्वतंत्र अस्मिताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली केवल बांग्लाक छाया
- (B) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (C) भाषिक पहिचान असंगत
- (D) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि

३९६. स्वतंत्र अस्मिता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भाषिक पहिचान असंगत
- (B) मैथिली केवल बांग्लाक छाया
- (C) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (D) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि

३९७. स्वतंत्र अस्मिताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (B) मैथिली केवल बांग्लाक छाया
- (C) भाषिक पहिचान असंगत
- (D) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि

३९८. स्वतंत्र अस्मिताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भाषिक पहिचान असंगत
- (B) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (C) मैथिली केवल बांग्लाक छाया
- (D) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि

३९९. स्वतंत्र अस्मिता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भाषिक पहिचान असंगत
- (B) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (C) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि
- (D) मैथिली केवल बांग्लाक छाया

४००. स्वतंत्र अस्मिता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) साम्य रहला पर स्वतंत्र अस्मिता नहि
- (B) भाषिक पहिचान असंगत
- (C) पूर्वी साम्य होइतो मैथिलीक अपन व्याकरण, साहित्य आ सांस्कृतिक पहचान
- (D) मैथिली केवल बांग्लाक छाया

४०१. मैथिली आ नेपाली सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा
- (B) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (C) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (D) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व

४०२. मैथिली आ नेपाली केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (B) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा
- (C) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (D) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व

४०३. मैथिली आ नेपाली पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा
- (B) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व
- (C) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (D) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि

४०४. मैथिली आ नेपालीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (B) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (C) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व
- (D) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा

४०५. मैथिली आ नेपालीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा
- (B) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (C) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (D) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व

४०६. मैथिली आ नेपाली सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा
- (B) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (C) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (D) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व

४०७. मैथिली आ नेपालीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा
- (B) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (C) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (D) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व

४०८. मैथिली आ नेपालीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व
- (B) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (C) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (D) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा

४०९. मैथिली आ नेपाली पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (B) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (C) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व
- (D) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा

४१०. मैथिली आ नेपाली विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) सीमावर्ती समाजक भूमिका नहि
- (B) नेपालीसँ मैथिलीक कोनो सम्पर्क नहि
- (C) सीमावर्ती सम्पर्क, तराई संस्कृति आ साहित्यिक आदान-प्रदानक महत्त्व
- (D) नेपाली केवल दक्षिण भारतीय भाषा

४११. नेपालमे मैथिली नाटक सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (B) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार
- (C) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र
- (D) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध

४१२. नेपालमे मैथिली नाटक केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार
- (B) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (C) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध
- (D) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र

४१३. नेपालमे मैथिली नाटक पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार
- (B) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (C) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध
- (D) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र

४१४. नेपालमे मैथिली नाटकक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार
- (B) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र
- (C) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (D) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध

४१५. नेपालमे मैथिली नाटकक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (B) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र
- (C) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध
- (D) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार

४१६. नेपालमे मैथिली नाटक सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार
- (B) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध
- (C) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र
- (D) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि

४१७. नेपालमे मैथिली नाटकक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र
- (B) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (C) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध
- (D) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार

४१८. नेपालमे मैथिली नाटकक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (B) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार
- (C) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र
- (D) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध

४१९. नेपालमे मैथिली नाटक पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (B) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र
- (C) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध
- (D) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार

४२०. नेपालमे मैथिली नाटक विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मल्ल-कालीन दरबारी आ नाट्य परम्परासँ मैथिली साहित्यक विशेष प्रसार
- (B) दरबारी परम्परा साहित्यसँ असंबद्ध
- (C) नेपालमे मैथिली साहित्यक कोनो निशान नहि
- (D) नाटक केवल आधुनिक चलचित्र

४२१. मैथिली आ कश्मीरी सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (B) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (C) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (D) कश्मीरी भारतक भाषा नहि

४२२. मैथिली आ कश्मीरी केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (B) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (C) कश्मीरी भारतक भाषा नहि
- (D) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव

४२३. मैथिली आ कश्मीरी पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (B) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (C) कश्मीरी भारतक भाषा नहि
- (D) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव

४२४. मैथिली आ कश्मीरीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कश्मीरी भारतक भाषा नहि
- (B) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (C) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (D) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव

४२५. मैथिली आ कश्मीरीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (B) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (C) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (D) कश्मीरी भारतक भाषा नहि

४२६. मैथिली आ कश्मीरी सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (B) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (C) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (D) कश्मीरी भारतक भाषा नहि

४२७. मैथिली आ कश्मीरीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (B) कश्मीरी भारतक भाषा नहि
- (C) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (D) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव

४२८. मैथिली आ कश्मीरीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (B) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (C) कश्मीरी भारतक भाषा नहि
- (D) भिन्नता रहने तुलना असम्भव

४२९. मैथिली आ कश्मीरी पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि
- (B) कश्मीरी भारतक भाषा नहि
- (C) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (D) भिन्नता रहने तुलना असम्भव

४३०. मैथिली आ कश्मीरी विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) कश्मीरी भारतक भाषा नहि
- (B) भिन्नता रहने तुलना असम्भव
- (C) भिन्न भाषिक क्षेत्र होइतो भक्ति, लोकगीत आ सांस्कृतिक स्मृतिक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (D) लोकगीत केवल मिथिलामे होइत अछि

४३१. मैथिली आ सिन्धी सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग
- (B) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (C) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (D) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि

४३२. मैथिली आ सिन्धी केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि
- (B) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग
- (C) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (D) प्रवास साहित्यक विषय नहि

४३३. मैथिली आ सिन्धी पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि
- (B) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (C) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (D) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग

४३४. मैथिली आ सिन्धीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि
- (B) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (C) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग
- (D) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव

४३५. मैथिली आ सिन्धीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (B) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (C) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि
- (D) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग

४३६. मैथिली आ सिन्धी सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि
- (B) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (C) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (D) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग

४३७. मैथिली आ सिन्धीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (B) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (C) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग
- (D) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि

४३८. मैथिली आ सिन्धीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि
- (B) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (C) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (D) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग

४३९. मैथिली आ सिन्धी पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव
- (B) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (C) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग
- (D) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि

४४०. मैथिली आ सिन्धी विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) सूफी-भक्ति भारतीय साहित्यसँ अलग
- (B) सिन्धीमे लोकसाहित्य नहि
- (C) प्रवास साहित्यक विषय नहि
- (D) व्यापार, लोकगाथा, सूफी-भक्ति आ प्रवास-विषयक तुलना सम्भव

४४१. मैथिली आ पंजाबी सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (B) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव
- (C) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि

४४२. मैथिली आ पंजाबी केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि
- (B) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव
- (C) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक

४४३. मैथिली आ पंजाबी पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव
- (B) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (C) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (D) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि

४४४. मैथिली आ पंजाबीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि
- (B) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव
- (C) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक

४४५. मैथिली आ पंजाबीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (B) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव
- (C) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (D) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि

४४६. मैथिली आ पंजाबी सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (B) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (C) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव
- (D) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि

४४७. मैथिली आ पंजाबीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि
- (B) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (C) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (D) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव

४४८. मैथिली आ पंजाबीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि
- (B) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (C) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (D) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव

४४९. मैथिली आ पंजाबी पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (B) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि
- (C) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव
- (D) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल

४५०. मैथिली आ पंजाबी विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मैथिली-पंजाबी तुलना केवल लिपि तक
- (B) लोकगाथा, वीरता, कृषक-जीवन आ गीत परम्पराक तुलनात्मक धरातल
- (C) कृषक जीवन साहित्यक विषय नहि
- (D) पंजाबीमे लोकगीतक अभाव

४५१. लिपि-बहुलता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (B) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (C) लिपि केवल सजावट
- (D) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

४५२. लिपि-बहुलता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लिपि केवल सजावट
- (B) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (C) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लिपि सभठाम एके होइत अछि

४५३. लिपि-बहुलता पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (B) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (D) लिपि केवल सजावट

४५४. लिपि-बहुलताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (B) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (D) लिपि केवल सजावट

४५५. लिपि-बहुलताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (B) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (C) लिपि केवल सजावट
- (D) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

४५६. लिपि-बहुलता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (B) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (C) लिपि केवल सजावट
- (D) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

४५७. लिपि-बहुलताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (B) लिपि केवल सजावट
- (C) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (D) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

४५८. लिपि-बहुलताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लिपि केवल सजावट
- (C) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (D) लिपि सभठाम एके होइत अछि

४५९. लिपि-बहुलता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (B) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (C) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लिपि केवल सजावट

४६०. लिपि-बहुलता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लिपि केवल सजावट
- (B) लिपि सभठाम एके होइत अछि
- (C) नेपाली, कश्मीरी, सिन्धी, पंजाबी आदि संग तुलना मे लिपि-इतिहासक भिन्नता देखब
- (D) लिपि-संरक्षणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

४६१. सीमापार सांस्कृतिकता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (B) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (C) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता
- (D) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त

४६२. सीमापार सांस्कृतिकता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (B) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (C) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (D) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता

४६३. सीमापार सांस्कृतिकता पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता
- (B) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (C) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (D) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन

४६४. सीमापार सांस्कृतिकताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (B) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (C) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (D) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता

४६५. सीमापार सांस्कृतिकताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता
- (B) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (C) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (D) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार

४६६. सीमापार सांस्कृतिकता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (B) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (C) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (D) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता

४६७. सीमापार सांस्कृतिकताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (B) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता
- (C) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (D) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन

४६८. सीमापार सांस्कृतिकताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (B) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता
- (C) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (D) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार

४६९. सीमापार सांस्कृतिकता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त
- (B) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (C) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (D) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता

४७०. सीमापार सांस्कृतिकता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) राजनीतिक सीमा सँ परे लोक-भाषा आ लोक-संस्कृतिक निरन्तरता
- (B) सीमावर्ती समाजक अध्ययन बेकार
- (C) लोक-संस्कृति केवल प्रशासन
- (D) सीमा बनला पर भाषा तुरन्त समाप्त

४७१. लोक-नाट्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (C) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (D) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि

४७२. लोक-नाट्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि
- (B) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (C) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम

४७३. लोक-नाट्य पर परीक्षा-उत्तर लिखित समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (C) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (D) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि

४७४. लोक-नाट्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (B) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि
- (D) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम

४७५. लोक-नाट्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (B) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (C) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि
- (D) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि

४७६. लोक-नाट्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (C) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (D) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि

४७७. लोक-नाट्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (B) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि
- (C) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (D) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि

४७८. लोक-नाट्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (C) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (D) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि

४७९. लोक-नाट्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (B) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि
- (C) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि
- (D) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि

४८०. लोक-नाट्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लोकमंचमे दर्शकक भूमिका नहि
- (B) नाटकक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकनाट्य केवल दरबारी नियम
- (D) क्षेत्र भिन्न होइतो लोकमंच समाजक स्मृति आ सामुदायिक भागीदारी सँ जुड़ैत अछि

४८१. भाषिक सम्पर्क सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि
- (B) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (C) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि
- (D) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान

४८२. भाषिक सम्पर्क केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (B) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि
- (C) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (D) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि

४८३. भाषिक सम्पर्क पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (B) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि
- (C) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (D) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि

४८४. भाषिक सम्पर्कक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि
- (B) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (C) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (D) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि

४८५. भाषिक सम्पर्कक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि
- (B) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (C) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि
- (D) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान

४८६. भाषिक सम्पर्क सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (B) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (C) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि
- (D) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि

४८७. भाषिक सम्पर्कक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (B) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि
- (C) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (D) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि

४८८. भाषिक सम्पर्कक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (B) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि
- (C) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि
- (D) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत

४८९. भाषिक सम्पर्क पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि
- (B) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (C) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (D) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि

४९०. भाषिक सम्पर्क विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भाषा कहियो सम्पर्कमे नहि अबैत
- (B) प्रवासक शब्दावली पर असर नहि
- (C) प्रवास, व्यापार, शिक्षा आ राजनैतिक सम्बन्धसँ भाषिक आदान-प्रदान
- (D) भाषा केवल बन्द कक्षमे बनैत अछि

४९१. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि
- (B) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (C) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (D) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब

४९२. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (B) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि
- (C) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (D) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब

४९३. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्य पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (B) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (C) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब
- (D) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि

४९४. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (B) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि
- (C) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (D) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब

४९५. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (B) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब
- (C) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि
- (D) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि

४९६. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (B) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (C) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि
- (D) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब

४९७. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि
- (B) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (C) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (D) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब

४९८. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (B) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (C) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब
- (D) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि

४९९. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (B) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (C) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब
- (D) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि

५००. विस्तृत भारतीय परिप्रेक्ष्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) तुलना करब अस्मिता मिटाबैत अछि
- (B) मैथिली भारतीय साहित्यसँ बाहर अछि
- (C) मैथिलीकेँ केवल क्षेत्रीय नहि, भारतीय बहुभाषिक परम्पराक अंग रूपेँ देखब
- (D) बहुभाषिकता साहित्यक विरोधी अछि

6

५०१. मैथिली आ तमिल सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि
- (B) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (C) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (D) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव

५०२. मैथिली आ तमिल केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (B) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (C) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (D) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि

५०३. मैथिली आ तमिल पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (B) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि
- (C) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (D) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि

५०४. मैथिली आ तमिलक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (B) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (C) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (D) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि

५०५. मैथिली आ तमिलक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (B) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (C) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (D) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि

५०६. मैथिली आ तमिल सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि
- (B) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (C) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (D) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव

५०७. मैथिली आ तमिलक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (B) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि
- (C) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (D) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव

५०८. मैथिली आ तमिलक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (B) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (C) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (D) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि

५०९. मैथिली आ तमिल पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (B) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (C) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (D) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि

५१०. मैथिली आ तमिल विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भिन्न भाषा-परिवार होइतो भक्ति, प्रकृति, प्रेम आ लोकधाराक तुलनात्मक अध्ययन सम्भव
- (B) मैथिलीमे भक्ति साहित्य नहि
- (C) भिन्न परिवार होइते तुलना असम्भव
- (D) तमिलमे प्राचीन साहित्य नहि

५११. मैथिली आ तेलुगु सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (C) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (D) अनुवादक भूमिका नहि

५१२. मैथिली आ तेलुगु केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (C) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (D) अनुवादक भूमिका नहि

५१३. मैथिली आ तेलुगु पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) अनुवादक भूमिका नहि
- (C) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (D) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि

५१४. मैथिली आ तेलुगुक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अनुवादक भूमिका नहि
- (B) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (C) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन
- (D) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली

५१५. मैथिली आ तेलुगुक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (B) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (C) अनुवादक भूमिका नहि
- (D) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन

५१६. मैथिली आ तेलुगु सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (C) अनुवादक भूमिका नहि
- (D) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली

५१७. मैथिली आ तेलुगुक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (B) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन
- (C) अनुवादक भूमिका नहि
- (D) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि

५१८. मैथिली आ तेलुगुक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (B) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (C) अनुवादक भूमिका नहि
- (D) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन

५१९. मैथिली आ तेलुगु पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (B) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (C) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन
- (D) अनुवादक भूमिका नहि

५२०. मैथिली आ तेलुगु विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) दक्षिणी भाषामे भक्तिकाव्य नहि
- (B) तेलुगु केवल प्रशासनिक बोली
- (C) अनुवादक भूमिका नहि
- (D) काव्य, भक्तिधारा, अनुवाद आ नाट्य-रूपक तुलनात्मक अध्ययन

५२१. मैथिली आ कन्नड़ सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (B) लोककथा केवल मिथिलामे
- (C) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (D) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि

५२२. मैथिली आ कन्नड़ कें मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (B) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (C) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि
- (D) लोककथा केवल मिथिलामे

५२३. मैथिली आ कन्नड़ पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (B) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (C) लोककथा केवल मिथिलामे
- (D) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि

५२४. मैथिली आ कन्नड़क तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (B) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि
- (C) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (D) लोककथा केवल मिथिलामे

५२५. मैथिली आ कन्नड़क अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (B) लोककथा केवल मिथिलामे
- (C) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि
- (D) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना

५२६. मैथिली आ कन्नड़ सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (B) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि
- (C) लोककथा केवल मिथिलामे
- (D) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट

५२७. मैथिली आ कन्नड़क आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि
- (B) लोककथा केवल मिथिलामे
- (C) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (D) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना

५२८. मैथिली आ कन्नड़क सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (B) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (C) लोककथा केवल मिथिलामे
- (D) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि

५२९. मैथिली आ कन्नड़ पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोककथा केवल मिथिलामे
- (B) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (C) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (D) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि

५३०. मैथिली आ कन्नड़ विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भाषा-परिवार भिन्नता सँ साहित्य नष्ट
- (B) लोककथा केवल मिथिलामे
- (C) भक्ति, वीरशैव परम्परा, लोककथा आ आधुनिक गद्यक तुलनात्मक सम्भावना
- (D) कन्नड़मे साहित्य परम्परा नहि

५३१. मैथिली आ मलयालम सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (B) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना
- (C) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकेत अछि
- (D) मलयालममे गद्य नहि

५३२. मैथिली आ मलयालम केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (B) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना
- (C) मलयालममे गद्य नहि
- (D) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकेत अछि

५३३. मैथिली आ मलयालम पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मलयालममे गद्य नहि
- (B) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना
- (C) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकेत अछि
- (D) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि

५३४. मैथिली आ मलयालमक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (B) मलयालममे गद्य नहि
- (C) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना
- (D) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकेत अछि

५३५. मैथिली आ मलयालमक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकेत अछि
- (B) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना
- (C) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (D) मलयालममे गद्य नहि

५३६. मैथिली आ मलयालम सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मलयालममे गद्य नहि
- (B) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकेत अछि
- (C) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (D) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना

५३७. मैथिली आ मलयालमक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकैत अछि
- (B) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना
- (C) मलयालममे गद्य नहि
- (D) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि

५३८. मैथिली आ मलयालमक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (B) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकैत अछि
- (C) मलयालममे गद्य नहि
- (D) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना

५३९. मैथिली आ मलयालम पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मलयालममे गद्य नहि
- (B) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकैत अछि
- (C) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (D) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना

५४०. मैथिली आ मलयालम विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मैथिलीमे आधुनिक कथा नहि
- (B) भिन्न भूगोल साहित्यक तुलना रोकैत अछि
- (C) समुद्री/स्थलीय लोकजीवन भिन्न होइतो कथा, स्मृति आ आधुनिक गद्यक तुलना
- (D) मलयालममे गद्य नहि

५४१. भाषा-परिवार भिन्नता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (B) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (C) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि
- (D) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि

५४२. भाषा-परिवार भिन्नता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (B) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (C) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि
- (D) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि

५४३. भाषा-परिवार भिन्नता पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (B) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (C) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (D) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि

५४४. भाषा-परिवार भिन्नताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि
- (B) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (C) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (D) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन

५४५. भाषा-परिवार भिन्नताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (B) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (C) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (D) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि

५४६. भाषा-परिवार भिन्नता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (B) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (C) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (D) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि

५४७. भाषा-परिवार भिन्नताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (B) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (C) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (D) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि

५४८. भाषा-परिवार भिन्नताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (B) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (C) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (D) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि

५४९. भाषा-परिवार भिन्नता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (B) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि
- (C) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन
- (D) अंतर देखब त्रुटि अछि

५५०. भाषा-परिवार भिन्नता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भिन्न परिवार तुलना केँ बेकार नहि, बल्कि संरचनात्मक अंतर बुझबाक अवसर बनबैत अछि
- (B) अंतर देखब त्रुटि अछि
- (C) भिन्न परिवारक भाषा तुलना योग्य नहि
- (D) भाषा-परिवारक अध्ययन अर्थहीन

५५१. भक्ति-आन्दोलन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (B) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (C) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल
- (D) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि

५५२. भक्ति-आन्दोलन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि
- (B) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल
- (C) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (D) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय

५५३. भक्ति-आन्दोलन पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि
- (B) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (C) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (D) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल

५५४. भक्ति-आन्दोलनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (B) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (C) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि
- (D) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल

५५५. भक्ति-आन्दोलनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (B) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (C) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल
- (D) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि

५५६. भक्ति-आन्दोलन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (B) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल
- (C) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (D) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि

५५७. भक्ति-आन्दोलनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल
- (B) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (C) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (D) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि

५५८. भक्ति-आन्दोलनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि
- (B) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (C) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल
- (D) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय

५५९. भक्ति-आन्दोलन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (B) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि
- (C) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल
- (D) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल

५६०. भक्ति-आन्दोलन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) दक्षिण भारतमे भक्ति परम्परा नहि
- (B) उत्तर आ दक्षिण भारतमे लोकभाषाक माध्यमँ भक्तिकाव्यक उभार तुलनीय
- (C) भक्ति केवल संस्कृतमे सीमित रहल
- (D) लोकभाषा भक्ति सँ अलग रहल

५६१. अनुवाद-संवाद सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (B) पाठकक भूमिका नहि
- (C) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि
- (D) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि

५६२. अनुवाद-संवाद केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (B) पाठकक भूमिका नहि
- (C) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (D) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि

५६३. अनुवाद-संवाद पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पाठकक भूमिका नहि
- (B) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (C) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (D) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि

५६४. अनुवाद-संवादक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि
- (B) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (C) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (D) पाठकक भूमिका नहि

५६५. अनुवाद-संवादक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (B) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि
- (C) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (D) पाठकक भूमिका नहि

५६६. अनुवाद-संवाद सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि
- (B) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (C) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (D) पाठकक भूमिका नहि

५६७. अनुवाद-संवादक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (B) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (C) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि
- (D) पाठकक भूमिका नहि

५६८. अनुवाद-संवादक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) पाठकक भूमिका नहि
- (B) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (C) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि
- (D) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि

५६९. अनुवाद-संवाद पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) पाठकक भूमिका नहि
- (B) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि
- (C) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (D) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि

५७०. अनुवाद-संवाद विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) द्रविड़ भाषासभसँ मैथिलीमे अनुवाद भारतीय साहित्यक परस्पर परिचय बढ़बैत अछि
- (B) अनुवाद तुलना केँ नष्ट करैत अछि
- (C) पाठकक भूमिका नहि
- (D) द्रविड़ साहित्यक अनुवाद सम्भव नहि

५७१. छन्द आ लय सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लय अध्ययन असम्भव
- (D) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि

५७२. छन्द आ लय केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि
- (B) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लय अध्ययन असम्भव
- (D) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन

५७३. छन्द आ लय पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि
- (D) लय अध्ययन असम्भव

५७४. छन्द आ लयक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लय अध्ययन असम्भव
- (D) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि

५७५. छन्द आ लयक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि
- (C) लय अध्ययन असम्भव
- (D) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन

५७६. छन्द आ लय सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लय अध्ययन असम्भव
- (C) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (D) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि

५७७. छन्द आ लयक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) लय अध्ययन असम्भव
- (C) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि
- (D) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

५७८. छन्द आ लयक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि
- (D) लय अध्ययन असम्भव

५७९. छन्द आ लय पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लय अध्ययन असम्भव
- (B) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (D) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि

५८०. छन्द आ लय विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) शास्त्रीय छन्द, लोकलय आ गीतरूपक भिन्न प्रणालीक तुलनात्मक अध्ययन
- (B) गीतक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लय अध्ययन असम्भव
- (D) छन्द केवल एक भाषा मे होइत अछि

५८१. लोककथा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (B) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि
- (C) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (D) लोककथा समाजक स्मृति नहि

५८२. लोककथा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (B) लोककथा समाजक स्मृति नहि
- (C) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (D) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि

५८३. लोककथा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (B) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (C) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि
- (D) लोककथा समाजक स्मृति नहि

५८४. लोककथाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि
- (B) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (C) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (D) लोककथा समाजक स्मृति नहि

५८५. लोककथाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (B) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (C) लोककथा समाजक स्मृति नहि
- (D) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि

५८६. लोककथा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि
- (B) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (C) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (D) लोककथा समाजक स्मृति नहि

५८७. लोककथाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि
- (B) लोककथा समाजक स्मृति नहि
- (C) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (D) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय

५८८. लोककथाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोककथा समाजक स्मृति नहि
- (B) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (C) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (D) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि

५८९. लोककथा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (B) स्थानीयता तुलनाक विरोधी
- (C) लोककथा समाजक स्मृति नहि
- (D) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि

५९०. लोककथा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) स्थानीय पात्र बदलैत अछि, मुदा बुद्धि, नैतिकता, साहस, प्रेम आ छल-प्रसंग तुलनीय
- (B) लोककथा समाजक स्मृति नहि
- (C) लोककथा केवल एके भाषा मे जन्मैत अछि
- (D) स्थानीयता तुलनाक विरोधी

५९१. भारतीय बहुभाषिकता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (B) विविधता साहित्यक कमजोरी
- (C) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि
- (D) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव

५९२. भारतीय बहुभाषिकता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (B) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव
- (C) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि
- (D) विविधता साहित्यक कमजोरी

५९३. भारतीय बहुभाषिकता पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन रखब?

- (A) विविधता साहित्यिक कमजोरी
- (B) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (C) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि
- (D) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव

५९४. भारतीय बहुभाषिकताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि
- (B) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव
- (C) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (D) विविधता साहित्यिक कमजोरी

५९५. भारतीय बहुभाषिकताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि
- (B) विविधता साहित्यिक कमजोरी
- (C) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव
- (D) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि

५९६. भारतीय बहुभाषिकता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव
- (B) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (C) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि
- (D) विविधता साहित्यिक कमजोरी

५९७. भारतीय बहुभाषिकताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) विविधता साहित्यिक कमजोरी
- (B) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव
- (C) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (D) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि

५९८. भारतीय बहुभाषिकताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (B) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि
- (C) विविधता साहित्यिक कमजोरी
- (D) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव

५९९. भारतीय बहुभाषिकता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (B) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव
- (C) विविधता साहित्यिक कमजोरी
- (D) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि

६००. भारतीय बहुभाषिकता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भिन्न भाषा मतलब संवाद असम्भव
- (B) विविधता साहित्यिक कमजोरी
- (C) तुलना केवल निकट भाषामे होइत अछि
- (D) मैथिली आ द्रविड़ भाषासभक अध्ययन भारतक साहित्यिक विविधता केँ उजागर करैत अछि

६०१. रामकथा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण
- (B) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (C) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (D) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि

६०२. रामकथा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (B) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि
- (C) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (D) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण

६०३. रामकथा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि
- (B) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (C) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (D) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण

६०४. रामकथाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (B) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (C) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि
- (D) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण

६०५. रामकथाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (B) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (C) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण
- (D) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि

६०६. रामकथा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (B) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि
- (C) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण
- (D) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त

६०७. रामकथाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (B) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण
- (C) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (D) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि

६०८. रामकथाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (B) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि
- (C) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (D) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण

६०९. रामकथा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण
- (B) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित
- (C) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (D) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि

६१०. रामकथा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) स्थानीय रूपान्तरण साहित्य नहि
- (B) रामकथा तुलनात्मक अध्ययन लेल अनुपयुक्त
- (C) मैथिली, अवधी, तमिल, तेलुगु, बांग्ला आदि मे रामकथाक स्थानीय रूपान्तरण
- (D) रामकथा केवल एके भाषामे सीमित

६११. कृष्णकथा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (B) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना
- (C) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (D) गीत आ भक्ति अलग-अलग

६१२. कृष्णकथा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (B) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना
- (C) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (D) गीत आ भक्ति अलग-अलग

६१३. कृष्णकथा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना
- (B) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (C) गीत आ भक्ति अलग-अलग
- (D) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा

६१४. कृष्णकथाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (B) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (C) गीत आ भक्ति अलग-अलग
- (D) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना

६१५. कृष्णकथाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (B) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना
- (C) गीत आ भक्ति अलग-अलग
- (D) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित

६१६. कृष्णकथा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गीत आ भक्ति अलग-अलग
- (B) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (C) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (D) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना

६१७. कृष्णकथाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना
- (B) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (C) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (D) गीत आ भक्ति अलग-अलग

६१८. कृष्णकथाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना
- (B) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (C) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (D) गीत आ भक्ति अलग-अलग

६१९. कृष्णकथा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) गीत आ भक्ति अलग-अलग
- (B) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना
- (C) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (D) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा

६२०. कृष्णकथा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) कृष्णकथा भारतीय भाषामे अनुपस्थित
- (B) गीत आ भक्ति अलग-अलग
- (C) कृष्णभक्ति केवल गद्य-विधा
- (D) विद्यापति पदावलीसँ अन्य भारतीय कृष्णभक्ति परम्पराक तुलना

६२१. भक्ति आ लोकभाषा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (B) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (C) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल
- (D) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत

६२२. भक्ति आ लोकभाषा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (B) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (C) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत
- (D) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल

६२३. भक्ति आ लोकभाषा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत
- (B) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (C) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल
- (D) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल

६२४. भक्ति आ लोकभाषाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (B) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल
- (C) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत
- (D) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल

६२५. भक्ति आ लोकभाषाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत
- (B) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (C) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल
- (D) भक्ति केवल दरबारी आदेश

६२६. भक्ति आ लोकभाषा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (B) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (C) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत
- (D) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल

६२७. भक्ति आ लोकभाषाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत
- (B) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (C) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल
- (D) भक्ति केवल दरबारी आदेश

६२८. भक्ति आ लोकभाषाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल
- (B) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (C) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (D) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत

६२९. भक्ति आ लोकभाषा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (B) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत
- (C) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (D) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल

६३०. भक्ति आ लोकभाषा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भक्ति केवल दरबारी आदेश
- (B) भक्ति सदा जनभाषा सँ दूर रहल
- (C) भक्ति-आन्दोलन लोकभाषा केँ साहित्यिक गरिमा देबाक प्रमुख माध्यम बनल
- (D) लोकभाषा साहित्य बना नहि सकैत

६३१. नचारी-महेसबानी सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि
- (B) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (C) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (D) नचारी केवल गद्यक नाम

६३२. नचारी-महेसबानी केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (B) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (C) नचारी केवल गद्यक नाम
- (D) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि

६३३. नचारी-महेसबानी पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (B) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (C) नचारी केवल गद्यक नाम
- (D) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि

६३४. नचारी-महेसबानीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (B) नचारी केवल गद्यक नाम
- (C) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि
- (D) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ

६३५. नचारी-महेसबानीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (B) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (C) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि
- (D) नचारी केवल गद्यक नाम

६३६. नचारी-महेसबानी सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) नचारी केवल गद्यक नाम
- (B) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि
- (C) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (D) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित

६३७. नचारी-महेसबानीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (B) नचारी केवल गद्यक नाम
- (C) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (D) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि

६३८. नचारी-महेसबानीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) नचारी केवल गद्यक नाम
- (B) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि
- (C) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (D) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ

६३९. नचारी-महेसबानी पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (B) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि
- (C) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (D) नचारी केवल गद्यक नाम

६४०. नचारी-महेसबानी विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) शिवभक्ति मैथिलीमे अनुपस्थित
- (B) मैथिली शैव-भक्ति स्वरक तुलना अन्य भारतीय शिवभक्ति रचनासँ
- (C) भक्ति-गीतमे लोकलय नहि
- (D) नचारी केवल गद्यक नाम

६४१. राधा-कृष्ण प्रेम सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) गीतमे भाव नहि
- (B) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (C) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (D) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ

६४२. राधा-कृष्ण प्रेम केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (B) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (C) गीतमे भाव नहि
- (D) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि

६४३. राधा-कृष्ण प्रेम पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (B) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (C) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (D) गीतमे भाव नहि

६४४. राधा-कृष्ण प्रेमक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (B) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (C) गीतमे भाव नहि
- (D) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ

६४५. राधा-कृष्ण प्रेमक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (B) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (C) गीतमे भाव नहि
- (D) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय

६४६. राधा-कृष्ण प्रेम सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (B) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (C) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (D) गीतमे भाव नहि

६४७. राधा-कृष्ण प्रेमक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (B) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (C) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (D) गीतमे भाव नहि

६४८. राधा-कृष्ण प्रेमक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (B) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (C) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (D) गीतमे भाव नहि

६४९. राधा-कृष्ण प्रेम पर तुलनात्मक दृष्टि अपनवैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय
- (B) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (C) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (D) गीतमे भाव नहि

६५०. राधा-कृष्ण प्रेम विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) राधा-कृष्ण काव्य केवल इतिहास-ग्रन्थ
- (B) गीतमे भाव नहि
- (C) शृङ्गार आ भक्ति कहियो संग नहि
- (D) शृङ्गार आ भक्ति मिलल राधा-कृष्ण काव्य भारतीय भाषासभमे तुलनीय

६५१. स्त्री-स्वर सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (B) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि
- (C) नायिका केवल अलंकारक नाम
- (D) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि

६५२. स्त्री-स्वर केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (B) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (C) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि
- (D) नायिका केवल अलंकारक नाम

६५३. स्त्री-स्वर पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (B) नायिका केवल अलंकारक नाम
- (C) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (D) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि

६५४. स्त्री-स्वरक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (B) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (C) नायिका केवल अलंकारक नाम
- (D) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि

६५५. स्त्री-स्वरक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (B) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि
- (C) नायिका केवल अलंकारक नाम
- (D) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर

६५६. स्त्री-स्वर सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (B) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि
- (C) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (D) नायिका केवल अलंकारक नाम

६५७. स्त्री-स्वरक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (B) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (C) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि
- (D) नायिका केवल अलंकारक नाम

६५८. स्त्री-स्वरक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) नायिका केवल अलंकारक नाम
- (B) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (C) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (D) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि

६५९. स्त्री-स्वर पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (B) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (C) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि
- (D) नायिका केवल अलंकारक नाम

६६०. स्त्री-स्वर विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भक्ति आ लोकगीतमे नायिका, गोपी, सीता वा भक्त स्त्रीक भाव-स्वर
- (B) नायिका केवल अलंकारक नाम
- (C) लोकगीतमे स्त्री-अनुभव नहि
- (D) स्त्री-स्वर साहित्यक विषय नहि

६६१. लोक-धर्म सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (B) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग
- (C) कथावाचनक भूमिका नहि
- (D) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि

६६२. लोक-धर्म केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) कथावाचनक भूमिका नहि
- (B) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि
- (C) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (D) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग

६६३. लोक-धर्म पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) कथावाचनक भूमिका नहि
- (B) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि
- (C) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग
- (D) पर्व-गीत साहित्य नहि

६६४. लोक-धर्मक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कथावाचनक भूमिका नहि
- (B) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग
- (C) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि
- (D) पर्व-गीत साहित्य नहि

६६५. लोक-धर्मक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग
- (B) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि
- (C) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (D) कथावाचनक भूमिका नहि

६६६. लोक-धर्म सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि
- (B) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (C) कथावाचनक भूमिका नहि
- (D) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग

६६७. लोक-धर्मक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (B) कथावाचनक भूमिका नहि
- (C) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि
- (D) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग

६६८. लोक-धर्मक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि
- (B) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग
- (C) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (D) कथावाचनक भूमिका नहि

६६९. लोक-धर्म पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (B) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग
- (C) कथावाचनक भूमिका नहि
- (D) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि

६७०. लोक-धर्म विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) कथावाचनक भूमिका नहि
- (B) धार्मिक काव्य समाजसँ अलग
- (C) पर्व-गीत साहित्य नहि
- (D) धार्मिक काव्य लोक-आचार, पर्व, गीत आ कथावाचनसँ जुड़ैत अछि

६७१. रस-संवेदना सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) रस केवल एक भाषा मे
- (B) करुण रस साहित्य विरोधी
- (C) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप
- (D) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि

६७२. रस-संवेदना केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) करुण रस साहित्य विरोधी
- (B) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (C) रस केवल एक भाषा मे
- (D) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप

६७३. रस-संवेदना पर परीक्षा-उत्तर लिखित समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप
- (B) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (C) करुण रस साहित्य विरोधी
- (D) रस केवल एक भाषा मे

६७४. रस-संवेदनाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) रस केवल एक भाषा मे
- (B) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (C) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप
- (D) करुण रस साहित्य विरोधी

६७५. रस-संवेदनाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) रस केवल एक भाषा मे
- (B) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (C) करुण रस साहित्य विरोधी
- (D) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप

६७६. रस-संवेदना सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) रस केवल एक भाषा मे
- (B) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप
- (C) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (D) करुण रस साहित्य विरोधी

६७७. रस-संवेदनाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) रस केवल एक भाषा मे
- (B) करुण रस साहित्य विरोधी
- (C) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (D) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप

६७८. रस-संवेदनाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) करुण रस साहित्य विरोधी
- (B) रस केवल एक भाषा मे
- (C) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (D) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप

६७९. रस-संवेदना पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) करुण रस साहित्य विरोधी
- (B) रस केवल एक भाषा मे
- (C) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप
- (D) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि

६८०. रस-संवेदना विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) रसक पाठानुभवसँ सम्बन्ध नहि
- (B) भक्ति, करुण, शृङ्गार आ वीर रसक भिन्न भाषा-साहित्य मे तुलनात्मक रूप
- (C) करुण रस साहित्य विरोधी
- (D) रस केवल एक भाषा मे

६८१. संगीत आ काव्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि
- (B) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (C) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम
- (D) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि

६८२. संगीत आ काव्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि
- (B) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (C) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम
- (D) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि

६८३. संगीत आ काव्य पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (B) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि
- (C) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम
- (D) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि

६८४. संगीत आ काव्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि
- (B) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि
- (C) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (D) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम

६८५. संगीत आ काव्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि
- (B) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम
- (C) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि
- (D) कीर्तन केवल मौन अभ्यास

६८६. संगीत आ काव्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (B) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि
- (C) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि
- (D) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम

६८७. संगीत आ काव्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (B) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि
- (C) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि
- (D) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम

६८८. संगीत आ काव्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम
- (B) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि
- (C) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (D) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि

६८९. संगीत आ काव्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि
- (B) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (C) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम
- (D) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि

६९०. संगीत आ काव्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) संगीतक भक्ति सँ सम्बन्ध नहि
- (B) कीर्तन केवल मौन अभ्यास
- (C) भजन, पद, कीर्तन, लोकधुन आ नाट्यगीत साहित्यिक प्रसारक माध्यम
- (D) गीत साहित्यकेँ कमजोर करैत अछि

६९१. धार्मिक बहुलता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि
- (B) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (C) बहुलता अध्ययनमे बाधा
- (D) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन

६९२. धार्मिक बहुलता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) बहुलता अध्ययनमे बाधा
- (B) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि
- (C) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (D) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन

६९३. धार्मिक बहुलता पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (B) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (C) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि
- (D) बहुलता अध्ययनमे बाधा

६९४. धार्मिक बहुलताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) बहुलता अध्ययनमे बाधा
- (B) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (C) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि
- (D) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर

६९५. धार्मिक बहुलताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (B) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (C) बहुलता अध्ययनमे बाधा
- (D) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि

६९६. धार्मिक बहुलता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि
- (B) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (C) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (D) बहुलता अध्ययनमे बाधा

६९७. धार्मिक बहुलताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि
- (B) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (C) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (D) बहुलता अध्ययनमे बाधा

६९८. धार्मिक बहुलताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (B) बहुलता अध्ययनमे बाधा
- (C) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (D) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि

६९९. धार्मिक बहुलता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) बहुलता अध्ययनमे बाधा
- (B) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (C) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि
- (D) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर

७००. धार्मिक बहुलता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लोकधर्म साहित्यसँ बाहर
- (B) वैष्णव, शैव, शाक्त, सूफी आ लोकधर्मी स्वरक तुलनात्मक अध्ययन
- (C) बहुलता अध्ययनमे बाधा
- (D) केवल एक धार्मिक स्वर साहित्य बनैत अछि

8

७०१. लोकगीत सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकगीत केवल लिखित कानून
- (C) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (D) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन

७०२. लोकगीत केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (D) लोकगीत केवल लिखित कानून

७०३. लोकगीत पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (C) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (D) लोकगीत केवल लिखित कानून

७०४. लोकगीतक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (B) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (D) लोकगीत केवल लिखित कानून

७०५. लोकगीतक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (B) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (C) लोकगीत केवल लिखित कानून
- (D) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि

७०६. लोकगीत सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (B) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (C) लोकगीत केवल लिखित कानून
- (D) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि

७०७. लोकगीतक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (B) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (C) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लोकगीत केवल लिखित कानून

७०८. लोकगीतक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (B) लोकगीत केवल लिखित कानून
- (C) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (D) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि

७०९. लोकगीत पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि
- (C) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (D) लोकगीत केवल लिखित कानून

७१०. लोकगीत विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लोकगीतक समाजसँ सम्बन्ध नहि
- (B) विवाह, जन्म, खेती, पर्व आ प्रवाससँ जुड़ल सामुदायिक गायन
- (C) लोकगीत केवल लिखित कानून
- (D) लोकगीतमे बोलीक स्थान नहि

७११. लोकगाथा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान
- (B) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (C) लोकगाथामे कथा नहि
- (D) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत

७१२. लोकगाथा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (B) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान
- (C) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (D) लोकगाथामे कथा नहि

७१३. लोकगाथा पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन रखब?

- (A) लोकगाथामे कथा नहि
- (B) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (C) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (D) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान

७१४. लोकगाथाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (B) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (C) लोकगाथामे कथा नहि
- (D) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान

७१५. लोकगाथाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान
- (B) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (C) लोकगाथामे कथा नहि
- (D) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन

७१६. लोकगाथा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (B) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान
- (C) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (D) लोकगाथामे कथा नहि

७१७. लोकगाथाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (B) लोकगाथामे कथा नहि
- (C) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (D) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान

७१८. लोकगाथाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (B) लोकगाथामे कथा नहि
- (C) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (D) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान

७१९. लोकगाथा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (B) लोकगाथामे कथा नहि
- (C) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान
- (D) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन

७२०. लोकगाथा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) वीरता, प्रेम, संघर्ष आ सामुदायिक नायकक दीर्घ आख्यान
- (B) लोकगाथा केवल एक पंक्तिक कहावत
- (C) लोकगाथा आधुनिक विज्ञापन
- (D) लोकगाथामे कथा नहि

७२१. लोककथा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोककथा केवल शिलालेख
- (B) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (D) लोककथा समाजसँ अलग

७२२. लोककथा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोककथा समाजसँ अलग
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (C) लोककथा केवल शिलालेख
- (D) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन

७२३. लोककथा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (B) लोककथा केवल शिलालेख
- (C) लोककथा समाजसँ अलग
- (D) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन

७२४. लोककथाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोककथा समाजसँ अलग
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (C) लोककथा केवल शिलालेख
- (D) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन

७२५. लोककथाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (C) लोककथा केवल शिलालेख
- (D) लोककथा समाजसँ अलग

७२६. लोककथा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन
- (B) लोककथा समाजसँ अलग
- (C) लोककथा केवल शिलालेख
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि

७२७. लोककथाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोककथा केवल शिलालेख
- (B) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (D) लोककथा समाजसँ अलग

७२८. लोककथाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन
- (B) लोककथा समाजसँ अलग
- (C) लोककथा केवल शिलालेख
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि

७२९. लोककथा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन
- (B) लोककथा समाजसँ अलग
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (D) लोककथा केवल शिलालेख

७३०. लोककथा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लोककथा लिखले बिना अस्तित्वहीन
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनायल कथा जाहिमे नीति, बुद्धि, हास्य आ चमत्कार होइत अछि
- (C) लोककथा समाजसँ अलग
- (D) लोककथा केवल शिलालेख

७३१. लोकोक्ति सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (B) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि
- (C) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय
- (D) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन

७३२. लोकोक्ति केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (C) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (D) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय

७३३. लोकोक्ति पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (B) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (D) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय

७३४. लोकोक्तिक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (B) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय
- (C) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि
- (D) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची

७३५. लोकोक्तिक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (C) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि
- (D) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय

७३६. लोकोक्ति सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (B) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय
- (C) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (D) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि

७३७. लोकोक्ति आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (B) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि
- (C) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय
- (D) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन

७३८. लोकोक्ति सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय
- (B) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि
- (C) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (D) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची

७३९. लोकोक्ति पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (C) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय
- (D) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि

७४०. लोकोक्ति विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लोकोक्ति केवल उपन्यासक अध्याय
- (B) लोक-अनुभवक संक्षिप्त, व्यंजनापूर्ण आ स्मरणीय कथन
- (C) लोकोक्ति केवल ध्वनि-सूची
- (D) लोकोक्तिमे लोक-अनुभव नहि

७४१. लोकनाट्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) लोकनाट्य केवल गणना
- (B) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (C) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (D) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि

७४२. लोकनाट्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (B) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (C) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लोकनाट्य केवल गणना

७४३. लोकनाट्य पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकनाट्य केवल गणना
- (B) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (C) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (D) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि

७४४. लोकनाट्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लोकनाट्य केवल गणना
- (B) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (C) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (D) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि

७४५. लोकनाट्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (B) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (C) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लोकनाट्य केवल गणना

७४६. लोकनाट्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (B) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (D) लोकनाट्य केवल गणना

७४७. लोकनाट्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (B) लोकनाट्य केवल गणना
- (C) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि
- (D) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला

७४८. लोकनाट्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकनाट्य केवल गणना
- (B) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (D) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला

७४९. लोकनाट्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकनाट्य केवल गणना
- (B) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (C) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (D) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि

७५०. लोकनाट्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) गीत, अभिनय, वेश, हास्य, कथा आ सामुदायिक सहभागितासँ बनल मंचीय लोककला
- (B) लोकनाट्यक संगीतसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकनाट्य केवल मौन पाठ
- (D) लोकनाट्य केवल गणना

७५१. स्त्री-लोकस्वर सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (B) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति
- (C) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (D) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित

७५२. स्त्री-लोकस्वर केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (B) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित
- (C) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (D) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति

७५३. स्त्री-लोकस्वर पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित
- (B) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति
- (C) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (D) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा

७५४. स्त्री-लोकस्वरक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति
- (B) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (C) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (D) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित

७५५. स्त्री-लोकस्वरक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित
- (B) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति
- (C) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (D) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा

७५६. स्त्री-लोकस्वर सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (B) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (C) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित
- (D) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति

७५७. स्त्री-लोकस्वरक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (B) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति
- (C) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (D) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित

७५८. स्त्री-लोकस्वरक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (B) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित
- (C) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि
- (D) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति

७५९. स्त्री-लोकस्वर पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित
- (B) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (C) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति
- (D) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि

७६०. स्त्री-लोकस्वर विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) सोहर, समदाओन, विदाई, कजरी आदि मे स्त्री-अनुभवक विशेष अभिव्यक्ति
- (B) स्त्री-अनुभव लोकगीतमे अनुपस्थित
- (C) विवाहगीत केवल दफ्तरक भाषा
- (D) स्त्री-स्वर तुलनायोग्य नहि

७६१. कृषि-संस्कृति सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (B) कृषि साहित्यक विषय नहि
- (C) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान
- (D) ऋतुगीत समाजसँ अलग

७६२. कृषि-संस्कृति केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (B) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान
- (C) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (D) कृषि साहित्यक विषय नहि

७६३. कृषि-संस्कृति पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (B) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (C) कृषि साहित्यक विषय नहि
- (D) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान

७६४. कृषि-संस्कृतिक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान
- (B) कृषि साहित्यक विषय नहि
- (C) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (D) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य

७६५. कृषि-संस्कृतिक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (B) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (C) कृषि साहित्यक विषय नहि
- (D) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान

७६६. कृषि-संस्कृति सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (B) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान
- (C) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (D) कृषि साहित्यक विषय नहि

७६७. कृषि-संस्कृतिक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (B) कृषि साहित्यक विषय नहि
- (C) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (D) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान

७६८. कृषि-संस्कृतिक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान
- (B) कृषि साहित्यक विषय नहि
- (C) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (D) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य

७६९. कृषि-संस्कृति पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) ऋतुगीत समाजसँ अलग
- (B) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (C) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान
- (D) कृषि साहित्यक विषय नहि

७७०. कृषि-संस्कृति विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) धरतीक प्रतीक केवल विज्ञान
- (B) कृषि साहित्यक विषय नहि
- (C) खेती, वर्षा, ऋतु, पशु, श्रम आ धरतीसँ जुड़ल लोक साहित्य
- (D) ऋतुगीत समाजसँ अलग

७७१. मौखिक स्मृति सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि
- (B) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (C) स्मृति साहित्य नहि
- (D) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि

७७२. मौखिक स्मृति केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (B) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि
- (C) स्मृति साहित्य नहि
- (D) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि

७७३. मौखिक स्मृति पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (B) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि
- (C) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि
- (D) स्मृति साहित्य नहि

७७४. मौखिक स्मृतिक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि
- (B) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि
- (C) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (D) स्मृति साहित्य नहि

७७५. मौखिक स्मृतिक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि
- (B) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि
- (C) स्मृति साहित्य नहि
- (D) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि

७७६. मौखिक स्मृति सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि
- (B) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (C) स्मृति साहित्य नहि
- (D) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि

७७७. मौखिक स्मृतिक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) स्मृति साहित्य नहि
- (B) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि
- (C) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (D) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि

७७८. मौखिक स्मृतिक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (B) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि
- (C) स्मृति साहित्य नहि
- (D) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि

७७९. मौखिक स्मृति पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि
- (B) स्मृति साहित्य नहि
- (C) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि
- (D) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि

७८०. मौखिक स्मृति विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) कथा गायब होइते समाज बनैत अछि
- (B) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि
- (C) स्मृति साहित्य नहि
- (D) मौखिकता असत्य अवश्य होइत अछि

७८१. प्रदर्शन-परम्परा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (C) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि

७८२. प्रदर्शन-परम्परा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (B) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि
- (C) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (D) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

७८३. प्रदर्शन-परम्परा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (B) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि
- (C) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (D) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

७८४. प्रदर्शन-परम्पराक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (C) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि
- (D) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

७८५. प्रदर्शन-परम्पराक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (C) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि

७८६. प्रदर्शन-परम्परा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (B) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि
- (C) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (D) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

७८७. प्रदर्शन-परम्पराक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (C) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि

७८८. प्रदर्शन-परम्पराक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि
- (B) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (C) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि

७८९. प्रदर्शन-परम्परा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (B) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि
- (C) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि
- (D) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

७९०. प्रदर्शन-परम्परा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) प्रदर्शनक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) श्रोता निष्क्रिय रहैत अछि
- (C) वादकक लोकनाट्य मे भूमिका नहि
- (D) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि

७९१. क्षेत्रीय रूपान्तरण सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (B) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (C) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि
- (D) लोककथा कहियो बदलैत नहि

७९२. क्षेत्रीय रूपान्तरण केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि
- (B) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (C) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (D) लोककथा कहियो बदलैत नहि

७९३. क्षेत्रीय रूपान्तरण पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (B) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (C) लोककथा कहियो बदलैत नहि
- (D) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि

७९४. क्षेत्रीय रूपान्तरणक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि
- (B) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (C) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (D) लोककथा कहियो बदलैत नहि

७९५. क्षेत्रीय रूपान्तरणक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि
- (B) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (C) लोककथा कहियो बदलैत नहि
- (D) स्थानीय भिन्नता त्रुटि

७९६. क्षेत्रीय रूपान्तरण सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (B) लोककथा कहियो बदलैत नहि
- (C) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (D) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि

७९७. क्षेत्रीय रूपान्तरणक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोककथा कहियो बदलैत नहि
- (B) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि
- (C) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (D) स्थानीय भिन्नता त्रुटि

७९८. क्षेत्रीय रूपान्तरणक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (B) लोककथा कहियो बदलैत नहि
- (C) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (D) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि

७९९. क्षेत्रीय रूपान्तरण पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि
- (B) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (C) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (D) लोककथा कहियो बदलैत नहि

८००. क्षेत्रीय रूपान्तरण विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि
- (B) रूपान्तरण भेल तऽ कथा नष्ट
- (C) स्थानीय भिन्नता त्रुटि
- (D) लोककथा कहियो बदलैत नहि

८०१. आधुनिक कविता सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (B) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर
- (C) कवितामे समाजक स्थान नहि
- (D) भाषा-प्रयोग असंगत

८०२. आधुनिक कविता केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भाषा-प्रयोग असंगत
- (B) कवितामे समाजक स्थान नहि
- (C) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (D) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर

८०३. आधुनिक कविता पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) कवितामे समाजक स्थान नहि
- (B) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (C) भाषा-प्रयोग असंगत
- (D) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर

८०४. आधुनिक कविताक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषा-प्रयोग असंगत
- (B) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर
- (C) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (D) कवितामे समाजक स्थान नहि

८०५. आधुनिक कविताक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) भाषा-प्रयोग असंगत
- (B) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (C) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर
- (D) कवितामे समाजक स्थान नहि

८०६. आधुनिक कविता सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (B) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर
- (C) भाषा-प्रयोग असंगत
- (D) कवितामे समाजक स्थान नहि

८०७. आधुनिक कविताक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (B) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर
- (C) भाषा-प्रयोग असंगत
- (D) कवितामे समाजक स्थान नहि

८०८. आधुनिक कविताक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) कवितामे समाजक स्थान नहि
- (B) भाषा-प्रयोग असंगत
- (C) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (D) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर

८०९. आधुनिक कविता पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा
- (B) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर
- (C) कवितामे समाजक स्थान नहि
- (D) भाषा-प्रयोग असंगत

८१०. आधुनिक कविता विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भाषा-प्रयोग असंगत
- (B) कवितामे समाजक स्थान नहि
- (C) व्यक्ति-चेतना, समाज, प्रकृति, प्रतिरोध आ भाषा-प्रयोगक नया स्वर
- (D) आधुनिक कविता केवल दरबारी प्रशंसा

८११. कथा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (B) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (C) कथा केवल छन्दक नाम
- (D) कथामे पात्र नहि

८१२. कथा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) कथामे पात्र नहि
- (B) कथा केवल छन्दक नाम
- (C) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (D) कथा समाजसँ असम्बद्ध

८१३. कथा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) कथा केवल छन्दक नाम
- (B) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (C) कथामे पात्र नहि
- (D) कथा समाजसँ असम्बद्ध

८१४. कथाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (B) कथामे पात्र नहि
- (C) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (D) कथा केवल छन्दक नाम

८१५. कथाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (B) कथा केवल छन्दक नाम
- (C) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (D) कथामे पात्र नहि

८१६. कथा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (B) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (C) कथामे पात्र नहि
- (D) कथा केवल छन्दक नाम

८१७. कथाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (B) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (C) कथामे पात्र नहि
- (D) कथा केवल छन्दक नाम

८१८. कथाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (B) कथामे पात्र नहि
- (C) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति
- (D) कथा केवल छन्दक नाम

८१९. कथा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (B) कथामे पात्र नहि
- (C) कथा केवल छन्दक नाम
- (D) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति

८२०. कथा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) कथा समाजसँ असम्बद्ध
- (B) कथामे पात्र नहि
- (C) कथा केवल छन्दक नाम
- (D) संक्षिप्त कथनमे सामाजिक यथार्थ, पात्र-मनोविज्ञान आ संघर्षक प्रस्तुति

८२१. उपन्यास सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (B) उपन्यासमे कथानक नहि
- (C) उपन्यास केवल गीत
- (D) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण

८२२. उपन्यास केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) उपन्यास केवल गीत
- (B) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (C) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण
- (D) उपन्यासमे कथानक नहि

८२३. उपन्यास पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) उपन्यासमे कथानक नहि
- (B) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण
- (C) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (D) उपन्यास केवल गीत

८२४. उपन्यासक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) उपन्यास केवल गीत
- (B) उपन्यासमे कथानक नहि
- (C) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (D) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण

८२५. उपन्यासक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) उपन्यास केवल गीत
- (B) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (C) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण
- (D) उपन्यासमे कथानक नहि

८२६. उपन्यास सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (B) उपन्यास केवल गीत
- (C) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण
- (D) उपन्यासमे कथानक नहि

८२७. उपन्यासक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण
- (B) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (C) उपन्यासमे कथानक नहि
- (D) उपन्यास केवल गीत

८२८. उपन्यासक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) उपन्यास केवल गीत
- (B) उपन्यासमे कथानक नहि
- (C) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (D) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण

८२९. उपन्यास पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण
- (B) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (C) उपन्यासमे कथानक नहि
- (D) उपन्यास केवल गीत

८३०. उपन्यास विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) उपन्यास आधुनिक साहित्यसँ बाहर
- (B) उपन्यास केवल गीत
- (C) उपन्यासमे कथानक नहि
- (D) विस्तृत कथा-विन्यासमे समाज, इतिहास, वर्ग, लिंग आ मनोविज्ञानक चित्रण

८३१. नाटक सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप
- (B) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (C) नाटक केवल मौन चित्र
- (D) मंचीयता अर्थहीन

८३२. नाटक केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (B) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप
- (C) नाटक केवल मौन चित्र
- (D) मंचीयता अर्थहीन

८३३. नाटक पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (B) मंचीयता अर्थहीन
- (C) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप
- (D) नाटक केवल मौन चित्र

८३४. नाटकक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) नाटक केवल मौन चित्र
- (B) मंचीयता अर्थहीन
- (C) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप
- (D) संवादक नाटकमे भूमिका नहि

८३५. नाटकक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (B) नाटक केवल मौन चित्र
- (C) मंचीयता अर्थहीन
- (D) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप

८३६. नाटक सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) नाटक केवल मौन चित्र
- (B) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (C) मंचीयता अर्थहीन
- (D) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप

८३७. नाटकक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप
- (B) नाटक केवल मौन चित्र
- (C) मंचीयता अर्थहीन
- (D) संवादक नाटकमे भूमिका नहि

८३८. नाटकक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) नाटक केवल मौन चित्र
- (B) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप
- (C) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (D) मंचीयता अर्थहीन

८३९. नाटक पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) नाटक केवल मौन चित्र
- (B) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप
- (C) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (D) मंचीयता अर्थहीन

८४०. नाटक विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मंचीयता अर्थहीन
- (B) संवादक नाटकमे भूमिका नहि
- (C) नाटक केवल मौन चित्र
- (D) संवाद, मंच, पात्र-संघर्ष आ दर्शक-संपर्कसँ साहित्यक जीवंत रूप

८४१. समीक्षा सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) समीक्षामे तर्क नहि
- (B) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (C) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (D) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन

८४२. समीक्षा केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (B) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन
- (C) समीक्षामे तर्क नहि
- (D) समीक्षा केवल प्रशंसा

८४३. समीक्षा पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (B) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन
- (C) समीक्षामे तर्क नहि
- (D) समीक्षा केवल प्रशंसा

८४४. समीक्षाक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन
- (B) समीक्षामे तर्क नहि
- (C) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (D) आलोचना साहित्य-विरोधी

८४५. समीक्षाक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (B) समीक्षामे तर्क नहि
- (C) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (D) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन

८४६. समीक्षा सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (B) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (C) समीक्षामे तर्क नहि
- (D) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन

८४७. समीक्षाक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) समीक्षामे तर्क नहि
- (B) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (C) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (D) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन

८४८. समीक्षाक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (B) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन
- (C) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (D) समीक्षामे तर्क नहि

८४९. समीक्षा पर तुलनात्मक दृष्टि अपनवैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) समीक्षामे तर्क नहि
- (B) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (C) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (D) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन

८५०. समीक्षा विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) समीक्षा केवल प्रशंसा
- (B) समीक्षामे तर्क नहि
- (C) आलोचना साहित्य-विरोधी
- (D) कृति, प्रवृत्ति, भाषा, रूप आ समाजक विवेचन करयवला आलोचनात्मक लेखन

८५१. नारी-दृष्टि सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित
- (B) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ
- (C) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (D) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि

८५२. नारी-दृष्टि केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (B) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (C) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ
- (D) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित

८५३. नारी-दृष्टि पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (B) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (C) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित
- (D) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ

८५४. नारी-दृष्टिक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (B) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (C) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित
- (D) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ

८५५. नारी-दृष्टिक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ
- (B) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (C) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (D) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित

८५६. नारी-दृष्टि सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित
- (B) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (C) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (D) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ

८५७. नारी-दृष्टिक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ
- (B) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित
- (C) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (D) स्त्री पात्र केवल सजावट

८५८. नारी-दृष्टिक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (B) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (C) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित
- (D) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ

८५९. नारी-दृष्टि पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (B) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ
- (C) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित
- (D) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि

८६०. नारी-दृष्टि विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) स्त्री पात्र केवल सजावट
- (B) लिंग-अनुभवक पाठमे भूमिका नहि
- (C) स्त्री-अनुभव, अधिकार, देह, श्रम, परिवार आ समाजक पुनर्पाठ
- (D) नारी-दृष्टि आधुनिक साहित्यमे अनुपस्थित

८६१. दलित आ हाशिया स्वर सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (B) हाशिया-स्वर साहित्य नहि
- (C) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (D) श्रम समाजक विषय नहि

८६२. दलित आ हाशिया स्वर केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) श्रम समाजक विषय नहि
- (B) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (C) हाशिया-स्वर साहित्य नहि
- (D) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

८६३. दलित आ हाशिया स्वर पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (B) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (C) श्रम समाजक विषय नहि
- (D) हाशिया-स्वर साहित्य नहि

८६४. दलित आ हाशिया स्वरक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (B) श्रम समाजक विषय नहि
- (C) हाशिया-स्वर साहित्य नहि
- (D) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

८६५. दलित आ हाशिया स्वरक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (B) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (C) श्रम समाजक विषय नहि
- (D) हाशिया-स्वर साहित्य नहि

८६६. दलित आ हाशिया स्वर सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (B) हाशिया-स्वर साहित्य नहि
- (C) श्रम समाजक विषय नहि
- (D) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

८६७. दलित आ हाशिया स्वरक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (B) श्रम समाजक विषय नहि
- (C) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (D) हाशिया-स्वर साहित्य नहि

८६८. दलित आ हाशिया स्वरक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) हाशिया-स्वर साहित्य नहि
- (B) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (C) श्रम समाजक विषय नहि
- (D) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि

८६९. दलित आ हाशिया स्वर पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) श्रम समाजक विषय नहि
- (B) हाशिया-स्वर साहित्य नहि
- (C) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि
- (D) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति

८७०. दलित आ हाशिया स्वर विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) हाशिया-स्वर साहित्य नहि
- (B) वंचित समुदाय, श्रम, अपमान, प्रतिरोध आ न्यायक साहित्यिक अभिव्यक्ति
- (C) श्रम समाजक विषय नहि
- (D) दलित अनुभव तुलनायोग्य नहि

८७१. भाषा-शैली सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि
- (C) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (D) लोकभाषा केवल गलती

८७२. भाषा-शैली केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि
- (B) लोकभाषा केवल गलती
- (C) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार

८७३. भाषा-शैली पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) लोकभाषा केवल गलती
- (B) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (C) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि

८७४. भाषा-शैलीक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकभाषा केवल गलती
- (C) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (D) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि

८७५. भाषा-शैलीक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (B) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि
- (C) लोकभाषा केवल गलती
- (D) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

८७६. भाषा-शैली सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (C) लोकभाषा केवल गलती
- (D) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि

८७७. भाषा-शैलीक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (B) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि
- (C) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) लोकभाषा केवल गलती

८७८. भाषा-शैलीक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (B) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) लोकभाषा केवल गलती
- (D) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि

८७९. भाषा-शैली पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (B) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि
- (D) लोकभाषा केवल गलती

८८०. भाषा-शैली विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) मुहावराक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) लोकभाषा केवल गलती
- (C) लोकभाषा, शहरी बोलचाल, मुहावरा आ प्रयोगशील शैलीक विस्तार
- (D) आधुनिक साहित्यमे भाषा स्थिर रहैत अछि

८८१. पत्रकारिता आ साहित्य सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (B) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच
- (C) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (D) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी

८८२. पत्रकारिता आ साहित्य केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच
- (B) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (C) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (D) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी

८८३. पत्रकारिता आ साहित्य पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (B) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (C) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी
- (D) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच

८८४. पत्रकारिता आ साहित्यक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (B) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (C) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी
- (D) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच

८८५. पत्रकारिता आ साहित्यक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (B) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (C) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी
- (D) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच

८८६. पत्रकारिता आ साहित्य सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच
- (B) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी
- (C) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (D) विचार-विमर्श बिना साहित्य

८८७. पत्रकारिता आ साहित्यक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी
- (B) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (C) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (D) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच

८८८. पत्रकारिता आ साहित्यक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच
- (B) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि
- (C) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (D) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी

८८९. पत्रकारिता आ साहित्य पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच
- (B) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (C) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी
- (D) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि

८९०. पत्रकारिता आ साहित्य विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) पत्र-पत्रिका आधुनिक गद्य, आलोचना, कविता-कथा आ विचार-विमर्शक मंच
- (B) पत्रकारिता साहित्यक विरोधी
- (C) विचार-विमर्श बिना साहित्य
- (D) पत्रिका गद्य-विकासमे भूमिका नहि

८९१. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टि सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (B) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (C) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (D) केवल नाम याद करब पर्याप्त

८९२. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टि केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (B) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (C) केवल नाम याद करब पर्याप्त
- (D) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत

८९३. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टि पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (B) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (C) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (D) केवल नाम याद करब पर्याप्त

८९४. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टिक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (B) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (C) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (D) केवल नाम याद करब पर्याप्त

८९५. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टिक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (B) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (C) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (D) केवल नाम याद करब पर्याप्त

८९६. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टि सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (B) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (C) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (D) केवल नाम याद करब पर्याप्त

८९७. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टिक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (B) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (C) केवल नाम याद करब पर्याप्त
- (D) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत

८९८. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टिक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (B) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (C) केवल नाम याद करब पर्याप्त
- (D) विधा-विकासक अध्ययन बेकार

८९९. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टि पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (B) केवल नाम याद करब पर्याप्त
- (C) विधा-विकासक अध्ययन बेकार
- (D) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन

९००. आधुनिक तुलनात्मक दृष्टि विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल नाम याद करब पर्याप्त
- (B) समाज छोड़ि साहित्य बुझल जा सकैत
- (C) विधा, समाज, भाषा, पाठक आ प्रकाशन-संस्कृतिक एकसाथ अध्ययन
- (D) विधा-विकासक अध्ययन बेकार

10

९०१. अनुवाद-विज्ञान सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित
- (B) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण
- (C) भावक भूमिका नहि
- (D) अनुवाद केवल शब्द बदलना

९०२. अनुवाद-विज्ञान केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) भावक भूमिका नहि
- (B) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित
- (C) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (D) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण

९०३. अनुवाद-विज्ञान पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (B) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण
- (C) भावक भूमिका नहि
- (D) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित

९०४. अनुवाद-विज्ञानक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भावक भूमिका नहि
- (B) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (C) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण
- (D) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित

९०५. अनुवाद-विज्ञानक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) भावक भूमिका नहि
- (B) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित
- (C) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (D) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण

९०६. अनुवाद-विज्ञान सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (B) भावक भूमिका नहि
- (C) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित
- (D) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण

९०७. अनुवाद-विज्ञानक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण
- (B) भावक भूमिका नहि
- (C) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (D) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित

९०८. अनुवाद-विज्ञानक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भावक भूमिका नहि
- (B) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित
- (C) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (D) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण

९०९. अनुवाद-विज्ञान पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण
- (B) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (C) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित
- (D) भावक भूमिका नहि

९१०. अनुवाद-विज्ञान विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) भावक भूमिका नहि
- (B) अनुवाद केवल शब्द बदलना
- (C) अर्थ, भाव, शैली, सांस्कृतिक संकेत आ पाठक-संदर्भक सावधान रूपान्तरण
- (D) अनुवादमे संस्कृति अनुपस्थित

९११. ग्रहण-अध्ययन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (C) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (D) पाठकक भूमिका शून्य

९१२. ग्रहण-अध्ययन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (B) पाठकक भूमिका शून्य
- (C) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (D) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

९१३. ग्रहण-अध्ययन पर परीक्षा-उत्तर लिखित समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (C) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (D) पाठकक भूमिका शून्य

९१४. ग्रहण-अध्ययनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (B) पाठकक भूमिका शून्य
- (C) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल

९१५. ग्रहण-अध्ययनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (B) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (C) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) पाठकक भूमिका शून्य

९१६. ग्रहण-अध्ययन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (C) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (D) पाठकक भूमिका शून्य

९१७. ग्रहण-अध्ययनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (B) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (C) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (D) पाठकक भूमिका शून्य

९१८. ग्रहण-अध्ययनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (B) पाठकक भूमिका शून्य
- (C) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (D) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि

९१९. ग्रहण-अध्ययन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (B) पाठकक भूमिका शून्य
- (C) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (D) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान

९२०. ग्रहण-अध्ययन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) ग्रहणक साहित्यसँ सम्बन्ध नहि
- (B) कुनो कृति वा लेखककेँ दोसर भाषा-साहित्यमे कोना पढ़ल-बुझल गेल
- (C) प्रभाव आ ग्रहण एकदम समान
- (D) पाठकक भूमिका शून्य

९२१. भाषा-संपर्क सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) भाषा कहियो बदलैत नहि
- (B) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत
- (C) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (D) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि

९२२. भाषा-संपर्क केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (B) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत
- (C) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (D) भाषा कहियो बदलैत नहि

९२३. भाषा-संपर्क पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (B) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (C) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत
- (D) भाषा कहियो बदलैत नहि

९२४. भाषा-संपर्कक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) भाषा कहियो बदलैत नहि
- (B) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (C) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (D) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत

९२५. भाषा-संपर्कक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (B) भाषा कहियो बदलैत नहि
- (C) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (D) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत

९२६. भाषा-संपर्क सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) भाषा कहियो बदलैत नहि
- (B) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (C) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (D) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत

९२७. भाषा-संपर्कक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत
- (B) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (C) भाषा कहियो बदलैत नहि
- (D) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान

९२८. भाषा-संपर्कक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) भाषा कहियो बदलैत नहि
- (B) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत
- (C) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (D) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि

९२९. भाषा-संपर्क पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (B) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (C) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत
- (D) भाषा कहियो बदलैत नहि

९३०. भाषा-संपर्क विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) सामाजिक सम्पर्कसँ शब्द, शैली, वाक्य-रूप आ साहित्यिक विषयक आदान-प्रदान
- (B) साहित्य बन्द कक्षमे जन्मैत अछि
- (C) भाषा कहियो बदलैत नहि
- (D) सम्पर्क सँ शब्द नहि अबैत

९३१. डिजिटल अभिलेखन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन
- (B) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (C) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत
- (D) अभिलेखन केवल सजावट

९३२. डिजिटल अभिलेखन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (B) अभिलेखन केवल सजावट
- (C) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत
- (D) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन

९३३. डिजिटल अभिलेखन पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन
- (B) अभिलेखन केवल सजावट
- (C) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (D) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत

९३४. डिजिटल अभिलेखनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) अभिलेखन केवल सजावट
- (B) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत
- (C) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (D) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन

९३५. डिजिटल अभिलेखनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन
- (B) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (C) अभिलेखन केवल सजावट
- (D) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत

९३६. डिजिटल अभिलेखन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत
- (B) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (C) अभिलेखन केवल सजावट
- (D) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन

९३७. डिजिटल अभिलेखनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन
- (B) अभिलेखन केवल सजावट
- (C) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत
- (D) लोकगीतक संरक्षण असम्भव

९३८. डिजिटल अभिलेखनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (B) अभिलेखन केवल सजावट
- (C) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत
- (D) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन

९३९. डिजिटल अभिलेखन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) अभिलेखन केवल सजावट
- (B) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन
- (C) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (D) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत

९४०. डिजिटल अभिलेखन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) लोकगीतक संरक्षण असम्भव
- (B) पाण्डुलिपि, पत्रिका, लोकगीत आ पुरान ग्रन्थकेँ सुरक्षित आ उपलब्ध करबाक आधुनिक साधन
- (C) अभिलेखन केवल सजावट
- (D) डिजिटल साधन साहित्य बचा नहि सकैत

९४१. शोध-पद्धति सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) तुलना बिना आधार
- (B) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (C) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (D) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि

९४२. शोध-पद्धति केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि
- (B) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (C) तुलना बिना आधार
- (D) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे

९४३. शोध-पद्धति पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (B) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि
- (C) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (D) तुलना बिना आधार

९४४. शोध-पद्धतिक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (B) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (C) तुलना बिना आधार
- (D) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि

९४५. शोध-पद्धतिक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (B) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (C) तुलना बिना आधार
- (D) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि

९४६. शोध-पद्धति सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (B) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (C) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि
- (D) तुलना बिना आधार

९४७. शोध-पद्धतिक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि
- (B) तुलना बिना आधार
- (C) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (D) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन

९४८. शोध-पद्धतिक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) तुलना बिना आधार
- (B) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (C) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (D) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि

९४९. शोध-पद्धति पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि
- (B) तुलना बिना आधार
- (C) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे
- (D) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन

९५०. शोध-पद्धति विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) शोधमे स्रोतक जरूरत नहि
- (B) प्रश्न, स्रोत, पाठ, तुलना, प्रमाण आ निष्कर्षक क्रमबद्ध अनुशासन
- (C) तुलना बिना आधार
- (D) निष्कर्ष पहिले, प्रमाण बादमे

९५१. पाठालोचन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन
- (B) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (C) पाठ-भेद महत्वहीन
- (D) सम्पादन अध्ययनक विरोधी

९५२. पाठालोचन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन
- (B) पाठ-भेद महत्वहीन
- (C) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (D) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि

१५३. पाठालोचन पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (B) पाठ-भेद महत्वहीन
- (C) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (D) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन

१५४. पाठालोचनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (B) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (C) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन
- (D) पाठ-भेद महत्वहीन

१५५. पाठालोचनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (B) पाठ-भेद महत्वहीन
- (C) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (D) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन

१५६. पाठालोचन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) पाठ-भेद महत्वहीन
- (B) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (C) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (D) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन

१५७. पाठालोचनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (B) पाठ-भेद महत्वहीन
- (C) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (D) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन

१५८. पाठालोचनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (B) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (C) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन
- (D) पाठ-भेद महत्वहीन

१५९. पाठालोचन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (B) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (C) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन
- (D) पाठ-भेद महत्वहीन

१६०. पाठालोचन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) सम्पादन अध्ययनक विरोधी
- (B) पाठालोचन केवल चित्र बनाबैत अछि
- (C) पाठ-भेद, संस्करण, भाषा-रूप आ सम्पादनक आधार पर कृति-पठन
- (D) पाठ-भेद महत्वहीन

९६१. अन्तर्भाषिक पाठक सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (B) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (C) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि
- (D) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत

९६२. अन्तर्भाषिक पाठक केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (B) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (C) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि
- (D) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत

९६३. अन्तर्भाषिक पाठक पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि
- (B) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (C) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (D) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत

९६४. अन्तर्भाषिक पाठकक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (B) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (C) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत
- (D) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि

९६५. अन्तर्भाषिक पाठकक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि
- (B) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (C) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (D) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत

९६६. अन्तर्भाषिक पाठक सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत
- (B) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (C) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (D) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि

९६७. अन्तर्भाषिक पाठकक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (B) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत
- (C) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (D) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि

९६८. अन्तर्भाषिक पाठकक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत
- (B) एक भाषा-साहित्यक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि
- (C) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (D) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि

९६९. अन्तर्भाषिक पाठक पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) एक भाषा-साहित्यिक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि
- (B) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (C) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत
- (D) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि

९७०. अन्तर्भाषिक पाठक विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) अनुवादित पाठक असली पाठक नहि
- (B) पठनक संस्कृति अर्थहीन
- (C) एक भाषा-साहित्यिक पाठक दोसर भाषाक कृति सँ संवाद करैत अछि
- (D) पाठक भाषिक सीमा पार नहि करैत

९७१. शिक्षा आ पाठ्यक्रम सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार
- (B) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (C) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि
- (D) साहित्य केवल रटबाक विषय

९७२. शिक्षा आ पाठ्यक्रम केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यिक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (B) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि
- (C) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (D) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार

९७३. शिक्षा आ पाठ्यक्रम पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार
- (B) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (C) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (D) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि

९७४. शिक्षा आ पाठ्यक्रमक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि
- (B) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (C) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार
- (D) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत

९७५. शिक्षा आ पाठ्यक्रमक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि
- (B) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार
- (C) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (D) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत

९७६. शिक्षा आ पाठ्यक्रम सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि
- (B) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (C) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (D) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार

९७७. शिक्षा आ पाठ्यक्रमक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (B) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार
- (C) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (D) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि

९७८. शिक्षा आ पाठ्यक्रमक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि
- (B) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (C) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (D) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार

९७९. शिक्षा आ पाठ्यक्रम पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (B) साहित्य केवल रटबाक विषय
- (C) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार
- (D) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि

९८०. शिक्षा आ पाठ्यक्रम विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) पाठ्यक्रममे तुलना बेकार
- (B) तुलनात्मक अध्ययन भाषिक विविधता आ साहित्यिक समझ बढ़बैत अछि
- (C) बहुभाषिकता विद्यार्थी केँ हानि करैत
- (D) साहित्य केवल रटबाक विषय

९८१. समकालीन लेखन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) समकालीनता केवल तिथि
- (B) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (C) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (D) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति

९८२. समकालीन लेखन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति
- (B) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (C) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (D) समकालीनता केवल तिथि

९८३. समकालीन लेखन पर परीक्षा-उत्तर लिखैत समय मुख्य बात कोन राखब?

- (A) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति
- (B) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (C) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (D) समकालीनता केवल तिथि

९८४. समकालीन लेखनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (B) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (C) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति
- (D) समकालीनता केवल तिथि

९८५. समकालीन लेखनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति
- (B) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (C) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (D) समकालीनता केवल तिथि

९८६. समकालीन लेखन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) समकालीनता केवल तिथि
- (B) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (C) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (D) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति

९८७. समकालीन लेखनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति
- (B) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (C) समकालीनता केवल तिथि
- (D) प्रवास आधुनिक विषय नहि

९८८. समकालीन लेखनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति
- (B) समकालीनता केवल तिथि
- (C) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (D) प्रवास आधुनिक विषय नहि

९८९. समकालीन लेखन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (B) समकालीनता केवल तिथि
- (C) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति
- (D) नवा माध्यम साहित्यक बाहर

९९०. समकालीन लेखन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) नवा माध्यम साहित्यक बाहर
- (B) प्रवास आधुनिक विषय नहि
- (C) समकालीनता केवल तिथि
- (D) नव विषय, नवा माध्यम, पहचान, पर्यावरण, प्रवास आ डिजिटल संस्कृति

९९१. संतुलित मूल्यांकन सम्बन्धी तुलनात्मक अध्ययनमे सभसँ उचित कथन कोन अछि?

- (A) मैथिलीक भारतीय भाषा-साहित्यक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब
- (B) तुलना करब मतलब हीनता
- (C) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (D) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त

९९२. संतुलित मूल्यांकन केँ मैथिली आ अन्य भारतीय भाषा-साहित्यक सन्दर्भमे कोना बुझल जाए?

- (A) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त
- (B) मैथिलीक भारतीय भाषा-साहित्यक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब
- (C) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (D) तुलना करब मतलब हीनता

९९३. संतुलित मूल्यांकन पर परीक्षा-उत्तर लिखते समय मुख्य बात कोन रखब?

- (A) तुलना करब मतलब हीनता
- (B) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त
- (C) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (D) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब

९९४. संतुलित मूल्यांकनक तुलनात्मक महत्त्व कोन विकल्प नीकसँ स्पष्ट करैत अछि?

- (A) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब
- (B) तुलना करब मतलब हीनता
- (C) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (D) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त

९९५. संतुलित मूल्यांकनक अध्ययनमे कोन दृष्टि सर्वाधिक उपयोगी अछि?

- (A) तुलना करब मतलब हीनता
- (B) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (C) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त
- (D) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब

९९६. संतुलित मूल्यांकन सम्बन्धी सही सार-वाक्य कोन अछि?

- (A) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (B) तुलना करब मतलब हीनता
- (C) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त
- (D) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब

९९७. संतुलित मूल्यांकनक आधार पर मैथिलीक अन्य भारतीय भाषासँ सम्बन्ध कोना देखाइत अछि?

- (A) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (B) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब
- (C) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त
- (D) तुलना करब मतलब हीनता

९९८. संतुलित मूल्यांकनक सन्दर्भमे कोन बात छोड़ल नहि जा सकैत?

- (A) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब
- (B) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (C) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त
- (D) तुलना करब मतलब हीनता

९९९. संतुलित मूल्यांकन पर तुलनात्मक दृष्टि अपनबैत कोन निष्कर्ष उचित अछि?

- (A) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब
- (B) तुलना करब मतलब हीनता
- (C) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (D) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त

१०००. संतुलित मूल्यांकन विषयक प्रश्नमे सही विकल्प चुनू।

- (A) केवल श्रेष्ठता-विवाद साहित्यिक अध्ययन
- (B) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यिक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब
- (C) स्वतंत्रता मानब मतलब संवाद समाप्त
- (D) तुलना करब मतलब हीनता

- [illegible]

४०. (B) भिन्न परम्परामे मिलैत विषय, रूप, प्रतीक वा भावक पहचान — साम्य अध्ययन तुलनात्मक दृष्टिक महत्त्वपूर्ण आधार अछि, मुदा साम्यकें प्रमाणसहित देखब चाही। परीक्षा-दृष्टिसँ एहि बिन्दु कें केन्द्रमे राखब चाही।

४१. (A) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। एहि कथनमे विषयक मूल धरातल स्पष्ट होइत अछि।

४२. (A) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। एहि कारण ई विकल्प सही अछि।

४३. (C) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

४४. (B) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। एहि कथनमे विषयक मूल धरातल स्पष्ट होइत अछि।

४५. (D) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

४६. (C) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। परीक्षा-दृष्टिसँ एहि बिन्दु केँ केन्द्रमे राखब चाही।

૪૭. (C) ભાષા, સમાજ, ઇતિહાસ આ સૌન્દર્ય-દૃષ્ટિક કારણ ઉપજલ અંતરક વિવેચન — સહી તુલના સામ્યક સંગ ભિન્નતા સેહો દેખેત અછિ, કારણ હરેક સાહિત્યક અપન સામાજિક પૃષ્ઠભૂમિ હોટત અછિ। ઇહિ કથનમે વિષયક મૂલ ધરાતલ સ્પષ્ટ હોટત અછિ।

४८. (A) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

४९. (D) भाषा, समाज, इतिहास आ सौन्दर्य-दृष्टिक कारण उपजल अंतरक विवेचन — सही तुलना साम्यक संग भिन्नता सेहो देखैत अछि, कारण हरेक साहित्यक अपन सामाजिक पृष्ठभूमि होइत अछि। एहि कथनमे विषयक मूल धरातल स्पष्ट होइत अछि।

૫૦. (A) ભાષા, સમાજ, ઇતિહાસ આ સૌન્દર્ય-દૃષ્ટિક કારણ ઉપજલ અંતરક વિવેચન — સહી તુલના સામ્યક સંગ ભિન્નતા સેહો દેખેત અછિ, કારણ હરેક સાહિત્યક અપન સામાજિક પૃષ્ઠભૂમિ હોડત અછિ। ઇહિ કારણ ઈ વિકલ્પ સહી અછિ।

૧૧. (D) તુલના કરૈત મૂલ પાઠ, પ્રમાણ આ સન્દર્ભક સાવધાન જાંચ — તુલનાત્મક અધ્યયનમે પાઠ-આધાર, પ્રકાશન, પરમ્પરા આ ઇતિહાસિક સંદર્ભક જાંચ જરૂરી અછિ। સાહિત્ય આ ભાષા દુનૂ સ્તર પર ઈ ઉત્તર ઉપયુક્ત અછિ।

૫૨. (C) તુલના કરૈત મૂલ પાઠ, પ્રમાણ આ સન્દર્ભક સાવધાન જાંચ — તુલનાત્મક અધ્યયનમે પાઠ-આધાર, પ્રકાશન, પરમ્પરા આ ઐતિહાસિક સંદર્ભક જાંચ જરૂરી અછિ। ઇહિ કથનમે વિષયક મૂલ ધરાતલ સ્પષ્ટ હોડત અછિ।

५३. (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच — तुलनात्मक अध्ययनमे पाठ-आधार, प्रकाशन, परम्परा आ ऐतिहासिक संदर्भक जाँच जरूरी अछि। तुलनात्मक दृष्टिसँ एहि बातक विशेष महत्त्व अछि।

५४. (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच — तुलनात्मक अध्ययनमे पाठ-आधार, प्रकाशन, परम्परा आ ऐतिहासिक संदर्भक जाँच जरूरी अछि। तुलनात्मक दृष्टिसँ एहि बातक विशेष महत्त्व अछि।

५५. (A) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच — तुलनात्मक अध्ययनमे पाठ-आधार, प्रकाशन, परम्परा आ ऐतिहासिक संदर्भक जाँच जरूरी अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

५६. (A) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच — तुलनात्मक अध्ययनमे पाठ-आधार, प्रकाशन, परम्परा आ ऐतिहासिक संदर्भक जाँच जरूरी अछि। एहि कारण ई विकल्प सही अछि।

૧૭. (C) તુલના કરૈત મૂલ પાઠ, પ્રમાણ આ સન્દર્ભક સાવધાન જાંચ — તુલનાત્મક અધ્યયનમે પાઠ-આધાર, પ્રકાશન, પરમ્પરા આ ઐતિહાસિક સંદર્ભક જાંચ જરૂરી અછિ। ંહિ કથનમે વિષયક મલ ધરાતલ સ્પષ્ટ હોડત અછિ।

५८. (C) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच — तुलनात्मक अध्ययनमे पाठ-आधार, प्रकाशन, परम्परा आ ऐतिहासिक संदर्भक जाँच जरूरी अछि। तुलनात्मक दृष्टिसँ एहि बातक विशेष महत्त्व अछि।

५९. (B) तुलना करैत मूल पाठ, प्रमाण आ सन्दर्भक सावधान जाँच — तुलनात्मक अध्ययनमे पाठ-आधार, प्रकाशन, परम्परा आ ऐतिहासिक संदर्भक जाँच जरूरी अछि। तुलनात्मक दृष्टिसँ एहि बातक विशेष महत्त्व अछि।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७८०. (B) लिखित ग्रन्थक बिना सेहो समुदाय कथा-गीत द्वारा इतिहास आ मूल्य बचबैत अछि — मौखिक परम्परा लोकसाहित्यक जीवन-रेखा अछि; एकर अध्ययन सावधानीसँ करब चाही। एहि कारण ई विकल्प सही अछि।

७८१. (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

७८२. (C) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। परीक्षा-दृष्टिसँ एहि बिन्दु केँ केन्द्रमे राखब चाही।

७८३. (C) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

७८४. (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। परीक्षा-दृष्टिसँ एहि बिन्दु केँ केन्द्रमे राखब चाही।

७८५. (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। तुलनात्मक दृष्टिसँ एहि बातक विशेष महत्त्व अछि।

७८६. (A) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। साहित्य आ भाषा दनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

७८७. (B) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। एहि कथनमे विषयक मूल धरातल स्पष्ट होइत अछि।

७८८. (D) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। एहि कथनमे विषयक मूल धरातल स्पष्ट होइत अछि।

७८९. (C) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। साहित्य आ भाषा दनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

७९०. (D) गायक, कथावाचक, नट, वादक आ श्रोता मिलि रचना केँ जीवित रखैत छथि — लोकसाहित्य केवल पाठ नहि; ओ प्रदर्शन आ सामुदायिक अनुभव सेहो अछि। परीक्षा-दृष्टिसँ एहि बिन्दु केँ केन्द्रमे राखब चाही।

૭૧૧. (C) એક કથાવસ્તુ અલગ ભાષા-ક્ષેત્રમે અલગ નામ, પાત્ર આ લય પાબિ સકૈત અછિ — લોકસાહિત્યક જીવંતતા ઓકર ક્ષેત્રીય રૂપાન્તરણમે દેખાઇત અછિ. સાહિત્ય આ ભાષા દનુ સ્તર પર ઈ ઉત્તર ઉપયક્ત અછિ।

૭૧૨. (A) એક કથાવસ્તુ અલગ ભાષા-ક્ષેત્રમે અલગ નામ, પાત્ર આ લય પાબિ સકૈત અછિ — લોકસાહિત્યક જીવંતતા ઓકર ક્ષેત્રીય રૂપાન્તરણમે દેખાઇત અછિ. સાહિત્ય આ ભાષા ઢનુ સ્તર પર ઈ ઉત્તર ઉપયુક્ત અછિ।

७९३. (D) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि — लोकसाहित्यक जीवंतता ओकर क्षेत्रीय रूपान्तरणमे देखाइत अछि। तुलनात्मक दृष्टिसँ एहि बातक विशेष महत्त्व अछि।

७१४. (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि — लोकसाहित्यक जीवंतता ओकर क्षेत्रीय रूपान्तरणमे देखाइत अछि। एहि कारण ई विकल्प सही अछि।

७१५. (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि — लोकसाहित्यक जीवंतता ओकर क्षेत्रीय रूपान्तरणमे देखाइत अछि। एहि कथनमे विषयक मूल धरातल स्पष्ट होइत अछि।

७१६. (D) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि — लोकसाहित्यक जीवंतता ओकर क्षेत्रीय रूपान्तरणमे देखाइत अछि। परीक्षा-दृष्टिसँ एहि बिन्दु कें केन्द्रमे राखब चाही।

७९७. (B) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि — लोकसाहित्यक जीवंतता ओकर क्षेत्रीय रूपान्तरणमे देखाइत अछि। एहि कारण ई विकल्प सही अछि।

७९८. (D) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि — लोकसाहित्यक जीवंतता ओकर क्षेत्रीय रूपान्तरणमे देखाइत अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

७९९. (A) एक कथावस्तु अलग भाषा-क्षेत्रमे अलग नाम, पात्र आ लय पाबि सकैत अछि — लोकसाहित्यक जीवंतता ओकर क्षेत्रीय रूपान्तरणमे देखाइत अछि। साहित्य आ भाषा दुनू स्तर पर ई उत्तर उपयुक्त अछि।

१०००. (B) मैथिलीकेँ भारतीय भाषा-साहित्यक व्यापक परिवारमे स्वतंत्र आ संवादशील रूपेँ देखब — संतुलित दृष्टि मैथिलीक अस्मिता आ ओकर बहुभाषिक संवाद दुनूकेँ स्वीकारैत अछि। तुलनात्मक दृष्टिसँ एहि बातक विशेष महत्त्व अछि।

अध्याय ३ : मैथिलीमे साहित्यिक सिद्धांत आ आलोचना — विदेह क्विज

साहित्यिक सिद्धांतक आधार

१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

१०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

११. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

१२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

१३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

१४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण

१५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

१६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

१७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

१८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण

१९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

२०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

२१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

२२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन

२३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

२४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

२५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

२६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन

२७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

२८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

२९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

३०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन

३१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

३२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

३३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

३४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण

३५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

३६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

३७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

३८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण

३९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

४०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

४१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

४२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

४३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

४४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

४५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

४६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

४७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

४८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

४९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

५०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

५१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

५२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

५३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

५४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण

५५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

५६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

५७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

५८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण

५९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

६०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

६१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

६२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन

६३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

६४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

६५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

६६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन

६७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

६८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

६९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

७०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) पाठक, कृति आ संदर्भक संतुलित अध्ययन

७१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

७२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

७३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

७४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण

७५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

७६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

७७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

७८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण

७९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

८०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

८१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

८२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

८३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

८४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

८५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

८६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

८७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

८८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

८९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

९०. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन

९१. काव्यक लक्षणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

९२. साहित्यक प्रयोजन साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

९३. मैथिली साहित्यक संदर्भमे सहृदय पाठकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

९४. रचनाकारक दृष्टि पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण

९५. सामाजिक संदर्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

९६. काव्य-सत्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

९७. कल्पनाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (B) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (C) केवल छपाइ आकार देखब
- (D) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब

९८. अनुभूतिक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (B) केवल छपाइ आकार देखब
- (C) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (D) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण

९९. सौन्दर्य-बोधक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल छपाइ आकार देखब
- (B) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (C) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (D) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब

१००. आलोचनात्मक विवेक पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ-संख्या लिखब
- (B) साहित्यक भीतर जीवन-अनुभवक सौन्दर्यपूर्ण रूपान्तरण
- (C) केवल लेखकक जन्म-तिथि गनब
- (D) केवल छपाइ आकार देखब

रस, भाव आ सौन्दर्य

१०१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) रसकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१०२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) स्थायी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१०३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१०४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अनुभावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१०५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) संचारी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१०६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१०७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१०८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१०९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव

११०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१११. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) रसकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

११२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) स्थायी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

११३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

११४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) अनुभावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

११५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) संचारी भावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

११६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

११७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन

११८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (D) केवल व्याकरणक नियम

११९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१२०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१२१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) रसकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१२२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) स्थायी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१२३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१२४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अनुभावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१२५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) संचारी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१२६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१२७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१२८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१२९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण

१३०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१३१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) रसक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१३२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) स्थायी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१३३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१३४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) अनुभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१३५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) संचारी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१३६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१३७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद

१३८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१३९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१४०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१४१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) रसक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१४२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) स्थायी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१४३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१४४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अनुभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१४५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) संचारी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१४६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१४७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१४८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१४९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव

१५०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१५१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) रसकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१५२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) स्थायी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१५३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१५४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) अनुभावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१५५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) संचारी भावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१५६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१५७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन

१५८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१५९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१६०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१६१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) रसक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१६२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) स्थायी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१६३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१६४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अनुभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१६५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) संचारी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१६६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१६७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१६८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१६९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण

१७०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१७१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) रसक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१७२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) स्थायी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१७३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१७४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) अनुभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१७५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) संचारी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१७६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१७७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद

१७८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१७९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१८०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भावक कलात्मक परिपाकसँ उत्पन्न आस्वाद
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१८१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) रसक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१८२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) स्थायी भावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१८३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१८४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) अनुभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१८५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) संचारी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१८६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१८७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१८८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१८९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव

१९०. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१९१. रस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) रसकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१९२. मैथिली साहित्यक संदर्भमे स्थायी भावक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) स्थायी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१९३. विभाव पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब

१९४. अनुभावक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) अनुभावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१९५. संचारी भावक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) संचारी भावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

१९६. करुण रसक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

१९७. शृङ्गार रसक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल व्याकरणक नियम
- (B) केवल लेखकक पता
- (C) केवल पुस्तकक मूल्य
- (D) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन

१९८. वीर रसक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल लेखकक पता
- (B) केवल पुस्तकक मूल्य
- (C) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (D) केवल व्याकरणक नियम

१९९. हास्य रस पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल पुस्तकक मूल्य
- (B) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (C) केवल व्याकरणक नियम
- (D) केवल लेखकक पता

२००. रसास्वादक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन
- (B) केवल व्याकरणक नियम
- (C) केवल लेखकक पता
- (D) केवल पुस्तकक मूल्य

ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति आ औचित्य

२०१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) ध्वनिक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२०२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) रीतिक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२०३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वक्रोक्तिक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२०४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) औचित्यक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२०५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२०६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२०७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२०८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल

२०९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२१०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२११. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) ध्वनिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२१२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) रीतिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२१३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) वक्रोक्तिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२१४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) औचित्यक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२१५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२१६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़

२१७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२१८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२१९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२२०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़

२२१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) ध्वनिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२२२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) रीतिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२२३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वक्रोक्तिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२२४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) औचित्यक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२२५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२२६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२२७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२२८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव

२२९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२३०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२३१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) ध्वनिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२३२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) रीतिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२३३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) वक्रोक्तिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२३४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) औचित्यक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२३५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२३६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान

२३७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२३८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२३९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२४०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान

२४१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) ध्वनिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२४२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) रीतिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२४३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वक्रोक्तिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२४४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) औचित्यक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२४५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२४६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२४७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२४८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल

२४९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२५०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२५१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) ध्वनिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२५२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) रीतिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२५३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) वक्रोक्तिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२५४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) औचित्यक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२५५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२५६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़

२५७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२५८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२५९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२६०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़

२६१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) ध्वनिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२६२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) रीतिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२६३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वक्रोक्तिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२६४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) औचित्यक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२६५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२६६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२६७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२६८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव

२६९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२७०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) प्रत्यक्ष कथनसँ आगाँ छिपल गूढ़ अर्थक अनुभव
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२७१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) ध्वनिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२७२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) रीतिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२७३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) वक्रोक्तिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२७४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) औचित्यक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२७५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२७६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान

२७७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२७८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२७९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२८०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) भाषा-रचना आ कथन-ढंगक कलात्मक पहचान

२८१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) ध्वनिक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२८२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) रीतिक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२८३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) वक्रोक्तिक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२८४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) औचित्यक माध्यमें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२८५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२८६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२८७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२८८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल

२८९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२९०. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२९१. मैथिली साहित्यक संदर्भमे ध्वनिक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) ध्वनिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२९२. रीति पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) रीतिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब

२९३. वक्रोक्तिक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) वक्रोक्तिक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२९४. औचित्यक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) औचित्यक माध्यममें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२९५. गुणक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

२९६. शैलीक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़

२९७. लाक्षणिक अर्थक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल पंक्ति संख्या
- (B) केवल लेखकक उम्र
- (C) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (D) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ

२९८. व्यंजना पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल लेखकक उम्र
- (B) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (C) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (D) केवल पंक्ति संख्या

२९९. अर्थ-स्तरक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़
- (B) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (C) केवल पंक्ति संख्या
- (D) केवल लेखकक उम्र

३००. प्रसंग-संगति साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल शब्दकोशक पहिल अर्थ
- (B) केवल पंक्ति संख्या
- (C) केवल लेखकक उम्र
- (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़

अलंकार, छन्द आ भाषा-शिल्प

३०१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३०२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३०३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३०४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३०५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३०६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३०७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब

३०८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३०९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३१०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३११. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३१२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३१३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३१४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३१५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३१६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३१७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३१८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३१९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन

३२०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३२१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३२२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३२३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३२४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३२५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३२६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३२७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण

३२८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३२९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३३०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३३१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३३२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३३३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३३४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३३५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३३६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३३७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३३८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३३९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प

३४०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३४१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३४२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३४३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३४४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३४५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३४६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३४७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब

३४८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३४९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३५०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३५१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३५२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३५३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३५४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३५५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३५६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३५७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३५८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३५९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन

३६०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३६१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३६२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३६३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३६४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३६५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३६६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३६७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण

३६८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३६९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३७०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) काव्य-पंक्तिमे सौन्दर्य आ प्रभाव बढ़ेबाक उपकरण
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३७१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३७२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३७३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३७४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३७५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३७६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३७७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३७८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३७९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प

३८०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) अर्थकेँ अधिक सघन, स्मरणीय आ दृश्य बनौनिहार शिल्प
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३८१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३८२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३८३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३८४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३८५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३८६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३८७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब

३८८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३८९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३९०. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३९१. अनुप्रास पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३९२. श्लेषक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३९३. उपमाक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३९४. रूपकक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३९५. उत्प्रेक्षाक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब

३९६. अतिशयोक्तिक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

३९७. छन्द पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (B) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (C) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (D) प्रकाशकक बिल

३९८. लयक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (B) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (C) प्रकाशकक बिल
- (D) लेखकक हस्ताक्षर मात्र

३९९. बिम्ब साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची
- (B) प्रकाशकक बिल
- (C) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (D) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन

४००. मैथिली साहित्यक संदर्भमे प्रतीकक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) प्रकाशकक बिल
- (B) लेखकक हस्ताक्षर मात्र
- (C) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन
- (D) कथाक अंतमे पृष्ठ-सूची

मैथिली आलोचनाक उद्भव

४०१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४०२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना

४०३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४०४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४०५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४०६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना

४०७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४०८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकेँ जोड़ि विवेचना
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४०९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४१०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना

४११. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४१२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४१३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४१४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार

४१५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४१६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४१७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४१८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार

४१९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४२०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४२१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४२२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच

४२३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४२४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४२५. पाठ-समीक्षाक संग पाठक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४२६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच

४२७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४२८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४२९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४३०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच

४३१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४३२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४३३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४३४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु

४३५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४३६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४३७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४३८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु

४३९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४४०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४४१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४४२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना

४४३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४४४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४४५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४४६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना

४४७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४४८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४४९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४५०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना

४५१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४५२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४५३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४५४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार

४५५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४५६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४५७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४५८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार

४५९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४६०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४६१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४६२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच

४६३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४६४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४६५. पाठ-समीक्षाक संग पाठक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४६६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच

४६७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४६८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४६९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४७०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पत्र-पत्रिका मार्फत कृति-विमर्शक सार्वजनिक मंच

४७१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४७२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४७३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४७४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु

४७५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४७६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४७७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४७८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु

४७९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४८०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) पुरान पोथी आ आधुनिक पाठक बीच आलोचनात्मक सेतु
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४८१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४८२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना

४८३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४८४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४८५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४८६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना

४८७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४८८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४८९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४९०. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना

४९१. मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रयोग कृति-पाठमे किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४९२. साहित्येतिहासक सही आलोचनात्मक उपयोग कोन विकल्पमे अछि?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४९३. पत्रिकाक अध्ययन मात्र सूचना नहि, विवेचन किएक कहल जाएत?

- (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४९४. नवजागरणक आधार पर कृति पढ़बाक मुख्य पद्धति की होएत?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार

४९५. पाठ-समीक्षाक संग पाठकक संवेदनाक सम्बन्ध कोना बनैत अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

४९६. ग्रन्थ-सम्पादन पर आधारित उत्तरमे कोन बात अवश्य रहबाक चाही?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

४९७. भाषा-मानकीकरणक अध्ययनमे सभसँ जरूरी बात की अछि?

- (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (B) केवल विज्ञापन छापब
- (C) केवल कागज काटब
- (D) केवल नामक सूची बिना विवेचन

४९८. साहित्यिक बहस साहित्यिक सिद्धांत वा आलोचनामे कोन बात दिस संकेत करैत अछि?

- (A) केवल विज्ञापन छापब
- (B) केवल कागज काटब
- (C) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार

४९९. मैथिली साहित्यक संदर्भमे कृति-परिचयक उपयुक्त अर्थ कोन अछि?

- (A) केवल कागज काटब
- (B) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (D) केवल विज्ञापन छापब

५००. मूल्यांकन पर आलोचनात्मक प्रश्न बनैत काल कोन दृष्टि श्रेष्ठ मानल जाएत?

- (A) केवल नामक सूची बिना विवेचन
- (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार
- (C) केवल विज्ञापन छापब
- (D) केवल कागज काटब

उत्तरमाला — अध्याय ३ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्यक लक्षणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

२. (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। साहित्यक प्रयोजनक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३. (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। सहृदय पाठकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

४. (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। रचनाकारक दृष्टिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

५. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। सामाजिक संदर्भक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

६. (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्य-सत्यक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७. (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। कल्पनाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

८. (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। अनुभूतिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

९. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। सौन्दर्य-बोधक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३०. (D) पाठक, कृति आ संदर्भक सतुलित अध्ययन — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। आलोचनात्मक विवेकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३१. (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्यक लक्षणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३२. (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। साहित्यक प्रयोजनक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३३. (A) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। सहृदय पाठकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३४. (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तँ ई सही अछि। रचनाकारक दृष्टिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३५. (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। सामाजिक संदर्भक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३६. (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्य-सत्यक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૩૭. (A) રચનાક અર્થ, રૂપ આ પ્રભાવક વિવેકપૂર્ણ પરીક્ષણ — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કૈરૈત અછિ. કલ્પનાક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગૂ હોઇત અછિ.

३८. (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि।
अनुभूतिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

३९. (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। सौन्दर्य-बोधक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

४०. (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। आलोचनात्मक विवेकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

४१. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्यक लक्षणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૪૨. (D) ભાવ, ભાષા આ કલાત્મક ગઠનક સંયુક્ત વિવેચન — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ। સાહિત્યક પ્રયોજનક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગુ હોઇત અછિ।

४३. (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। सहृदय पाठकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

४४. (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धान्तकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तँ ई सही अछि। रचनाकारक दृष्टिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

४५. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। सामाजिक संदर्भक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

४६. (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्य-सत्यक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૪૭. (C) ભાવ, ભાષા આ કલાત્મક ગઠનક સંયુક્ત વિવેચન — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ। કલ્પનાક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગ હોડત અછિ।

४८. (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — आलोचनानामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। अनभक्तिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

४९. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। सौन्दर्य-बोधक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

७०. (D) पाठक, कृति आ संदर्भक सतुलित अध्ययन — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। आलोचनात्मक विवेकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७९. (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्यक लक्षणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७२. (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। साहित्यक प्रयोजनक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७३. (A) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। सहृदय पाठकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७४. (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। रचनाकारक दृष्टिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७५. (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। सामाजिक संदर्भक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७६. (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्य-सत्यक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૭૭. (A) રચનાક અર્થ, રૂપ આ પ્રભાવક વિવેકપૂર્ણ પરીક્ષણ — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ। કલ્પનાક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગૂ હોઇત અછિ।

७८. (D) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि।
अनुभूतिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

७९. (C) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। सौन्दर्य-बोधक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

८०. (B) रचनाक अर्थ, रूप आ प्रभावक विवेकपूर्ण परीक्षण — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। आलोचनात्मक विवेकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

८१. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्यक लक्षणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૯૨. (D) ભાવ, ભાષા આ કલાત્મક ગઠનક સંયુક્ત વિવેચન — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ. સાહિત્યક પ્રયોજનક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગુ હોઇત અછિ.

८३. (C) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। सहृदय पाठकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

८४. (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। रचनाकारक दृष्टिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

८५. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। सामाजिक संदर्भक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

८६. (D) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। काव्य-सत्यक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૮૭. (C) ભાવ, ભાષા આ કલાત્મક ગઠનક સંયુક્ત વિવેચન — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ. કલ્પનાક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગુ હોઐત અછિ.

८८. (B) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। अनभक्तिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

८९. (A) भाव, भाषा आ कलात्मक गठनक संयुक्त विवेचन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धान्तकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। सौन्दर्य-बोधक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

११०. (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। रसास्वादक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१११. (B) रसकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

११२. (A) स्थायी भावकै रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। स्थायी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

११३. (D) विभावर्क रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। विभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

११४. (C) अनुभावक रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। अनुभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

११५. (B) संचारी भावकँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। संचारी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૧૧૬. (A) વિભાવ, અનુભાવ આ સંચારી ભાવક સંગ સ્થાયી ભાવક ઉદ્બોધન — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ. કરુણ રસક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગુ હોઇત અછિ।

११७. (D) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। श्रद्धांगार रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

११८. (C) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि।
वीर रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

११९. (B) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। हास्य रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૧૨૦. (A) વિભાવ, અનુભાવ આ સંચારી ભાવક સંગ સ્થાયી ભાવક ઉદ્બોધન — એહિ વિકલ્પમે વિષયક અર્થ, કૃતિક પાઠ આ આલોચનાત્મક વિવેક ત્રીનૂ એક સંગ જડૈત અછિ। રસાસ્વાદક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગૂ હોડત અછિ।

૨૨૧. (D) રસકેં રસ-નિર્માણક આવશ્યક ઘટક રૂપમે બુદ્ધિ — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ. રસક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગ હોડત અછિ।

१२२. (C) स्थायी भावकै रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। स्थायी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१२३. (B) विभावर्क रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तँ ई सही अछि। विभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

११४. (A) अनुभावकेँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। अनुभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१२५. (D) संचारी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। संचारी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૧૨૬. (C) વ્યક્તિગત દુઃખ-સુખક કલાત્મક સામાન્યીકરણ — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ। કરુણ રસક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગુ હોઇત અછિ।

११७. (B) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि।
श्रृङ्गार रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१२८. (A) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। वीर रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१२९. (D) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। हास्य रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

१५०. (C) कृति पढ़ैत काल मनमे उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। रसास्वादक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१५१. (B) रसकँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१५२. (A) स्थायी भावकँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। स्थायी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१५३. (D) विभावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। विभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१५४. (C) अनुभावकै रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। अनुभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१५५. (B) संचारी भावकँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। संचारी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૧૫૬. (A) વિભાવ, અનુભાવ આ સંચારી ભાવક સંગ સ્થાયી ભાવક ઉદ્બોધન — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ. કરુણ રસક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગુ હોઇત અછિ।

१५७. (D) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन — आलोचनानामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। शृङ्गार रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१५८. (C) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि।
वीर रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१५९. (B) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। हास्य रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१६०. (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। रसास्वादक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

૧૬૧. (D) રસકેં રસ-નિર્માણક આવશ્યક ઘટક રૂપમે બુદ્ધિ — સહી ઉત્તર ઓ અછિ જે કેવલ નામ-સૂચી નહિ, અપિતુ સાહિત્યક રૂપ, ભાવ આ સંદર્ભક પરીક્ષણ કરૈત અછિ। રસક પ્રસંગમે ઈં બાત વિશેષ લાગૂ હોઇત અછિ।

१६२. (C) स्थायी भावकै रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। स्थायी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१६३. (B) विभावकँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तँ ई सही अछि। विभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

१६४. (A) अनुभावकै रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। अनुभावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१६५. (D) संचारी भावकँ रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमे बुझब — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। संचारी भावक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१६६. (C) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। करुण रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१६७. (B) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण — आलोचनानामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। श्रृङ्गार रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

१६८. (A) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकेँ जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तँ ई सही अछि। वीर रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

१६९. (D) व्यक्तिगत दुख-सुखक कलात्मक सामान्यीकरण — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। हास्य रसक प्रसंगमे ई बात विशेष लाग होइत अछि।

- १९०. (C) कृति पढ़ते काल मनमें उठल गहिर सौन्दर्य-अनुभव** — एहि विकल्पमें विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनों एक संग जुड़ैत अछि। रसास्वादक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९१. (B) रसकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमें बुझब** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। रसक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९२. (A) स्थायी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमें बुझब** — आलोचनामें प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। स्थायी भावक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९३. (D) विभावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमें बुझब** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। विभावक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९४. (C) अनुभावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमें बुझब** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमें भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। अनुभावक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९५. (B) संचारी भावकें रस-निर्माणक आवश्यक घटक रूपमें बुझब** — एहि विकल्पमें विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनों एक संग जुड़ैत अछि। संचारी भावक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९६. (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। करुण रसक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९७. (D) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन** — आलोचनामें प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। शृङ्गार रसक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९८. (C) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। वीर रसक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- १९९. (B) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमें भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। हास्य रसक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २००. (A) विभाव, अनुभाव आ संचारी भावक संग स्थायी भावक उद्बोधन** — एहि विकल्पमें विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनों एक संग जुड़ैत अछि। रसास्वादक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०१. (C) ध्वनिक माध्यमकें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — आलोचनामें प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। ध्वनिक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०२. (B) रीतिक माध्यमकें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। रीतिक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०३. (A) वक्रोक्तिक माध्यमकें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमें भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। वक्रोक्तिक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०४. (D) औचित्यक माध्यमकें काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — एहि विकल्पमें विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनों एक संग जुड़ैत अछि। औचित्यक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०५. (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। गुणक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०६. (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल** — आलोचनामें प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। शैलीक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०७. (A) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। लाक्षणिक अर्थक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०८. (D) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमें भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। व्यंजनाक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २०९. (C) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल** — एहि विकल्पमें विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनों एक संग जुड़ैत अछि। अर्थ-स्तरक प्रसंगमें ई बात विशेष लागू होइत अछि।

[illegible]

- २९०. (B) विषय, पात्र, भाषा आ प्रसंगक उचित मेल** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। प्रसंग-संगतिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९१. (A) ध्वनिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। ध्वनिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९२. (D) रीतिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। रीतिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९३. (C) वक्रोक्तिक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। वक्रोक्तिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९४. (B) औचित्यक माध्यमँ काव्यक अप्रत्यक्ष अर्थ वा शैलीगत प्रभाव बुझब** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। औचित्यक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९५. (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। गुणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९६. (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। शैलीक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९७. (C) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। लाक्षणिक अर्थक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९८. (B) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। व्यंजनाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- २९९. (A) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। अर्थ-स्तरक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३००. (D) सामान्य कथनमे अप्रत्याशित कलात्मक मोड़** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। प्रसंग-संगतिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०१. (B) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। अनुप्रासक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०२. (A) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। श्लेषक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०३. (D) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। उपमाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०४. (C) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। रूपकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०५. (B) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। उत्प्रेक्षाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०६. (A) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। अतिशयोक्तिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०७. (D) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। छन्दक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०८. (C) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। लयक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३०९. (B) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। बिम्बक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

- ३९०. (A) भावकें लय, ध्वनि आ रूपक सहारे तीक्ष्ण बनायब** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। प्रतीकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९१. (D) अनुप्रास द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। अनुप्रासक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९२. (C) श्लेष द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। श्लेषक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९३. (B) उपमा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। उपमाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९४. (A) रूपक द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। रूपकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९५. (D) उत्प्रेक्षा द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। उत्प्रेक्षाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९६. (C) अतिशयोक्ति द्वारा भाषा आ अर्थमे सौन्दर्य-वृद्धि बुझब** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। अतिशयोक्तिक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९७. (B) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। छन्दक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९८. (A) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। लयक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ३९९. (D) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। बिम्बक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४००. (C) भाषाक संगीत, अर्थ आ चित्रात्मकताक कलात्मक साधन** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। प्रतीकक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०१. (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०२. (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। साहित्येतिहासक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०३. (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। पत्रिकाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०४. (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। नवजागरणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०५. (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। पाठ-समीक्षाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०६. (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। ग्रन्थ-सम्पादनक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०७. (C) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। भाषा-मानकीकरणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०८. (B) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यिक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। साहित्यिक बहसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४०९. (A) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। कृति-परिचयक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।

- ४९०. (D) कृति, भाषा, इतिहास आ समाजकें जोड़ि विवेचना** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। मूल्यांकनक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९१. (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। मैथिली आलोचनाक आरम्भक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९२. (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। साहित्येतिहासक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९३. (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। पत्रिकाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९४. (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। नवजागरणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९५. (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। पाठ-समीक्षाक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९६. (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — काव्य वा गद्यक मूल्यांकनमे भावुकता मात्र नहि, पाठ-आधारित विवेचना चाही। ग्रन्थ-सम्पादनक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९७. (A) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — एहि विकल्पमे विषयक अर्थ, कृतिक पाठ आ आलोचनात्मक विवेक तीनू एक संग जुड़ैत अछि। भाषा-मानकीकरणक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९८. (D) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — सही उत्तर ओ अछि जे केवल नाम-सूची नहि, अपितु साहित्यक रूप, भाव आ संदर्भक परीक्षण करैत अछि। साहित्यिक बहसक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ४९९. (C) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — आलोचनामे प्रमाण, पाठ आ तर्कक मेल जरूरी अछि; एहि कारण ई विकल्प उपयुक्त अछि। कृति-परिचयक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।
- ५००. (B) मैथिली साहित्यक प्रमाण, काल आ प्रवृत्ति पर विचार** — ई उत्तर साहित्यिक सिद्धांतकें जीवित कृति-पाठसँ जोड़ैत अछि, तें ई सही अछि। मूल्यांकनक प्रसंगमे ई बात विशेष लागू होइत अछि।